खण्ड–511, अंक–04
मंगलवार, 29 माघ, शक संवत् 1941
(18 फरवरी, 2020 ई0)

उत्तर प्रदेश विधान सभा

की

कार्यवाही

-: 0 :-

(अधिकृत विवरण)

(सत्रहवीं विधान सभा, प्रथम सत्र, वर्ष 2020)

(खण्ड 511 में 10 अंक हैं)
उत्तर प्रदेश विधान सभा सचिवालय (कार्यवाही अनुभाग) द्वारा प्रकाशित

मुद्रक :
निदेशक, राजकीय मुद्रण एवं लेखन सामग्री, उत्तर प्रदेश, लखनऊ (भारत)
2020

मूल्य : बिना महसूल 16.75 रुपये, महसूल सहित 21.00 रुपये।
वार्षिक चन्दा : बिना महसूल 586.25 रुपये, महसूल सहित 724.25 रुपये।

विषय-सूची

विषय	पृष्ठ-संख्या
उपस्थित सदस्य	1-6
पीठ द्वारा वित्तीय वर्ष 2020-2021 के आय-व्ययक सम्बन्धी साहित्य की सूचना	7-38
वित्तीय वर्ष 2020-2021 के आय-व्ययक का प्रस्तुतिकरण	39
औचित्य के प्रश्न की सूचना	39
विधान सभा के उपवेशन के मध्य लन्च ब्रेक का समय निर्धारित किये जाने विषयक औचित्य का प्रश्न	39-40
बजट भाषण में पृष्ठ संख्या-01 पर हुई त्रुटि के संशोधन हेतु पीठ से अनुरोध	40
विधान सभा की कैंटीन की खराब स्थिति के सम्बन्ध में पूर्व के औचित्य के प्रश्न के साथ विभागीय बजट के प्रस्तुतिकरण पर विभागीय मंत्रियों द्वारा खान-पान एवं उपहार दिये जाने के सम्बन्ध में	40-41
मा0 मुख्य मंत्री द्वारा वित्त मंत्री एवं उनकी पूरी टीम को शानदार बजट की प्रस्तुति हेतु धन्यवाद	41-43
नियम-301 के अन्तर्गत सूचनायें	43-45
जनपद चन्दौली के विधान सभा क्षेत्र सकलडीहा के टिमिलपुर ग्राम में स्थापित पानी की टंकी द्वारा पीने के पानी की सप्लाई सुनिश्चित कराये जाने के सम्बन्ध में नियम-301 के अन्तर्गत सूचना	45-46
जनपद कुशीनगर में ट्रामा सेंटर का निर्माण एवं संचालन कराये जाने के सम्बन्ध में नियम-301 के अन्तर्गत सूचना	46
जनपद वाराणसी के विधान सभा क्षेत्र अजगरा के अन्तर्गत बाबतपुर एयरपोर्ट रोड आर0टी0ओ0 आफिस रमई पट्टी ग्राम सभा तक जर्जर रोड की मरम्मत कराये जाने के सम्बन्ध में नियम-301 के अन्तर्गत सूचना ...	46-47
जनपद बुलन्दशहर के विधान सभा क्षेत्र डिबाई के अन्तर्गत बक्सरा से सोरला तक मार्ग का निर्माण कराये जाने के सम्बन्ध में नियम-301 के अन्तर्गत सूचना	47
जनपद शाहजहांपुर के विधान सभा क्षेत्र कटरा स्थित बस स्टैंड का पुनर्निर्माण कराये जाने के सम्बन्ध में नियम-301 के अन्तर्गत सूचना... ...	47
जनपद बस्ती के विधान सभा क्षेत्र कप्तानगंज के अन्तर्गत कतिपय मार्गों का निर्माण कराये जाने के सम्बन्ध में नियम-301 के अन्तर्गत सूचना ...	48
जनपद बुलन्दशहर के विधान सभा क्षेत्र सिकन्द्राबाद के अन्तर्गत नगर पंचायत ककोढ़ का सीमा विस्तार कराये जाने के सम्बन्ध में नियम-301 के अन्तर्गत सूचना	48

विषय	पृष्ठ-संख्या
जनपद अमरोहा के अन्तर्गत बारसाबाद में निर्माणाधीन बीज भण्डारण भवन में किये जा रहे भ्रष्टाचार की जांच कराये जाने के सम्बन्ध में नियम-301 के अन्तर्गत सूचना ...	49
जनपद मेरठ के विधान सभा क्षेत्र किठौर के अन्तर्गत ग्राम सेतकुआं में तालाब की चारदीवारी कराये जाने के सम्बन्ध में नियम-301 के अन्तर्गत सूचना	49
जनपद अयोध्या के विधान सभा क्षेत्र रूदौली के अन्तर्गत राजकीय नलकूपों की नालियों का पुनर्निर्माण बाराबंकी के स्थान पर जनपद अयोध्या से कराये जाने के सम्बन्ध में नियम-301 के अन्तर्गत सूचना	49-50
जनपद गाजीपुर के विधान सभा क्षेत्र सैदपुर के अन्तर्गत शीत गृह में खोवा मण्डी खुलवाये जाने के सम्बन्ध में नियम-301 के अन्तर्गत सूचना ...	50
जनपद पीलीभीत के अन्तर्गत ग्राम पचपेड़ा में 1800 एकड़ राज्य सरकार की भूमि में उद्योगों को लगवाये जाने के सम्बन्ध में नियम-301 के अन्तर्गत सूचना	50
जनपद सुल्तानपुर के विधान सभा क्षेत्र इसौली के अन्तर्गत देवरा व इसौली पारा से बल्दीराय सम्पर्क मार्ग का निर्माण कराये जाने के सम्बन्ध में नियम-301 के अन्तर्गत सूचना	51
जनपद जौनपुर के विधान सभा क्षेत्र बदलापुर में पालिटेक्निक खोले जाने के सम्बन्ध में नियम-301 के अन्तर्गत सूचना	51
जनपद रायबरेली के विधान सभा क्षेत्र ऊंचाहार के ग्राम धमधमा में इलाहाबाद-कानपुर रोड से आफसर वारिस के घर तक रोड निर्माण कराये जाने के सम्बन्ध में नियम-301 के अन्तर्गत सूचना... ...	51-52
जनपद उन्नाव के विधान सभा क्षेत्र पुरवा के अन्तर्गत विकास खण्ड हिलौली में नहर पुल से रामदास खेड़ा तक मार्ग का निर्माण कराये जाने के सम्बन्ध में नियम-301 के अन्तर्गत सूचना	52
जनपद अम्बेडकरनगर के विधान सभा क्षेत्र अकबरपुर के विकास खण्ड अकबरपुर के अन्तर्गत सम्पर्क मार्ग का निर्माण कराये जाने के सम्बन्ध में नियम-301 के अन्तर्गत सूचना	52-53
जनपद बलरामपुर के विधान सभा क्षेत्र बलरामपुर सदर में एम0एस0डी0पी0 योजनान्तर्गत पाइप लाइन बजट आवंटन के उपरान्त भी शुरू न होने से उत्पन्न स्थिति के सम्बन्ध में नियम-301 के अन्तर्गत सूचना ...	53
जनपद मुजफ्फरनगर के विधान सभा क्षेत्र पुरकाजी के अन्तर्गत नालों को अन्डर ग्राउन्ड किये जाने के सम्बन्ध में नियम-301 के अन्तर्गत सूचना...	53

विषय	पृष्ठ-संख्या
जनपद बरेली के तहसील मीरगंज के अन्तर्गत कतिपय गांवों में शुद्ध पेयजल पाइप लाइन से उपलब्ध कराये जाने के सम्बन्ध में नियम-301 के अन्तर्गत सूचना	54
जनपद लखनऊ के विधान सभा क्षेत्र मलिहाबाद के अन्तर्गत विकास खण्ड माल को नगर पंचायत बनाने एवं शहरी सुविधाएं उपलब्ध कराये जाने के सम्बन्ध में नियम-301 के अन्तर्गत सूचना	54
जनपद गाजीपुर के विधान सभा क्षेत्र जंगीपुर के अन्तर्गत कालूपुर से युवराजपुर तक रोड का चौड़ीकरण कराये जाने के सम्बन्ध में नियम-301 के अन्तर्गत सूचना	55
जनपद महाराजगंज में भारत-नेपाल सीमा पर चिकित्सीय जांच एवं सुविधाएं उपलब्ध कराये जाने के सम्बन्ध में नियम-301 के अन्तर्गत सूचना ...	55
जनपद आजमगढ़ के विधान सभा क्षेत्र लालगंज के अन्तर्गत विकास खण्ड पल्हना में पुलिस चौकी एवं अग्नि शमन केन्द्र का निर्माण कराये जाने के सम्बन्ध में नियम-301 के अन्तर्गत सूचना	55-56
श्री लाल जी वर्मा, सदस्य, विधान सभा की जनपद अम्बेडकरनगर से सम्बन्धित 05 याचिकायें (उपस्थित की गईं)	56-57
श्री काली प्रसाद सदस्य, विधान सभा की जनपद देवरिया से सम्बन्धित 06 याचिकायें (उपस्थित की गईं)	57
श्री रोशन लाल वर्मा, सदस्य, विधान सभा की जनपद शाहजहांपुर से सम्बन्धित 05 याचिकायें (व्यपगत)	58
डा0 जमुना प्रसाद सरोज, सदस्य, विधान सभा की जनपद प्रयागराज से सम्बन्धित 01 याचिका (उपस्थित की गयी)	58
श्री सुरेश राही, सदस्य, विधान सभा की जनपद सीतापुर नगर से सम्बन्धित 01 याचिका (व्यपगत)	59
श्री सुनील कुमार शर्मा, सदस्य, विधान सभा की जनपद गाजियाबाद नगर से सम्बन्धित 01 याचिका (उपस्थित की गई)	59
श्री मनोज कुमार पाण्डेय, सदस्य, विधान सभा की जनपद लखनऊ से सम्बन्धित 01 एवं रायबरेली से सम्बन्धित 02 याचिकाएं (उपस्थित की गईं)	59
श्री मुकेश चन्द्र वर्मा, सदस्य, विधान सभा की जनपद फिरोजाबाद से सम्बन्धित 02 याचिकायें (उपस्थित की गईं)	59

विषय	पृष्ठ-संख्या
श्री राम अचल राजभर, सदस्य, विधान सभा की जनपद अम्बेडकरनगर से सम्बन्धित 02 याचिकाएं (उपस्थित की गईं)	60
श्री राहुल प्रकाश, सदस्य, विधान सभा की जनपद मिर्जापुर से सम्बन्धित 02 याचिकाएं (उपस्थित की गईं)	60
श्री बृजभूषण राजपूत उर्फ गुड्डू भइया, सदस्य, विधान सभा की जनपद महोबा से सम्बन्धित 02 याचिकाएं (व्यपगत)	60
श्री पूरन प्रकाश, सदस्य, विधान सभा की जनपद मथुरा से सम्बन्धित 06 याचिकाएं (उपस्थित की गईं)	61
श्री लाल बहादुर, सदस्य, विधान सभा की जनपद कौशाम्बी से सम्बन्धित 02 याचिकाएं (उपस्थित की गईं)	61-62
श्री प्रभात कुमार वर्मा, सदस्य, विधान सभा की जनपद गोण्डा से सम्बन्धित 03 याचिकाएं (उपस्थित की गईं)	62
प्रिन्स वीर विक्रम सिंह, सदस्य, विधान सभा की जनपद शाहजहांपुर से सम्बन्धित 03 याचिकाएं (व्यपगत)	62-63
श्री रजनीकान्त मणि त्रिपाठी, सदस्य, विधान सभा की जनपद कुशीनगर से सम्बन्धित 01 याचिका (उपस्थित की गई)	63
श्री राज्यपाल के अभिभाषण पर चर्चा एवं नेता विरोधी दल द्वारा एक पक्ष एवं विपक्ष के क्रम में चर्चा कराये जाने की मांग (जारी)	63-119
कार्य-मंत्रणा समिति द्वारा सदन के कार्यक्रम निर्धारण की सिफारिशें विषयक प्रस्ताव (स्वीकृत)	119-120
श्री धीरेन्द्र बहादुर सिंह, सदस्य, विधान सभा की जनपद रायबरेली से सम्बन्धित 01 याचिका (उपस्थित की गई)	120
कुं0 नरेन्द्र पाल सिंह, सदस्य, विधान सभा की जनपद जालौन से सम्बन्धित 01 याचिका (उपस्थित की गई)	120
श्री राज्यपाल के अभिभाषण पर चर्चा	120-158
नियम-51 के अन्तर्गत सूचनाएं	159-162
जनपद सीतापुर की तहसील महमूदाबाद में कतिपय मार्गों का चौड़ीकरण/उच्चीकरण कराये जाने के सम्बन्ध में श्री नरेन्द्र सिंह वर्मा द्वारा नियम-51 के अन्तर्गत दी गई सूचना पर लोक निर्माण मंत्री का वक्तव्य	162-163
जनपद बरेली की तहसील बहेड़ी के कतिपय बिन्दुओं पर शासन द्वारा जांच कराये जाने के सम्बन्ध में श्री छत्रपाल सिंह गंगवार द्वारा नियम-51 के अन्तर्गत दी गई सूचना पर मुख्य मंत्री का वक्तव्य	164

विषय	पृष्ठ-संख्या
प्रदेश के सभी जनपदों में खनन माफियाओं की मिलीभगत से की जा रही अनियमितताओं की जांच कराये जाने के सम्बन्ध में श्री मौहम्मद असलम ''राइनी'' (एडवोकेट) द्वारा नियम-51 के अन्तर्गत दी गई सूचना पर मुख्य मंत्री का वक्तव्य	164-169
जनपद सहारनपुर के अन्तर्गत नगर निगम के कतिपय खसरा नम्बरों में कूड़ा डम्प किये जाने के सम्बन्ध में श्री संजय गर्ग द्वारा नियम-51 के अन्तर्गत दी गई सूचना पर नगर विकास मंत्री का वक्तव्य ...	169-170
जनपद अयोध्या के अन्तर्गत दिव्यांगजनों के दिव्यांग प्रमाण-पत्र जारी न किये जाने के सम्बन्ध में श्री राम चन्द्र यादव द्वारा नियम-51 के अन्तर्गत दी गई सूचना पर चिकित्सा एवं स्वास्थ्य मंत्री का वक्तव्य (स्थगित) ...	170
जनपद गोरखपुर के अन्तर्गत उपरिगामी सेतु का निर्माण कराये जाने के सम्बन्ध में डॉ0 राधा मोहन दास अग्रवाल द्वारा नियम-51 के अन्तर्गत दी गई सूचना पर लोक निर्माण मंत्री का केवल वक्तव्य ...	170-171
जनपद रायबरेली के ऊँचाहार में कतिपय सड़क की मरम्मत/नवनिर्माण कराये जाने के सम्बन्ध में श्री मनोज कुमार पाण्डेय द्वारा नियम-51 के अन्तर्गत दी गई सूचना पर लोक निर्माण मंत्री का केवल वक्तव्य	171-172
डा0 राम मनोहर लोहिया संस्थान, गोमती नगर द्वारा एम0सी0आई0 के नियमानुसार कतिपय पदों पर नियुक्ति कराये जाने के सम्बन्ध में श्री रवि कुमार सोनकर द्वारा नियम-51 के अन्तर्गत दी गई सूचना पर चिकित्सा शिक्षा मंत्री का केवल वक्तव्य	172-173
जनपद फिरोजाबाद के अन्तर्गत पेयजल की समुचित व्यवस्था हेतु नारखी ग्राम समूह पाइप पेयजल योजना का प्रारम्भ सुनिश्चित कराये जाने के सम्बन्ध में श्री मनीष असीजा द्वारा नियम-51 के अन्तर्गत दी गई सूचना पर जल शक्ति मंत्री का केवल वक्तव्य	173
जनपद जौनपुर के थाना सुजानगंज के अन्तर्गत ग्राम सभा तुन्दहा निवासिनी बालिका को अगवा किये जाने के सम्बन्ध में श्रीमती सुषमा पटेल द्वारा नियम-51 के अन्तर्गत दी गई सूचना पर मुख्य मंत्री का केवल वक्तव्य	174-176

उत्तर प्रदेश विधान सभा

सत्रहवीं विधान सभा

मंगलवार, दिनांक 18 फरवरी, 2020 ई0

(विधान सभा की बैठक सभा मण्डप, लखनऊ में दिन के 11:00 बजे अध्यक्ष श्री हृदय नारायण दीक्षित की अध्यक्षता में आरम्भ हुई।)

उपस्थित सदस्य-351

1. अगयश राम सरन वर्मा, श्री — पीलीभीत
2. अजय कुमार, डॉ0 — इलाहाबाद
3. अजय कुमार लल्लू, श्री — कुशीनगर
4. अजय कुमार सिंह ''अजय सिंह'', श्री — बस्ती
5. अजीत पाल त्यागी, श्री — गाजियाबाद
6. अजीत सिंह पाल, श्री — कानपुर देहात
7. अतुल गर्ग, श्री — गाजियाबाद
8. अदिति सिंह, सुश्री — रायबरेली
9. अनिल कुमार दोहरे, श्री — कन्नौज
10. अनिल पाराशर, श्री — अलीगढ़
11. अनिल राजभर, श्री — वाराणसी
12. अनिल सिंह, श्री — उन्नाव
13. अनीता, श्रीमती — अम्बेडकर नगर
14. अनीता लोधी राजपूत, डॉ0 — बुलन्दशहर
15. अनुराग सिंह, श्री — मिर्जापुर
16. अनूप प्रधान, श्री — अलीगढ़
17. अबरार अहमद, श्री — सुल्तानपुर
18. अभय कुमार उर्फ धीरज ओझा, श्री — प्रतापगढ़
19. अभिजीत सिंह सांगा, श्री — कानपुर नगर
20. अमन मणि त्रिपाठी, श्री — महाराजगंज
21. अमर सिंह, श्री — फर्रुखाबाद
22. अमर सिंह चौधरी, श्री — सिद्धार्थनगर
23. अमिताभ बाजपेई, श्री — कानपुर नगर
24. अम्बरीश सिंह पुष्कर एडवोकेट, श्री — लखनऊ
25. अरूण कुमार, डॉ0 — बरेली
26. अरूण कुमार यादव, श्री — आजमगढ़
27. अर्चना पाण्डेय, श्रीमती — कन्नौज
28. अलका राय, श्रीमती — गाजीपुर
29. अवधेश सिंह, प्रो0 (डा0) — वाराणसी
30. अवस्थी बाला प्रसाद, श्री — खीरी
31. अविनाश त्रिवेदी, श्री — लखनऊ
32. असलम अली, श्री — हापुड़
33. आजाद अरिमर्दन, श्री — आजमगढ़
34. आनन्द स्वरूप शुक्ल, श्री — बलिया
35. आनन्द शुक्ला, श्री — चित्रकूट
36. आर0 के0 वर्मा, डॉ0 — प्रतापगढ़
37. आराधना मिश्रा 'मोना', श्रीमती — प्रतापगढ़
38. आलमबदी, श्री — आजमगढ़
39. आशीष सिंह पटेल ''आशू'', श्री — हरदोई
40. आशुतोष उपाध्याय, श्री — देवरिया
41. आशुतोष टण्डन ''गोपाल जी'', श्री — लखनऊ
42. इकबाल महमूद, श्री — सम्भल
43. इकराम कुरैशी, हाजी — मुरादाबाद
44. इरफान सोलंकी, हाजी — कानपुर नगर
45. उदयभान सिंह, चौ0 — आगरा
46. उपेन्द्र तिवारी, श्री — बलिया
47. उमाशंकर सिंह, श्री — बलिया
48. उमेश मलिक, श्री — मुजफ्फरनगर
49. ओमकार सिंह, श्री — बदायूं
50. ओम प्रकाश राजभर, श्री — गाजीपुर

51. कपिल देव अग्रवाल, श्री — मुजफ्फरनगर
52. कमल रानी, श्रीमती — कानपुर नगर
53. कमल सिंह मलिक, श्री — हापुड़
54. कमलेश शुक्ल, श्री — देवरिया
55. करण सिंह पटेल, श्री — फतेहपुर
56. कल्पनाथ पासवान, श्री — आजमगढ़
57. कारिन्दा सिंह, श्री — मथुरा
58. काली प्रसाद, श्री — देवरिया
59. किरत सिंह, श्री — सहारनपुर
60. किशन लाल राजपूत, श्री — पीलीभीत
61. कुशाग्र सागर, श्री — बदायूं
62. कृष्णपाल मलिक, श्री — बागपत
63. कृष्णा पासवान, श्रीमती — फतेहपुर
64. केसर सिंह, श्री — बरेली
65. कैलाश नाथ शुक्ल, श्री — बलरामपुर
66. कैलाश नाथ सोनकर, श्री — वाराणसी
67. कैलाश सिंह राजपूत, श्री — कन्नौज
68. गंगा, श्री — कुशीनगर
69. गरिमा सिंह, श्रीमती — अमेठी
70. गिरीश चन्द्र यादव, श्री — जौनपुर
71. गुलाब देवी, श्रीमती — सम्भल
72. गौरव कुमार, श्री — बाराबंकी
73. गौरी शंकर, श्री — जालौन
74. चन्द्रपाल कुशवाहा, श्री — बांदा
75. चन्द्र प्रकाश उर्फ सीए चन्द्र प्रकाश शुक्ल, श्री — बस्ती
76. चन्द्रिका प्रसाद उपाध्याय, श्री — चित्रकूट
77. चेतन चौहान, श्री — अमरोहा
78. चेतराम, श्री — शाहजहांपुर
79. छत्रपाल सिंह गंगवार, श्री — बरेली
80. जगदीश सोनकर, श्री — जौनपुर
81. जटाशंकर त्रिपाठी, श्री — कुशीनगर
82. जमुना प्रसाद सरोज, डॉ0 — इलाहाबाद
83. जय कुमार सिंह (जैकी), श्री — फतेहपुर
84. जय देवी, श्रीमती — लखनऊ
85. जयप्रकाश निषाद, श्री — देवरिया
86. जय प्रताप सिंह, श्री — सिद्धार्थनगर
87. जयमंगल, श्री — महाराजगंज
88. जवाहर लाल राजपूत, श्री — झांसी
89. जितेन्द्र पाल सिंह उर्फ बिल्लू, श्री — मेरठ
90. जितेन्द्र वर्मा, श्री — आगरा
91. ज्ञान तिवारी, श्री — सीतापुर
92. ज्ञानेन्द्र, श्री — महाराजगंज
93. डी0 सी0 वर्मा, डॉ0 — बरेली
94. डेनजिल जे0 गोडिन, डा0 — नाम-निर्देशित
95. तसलीम अहमद, श्री — बिजनौर
96. तेजपाल सिंह नागर, श्री — गौतमबुद्ध नगर
97. तेजेन्द्र निर्वाल, श्री — शामली
98. त्रिवेणी राम, श्री — गाजीपुर
99. दयाराम चौधरी, श्री — बस्ती
100. दल बहादुर, श्री — रायबरेली
101. दलवीर सिंह, श्री — अलीगढ़
102. दारा सिंह चौहान, श्री — मऊ
103. दिग्विजय नारायण उर्फ जय चौबे, श्री — सन्तकबीर नगर
104. दिनेश खटीक, श्री — मेरठ
105. दिनेश चौधरी, श्री — जौनपुर
106. दीनानाथ भाष्कर, श्री — भदोही
107. दुर्गा प्रसाद यादव, श्री — आजमगढ़
108. देवमणि द्विवेदी, श्री — सुल्तानपुर
109. देवेन्द्र कुमार निम, श्री — सहारनपुर
110. देवेन्द्र प्रताप सिंह, श्री — कासगंज
111. देवेन्द्र सिंह लोधी एडवोकेट, श्री — बुलन्दशहर
112. धनन्जय कन्नौजिया, श्री — बलिया
113. धर्मपाल सिंह, श्री — बरेली
114. धर्मराज सिंह यादव उर्फ सुरेश यादव, श्री — बाराबंकी
115. धर्म सिंह सैनी, डॉ0 — सहारनपुर

116. धर्मेन्द्र कुमार सिंह शाक्य ''पप्पू भइया'', श्री बदायूं
117. धीरेन्द्र बहादुर सिंह, श्री रायबरेली
118. धीरेन्द्र सिंह, श्री गौतमबुद्ध नगर
119. नईम उल हसन, श्री बिजनौर
120. नन्द किशोर गुर्जर, श्री गाजियाबाद
121. नन्द गोपाल गुप्ता 'नन्दी', श्री इलाहाबाद
122. नफीस अहमद, श्री आजमगढ़
123. नरेन्द्र पाल सिंह, कुँ0 जालौन
124. नरेन्द्र सिंह वर्मा, श्री सीतापुर
125. नरेश सैनी, श्री सहारनपुर
126. नवाब जान, श्री मुरादाबाद
127. नसीर अहमद खाँ श्री रामपुर
128. नागेन्द्र सिंह राठौर, श्री फर्रुखाबाद
129. नाहिद हसन, श्री शामली
130. नितिन अग्रवाल, श्री हरदोई
131. निर्मला संखवार, श्रीमती कानपुर देहात
132. नीरज बोरा, डॉ0 लखनऊ
133. नीलकण्ठ तिवारी, डॉ0 वाराणसी
134. नील रतन सिंह पटेल 'नीलू', श्री वाराणसी
135. पंकज गुप्ता, श्री उन्नाव
136. पंकज सिंह, श्री गौतमबुद्ध नगर
137. पक्षालिका सिंह, रानी आगरा
138. पवन कुमार उर्फ पवन केडिया, श्री कुशीनगर
139. पल्टूराम, श्री बलरामपुर
140. पारसनाथ यादव, श्री जौनपुर
141. पुरुषोत्तम खण्डेलवाल, श्री आगरा
142. पूरन प्रकाश, श्री मथुरा
143. प्रतिभा शुक्ला, श्रीमती कानपुर देहात
144. प्रतीक भूषण सिंह, श्री गोण्डा
145. प्रभात कुमार वर्मा, श्री गोण्डा
146. प्रभाष कुमार, श्री हरदोई
147. प्रभुनारायण सिंह यादव, श्री चन्दौली
148. प्रमोद उटवाल, श्री मुजफ्फरनगर
149. प्रवीण कुमार सिंह, श्री इलाहाबाद
150. प्रेम नारायण पाण्डेय, श्री गोण्डा
151. प्रेमसागर पटेल, श्री महाराजगंज
152. फतेह बहादुर, श्री गोरखपुर
153. बजरंग बहादुर सिंह, श्री महाराजगंज
154. बन्दना सिंह, श्रीमती आजमगढ़
155. बल्देव सिंह औलख, श्री रामपुर
156. बहोरन लाल मौर्य, श्री बरेली
157. बाबा गोरखनाथ, श्री फैजाबाद
158. बावन सिंह, श्री गोण्डा
159. बिमला सिंह सोलंकी, श्रीमती बुलन्दशहर
160. बिहारीलाल आर्य, श्री झांसी
161. बीरेन्द्र सिंह राणा, श्री हाथरस
162. बृजभूषण राजपूत उर्फ गुड्डू भइया, श्री महोबा
163. बृजेश कठेरिया, इंजी0 मैनपुरी
164. बृजेश कुमार, श्री उन्नाव
165. बृजेश कुमार प्रजापति, श्री बांदा
166. बैजनाथ रावत, श्री बाराबंकी
167. ब्रजेश पाठक, श्री लखनऊ
168. ब्रिजेश, श्री सहारनपुर
169. भगवती प्रसाद सागर, श्री कानपुर नगर
170. भूपेश चौबे, श्री सोनभद्र
171. मंजू त्यागी, श्रीमती खीरी
172. मनीषा अनुरागी, श्रीमती हमीरपुर
173. मनोज कुमार पाण्डेय, श्री रायबरेली
174. मनोज कुमार पारस, श्री बिजनौर
175. मनोहर लाल, श्री ललितपुर
176. मन्जू शिवाच, डॉ0 गाजियाबाद
177. ममतेश शाक्य, श्री कासगंज
178. मयंकेश्वर शरण सिंह, श्री रायबरेली
179. मसूद अख्तर, श्री सहारनपुर
180. महबूब अली, श्री अमरोहा
181. महेन्द्र पाल सिंह, श्री गोरखपुर

182. महेन्द्र प्रताप सिंह, श्री सीतापुर
183. महेन्द्र सिंह खडगवंशी, श्री अमरोहा
184. महेश कुमार गोयल, श्री आगरा
185. महेश त्रिवेदी, श्री कानपुर नगर
186. महेश चन्द्र गुप्ता, श्री बदायूं
187. माधवेन्द्र प्रताप, कुंवर हरदोई
188. माधुरी वर्मा, श्रीमती बहराइच
189. मुकुट बिहारी, श्री बहराइच
190. मुकेश चन्द्र वर्मा, श्री फिरोजाबाद
191. मूलचन्द्र सिंह, श्री जालौन
192. मो0 मुजतबा सिद्दीकी, श्री इलाहाबाद
193. मोहम्मद असलम ''राइनी'' (एडवोकेट), श्री श्रावस्ती
194. मोहम्मद रिजवान, श्री मुरादाबाद
195. मो0 फईम इरफान, श्री मुरादाबाद
196. योगेन्द्र उपाध्याय, श्री आगरा
197. योगेश धामा, श्री बागपत
198. योगेश वर्मा, श्री खीरी
199. रघुराज प्रताप सिंह, श्री प्रतापगढ़
200. रजनी तिवारी, श्रीमती हरदोई
201. रणवेन्द्र प्रताप सिंह उर्फ धुन्नी भइया, श्री फतेहपुर
202. रत्नाकर मिश्र, श्री मिर्जापुर
203. रफीक अन्सारी, श्री मेरठ
204. रमापति शास्त्री, श्री गोण्डा
205. रमाशंकर सिंह, श्री मिर्जापुर
206. रमेश चन्द्र दिवाकर, श्री औरैया
207. रमेश चन्द्र मिश्र, श्री जौनपुर
208. रवि कुमार सोनकर, श्री बस्ती
209. रविन्द्र नाथ त्रिपाठी, श्री भदोही
210. रवि शर्मा, श्री झांसी
211. रवेन्द्रपाल सिंह, श्री अलीगढ़
212. राकेश प्रताप सिंह, श्री अमेठी
213. राकेश राठौर, श्री सीतापुर
214. राकेश सिंह, श्री रायबरेली
215. राकेश सिंह बघेल, श्री सन्तकबीर नगर
216. राजकुमार अग्रवाल, श्री हरदोई
217. राजकुमार उर्फ राजू यादव, श्री मैनपुरी
218. राजकुमार पाल, श्री प्रतापगढ़
219. राजकुमार सहयोगी, श्री अलीगढ़
220. राजबाला, श्रीमती रामपुर
221. राजमणि कोल, श्री इलाहाबाद
222. राजीव तरारा, श्री अमरोहा
223. राजीव कुमार सिंह उर्फ बब्बू भईया, श्री बदायूं
224. राजीव सिंह ''पारीछा'', श्री झांसी
225. राजेन्द्र प्रताप सिंह उर्फ मोती, श्री प्रतापगढ़
226. राजेश कुमार मिश्रा उर्फ पप्पू भरतौल, श्री बरेली
227. राजेश कुमार सिंह (चुन्नू), श्री मुरादाबाद
228. राजेश गौतम, श्री सुल्तानपुर
229. राधा कृष्ण शर्मा, पं0 बदायूं
230. राम अचल राजभर, श्री अम्बेडकर नगर
231. राम कृष्ण भार्गव, श्री सीतापुर
232. राम गोविन्द चौधरी, श्री बलिया
233. राम चन्द्र यादव, श्री फैजाबाद
234. राम नरेश अग्निहोत्री, श्री मैनपुरी
235. राम नरेश रावत, श्री रायबरेली
236. रामपाल वर्मा, श्री हरदोई
237. राम प्रताप सिंह, श्री आगरा
238. राम प्रताप उर्फ शशिकांत वर्मा, श्री बलरामपुर
239. राम फेरन पाण्डेय, श्री श्रावस्ती
240. रामरतन कुशवाहा, श्री ललितपुर
241. रामवीर उपाध्याय, श्री हाथरस
242. रामानन्द बौद्ध, श्री कुशीनगर
243. राहुल प्रकाश, श्री मिर्जापुर
244. रितेश कुमार गुप्ता, श्री मुरादाबाद

245. लक्ष्मी नारायण, श्री मथुरा
246. लाखन सिंह, श्री औरैया
247. लाल बहादुर, श्री कौशाम्बी
248. लीना तिवारी, श्रीमती जौनपुर
249. लोकेन्द्र प्रताप सिंह, श्री खीरी
250. विकास गुप्ता, श्री फतेहपुर
251. विक्रम सिंह, श्री फतेहपुर
252. विक्रमाजीत मौर्य, श्री इलाहाबाद
253. विजय कुमार कश्यप, श्री मुजफ्फरनगर
254. विजय कुमार राजभर, श्री मऊ
255. विजय पाल (आढती), श्री हापुड़
256. विजय मिश्र, श्री भदोही
257. विजेन्द्र सिंह, श्री बुलन्दशहर
258. विनय कुमार द्विवेदी, श्री गोण्डा
259. विनय शंकर तिवारी, श्री गोरखपुर
260. विनोद सरोज, श्री प्रतापगढ़
261. विनोद कुमार कटियार, श्री कानपुर देहात
262. विपिन कुमार 'डेविड', श्री एटा
263. विपिन सिंह, श्री गोरखपुर
264. विमलेश पासवान, डा0 गोरखपुर
265. विरेन्द्र कुमार यादव, श्री गाजीपुर
266. वीर विक्रम सिंह, प्रिंस शाहजहांपुर
267. वीरेन्द्र, श्री एटा
268. वेद प्रकाश गुप्ता, श्री फैजाबाद
269. शरद कुमार अवस्थी, श्री बाराबंकी
270. शरदवीर सिंह, श्री शाहजहांपुर
271. शशांक वर्मा, श्री खीरी
272. शशांक त्रिवेदी, श्री सीतापुर
273. शारदा प्रसाद, श्री चन्दौली
274. शाह आलम उर्फ गुड्डू जमाली, श्री आजमगढ़
275. शीतल पाण्डेय, श्री गोरखपुर
276. शीतला प्रसाद, ''पप्पू पटेल'' श्री कौशाम्बी
277. शुचिस्मिता मौर्या, श्रीमती मिर्जापुर
278. शैलेन्द्र यादव ललई, श्री जौनपुर
279. शैलेश कुमार सिंह ''शैलू'', श्री बलरामपुर
280. श्याम धनी, श्री सिद्धार्थनगर
281. श्याम प्रकाश, श्री हरदोई
282. श्याम बिहारी लाल, डॉ0 बरेली
283. श्याम सुन्दर शर्मा, श्री मथुरा
284. श्रीकान्त शर्मा, श्री मथुरा
285. श्रीराम चौहान, श्री सन्तकबीर नगर
286. श्रीराम सोनकर, श्री मऊ
287. संग्राम यादव, डॉ0 आजमगढ़
288. संगीता बलवन्त, डा0 गाजीपुर
289. संगीता यादव, श्रीमती गोरखपुर
290. संजय, श्री बुलन्दशहर
291. संजय गर्ग, श्री सहारनपुर
292. संजय प्रताप जायसवाल, श्री बस्ती
293. संजय यादव, श्री बलिया
294. संजय सिंह गंगवार, श्री पीलीभीत
295. संजीव कुमार, श्री सोनभद्र
296. संजीव कुमार दिवाकर, श्री एटा
297. संजीव राजा, श्री अलीगढ़
298. संजू देवी, श्रीमती अम्बेडकर नगर
299. संदीप कुमार सिंह, श्री अलीगढ़
300. सतीश चन्द्र द्विवेदी, डॉ0 सिद्धार्थनगर
301. सतीश महाना, श्री कानपुर नगर
302. सत्यपाल सिंह राठौर, श्री कासगंज
303. सत्य प्रकाश अग्रवाल ''कैलाश डेरी वाले'', श्री मेरठ
304. सत्यवीर त्यागी, श्री मेरठ
305. सन्त प्रसाद, श्री गोरखपुर
306. सरोज सोनकर, श्रीमती बहराइच
307. सरिता भदौरिया, श्रीमती इटावा
308. सहेन्द्र सिंह चौहान, श्री बागपत
309. साकेन्द्र प्रताप वर्मा, श्री बाराबंकी
310. साधना सिंह, श्रीमती चन्दौली

311. सावित्री कठेरिया, श्रीमती — इटावा
312. सिद्धार्थ नाथ सिंह, श्री — इलाहाबाद
313. सीताराम वर्मा, श्री — सुल्तानपुर
314. सुखदेव राजभर, श्री — आजमगढ़
315. सुनीता, श्रीमती — गाजीपुर
316. सुनील कुमार शर्मा, श्री — गाजियाबाद
317. सुनील दत्त द्विवेदी, मेजर — फर्रुखाबाद
318. सुनील वर्मा, श्री — सीतापुर
319. सुभाष पासी, श्री — गाजीपुर
320. सुभाष राय, श्री — अम्बेडकर नगर
321. सुरेन्द्र नारायण सिंह, श्री — वाराणसी
322. सुरेन्द्र मैथानी, श्री — कानपुर नगर
323. सुरेश कुमार, श्री — शामली
324. सुरेश कुमार, श्री — अमेठी
325. सुरेश कुमार खन्ना, श्री — शाहजहांपुर
326. सुरेश कुमार श्रीवास्तव, श्री — लखनऊ
327. सुरेश तिवारी, श्री — देवरिया
328. सुरेश राही, श्री — सीतापुर
329. सुरेश्वर सिंह, श्री — बहराइच
330. सुशान्त सिंह, कुँ0 — बिजनौर
331. सुशील कुमार शाक्य, श्री — फर्रुखाबाद
332. सुशील सिंह, कुँ0 — चन्दौली
333. सुषमा पटेल, श्रीमती — जौनपुर
334. सूर्य प्रताप शाही, श्री — देवरिया
335. सूर्यभान सिंह, श्री — सुल्तानपुर
336. सोमेन्द्र तोमर, डॉ0 — मेरठ
337. सोवरन सिंह यादव, श्री — मैनपुरी
338. सोहिल अख्तर अंसारी, श्री — कानपुर नगर
339. सौरभ श्रीवास्तव, श्री — वाराणसी
340. स्वाती सिंह, श्रीमती — लखनऊ
341. स्वामी प्रसाद मौर्य, श्री — कुशीनगर
342. हरगोविन्द भार्गव, डॉ0 — सीतापुर
343. हरविन्दर कुमार साहनी उर्फ रोमी साहनी, श्री — खीरी
344. हरिओउम यादव, श्री — फिरोजाबाद
345. हरिशंकर माहौर, श्री — हाथरस
346. हरीराम, श्री — सोनभद्र
347. हरेन्द्र प्रसाद सिंह, डॉ0 — जौनपुर
348. हर्षवर्धन बाजपेयी, श्री — इलाहाबाद
349. हाकिम लाल बिन्द, श्री — इलाहाबाद
350. हेमलता दिवाकर कुशवाहा, श्रीमती — आगरा
351. हृदय नारायण दीक्षित, श्री — उन्नाव

नोट :- मा0 मुख्य मंत्री (श्री योगी आदित्यनाथ), उप मुख्य मंत्री (श्री केशव प्रसाद मौर्य) भी सदन में उपस्थित थे।

[11:00 बजे] पीठ द्वारा वित्तीय वर्ष 2020-2021 के आय-व्ययक सम्बन्धी साहित्य वितरण की सूचना

श्री अध्यक्ष-

मा0 सदस्यगण स्थान ग्रहण करें।

एक सूचना मैं दे दूं। आय-व्ययक वितरण के सम्बन्ध में सूचना 18 फरवरी, 2020, कुछ क्षणों बाद वित्तीय वर्ष 2020-21 का आय-व्ययक प्रस्तुत होगा। माननीय सदस्यों को वर्ष 2020-21 के आय-व्ययक सम्बन्धी साहित्य वितरित किये जाने की व्यवस्था इस प्रकार है-सत्ता पक्ष सभा कक्ष में समस्त महिला सदस्य तथा सहारनपुर, शामली, मुजफ्फरनगर, बिजनौर, मुरादाबाद, संभल, रामपुर, अमरोहा, मेरठ और बागपत, गाजियाबाद, हापुड़, गौतमबुद्धनगर, बुलन्दशहर, अलीगढ़, हाथरस, मथुरा, आगरा, फिरोजाबाद, कासगंज, एटा, मैनपुरी, बदायू, बरेली, पीलीभीत, शाहजहांपुर, खीरी, सीतापुर, हरदोई, उन्नाव, लखनऊ, रायबरेली, अमेठी, सुल्तानपुर, फर्रुखाबाद, कन्नौज, इटावा, औरय्या, कानपुर देहात और जिलों के समस्त सदस्यगण और इधर विपक्ष की जो लाबी है सभा कक्ष में नाम निर्देशित सदस्य और शेष अन्य जिलों के समस्त माननीय सदस्यगण अपना साहित्य प्राप्त करने का कष्ट करें।

माननीय वित्त मंत्री जी।

(मेजों की थपथपाहट)

वित्त, संसदीय कार्य एवं चिकित्सा शिक्षा मंत्री (श्री सुरेश कुमार खन्ना)-

धन्यवाद अध्यक्ष जी। माननीय अध्यक्ष महोदय,

श्री अध्यक्ष-

प्रतियां वितरित कर दी जायं।

(प्रतियां वितरित की गयीं)

[11:01 बजे] वित्तीय वर्ष 2020-2021 के आय-व्ययक का प्रस्तुतीकरण

वित्त, संसदीय कार्य एवं चिकित्सा शिक्षा मंत्री (श्री सुरेश कुमार खन्ना)-

माननीय अध्यक्ष महोदय,

आपकी अनुमति से मैं वित्तीय वर्ष 2020-2021 का बजट प्रस्तुत करता हूं।

मान्यवर,

उत्तर प्रदेश भारतीय संस्कृति का बोध क्षेत्र है। गंगा यहां है, यमुना भी यहां है। ऋषियों की नदीतमा सरस्वती यहीं इसी भू क्षेत्र में प्रवाहित थीं। अब भले ही अदृश्य हों लेकिन हम सबके मानस में वे आज भी प्रवाहमान हैं। तीनों का संगम तीर्थराज प्रयागराज यहां है। यहीं 2019 में दुनिया के सबसे बड़े मेले कुम्भ का अभूतपूर्व आयोजन बहुत भव्यता के साथ किया गया।

फरवरी, 2019 में **उत्तर प्रदेश इन्वेस्टर्स समिट** का सफल आयोजन किया गया। किसानों की आय दुगना करने के उद्देश्य से **द मिलियन फार्मर्स स्कूल** कार्यक्रम आयोजित किया गया तथा **अन्तर्राष्ट्रीय धान संस्थान, फिलीपींस** की पहली शाखा वाराणसी में स्थापित हुई। इसी काशी से हमारे यशस्वी प्रधानमंत्री माननीय नरेन्द्र मोदी जी सांसद हैं। शुकदेव जी की कथा भूमि यहां हैं, श्री कृष्ण की रासभूमि, लीला भूमि भी यहीं है। श्री राम की पावनपुरी अयोध्या यहीं है, बुद्ध भूमि यहां है। इस प्रदेश में 9 प्रधानमंत्री देश को दिये हैं।

उत्तर प्रदेश दर्शन, दिग्दर्शन, अध्यात्म, पौरुष, पराक्रम, धर्म, अर्थ और कामना पुरुषार्थों की कर्मभूमि है। हम इससे प्यार करते हैं। यह भारतीय राष्ट्रवाद के विकास की यज्ञभूमि है। यह तत्व चिंतन व अर्थ चिंतन की भूमि है।

माननीय मुख्य मंत्री योगी आदित्यनाथ जी के कुशल नेतृत्व में उत्तर प्रदेश निरन्तर प्रगति की ओर तेजी से अग्रसर है। उत्तर प्रदेश के समग्र विकास की दृष्टि से योगी सरकार का यह बजट सामाजिक, आर्थिक परिवर्तन का हमारा अर्थ संकल्प है। आइए, सभी संकीर्णताएं त्याग कर हम सब राज्य का विकास करें और राष्ट्रीय विकास में सहभागी हों।

मान्यवर,

हमारा यह मानना है कि समाज के सर्वांगीण विकास के चार मुख्य स्तम्भ हैं-गुणवत्तापूर्ण, अवस्थापना सुविधाओं का विकास, युवाओं की शिक्षा एवं कौशल सम्वर्द्धन तथा उनके लिये रोजगार, किसानों की खुशहाली तथा सुदृढ़ कानून व्यवस्था एवं त्वरित न्याय। प्रस्तुत बजट में इन चार आयामों पर विशेष बल दिया गया है।

यहां मैं कहना चाहूंगा कि हमारी सरकार द्वारा प्रस्तुत **वर्ष 2017-2018 का बजट किसानों को समर्पित था तो वर्ष 2018-2019 के बजट में औद्योगिक विकास** को विशेष स्थान दिया गया था। **वर्ष 2019-2020 में महिलाओं के सशक्तिकरण** के माध्यम से समाज में उनके प्रति दृष्टिकोण में सकारात्मक परिवर्तन लाये जाने के लक्ष्य को प्रधानता प्रदान की गयी। **वर्ष 2020-2021 के लिये प्रस्तुत इस बजट को मैं प्रदेश के युवाओं की शिक्षा, कौशल सम्वर्द्धन रोजगार के साथ-साथ प्रदेश की जनता को मूलभूत अवस्थापना सुविधायें और त्वरित न्याय उपलब्ध कराये जाने के प्रति समर्पित करता हूं।**

मान्यवर,

आय-व्ययक अनुमानों का उल्लेख करने के साथ-साथ मैं वर्तमान सरकार के अब तक के कार्यकाल में महत्वपूर्ण और उल्लेखनीय उपलब्धियां और सरकार द्वारा प्रारम्भ की गयी प्रमुख योजनाओं और कार्यक्रमों का संक्षिप्त विहंगावलोकन इस सम्मानित सदन के समक्ष प्रस्तुत करना चाहूंगा।

वर्तमान सरकार ने जब प्रदेश की कमान सम्भाली, उस समय हमारे समक्ष अपार चुनौतियां थीं। प्रदेश किसानों की ऋणग्रस्तता, दंगों, सामाजिक तनावों, असुरक्षित महिलाओं, स्कूल जाति बेटियों के सम्मान से खिलवाड़ और अर्थव्यवस्था की बदहाली के दौर से गुजर रहा

था। इन चुनौतियों को टीम वर्क के साथ अवसरों में बदलने का कार्य हमारी सरकार ने किया। जाति, मत, मजहब से ऊपर उठकर गांव, गरीब, किसान, मजदूर को केन्द्रित कर योजनायें बनायी गयीं। प्रदेश में सुशासन और विकास को एक नया आयाम मिला है।

इस अवधि में हुये कार्यों से उत्तर प्रदेश के प्रति लोकदृष्टि में सकारात्मक बदलाव आया है। वर्तमान सरकार ने प्रदेश की 23 करोड़ जनता का विश्वास अर्जित किया है। पिछले तीन वर्षों में उत्तर प्रदेश को प्रत्येक क्षेत्र में एक नई पहचान मिली है।

प्रदेश ने अपने संसाधनों का सदुपयोग करते हुये विकास के हर क्षेत्र में नयी ऊंचाइयां हासिल की हैं-

गैर परों से उड़ सकते हैं,
हद के हद दीवारों तक।
अम्बर तक तो वहीं उड़ेंगे,
जिनके अपने पर होंगे।।

मान्यवर,

आधुनिक भारत के महान संत, मनीषी एवं युवाओं के लिये प्रेरणा स्रोत श्रद्धेय स्वामी विवेकानन्द के जन्मदिन 12 जनवरी को 23वें **राष्ट्रीय युवा उत्सव, 2020** के रूप में प्रदेश में आयोजित किया गया। इस अवसर पर 12 जनवरी से 16 जनवरी तक राष्ट्रीय एकता, साम्प्रदायिक समभाव, भाईचारा व राष्ट्रीय पौरुष को बढ़ावा देने वाले कार्यक्रम आयोजित किये गये। इन कार्यक्रमों में पूरे देश से आये युवाओं ने पूरे उत्साह के साथ भाग लिया।

सातवें कॉमनवेल्थ पार्लियामेन्टरी एसोसिएशन इण्डिया रीजनल कॉन्फ्रेन्स का आयोजन 15 जनवरी से 19 जनवरी, 2020 तक लखनऊ में पहली बार किया गया। इस अवसर पर कॉमनवेल्थ देशों के प्रतिनिधियों द्वारा सस्टेनेबल डेवलपमेन्ट कार्यक्रम तथा लोकतंत्र के प्रति अपनी प्रतिबद्धता व्यक्त की गयी। कॉन्फ्रेन्स में राज्य सभा एवं लोक सभा के साथ-साथ देश के विभिन्न राज्यों की विधायिकाओं के अध्यक्षों एवं सदस्यों द्वारा प्रतिभाग किया गया।

नमामि गंगे मिशन के अन्तर्गत 27 जनवरी, 2020 से 31 जनवरी, 2020 तक 5 दिवसीय **गंगा यात्रा** का आयोजन प्रदेश में किया गया। गंगा यात्रा का शुभारम्भ बिजनौर और बलिया दोनों स्थलों से किया गया। बिजनौर से कानपुर और बलिया से कानपुर तक की यात्रायें सड़क मार्ग और नाव द्वारा की गयीं। इस यात्रा में आठ केन्द्रीय मंत्रियों, यात्रामार्ग में पड़ने वाले जनपदों के प्रभारी मंत्रियों तथा अन्य मंत्रियों के साथ जनसाधारण ने भी सक्रिय प्रतिभाग किया।

मान्यवर,

आप अवगत है कि केन्द्र सरकार द्वारा वर्ष 2015 में योजना आयोग के स्थान पर नीति आयोग का गठन किया गया जिसके अत्यन्त सकारात्मक परिणाम प्राप्त हुये। मैं इस सम्मानित सदन को अवगत कराना चाहूंगा कि केन्द्र सरकार के अनुरूप उत्तर प्रदेश में राज्य योजना आयोग के स्थान पर राज्य नीति आयोग का गठन किया जायेगा। राज्य नीति आयोग द्वारा राज्य

के समेकित तथा सतत विकास के लिये रोडमैप तैयार किया जायेगा। जनपद स्तर पर यथार्थपरक योजनायें तैयार करने तथा उनके समेकन हेतु तंत्र तैयार किया जायेगा।

औद्योगिक विकास एवं अवस्थापना

माननीय प्रधानमंत्री जी के द्वारा भारत की अर्थव्यवस्था को वर्ष 2024 तक 05 ट्रिलियन यू0एस0 डालर इकोनॉमी बनाने का महत्वाकांक्षी लक्ष्य रखा गया है। इसे सम्भव बनाने के लिए हमारी सरकार ने उत्तर प्रदेश की अर्थव्यवस्था को कम से कम 01 ट्रिलियन यू0एस0 डॉलर इकोनॉमी बनाने का लक्ष्य निर्धारित किया है। इस लक्ष्य की प्राप्ति हेतु प्रदेश के आर्थिक विकास के साथ-साथ रोजगार के अवसर उपलब्ध कराने तथा प्रदेश के तेजी से औद्योगिकरण के लिये प्रदेश सरकार सतत प्रयासरत है। प्रदेश को विभिन्न क्षेत्रों में निजी पूंजीनिवेश के लिये आकर्षक गन्तव्य बनाने की दिशा में सरकार ने अथक प्रयास किये हैं।

मात्र तीन साल के कार्यकाल में इन्वेस्टर्स समिट, दो ग्राउंड ब्रेकिंग सेरेमनी, प्रवासी भारतीय दिवस का आयोजन किया गया और लगभग 2 लाख करोड़ रुपये का निवेश सुनिश्चित किया गया, जो प्रदेश के औद्योगिक विकास के इतिहास में अभूतपूर्व है। प्रदेश में ईज ऑफ डूइंग बिजनेस में निरन्तर सुधार हुआ है और उत्तर प्रदेश को एचीवर्स राज्यों की श्रेणी में स्थान प्राप्त हुआ है।

ग्यारहवें डिफेन्स एक्सपो का आयोजन लखनऊ में 5 से 9 फरवरी, 2020 तक सफलतापूर्वक किया गया। इस आयोजन में विदेशों से रक्षा क्षेत्र के 3 हजार से अधिक प्रतिनिधियों व देश के 10 हजार से अधिक प्रतिभागियों ने भाग लिया। इस आयोजन में 40 से अधिक देशों के रक्षा मंत्रियों की कॉन्फ्रेन्स आयोजित की गयी। इसमें 23 एम0ओ0यू0 उत्तर प्रदेश सरकार के डिफेन्स कॉरिडोर की ओर से हस्ताक्षरित किये गये जिनसे प्रदेश में लगभग 50 हजार करोड़ रुपये का निवेश सम्भावित है।

- प्रदेश की राजधानी लखनऊ से गाजीपुर तक 341 किलोमीटर लम्बाई में **"पूर्वांचल एक्सप्रेस-वे परियोजना"** का निर्माण कार्य प्रारम्भ हो चुका है। इस परियोजना की कुल लागत लगभग 22 हजार 497 करोड़ रुपये है।
- गोरखपुर को पूर्वांचल एक्सप्रेस-वे से जोड़ने के लिये लगभग 91 किलोमीटर लम्बाई में **"गोरखपुर लिंक एक्सप्रेस-वे"** के निर्माण का निर्णय लिया गया है।
- **"पूर्वांचल एक्सप्रेस-वे"** से बलिया को जोड़ने के लिये **"बलिया लिंक एक्सप्रेस-वे"** के निर्माण का निर्णय लिया गया है।
- बुन्देलखण्ड क्षेत्र में सामाजिक एवं आर्थिक विकास को गति देने के लिये जनपद चित्रकूट को जनपद इटावा में आगरा-लखनऊ एक्सप्रेस-वे मार्ग से जोड़ने हेतु लगभग 297 किलोमीटर लम्बाई का **"बुन्देलखण्ड एक्सप्रेस-वे"** निर्माणाधीन है। यह एक्सप्रेस-वे बुन्देलखण्ड के लिये लाईफ लाइन सिद्ध होगा।

- मेरठ से प्रयागराज तक लगभग 637 किलोमीटर लम्बे **"गंगा एक्सप्रेस-वे"** जो देश का सबसे बड़ा एक्सप्रेस-वे होगा, के निर्माण का निर्णय लिया गया है। परियोजना हेतु 2 हजार करोड़ रुपये की व्यवस्था प्रस्तावित है।
- उत्तर प्रदेश में डिफेन्स कॉरिडोर विकसित किये जाने हेतु **"डिफेन्स इण्डस्ट्रियल कॉरिडोर"** परियोजना के लिये आवश्यक भूमि झांसी, चित्रकूट, जालौन, अलीगढ़ आगरा तथा कानपुर जनपदों में चिन्हित की गयी है।

नागरिक उड्डयन

प्रदेश में हवाई कनेक्टिविटी को बढ़ावा देने के लिये **रीजनल कनेक्टिविटी स्कीम** लागू है। इस योजना को और व्यापक बनाने के लिये राज्य सरकार द्वारा **"उत्तर प्रदेश नागर विमानन प्रोत्सान नीति"** प्रख्यापित की गई है जिसमें रीजनल कनेक्टिविटी स्कीम के साथ-साथ नॉन-रीजनल कनेक्टिविटी उड़ानों के लिये प्रोत्साहन प्रदान किये जाने की व्यवस्था है। राज्य सरकार की इस नीति के सकारात्मक परिणामस्वरूप विगत दो वर्षों में उत्तर प्रदेश से विभिन्न शहरों की हवाई कनेक्टिविटी तथा पैसेन्जर ट्रैफिक में वृद्धि हुई है। प्रदेश में 08 हवाई अड्डे क्रियाशील हैं तथा 11 नये हवाई अड्डों पर कार्य चल रहा है।

- जनपद गौतमबुद्ध नगर के जेवर में **"नोएडा इन्टरनेशनल ग्रीनफील्ड एयरपोर्ट"** के लिये 2,000 करोड़ रुपये की व्यवस्था प्रस्तावित है। एयरपोर्ट का संचालन वर्ष 2023 तक सम्भावित है।
- अयोध्या एयरपोर्ट के लिये 500 करोड़ रुपये तथा **रीजनल कनेक्टिविटी स्कीम** एयरपोर्ट्स के लिये 92 करोड़ 50 लाख रुपये की व्यवस्था प्रस्तावित है।

कानून व्यवस्था

राजव्यवस्था का एक महत्वपूर्ण कार्य विधि व्यवस्था का प्रवर्तन है। वाल्मीकि जी ने रामायण में राजव्यवस्था विहीन स्थिति का वर्णन किया है-"ऐसे राष्ट्र में कृषि और पशुपालन नहीं होते। सभागृहों, उद्यानों, उपासना स्थलों व मंदिरों के निर्माण नहीं होते। भय व्याप्त रहता है। कलाकार अपनी कला का प्रदर्शन नहीं करते। सामाजिक उत्सव नहीं होते। व्यापारिक कार्य नहीं होते। पति-पत्नी साथ-साथ पर्यटन नहीं करते। अराजक दशा में लोग परस्पर एक दूसरे को ही मारने लगते हैं।" ऐसी स्थिति यहां उत्तर प्रदेश में 2016 तक थी। भय था। उत्सवों के आयोजनों में दंगे थे। उपासना स्थलों व मंदिर निर्माण की चर्चा भी असम्भव थी। घोर अराजकता थी। व्यापारी वसूली के शिकार थे। वर्तमान सरकार ने हर स्तर पर अराजकता समाप्त करके कानून का शासन स्थापित किया है।

यहां मैं चंद पंक्तियों से, एक ओर समाज में अराजकता फैलाने की कोशिश करने वाले स्वार्थी, असामाजिक और राष्ट्रविरोधी ताकतों तथा दूसरी ओर उनका डट कर मुकाबला करने की सरकार की प्रतिबद्धता को व्यक्त करना चाहूंगा-

नफरतों की आग में जलते हुए माहौल को,
इस व्यवस्था ने दिये हैं कुछ अनोखे कायदे।
एक तरफ शोर है, बगावत है,
माल है, मुल्क है, सियासत है,
एक तरफ हौसले हैं, मेहनत है,
नीति है, नियम है, हुकूमत है।

हमारी सरकार ने कानून व्यवस्था पर जीरो टॉलरेन्स की नीति अपनाई है। कानून के डर से बड़ी संख्या में अपराधी आत्मसमर्पण कर अथवा स्वयं जमानत निरस्त करा कर जेल गये हैं। मार्च, 2017 से नवम्बर, 2019 तक की अवधि में पुलिस द्वारा कार्यवाही करते हुये बड़ी संख्या में अवैध आग्नेयास्त्र, कारतूस, बम और 615 अवैध शस्त्र फैक्ट्री बरामद की गयी।

वर्ष 2017 के सापेक्ष गत वर्ष दुष्कर्म की घटनाओं में 35 प्रतिशत की कमी आई है। इसी प्रकार, डकैती में 53 प्रतिशत, हत्या में 14 प्रतिशत, लूट में 44 प्रतिशत, फिरौती हेतु अपहरण में 30 प्रतिशत तथा बलवा में 38 प्रतिशत की कमी आयी है। हमारी सरकार ने अपराधियों के विरुद्ध सक्रिय व कठोर अभियोजन सुनिश्चित करते हुये उल्लेखनीय सफलता प्राप्त की है। पॉक्सो ऐक्ट के अन्तर्गत वर्ष 2018 के दो आरोपितों को मृत्यु दण्ड, 67 को आजीवन कारावास और 420 को अन्य सजा हुई। वर्ष 2019 में 3 को मृत्यु दण्ड, 152 को आजीवन कारावास तथा 585 को अन्य सजा हुई है।

प्रदेश की जनता को पुलिस की विभिन्न सेवाएं सरलता से उपलब्ध कराने के उद्देश्य से यूपीकॉप (UPCOP) मोबाइल ऐप बनाया गया है, जिसमें 28 सेवाओं यथा-ई-प्राथमिकी पंजीकरण, वरिष्ठ नागरिक शिकायत, लापता व्यक्ति, किरायेदार सत्यापन आदि का समावेश किया गया है। इस ऐप को 5 लाख से अधिक लोगों द्वारा डाउनलोड किया जा चुका है। वर्तमान परिवेश में साइबर अपराध एक बड़ी चुनौती के रूप में उभर रहे हैं। इन थानों पर नियंत्रण हेतु जनपद **गौतमबुद्ध नगर व लखनऊ थाने** क्रियाशील हैं तथा प्रदेश के अन्य परिक्षेत्रीय कार्यालयों में **16 साइबर थाने** स्थापित किये जाने का निर्णय लिया गया है।

कानून व्यवस्था को सुदृढ़ किये जाने हेतु गौतमबुद्ध नगर तथा लखनऊ में **पुलिस कमिश्नरी सिस्टम** लागू कर दिया गया है। इस व्यवस्था में पुलिस द्वारा अपराधियों के विरुद्ध त्वरित कार्यवाही की जा सकेगी।

महिलाओं की सुरक्षा हेतु दिसम्बर, 2019 से **सुरक्षा कवच योजना** प्रारम्भ की गई है। कामकाजी महिलाओं तथा महिला यात्रियों द्वारा रात्रि 10 बजे से प्रातः 6 बजे तक 112 पर डायल कर पुलिस सुरक्षा की मांग किये जाने पर पुलिस द्वारा उन्हें उनके गन्तव्य तक सुरक्षित पहुंचाने की व्यवस्था की गई है। इस हेतु 300 पी0आर0वी0 में दो-दो महिलायें हर शिफ्ट में नियुक्त की गई हैं।

आगामी वर्ष के बजट में कानून व्यवस्था से सम्बन्धित कतिपय महत्वपूर्ण योजनाओं एवं कार्यक्रमों हेतु प्रस्तावित बजट व्यवस्था का मैं संक्षिप्त विवरण देना चाहूंगा-

- पुलिस विभाग के अनावासीय भवनों के निर्माण हेतु 650 करोड़ रुपये तथा आवासीय भवनों के निर्माण हेतु 600 करोड़ रुपये की व्यवस्था प्रस्तावित है।
- नवसृजित जनपदों में आवासीय तथा अनावासीय भवनों के निर्माण हेतु 300 करोड़ रुपये की व्यवस्था प्रस्तावित है।
- अग्निशमन केन्द्र के आवासीय तथा अनावासीय भवनों के निर्माण हेतु 150 करोड़ रुपये की व्यवस्था प्रस्तावित है।
- **पुलिस बल आधुनिकीकरण योजना** हेतु 122 करोड़ रुपये की व्यवस्था प्रस्तावित है।
- **विधि विज्ञान प्रयोगशालाओं के निर्माण** हेतु 60 करोड़ रुपये की व्यवस्था प्रस्तावित है।
- **सेफ सिटी लखनऊ** हेतु 97 करोड़ रुपये की व्यवस्था प्रस्तावित है।
- **उत्तर प्रदेश पुलिस फॉरेंसिक यूनिवसिर्टी** की स्थापना हेतु 20 करोड़ रुपये की व्यवस्था प्रस्तावित है।
- कर्तव्य पालन के दौश्रान शहीद अथवा घायल हुए पुलिस एवं अग्निशमन सेवा के कर्मचारियों के परिवारों को **अनुग्रह भुगतान** हेतु 27 करोड़ रुपये की व्यवस्था प्रस्तावित है।
- अग्निशमन सेवाओं के सुदृढ़ीकरण हेतु 10 करोड़ रुपये तथा अग्निशमन केन्द्रों पर बिजली की व्यवस्था सुदृढ़ किये जाने हेतु सोलर पॉवर प्लान्ट्स की स्थापना के लिये 20 करोड़ रुपये की व्यवस्था प्रस्तावित है।
- **सेन्ट्रल विक्टिम कंपनसेशन फण्ड स्कीम** के अन्तर्गत तेजाब, बलात्कार, मानव तस्करी अथवा हत्या के प्रकरणों में आर्थिक सहायता हेतु 28 करोड़ रुपये की व्यवस्था प्रस्तावित है।
- **"स्टूडेण्ट पुलिस कैडेट योजना"** हेतु 14 करोड़ रुपये की व्यवस्था प्रस्तावित है।
- **"साईबर क्राइम प्रीवेन्शन अगेन्स्ट वीमेन एण्ड चिल्ड्रेन"** हेतु 3 करोड़ रुपये की व्यवस्था प्रस्तावित है।
- **जनपद लखनऊ, गोरखपुर तथ बदायूं** में महिला पी0ए0सी0 वाहिनियां स्थापित हैं।
- प्रदेश में 76 महिला थाने स्थापित हैं। जनपद लखीमपुर खीरी में दो महिला थाने तथा अन्य सभी जनपदों में एक-एक महिला थाना स्थापित है।

महिला एवं बाल कल्याण

- **"बेटी बचाओ बेटी पढ़ाओ"** योजना के अन्तर्गत कन्या भ्रूण हत्या की रोक-थाम के लिये जागरुकता कार्यक्रम 68 जनपदों में संचालित किया जा रहा है।
- **मुख्य मंत्री कन्या सुमंगला योजना** हेतु 1 हजार 200 करोड़ रुपये की व्यवस्था प्रस्तावित है।

- **निराश्रित महिला पेंशन योजना** के अन्तर्गत निराश्रित महिलाओं तथा उनके बच्चों के भरण पोषण हेतु 500 रुपये की धनराशि प्रतिमाह सीधे लाभार्थियों के खाते में प्रेषित की जाती है। इस योजनान्तर्गत 1 हजार 432 करोड़ रुपये की व्यवस्था प्रस्तावित है।
- वृद्ध एवं निराश्रित महिलाओं के पुनर्वासन एवं जीवन यापन हेतु **"स्वाधार गृह योजना"** का संचालन किया जा रहा है।
- प्रदेश में कुपोषण की रोकथाम के लिये **राष्ट्रीय पोषण अभियान कार्यक्रम** अनुमोदित किया गया है जिसके द्वारा बच्चों, किशोरियों तथा महिलाओं में कुपोषण में कमी लाई जायेगी। इस योजना हेतु 4 हजार करोड़ रुपये की व्यवस्था प्रस्तावित है।

युवाओं के लिये

युवा समाज के भविष्य के निर्माता है। किसी भी समाज का सार्थक एवं चतुर्दिक विकास युवा ऊर्जा, शक्ति एवं अनुशासन से ही सम्भव है। इतिहास गवाह है कि विभिन्न कालखण्डों में न केवल भारत अपितु सम्पूर्ण विश्व में युवाओं ने समाज की दिशा बदली है। प्रदेश के युवाओं का आह्वान करते हुये मैं कहना चाहूंगा-

तुमने चाहा तो किया आसमान मुठ्ठी में,
तुमने चाहा तो हवाओं के रुख बदल डाले,
तुमने चाहा तो उफनते हुये सागर बांधे,
तुमने चाहा तो पर्वतों के सर कुचल डाले।।

- प्रदेश के युवाओं को स्वरोजगार तथा रोजगार से जोड़ने के लिये दो महत्वपूर्ण योजनायें- **मुख्य मंत्री शिक्षुता (Apprenticeship) प्रोत्साहन योजना** तथा **युवा उद्यमिता विकास अभियान (YUVA)** प्रारम्भ किये जाने का निर्णय लिया गया है।
- प्रदेश के युवाओं को उद्योगों व एम0एस0एम0ई0 इकाइयों में ऑन-जॉब ट्रेनिंग प्रदान कराते हुये उन्हें निश्चित अवधि के रोजगार से जोड़ने के उद्देश्य से हमारी सरकार वित्तीय वर्ष 2020-2021 से **मुख्य मंत्री शिक्षुता प्रोत्साहन योजना** को प्रारम्भ करने जा रही है। योजना के क्रियान्वयन के फलस्वरुप प्रदेश के युवाओं को उद्योगों में प्रशिक्षण के साथ-साथ मासिक प्रशिक्षण भत्ता प्रदान किया जायेगा। युवाओं को मिलने वाले कुल भत्ते में से 1 हजार 500 प्रतिमाह की धनराशि केन्द्र सरकार द्वारा, 1 हजार रुपये प्रतिमाह की धनराशि राज्य सरकार द्वारा तथा शेष धनराशि सम्बन्धित उद्योग द्वारा वहन की जायेगी। मुख्य मंत्री शिक्षुता प्रोत्साहन योजना के संचालन से प्रदेश के उद्योगों को कुशल कारीगर तथा युवाओं को प्रशिक्षण के साथ-साथ रोजगार भी प्राप्त होगा। योजना हेतु 100 करोड़ रुपये की व्यवस्था प्रस्तावित है।
- प्रदेश में लाखों की संख्या में प्रशिक्षित युवाओं को **युवा उद्यमिता विकास अभियान** (YUVA) के द्वारा रोजगार से स्वावलम्बन की ओर बढ़ाने हेतु अभिनव पहल की जा रही है। प्रदेश के प्रत्येक जिले में YUVA HUB स्थापित किया जाएगा, जो इच्छुक

युवाओं को परियोजना, परिकल्पना से लेकर 1 वर्ष तक परियोजनाओं को वित्तीय मदद के साथ संचालन में सहायता प्रदान करेगा। लगभग **1 हजार 200 करोड़ रुपये** की धनराशि, जो युवाओं के लिये विभिन्न स्वतः रोजगार योजनाओं में राज्य को उपलब्ध है। इस **YUVA HUB** के माध्यम से यह योजनायें समेकित रूप से क्रियान्वित की जायेंगी। यह योजना **एक लाख** से अधिक युवाओं को स्वावलम्बन की ओर ले जाएगी। प्रत्येक जिले में **YUVA HUB** की स्थापना हेतु 50 करोड़ रुपये की व्यवस्था प्रस्तावित है।

- लघु उद्योग, खादी एवं ग्रामोद्योग आदि क्षेत्रों में युवाओं को स्वरोजगार से जोड़ने के लिये **मुख्य मंत्री युवा स्वरोजगार योजना, विश्वकर्मा श्रम सम्मान योजना, प्रधानमंत्री रोजगार सृजन कार्यक्रम, मुख्य मंत्री ग्रामोद्योग रोजगार** तथा ग्रामीण क्षेत्रों में निवास करने वाले युवाओं के लिये **विशेष रोजगार योजना** संचालित हैं।
- **उच्च शिक्षा** को बढ़ावा देने हेतु सहारनपुर, आजमगढ़ एवं अलीगढ़ में 03 नये राज्य विश्वविद्यालयों की स्थापना की जा रही है। प्रदेश में **पुलिस फोरेंसिक यूनिवर्सिटी** की स्थापना प्रस्तावित है। इसके अतिरिक्त, जनपद प्रयागराज में **"लॉ यूनिवर्सिटी"** की स्थापना प्रस्तावित है। गोरखपुर में **आयुष विश्वविद्यालय** की स्थापना प्रस्तावित है।
- जनपद मिर्जापुर, प्रतापगढ़ बस्ती एवं गोण्डा में **इंजीनियरिंग कॉलेजों** की स्थापना की जा रही है। आजमगढ़ एवं अम्बेडकरनगर में इंजीनियरिंग कॉलेजों का निर्माण लगभग पूर्ण हो चुका है।
- प्रदेश के 18 मण्डलों में **अटल आवासीय विद्यालयों** की स्थापना की जा रही है। इन विद्यालयों में कक्षा-6 से 12 तक निःशुल्क आवासीय शिक्षा प्रदान की जायेगी। इस हेतु 270 करोड़ रुपये की व्यवस्था प्रस्तावित है।
- प्रदेश में 305 **राजकीय औद्योगिक प्रशिक्षण संस्थान** स्थापित हैं, जिनमें युवाओं के उद्योगों एवं सेवा क्षेत्र के 71 व्यवसायों में प्रशिक्षण हेतु 1 लाख 72 हजार 440 सीटें उपलब्ध हैं। प्रदेश में 2 हजार 963 निजी औद्योगिक प्रशिक्षण संस्थान भी स्थापित हैं जिनकी प्रशिक्षण क्षमता 4 लाख 58 हजार 243 है।
- **उत्तर प्रदेश कौशल विकास मिशन** द्वारा प्रदेश के 14-35 आयु वर्ग के अल्पशिक्षित एवं बेरोजगार युवाओं को अल्स अवधि के निःशुज्क रोजगारपरक व्यावसायिक प्रशिक्षण के माध्यम से लाभान्वित कर रोजगार से जोड़ा जा रहा है। अभी तक 8 लाख 50 हजार से अधिक युवाओं को प्रशिक्षित किया जा चुका है तथा उनमें से 3 लाख से अधिक युवाओं को प्रतिष्ठित उद्योगों में सेवायोजित भी कराया जा चुका है। आगामी वर्ष में विभिन्न प्रशिक्षण कार्यक्रमों के अन्तर्गत **2 लाख युवाओं को प्रशिक्षित** करने का लक्ष्य रखा गया है।

चिकित्सा एवं चिकित्सा शिक्षा

राष्ट्रीय विकास में प्रत्येक नागरिक के श्रम की भूमिका होती है। स्वस्थ समाज कर्म प्रधान होते हैं। कर्म प्रधान समाज ही ऋद्धि-सिद्धि-समृद्धि प्राप्त करते हैं। समाज के प्रत्येक व्यक्ति का अच्छा स्वास्थ्य योगी सरकार की प्राथमिकता है। तीन वर्ष पहले तक प्रदेश की स्वास्थ्य सेवायें ही बीमार रही हैं।

हमारी सरकार के प्रयासों के परिणाम स्वरूप मातृ मृत्यु दर में सबसे ज्यादा 30 प्रतिशत गिरावट लाने के लिये उत्तर प्रदेश को भारत सरकार की तरफ से एम0एम0आर0 अवार्ड से पुरस्कृत किया गया है। ब्लॉक स्तर से जिला स्तर तक 104 इंसेफेलाइटिस केन्द्र स्थापित किये गये तथा जापानी इंसेफेलाइटिस व एक्यूट इंसेफेलाइटिस के विरुद्ध अभियान में 3 लाख 50 हजार लोगों को प्रशिक्षित किया गया।

ग्रामीण अंचलों में रहने वाली जनता को अधिक से अधिक सुविधायें उपलब्ध कराना हमारी सरकार की प्राथमिकता है। प्रदेश में **टेलीमेडिसिन** की शुरुआत की गई है जिसके अन्तर्गत दूरस्थ ग्रामों के रोगी मोबाइल फोन के माध्यम से भी कन्ट्रोल रुम से चिकित्सीय परामर्श प्राप्त कर सकते हैं। प्रदेश के प्राथमिक स्वास्थ्य केन्द्रों पर पत्येक रविवार को **मुख्य मंत्री आरोग्य स्वास्थ्य मेला** का आयोजन किया जा रहा है।

- काशी हिन्दू विश्वविद्यालय में **"महामना पंडित मदन मोहन मालवीय कैंसर संस्थान"**, लहरतारा में **होमीभाभा कैंसर हॉस्पिटल** और **बी0आर0डी0 मेडिकल कॉलेज, गोरखपुर** में **"सुपर स्पेशिएलटी ब्लॉक"** क्रियाशील हो चुके हैं।
- **108 ई0एम0टी0एस0 एम्बुलेंस सेवा** के अन्तर्गत प्रदेश से पूर्वी एवं पश्चिमी कलस्टर में 2 हजार 200 एम्बुलेंसों का संचालन किया जा रहा है एवं ए0एल0एस0 एम्बुलेंस सेवा की वर्तमान फ्लीट में 250 एम्बुलेंसों का संचालन किया जा रहा है। 108 ई0एम0टी0एस0 एम्बुलेंस सेवा के माध्यम से 1 करोड़ 40 लाख से अधिक रोगियों तथा एडवांस्ड लाइफ सपोर्ट एम्बुलेंस सेवा के माध्यम से 1 लाख 55 हजार रोगियों को सेवा प्रदान की गयी है।
- **102 एम्बुलेंस सर्विसेज** योजना के अन्तर्गत 2 हजार 270 एम्बुलेंस की सेवायें संचालित की जा रही है जिसके माध्यम से 3 करोड़ 70 लाख से अधिक लाभार्थियों को निःशुल्क एम्बुलेंस सेवा प्रदान की जा चुकी है।
- स्वास्थ्य सेवाओं के मामले में उत्तर प्रदेश की तस्वीर बदली है और प्रदेश मे चिकित्सा सुविधायें तेजी से बढ़ी हैं। हमारी सरकार द्वारा प्रदेश में 08 नये मेडिकल कॉलेज- हरदोई, एटा, प्रतापगढ़, फतेहपुर, सिद्धार्थनगर, देवरिया, गाजीपुर व मिर्जापुर का निर्माण कार्य चल रहा है। 13 नये मेडिकल कॉलेज- बुलन्दशहर, बिजनौर, औरैया, पीलीभीत, लखीमपुर खीरी, कानपुर देहात, ललितपुर, गोण्डा, सुल्तानपुर, कुशीनगर, सोनभद्र, कौशाम्बी और चन्दौली स्वीकृत हो चुके हैं।

- **पूर्व प्रधानमंत्री भारतरत्न स्व0 अटल बिहारी वाजपेयी जी की स्मृति में लखनऊ में एक नये चिकित्सा विश्वविद्यालय माननीय अटल बिहारी वाजपेयी, चिकित्सा विश्वविद्यालय** का निर्माण कार्य कराया जा रहा है तथा **किंग जार्ज चिकित्सा विश्वविद्यालय का एक सैटेलाइट सेन्टर बलरामपुर** में स्थापित किया जा रहा है।
- प्रदेश के 07 नये मेडिकल कॉलेजों में एम0बी0बी0एस0 के प्रथम वर्ष का पठन-पाठन वर्तमान वर्ष में प्रारम्भ हो गया है। गोरखपुर और रायबरेली एम्स में 50-50 एम0बी0बी0एस0 सीटों पर छात्रों के प्रवेश की प्रक्रिया पूरी की जा चुकी है।
- किंग जार्ज चिकित्सा विश्वविद्यालय, लखनऊ, मेडिकल कॉलेज प्रयागराज तथा मेडिकल कॉलेज, मेरठ में **डायबिटिक रेटिनोपैथी उपचार, सेन्टर** की स्थापना की जायेगी। एस0जी0पी0जी0आई0 में **एडवांस्ड डायबिटीज एण्ड इन्डोक्राईन साइंसेज सेन्टर** की स्थापना किया जाना प्रस्तावित है।
- **आयुष्मान भारत-नेशनल हेल्थ प्रोटेक्शन मिशन** के अन्तर्गत प्रदेश में 1 करोड़ से भी अधिक लाभार्थियों के परिवारों को प्रतिवर्ष 5 लाख रुपये धनराशि तक की निःशुल्क चिकित्सा सुविधा राजकीय चिकित्सालयों एवं सूचीबद्ध निजी चिकित्सालयों के माध्यम से प्रदान की जा रही है।

  इस योजना से छूटे हुये पात्र लाभार्थियों के लिये राज्य सरकार द्वारा पृथक से **मुख्य मंत्री जनआरोग्य योजना** का क्रियान्वयन किया जा रहा है।
- **राष्ट्रीय स्वास्थ्य मिशन** एवं प्रदेश सरकार के प्रयासों से संक्रामक रोगों के रोकथाम, बचाव एवं उपचार के सम्बन्ध में कार्यक्रम परक एवं अभियान परक गतिविधियां संचालित की गई जिसके फलस्वरूप ए0ई0एम0/जे0ई0 रोगियों एवं मृतकों की संख्या में विगत दो वर्षों में निरन्तर कमी आई है।
- नवसृजित जनपदों में 100 शैय्या संयुक्त चिकित्सालयों की स्थापना हेतु 30 करोड़ रुपये की व्यवस्था प्रस्तावित है।
- ग्रामीण क्षेत्रों में चिकित्सा सुविधायें सुदृढ़ करने के उद्देश्य से सामुदायिक स्वास्थ्य केन्द्रों के भवनों तथा उपकरणों हेतु 65 करोड़ रुपये की व्यवस्था प्रस्तावित है।
- नये प्राथमिक स्वास्थ्य केन्द्रों एवं सामुदायिक स्वास्थ्य केन्द्रों के भवन निर्माण हेतु क्रमशः 81 करोड़ रुपये एवं 35 करोड़ रुपये की व्यवस्था प्रस्तावित है।
- ग्रामीण क्षेत्रों में स्थित सामुदायिक स्वास्थ्य केन्द्रों को उच्चीकृत कर 100 शैय्या चिकित्सालय में परिवर्तित किये जाने हेतु 50 करोड़ रुपये की व्यवस्था प्रस्तावित है।
- जिला पुरुष तथा महिला चिकित्सालयों में सुधार-विस्तार एवं नवीनीकरण हेतु 70 करोड़ रुपये की व्यवस्था प्रस्तावित है।

- डा0 श्यामा प्रसाद मुखर्जी (सिविल) चिकित्सालय, लखनऊ परिसर में ओ0पी0डी0 एवं वार्ड के विस्तार हेतु 50 लाख रुपये एवं ट्रॉमा सेन्टर के भवन निर्माण हेतु 12 करोड़ 50 लाख रुपये की व्यवस्था प्रस्तावित है।
- **प्रधानमंत्री मातृ वंदना योजना** उत्तर प्रदेश के समस्त जनपदों में लागू है। योजना हेतु 291 करोड़ रुपये की व्यवस्था प्रस्तावित है।
- **किंग जॉर्ज मेडिकल यूनिवर्सिटी** हेतु 919 करोड़ रुपये की व्यवस्था प्रस्तावित है।
- **एस0जी0पी0जी0आई0** हेतु 820 करोड़ रुपये की व्यवस्था प्रस्तावित है।
- **ग्रामीण आयुर्विज्ञान संस्थान, सैफई** हेतु 309 करोड़ रुपये की व्यवस्था प्रस्तावित है।
- **डॉ0 राम मनोहर लोहिया आयुर्विज्ञान संस्थान** हेतु 477 करोड़ रुपये की व्यवस्था प्रस्तावित है।
- **कैंसर संस्थान, लखनऊ** के लिये 187 करोड़ रुपये की व्यवस्था प्रस्तावित है।
- **असाध्य रोगों के इलाज हेतु निःशुल्क चिकित्सा सुविधा** के लिये 40 करोड़ रुपये की व्यवस्था प्रस्तावित है।
- राजकीय मेडिकल कॉलेज, आजमगढ़ लिये 96 करोड़ रुपये की व्यवस्था प्रस्तावित है।
- जिला चिकित्सालयों को उच्चीकृत कर मेडिकल कॉलेजों की स्थापना की योजना के अन्तर्गत 73 करोड़ 86 लाख रुपये की व्यवस्था प्रस्तावित है।

कृषि, उद्यान एवं सहकारिता

ऋषि और कृषि राष्ट्र जीवन के मुख्य अधिष्ठान हैं। ऋषि दृष्टि में अनुसंधान व शिक्षा की संस्कृति है। हमारी सरकार ने कार्यभार सम्भालने के तत्काल उपरान्त प्रदेश के **लघु एवं सीमान्त किसानों के फसली ऋण का मोचन** करने का निर्णय लिया और इस निर्णय का सफलतापूर्वक क्रियान्वयन किया।

किसानों की आय को दोगुना करने के लिये कृषि में आधुनिक तकनीक के प्रयोग को बढ़ावा दिया जा रहा है। गेहूं, धान तथा मक्का खरीद की **नई प्रोक्योरमेन्ट पॉलिसी** लागू की गयी है। जिसका लाभ किसानों को मिल रहा है। **अन्तर्राष्ट्रीय कृषि कुम्भ** का सफल आयोजन किया गया। उत्तर प्रदेश, किसानों को देय अनुदान का भुगतान डी0बी0टी0 के माध्यम से करने तथा मण्डी अधिनियम में संशोधन करने वाला देश का पहला राज्य बना।

- वर्ष 2020-2021 में खाद्यान्न उत्पादन का लक्ष्य 641 लाख 74 हजार मीट्रिक टन एवं तिलहन उत्पादन का लक्ष्य 13 लाख 90 हजार मीट्रिक टन निर्धारित किया गया है।
- वर्ष 2018-2019 में 581.03 मीट्रिक टन लक्ष्य के सापेक्ष 604 लाख 15 हजार मीट्रिक टन खाद्यान्न उत्पादन हुआ जो अब तक का सर्वाधिक रिकॉर्ड उत्पादन है।
- आगामी वर्ष में 61 लाख 43 हजार कुन्तल गुणवत्तापूर्वक बीजों का वितरण किये जाने का लक्ष्य है।

- किसानों को पर्याप्त मात्रा में उर्वरकों की उपलब्धता सुनिश्चित की जा रही है। प्रदेश में उर्वरकों की कोई कमी नहीं होने दी गयी है। आगामी वर्ष में 102 लाख मीट्रिक टन उर्वरक वितरण का लक्ष्य रखा गया है।
- कृषि श्रमिकों की कमी को देखते हुये मशीनीकरण को बढ़ावा देने हेतु अनुदान पर कृषि यंत्र उपलब्ध कराये जाने के लिये 1 हजार 694 कस्टम हायरिंग कन्द्र तथा 305 मशीनरी बैंक की स्थापना कराकर 40 हजार 606 उन्नत कृषि यंत्रों का अनुदान पर वितरण किया जाना प्रस्तावित है।
- राष्ट्रीय कृषि बाजार (ई-नैम) योजना के तहत किसानों को उनकी उपज का सही मूल्य दिलाने के लिये प्रदेश की 100 मण्डियों में 1 हजार 483 करोड़ 80 लाख रुपये का व्यापार किया गया।
- प्रदेश की अन्य 25 मण्डियों को ई-नैम पोर्टल से जोड़े जाने की कार्यवाही की जा रही है।
- मण्डी परिषद द्वारा नवम्बर, 2019 तक 2 हजार 363 किलोमीटर लम्बाई के मार्गों की मरम्मत एवं नवीनीकरण का कार्य पूर्ण कराया गया। वर्तमान में 848 किलोमीटर लम्बे मार्गों को गड्ढामुक्त किये जाने का कार्य प्रगति पर है।
- कृषि एवं प्रौद्योगिक विश्वविद्यालय, अयोध्या के अन्तर्गत कृषि महाविद्यालय कैम्पस, आजमगढ़ तथा कृषि एवं प्रौद्योगिक विश्वविद्यालय, कानपुर के अन्तर्गत कृषि महाविद्यालय कैम्पस, लखीमपुर-खीरी में पठन-पाठन का कार्य प्रारम्भ करा दिया गया है।
- प्रदेश में कृषि की नवीनतम जानकारी के प्रचार-प्रसार हेतु 20 नवीन कृषि विज्ञान केन्द्रों की स्थापना किये जाने का निर्णय लिया गया है जिसमें से 14 कृषि विज्ञान केन्द्रों का संचालन प्रारम्भ हो गया है।
- प्रदेश में बागवानी के समन्वित विकास हेतु समन्वित बागवानी विकास मिशन, राष्ट्रीय कृषि विकास योजना, प्रधानमंत्री कृषि सिंचाई योजना के उपघटक-**"पर ड्रॉप मोर क्रॉप-माइक्रोइरीगेशन औषधीय पौध मिशन,** बुन्देलखण्ड एवं विन्ध्य क्षेत्र में औद्योगिक विकास, गुणवत्ता युक्त पान उत्पादन प्रोत्साहन आदि महत्वपूर्ण कार्यक्रम संचालित किये जा रहे हैं।
- खाद्य प्रसंस्करण उद्योगों को बढ़ावा देने के उद्देश्य से **उत्तर प्रदेश खाद्य प्रसंस्करण उद्योग नीति, 2017,** खाद्य प्रसंस्करण प्रशिक्षण एवं विधायन आदि कार्यक्रम संचालित हैं। इन कार्यक्रमों के अन्तर्गत फल सब्जी प्रसंस्करण, अनाज आधारित उद्योग, दुग्ध, बेकरी आधारित उद्योग आदि क्षेत्र सम्मिलित हैं।
- उक्त नीति उद्यमिता विकास के साथ ही कृषकों को उनके उत्पाद का उचित मूल्य दिलाने, रोजगार सृजन एवं मूल्य संवर्द्धन में सहायक सिद्ध होगी।

गन्ना विकास एवं चीनी उद्योग

- प्रदेश सरकार द्वारा **46 लाख 20 हजार गन्ना किसानों को 86 हजार 700 करोड़ रुपये के गन्ना मूल्य का** भुगतान कराया गया। विगत 02 वर्षों में प्रदेश की चीनी मिलों द्वारा रिकॉर्ड 2 हजार 143 लाख गन्ने की पेराई की गई, जो रिकॉर्ड है।
- पेराई सत्र 2019-2020 में 119 चीनी मिलें संचालित हैं, जिनके द्वारा अब तक 552 लाख टन गन्ने की पेराई करते हुये 60 लाख 26 हजार टन चीनी का उत्पादन किया जा चुका है। प्रदेश में स्थापित कुल 50 आसवनियों द्वारा इस वर्ष के माह दिसम्बर, 2019 तक 50 करोड़ 54 लाख लीटर एथनॉल की आपूर्ति की जा चुकी है।
- राज्य सरकार द्वारा पेराई सत्र 2019-2020 हेतु अगेती प्रजापति गन्ने का मूल्य 325 रुपये, सामान्य प्रजाति गन्ने का मूल्य 315 रुपये एवं अस्वीकृत प्रजाति गन्ने का मूल्य 310 रुपये प्रति कुन्तल निर्धारित किया गया है।
- गन्ना की आपूर्ति समस्या के दृष्टिगत **चीनी मिल, रमाला (बागपत)** की पेराई क्षमता 2,750 से बढ़ाकर 5,000 टी0सी0डी0 की गई तथा इसके साथ 27 मेगावॉट को-जेन संयंत्र लगाया गया जिसका लोकार्पण 04 नवम्बर, 2019 को किया जा चुका है।
- **मोहिउद्दीन-मेरठ चीनी मिल** की पेराई क्षमता 2,500 टी0सी0डी0 से बढ़ाकर 3,500 टी0सी0डी0 की गई जिसे 5,000 टी0सी0डी0 तक बढ़ाया जा सकता है।
- **सहकारी चीनी मिल, स्नेह रोड, बिजनौर** में 40 के0एल0पी0डी0 और **सहकारी चीनी मिल सठियांव, आजमगढ़** में 30 के0एल0पी0डी0 क्षमता की 02 नई डिस्टलरियां लगायी गयीं।
- बन्द पड़ी **चीनी मिल पिपराइच, गोरखपुर एवं मुण्डेरवा, बस्ती** के स्थान पर 5 हजार टी0सी0डी0 की 2 नई चीनी मिलें और 27 मेगावॉट क्षमता की बिजली उत्पादन संयंत्र की स्थापना की गई।

ग्राम्य विकास एवं पंचायती राज

- **प्रधानमंत्री आवास योजना (ग्रामीण)** के अन्तर्गत 13 लाख से अधिक आवासों का निर्माण कराया गया है। योजना के अन्तर्गत **7 हजार 23 गरीब मुसहर परिवारों** को आवास दिये गये। योजना के परफार्मेन्स इंडेक्स में उत्तर प्रदेश पूरे देश में पहले स्थान पर है। आगामी वर्ष में 5 लाख आवासों के निर्माण का लक्ष्य रखा गया है जिसके लिये 6 हजार 240 करोड़ रुपये की व्यवस्था प्रस्तावित है।
- **स्वच्छ भारत मिशन (ग्रामीण)** के अन्तर्गत 2 करोड़ 61 लाख परिवारों के लिये शौचालय निर्माण के साथ प्रदेश ने देश में प्रथम स्थान प्राप्त किया है। योजनान्तर्गत आगामी वर्ष में ग्राम पंचायतों में ठोस तरल अपशिष्ट प्रबंधन कार्यों के साथ सामुदायिक शौचालय

कॉम्प्लेक्स का निर्माण कराये जाने का निर्णय लिया गया है। योजना हेतु 5 हजार 791 करोड़ रुपये की व्यवस्था प्रस्तावित है।

- मनरेगा योजनान्तर्गत वर्तमान में 20 नवम्बर, 2019 तक 14 करोड़ 59 लाख मानव दिवस रोजगार के अवसर सृजित किये गये। आमामी वर्ष में 35 करोड़ मानव दिवस रोजगार सृजन का लक्ष्य है। योजना हेतु 4 हजार 800 करोड़ रुपये की व्यवस्था प्रस्तावित है।
- पहली बार **वनटांगिया, मुसहर, कोल एवं थारू जनजाति** के 38 वन ग्रामों को राजस्व ग्राम घोषित किया गया, जिससे वन क्षेत्रों में बसे इन गांवों के गरीबों को आवास, चिकित्सा, शिक्षा, सड़क, बिजली एवं राशन कार्ड आदि मूलभूत सुविधाएं मिल सकीं।
- **श्यामा प्रसाद मुखर्जी रुर्बन मिशन** के अन्तर्गत प्रदेश में तीन चरणों में कुल 19 क्लस्टर चयनित किये गये हैं। योजना हेतु आगामी वर्ष में लगभग 175 करोड़ रुपये की व्यवस्था प्रस्तावित है।
- **मुख्य मंत्री आवास योजना (ग्रामीण)** में 50 हजार 740 लाभार्थियों को लाभान्वित कराया जा रहा है जिनमें मुसहर, वनटांगिया तथा थारु जनजाति के परिवारों को प्राथमिकता पर आवास उपलब्ध कराये जा रहे हैं। आगामी वर्ष में योजना हेतु 369 करोड़ रुपये की व्यवस्था प्रस्तावित है।
- **प्रधानमंत्री ग्राम सड़क योजना** हेतु 1 हजार 357 करोड़ रुपये की व्यवस्था प्रस्तावित है।
- बुन्देलखण्ड, विन्ध्य क्षेत्र तथा गुणता प्रभावित ग्रामों में पाईप पेयजल योजना हेतु 3 हजार 300 करोड़ रुपये की व्यवस्था प्रस्तावित है।
- **राष्ट्रीय ग्राम स्वराज अभियान योजना** अन्तर्गत पंचायतों के क्षमता सम्वर्द्धन, प्रशिक्षण एवं पंचायतों में संरचनात्मक ढांचे की उपलब्धता हेतु 458 करोड़ रुपये की व्यवस्था प्रस्तावित है।
- **मुख्य मंत्री पंचायत प्रोत्साहन योजना** अन्तर्गत उत्कृष्ट ग्राम पंचायतों को प्रोत्साहित करने हेतु 25 करोड़ रुपये की व्यवस्था प्रस्तावित है।
- **ग्रामीण स्टेडियम तथा ओपन जिम** की व्यवस्था हेतु 25 करोड़ रुपये की व्यवस्था प्रस्तावित है।
- **युवक एवं महिला मंगल दल** को प्रोत्साहन हेतु 25 करोड़ रुपये की व्यवस्था प्रस्तावित है।
- ग्रामीण क्षेत्रों में **चन्द्रशेखर आजाद ग्रामीण विकास सचिवालयों** की स्थापना की योजना हेतु 30 करोड़ रुपये की व्यवस्था प्रस्तावित है।

जल शक्ति एवं नमामि गंगे तथा ग्रामीण जलापूर्ति

सिंचाई व्यवस्था को प्रभावी समन्वय एवं अनुश्रवण के माध्यम से सुदृढ़ किय जाने हेतु सिंचाई एवं जल संसाधन, सिंचाई (यांत्रिक), परती भूमि विकास तथा बाढ़ नियंत्रण विभागों को शासन स्तर पर गठित **"जल शक्ति विभाग"** के अन्तर्गत रखा गया है। इसी प्रकार, नमामि गंगे तथा ग्रामीण जलापूर्ति योजनाओं व लघु सिंचाई एवं भूगर्भ जल विभाग की योजनाओं के बेहतर समन्वय और अनुश्रवण हेतु शासन स्तर पर **"नमामि गंगे तथा ग्रामीण जलापूर्ति विभाग"** का गठन किया गया है।

केन्द्र सरकार द्वारा 6 हजार करोड़ रुपये की लागत वाली **"अटल भू-जल योजना"** प्रारम्भ की जा रही है। इस योजना का उद्देश्य उत्तर प्रदेश सहित सात राज्यों में भूजल के संचयन को बढ़ावा देना और भूजल के अतिदोहन पर रोक लगाना है। प्रदेश की जनता को इस योजना का अधिक से अधिक लाभ दिलाने के लिये सरकार प्रदेश में अटल भूजल योजना का पूर्ण प्रतिबद्धता के साथ क्रियान्वयन करायेगी।

- वर्तमान वर्ष में 14 सिंचाई परियोजनाओं को पूर्ण करने का लक्ष्य है। इनमें **अर्जुन सहायक नहर परियोजना, सरयू नहर राष्ट्रीय परियोजना तथा मध्यगंगा (द्वितीय चरण) परियोजना प्रमुख हैं।**
- वर्षों से अधूरी पड़ी **बाण सागर,** पहुज बांध, पथरई बांध, पहाड़ी बांध, लहचूरा बांध, गुंटा बांध, मौदहा बांध तथा जमरार बांध आदि परियोजनाओं को वर्तमान सरकार ने पूरा किया। **इन परियोजनाओं के पूर्ण होने से 2 लाख 66 हजार हेक्टेयर सिंचन क्षमता में वृद्धि** हुई। इससे लाखों किसानों को लाभान्वित किया गया।
- बुन्देलखण्ड में 8 हजार 384 खेत तालाबों को निर्माण कराया गया तथा 6 हजार से अधिक खेत तालाबों का निर्माण और कराया जायेगा।
- आगामी वर्ष में 04 परियोजनाओं-उत्तर प्रदेश, वॉटर सेक्टर रीस्ट्रक्चरिंग परियोजना, कचनौदा बांध परियोजना, भौरट बांध परियोजना तथा उमरहट पम्प नहर परियोजना को पूर्ण करने का लक्ष्य रखा गया है।
- **मध्य गंगा (द्वितीय चरण) परियोजना** से 1 लाख 46 हजार हेक्टेयर तथा अर्जुन सहायक नहर परियोजना से 44 हजार हेक्टेयर सिंचन क्षमता सृजित होगी।
- **सरयू नहर परियोजना** हेतु 1 हजार 554 करोड़ रुपये, मध्य गंगा नहर, द्वितीय चरण हेतु 1 हजार 736 करोड़ रुपये तथा अर्जुन सहायक परियोजना हेतु 252 करोड़ 65 लाख रुपये की व्यवस्था प्रस्तावित है।
- राजघाट नहर परियोजना, वॉटर सेक्टर रीस्ट्रक्चरिंग परियोजना तथा कनहर सिंचाई परियोजना हेतु क्रमशः 393 करोड़ रुपये, 295 करोड़ रुपये तथा 200 करोड़ रुपये की व्यवस्था प्रस्तावित है।
- बाढ़ नियंत्रण एवं जल निकासी परियोजनाओं हेतु 966 करोड़ रुपये की व्यवस्था प्रस्तावित है।

- नहरों की क्षतिग्रस्त पक्की संरचनाओं के निर्माण कार्यों हेतु 300 करोड़ रुपये की व्यवस्था प्रस्तावित है।
- **ग्रामीण जलापूर्ति कार्यक्रमों** के अन्तर्गत **जल जीवन मिशन** हेतु 3 हजार करोड़ रुपये की व्यवस्था प्रस्तावित है।
- निःशुल्क बोरिंग योजना, मध्यम गहरे नलकूप योजना तथा गहरी बोरिंग योजना को समेकित रूप से **मुख्य मंत्री लघु सिंचाई योजना** के नाम से क्रियान्वित किये जाने हेतु 216 करोड़ रुपये की व्यवस्था प्रस्तावित है।
- प्रदेश में बढ़ती हुई जनसंख्या के भविष्य की जल आवश्यकताओं की पूर्ति हेतु 01 हेक्टेयर से 05 हेक्टेयर के तालाबों को पुनर्विकसित करने की आवश्यकता के दृष्टिगत वर्षा जल संचयन के लिये 48 करोड़ रुपये की व्यवस्था प्रस्तावित है।
- प्रधानमंत्री कृषि सिंचाई योजना के घटक **"हर खेत को पानी"** के अन्तर्गत प्रदेश के 18 जनपदों के 69 विकास खण्डों जिनमें 750 मिलीमीटर से अधिक वर्षा होती है में बोरिंग योजनाओं हेतु 50 करोड़ रुपये की व्यवस्था प्रस्तावित है।

ऊर्जा एवं अतिरिक्त ऊर्जा

वर्तमान सरकार ने विद्युत क्षेत्र में पुराने मिथकों को तोड़ा है। जिला मुख्यालयों को 24 घण्टे,तहसील मुख्यालयों को 20 घण्टे तथा ग्राम स्तर पर 16 से 18 घण्टे बिजली देने की व्यवस्था की गयी है। गत दो वर्षों में **सौभाग्य** एवं अन्य योजनाओं के अन्तर्गत प्रदेश में लगभग 1 करोड़ 24 लाख घरों को विद्युत संयोजन निर्गत कर समस्त 75 जनपदों को लक्ष्य के अनुरूप निर्धारित समय में संतृप्त कर दिया गया है।

पं0 दीन दयाल उपाध्याय ग्राम ज्योति योजना व ग्रामीण विद्युतीकरण की अन्य योजनाओं के अन्तर्गत माह अप्रैल, 2017 से अब तक 1 लाख 21 हजार 324 मजरों को विद्युतीकृत किया गया है। लक्ष्य के सापेक्ष विद्युतीकृत किये जाने हेतु कोई मजरा शेष नहीं है।

संयोजनों की शत-प्रतिशत मीटरिंग करायी जा रही है। प्रदेश के 47 शहरों में वर्ष 2022 तक 40 लाख **स्मार्ट मीटर** लगाए जायेंगे। वर्तमान में विद्युत वितरण निगामों के मुख्यालय स्थित महानगरों में स्मार्ट मीटर लगाए जा रहे हैं। जनवरी, 2020 तक लगभग 9 लाख स्मार्ट मीटर स्थापित किये जा चुके हैं। इन मीटरों की स्थापना से बिलिंग क्षमता में लगभग 5 से 7 प्रतिशत की वृद्धि परिलक्षित होगी।

- प्रदेश में विगत दो वर्षों में विद्युत आपूर्ति में रिकॉर्ड वृद्धि हुई है जिसके फलस्वरुप 2 करोड़ 80 लाख उपभोक्ताओं को विद्युत आपूर्ति सुनिश्चित की जा रही है।
- गत वर्ष के 20 हजार 62 मेगावॉट के सापेक्ष वर्तमान वित्तीय वर्ष में 21 हजार 632 मेगावॉट पीक मांग की आपूर्ति की गयी।

- वर्तमान वर्ष में शहरों तथा गांवों में विद्युत आपूर्ति हेतु लगभग 22 हजार 922 मेगावॉट विद्युत की उपलब्धता है जो मांग के अनुरूप पर्याप्त है। आगामी वर्षों हेतु अनुबन्धित क्षमता को मांग के अनुरूप बढ़ाया भी जा रहा है।
- वर्तमान में प्रदेश में सार्वजनिक क्षेत्र की विद्युत आपूर्ति क्षमता 5 हजार उत्पादन 800 मेगावॉट है, जिसको बढ़ाते हुये मांग के अनुरूप भविष्य में प्रदेशवासियों को समुचित विद्युत उपलब्ध कराने हेतु सार्वजनिक क्षेत्र में 3 हजार 960 मेगावॉट उत्पादन क्षमता की तापीय परियोजनाएं 32 हजार 300 करोड़ रुपये की लागत से निर्माणाधीन है। इन परियोजनाओं में वर्ष 2020 से 2022 के मध्य उत्पादन प्रारम्भ होगा।
- इसके अतिरिक्त भविष्य में लगभग 3 हजार मेगावॉट का उत्पादन संयुक्त उपक्रम के माध्यम से प्राप्त होना सम्भावित है।

सौर ऊर्जा से विद्युत उत्पादन में निजी भागीदारी को बढ़ावा एवं निजी निवेश को आकर्षित किये जाने के उद्देश्य से **सौर ऊर्जा नीति-2017** क्रियान्वित की गयी है। इस नीति के अन्तर्गत वर्ष 2022 तक 10 हजार 700 मेगावॉट क्षमता की सौर विद्युत उत्पादन का लक्ष्य निर्धारित किया गया है।

बुन्देलखण्ड क्षेत्र में सौर विद्युत परियोजनाओं को बढ़ावा दिये जाने के उद्देश्य से 4 हजार मेगावॉट सौर ऊर्जा उत्पादन के लिये **ग्रीन इनर्जी कॉरीडोर** का निर्माण कराये जाने का निर्णय लिया गया है। प्रदेश में अब तक कुल 949 मेगावॉट क्षमता की यूटिलिटी स्केल सौर विद्युत परियोजनायें स्थापित की गयी हैं।

प्रदेश सरकार द्वारा ग्रिड संयोजित सोलर रूफ टॉप के अन्तर्गत निजी आवासों में नेट मीटरिंग व्यवस्था के माध्यम से प्लाण्ट की स्थापना पर 15 हजार रुपये प्रति किलोवॉट अधिकतम 30 हजार रुपये प्रति उपभोक्ता हेतु अनुदान दिया जा रहा है। अब तक 225 मेगावॉट क्षमता के रूफटॉप सोलर संयंत्रों की स्थापना की जा चुकी है।

- **जैव ऊर्जा उद्यम प्रोत्साहन कार्यक्रम** के अन्तर्गत बायोडीजल, बायो एथेनॉल, मेथेनॉल, बायोगैस, बायो सी0एन0जी0 उत्पादन इत्यादि परियोजनाओं को प्रोत्साहन प्रदान किया जा रहा है।
- ग्रामीण क्षेत्रों में सामुदायिक मार्ग प्रकाश की सुविधा हेतु लगभग 2 लाख 82 हजार सोलर स्ट्रीट लाइट संयंत्रों की स्थापना करायी जा चुकी है।
- प्रदेश के विभिन्न प्राथमिक विद्यालयों में 2 हजार 727 **सोलर आर0ओ0 वाटर संयंत्रों** की स्थापना करायी गयी है।
- **पं0 दीन दयाल उपाध्याय सोलर स्ट्रीट लाइट योजना** में विकास खण्ड के एक या दो ग्रामीण बाजारों में सामुदायिक प्रकाश की व्यवस्था सोलर स्ट्रीट लाइट संयंत्रों से कराये जाने की योजना संचालित की गयी है।

आवास एवं नगर विकास

- **प्रधानमंत्री आवास योजना** के लाभार्थियों को भवन आवंटन में समाज के अत्यन्त गरीब व्यक्तियों/लाभार्थियों का पंजीकरण शुल्क 25 हजार रुपये से घटाकर 5 हजार रुपये किया गया तथा दिव्यांगजन हेतु भवनों के आवंटन में 3 प्रतिशत आरक्षण को बढ़ाकर 5 प्रतिशत किया गया।
- **सबके लिये आवास योजना के** अन्तर्गत प्रदेश के विकास प्राधिकरणों, विशेष क्षेत्र विकास प्राधिकरण तथा उतर प्रदेश आवास एवं विकास परिषद द्वारा नगरीय क्षेत्र में आवासीय आवश्यकता की बढ़ी हुई मांग को लगातार पूर्ण किये जाने का लक्ष्य है। दुर्बल आय वर्ग के लिये मार्च, 2021 तक 04 लाख भवनों का निर्माण का लक्ष्य है।
- लखनऊ, गाजियाबाद तथा नोयडा में मेट्रो रेल संचालित है। दिल्ली से मेरठ **रीजनल रैपिड ट्रांजिड सिस्टम** का कार्य प्रगति में है जिसके लिये 900 करोड़ रुपये की व्यवस्था प्रस्तावित है।
- **कानपुर मेट्रो रेल परियोजना** भारत सरकार द्वारा अनुमोदित करते हुये परियोजना की लागत 11 हजार 76 करोड़ रुपये अनुमोदित की गयी है। परियोजना की कुल लम्बाई 32 किलोमीटर है। कानपुर मेट्रो पर कार्य प्रारम्भ हो चुका है। परियोजना हेतु 358 करोड़ रुपये की व्यवस्था प्रस्तावित है।
- **आगरा मेट्रो रेल परियोजना** भारत सरकार द्वारा 8 हजार 379 करोड़ रुपये की लागत से अनुमोदित की गयी है। परियोजना की कुल लम्बाई 29 किलोमीटर है। परियोजना हेतु 286 करोड़ रुपये की व्यवस्था प्रस्तावित है।
- गोरखपुर तथा अन्य शहरों के लिये मेट्रो रेल हेतु प्रस्ताव तैयार किये जा रहे हैं जिसके लिये 200 करोड़ रुपये की व्यवस्था प्रस्तावित है।
- लखनऊ में **राष्ट्रीय प्रेरणा स्थल** की स्थापना हेतु 50 करोड़ रुपये की व्यवस्था प्रस्तावित है।
- भारत सरकार द्वारा गंगा नदी एवं सहायक नदियों को निर्मल एवं अविरल बनाये जाने के उद्देश्य से नमामि गंगे अभियान संचालित किया जा रहा है। नमामि गंगे परियोजना के अन्तर्गत 45 सीवरेज परियोजनायें प्रारम्भ की जिनमें से 12 परियोजनायें पूर्ण हो चुकी है।
- गंगा नदी के किनारे 12 परियोजनाओं के अन्तर्गत 100 घाटों के निर्माण एवं पुनरुद्धार की योजना स्वीकृत है। इनमें 26 घाटों का कार्य पूर्ण कर लिया गया है।
- **अमृत योजना** के अन्तर्गत प्रारम्भ से अब तक पेयजल की 158 एवं सीवरेज की 228 परियोजनाएं निर्माणाधीन हैं। पेयजल के 4 लाख 98 हजार 798 संयोजन व सीवरेज के 4 लाख 20 हजार 716 संयोजन दिये जा चुके हैं।

- लखनऊ, प्रयागराज, आगरा, गाजियाबाद, कानपुर, गोरखपुर, वाराणसी, मथुरा एवं शाहजहांपुर में **इलेक्ट्रिक बसों के संचालन का निर्णय** लिया गया है। **उत्तर प्रदेश इलेक्ट्रिक वाहन मैन्युफैक्चरिंग नीति-2019** का प्रख्यापन किया गया है। प्रदेश में 700 से अधिक इलेक्ट्रिक बसों की व्यवस्था की जा रही है।
- **स्वच्छ भारत मिशन** के अन्तर्गत प्रदेश के सभी 75 जनपद ओ0डी0एफ0 घोषित हो चुके हैं।
- स्मार्ट **सिटी मिशन** के अन्तर्गत प्रदेश के 10 शहरों लखनऊ, कानपुर, प्रयागराज, वाराणसी, आगरा, सहारनपुर, बरेली, झांसी, मुरादाबाद तथा अलीगढ़ में लगभग 20 हजार करोड़ रुपये की परियोजनाओं का क्रियान्वयन किया जा रहा है।
- केन्द्र सरकार द्वारा चयनित 10 नगर निगमों के अतिरिक्त शेष 07 नगर निगमों-मेरठ, गाजियाबाद, अयोध्या, फिरोजाबाद, गोरखपुर, मथुरा-वृन्दावन तथा शाहजहांपुर को **राज्य स्मार्ट सिटी** के रूप में विकसित किये जाने का निर्णय लिया गया है।

बेसिक, माध्यमिक एवं उच्च शिक्षा

- शिक्षा को बेहतर करने के लिये सतत् प्रयास किये जा रहे हैं। **स्कूल चलो अभियान** के तहत 01 करोड़ 80 लाख बच्चों का नामांकन कराया गया।
- **ऑपरेशन शिक्षा कायाकल्प** के माध्यम से 91 हजार 236 स्कूलों में बेहतर सुविधाएं दिये जाने का कार्य किया जा रहा है। 15 हजार प्राथमिक विद्यालयों तथा 1 हजार उच्च माध्यमिक विद्यालयों को अंग्रेजी माध्यम में परिवर्तित किया गया।
- वर्तमान शैक्षिक सत्र में लगभग 1 करोड़ 73 लाख छात्र-छात्राओं को निःशुल्क पाठ्य पुस्तकों एवं कार्यपुस्तिकाओं का वितरण कराया जा चुका है। आगामी शैक्षिक सत्र में लगभग 1 करोड़ 90 लाख छात्र-छात्राओं को निःशुल्क पाठ्य पुस्तकें एवं कार्यपुस्तिकाएं वितरित कराये जाने का लक्ष्य है।
- प्रदेश के प्राथमिक एवं उच्च प्राथमिक स्तर पर स्कूली शिक्षा उन्नयन हेतु **समग्र शिक्षा अभियान** का क्रियान्वयन प्रदेश सरकार द्वारा किया जा रहा है। इस हेतु 18 हजार 363 करोड़ रुपये व्यवस्था प्रस्तावित है।
- प्रदेश के स्कूलों में एन0सी0ई0आर0टी0 पाठ्यक्रम लागू किया गया है। प्रदेश के निजी विद्यालयों में शिक्षा ग्रहण करने वाले विद्यार्थियों से ली जाने वाली फीस को विनियमित करने के लिये **उत्तर प्रदेश स्वतंत्र विद्यालय (शुल्क विनियमन) विधेयक, 2018** लागू किया गया है।
- **"बेटी बचाओ बेटी पढ़ाओ" योजना** के अन्तर्गत 100 टॉपर छात्राओं, 100 टॉपर अनुसूचित जाति/अनुसूचित जनजाति छात्र-छात्राओं तथा डिप्लोमा सेक्टर की प्रवेश परीक्षा में प्रवेश लेने वाले 300 टॉपर छात्र-छात्राओं को लैपटॉप दिया गया।

- राजकीय माध्यमिक विद्यालयों में अध्यापकों का चयन **उत्तर प्रदेश लोक सेवा आयोग, प्रयागराज** के माध्यम से करने की नवीन व्यवस्था की गयी है तथा चयन में लिखित परीक्षा की व्यवस्था को जोड़ा गया है। पारदर्शिता एवं निष्पक्षता के लिये साक्षात्कार की प्रक्रिया समाप्त कर दी गयी है।
- सहायक अध्यापक के 10 हजार 768 पदों पर भर्ती हेतु लिखित परीक्षा सम्पन्न हो चुकी हैं। प्रवक्ता के 3 हजार 794 पदों पर भर्ती प्रक्रियाधीन है तथा अतिशीघ्र विद्यालयों में सहायक अध्यापक उपलब्ध होंगे।
- अशासकीय सहायता प्राप्त माध्यमिक विद्यालयों में अध्यापकों के रिक्त पदों पर पारदर्शी, निष्पक्ष एवं त्वरित चयन हेतु **उत्तर प्रदेश माध्यमिक शिक्षा सेवा चयन आयोग, प्रयागराज** का पुनर्गठन किया गया है। चयन बोर्ड द्वारा 7 हजार 482 सहायक अध्यापक एवं 1 हजार 290 प्रवक्ता के पदों पर चयन हेतु लिखित परीक्षा करायी गयी है। इसके अतिरिक्त आयोग द्वारा 314 प्रवक्ता एवं 1 हजार 337 सहायक अध्यापकों के परिणाम घोषित किये गये हैं।
- उच्च शिक्षा के क्षेत्र में आधारभूत सुविधाओं के विकास के लिये **राष्ट्रीय उच्चतर शिक्षा अभियान** के अन्तर्गत 111 करोड़ रुपये की व्यवस्था प्रस्तावित है।
- राज्य विश्वविद्यालयों में सहायक प्रोफेसर, एसोशिएट प्रोफेसर तथा प्रोफेसर के रिक्त पदों पर चयन हेतु कार्यवाही प्रारम्भ कर दी गयी है।
- राज्य विश्वविद्यालयों के रिक्त पदों के सापेक्ष मानदेय के आधार पर सेवानिवृत्त शिक्षकों से शिक्षण कार्य लिये जाने हेतु शासनादेश निर्गत किया जा चुका है।

लोक निर्माण

- ग्रामीण मार्गों के निर्माण, चौड़ीकरण एवं सुदृढ़ीकरण हेतु 2 हजार 305 करोड़ रुपये तथा राज्य सड़क निधि हेतु 1 हजार 500 करोड़ रुपये की व्यवस्था प्रस्तावित है।
- प्रदेश में लगभग 2 लाख 31 हजार किलोमीटर लम्बाई का मार्ग नेटवर्क लोक निर्माण विभाग के अधीन है। मार्गों के अनुरक्षण हेतु 3 हजार 524 करोड़ रुपये की व्यवस्था प्रस्तावित है।
- **विश्व बैंक की सहायता** से प्रस्तावित उत्तर प्रदेश कोर रोड नेटवर्क परियोजना के अन्तर्गत मार्ग निर्माण कार्यों हेतु 830 करोड़ रुपये की व्यवस्था प्रस्तावित है।
- **एशियन डेवलपमेन्ट बैंक** से प्रस्तावित उत्तर प्रदेश मुख्य जिला विकास परियोजना के अन्तर्गत मार्ग निर्माण हेतु 755 करोड़ रुपये की व्यवस्था प्रस्तावित है।
- जनपद मथुरा में गोवर्धन परिक्रमा मार्ग की वाह्य परिधि में सर्विस रोड के निर्माण का निर्णय किया गया है।

- पूर्वान्चल एवं बुन्देलखण्ड क्षेत्रों के विकास को और गति प्रदान करने के उद्देश्य से विशेष सत्र कार्यक्रम के अन्तर्गत **पूर्वांचल निधि** हेतु 300 करोड़ रुपये तथा **बुन्देलखण्ड निधि** के लिये 210 करोड़ रुपये की व्यवस्था प्रस्तावित है।
- प्रदेश में मार्ग दुर्घटनाओं में कमी लाने के लिये दुर्घटना बाहुल्य क्षेत्रों में चिन्हित ब्लैक स्पॉट के सुधार तथा विभिन्न सुरक्षा सम्बन्धी कार्यों हेतु 39 करोड़ रुपये की व्यवस्था प्रस्तावित है।
- नेपाल राष्ट्र को जोड़ने वाली अन्तर्राष्ट्रीय सीमा पर उत्तर प्रदेश के 07 जनपदों में मार्ग निर्माण हेतु 14 करोड़ रुपये तथा भूमि अध्याप्ति हेतु 124 करोड़ रुपये की व्यवस्था प्रस्तावित है।
- **केन्द्रीय मार्ग निधि योजना** के अन्तर्गत मार्गों के निर्माण, चौड़ीकरण एवं सुदृढ़ीकरण को पूर्ण करने हेतु 2 हजार 80 करोड़ रुपये की व्यवस्था प्रस्तावित है।
- शहरों में बाईपास, रिंग रोड एवं चौराहों पर फ्लाईओवर आदि के निर्माण हेतु 170 करोड़ रुपये की व्यवस्था प्रस्तावित है।
- ऐसे राज्यमार्ग जो अभी भी सिंगल लेन/डेढ़ लेन चौड़े हैं, को कम से कम दो तथा अधिक यातायात धनत्व वाले मार्गों को यातायात की आवश्यकता के अनुसार 2 लेन विद पेव्ड शोल्डर अथवा 4 लेन चौड़ा किया जाना प्रस्तावित है।
- पुलों के निर्माण हेतु 2 हजार 529 करोड़ रुपये की व्यवस्था प्रस्तावित है।
- जनपद कौशाम्बी पर्यटन स्थल को जनपद प्रयागराज मुख्यालय वाया एयरपोर्ट से फोर लेन से जोड़ने हेतु भूमि का अधिग्रहण किया जायेगा।

न्याय

हमारी सरकार आम जनता को त्वरित न्याय दिलाने के लिये प्रतिबद्ध है। इस हेतु हमारी सरकार ने विधिक वादों के त्वरित निपटारे हेतु न्यायालयों एवं ट्राइब्यूनल्स की स्थापना की गई है और न्यायाधीशों की नियुक्तियां की गयी हैं।

प्रदेश में **पॉक्सो (प्रोटेक्शन ऑफ चिल्ड्रेन फ्रॉम सेक्सुअल आफेन्सेज) ऐक्ट** के अधीन प्रचलित आपराधिक वादों के शीघ्र निस्तारण के लिये **218 न्यायालयों के गठन का निर्णय** लिया है। अब तक स्थापित **महिलाओं के विरुद्ध अपराधिक कोर्ट्स की संख्या 81** है। **अनुसूचित जाति/अनुसूचित जनजाति (अत्याचार निवारण अधिनियम) के 25 कोर्ट तथा 13 कामर्शियल कोर्ट्स** की स्थापना करायी गयी है। **निर्वाचित सांसदों, विधायकों के लम्बित अपराधिक वादों के लिए 01 स्पेशल कोर्ट** का गठन किया गया है। **24 स्थाई लोक अदालत तथा 75 मोटर एक्सीडेण्ट क्लेम ट्रिब्यूनल** स्थापित किये गये हैं।

माननीय उच्च न्यायालय, इलाहाबाद हेतु मल्टीलेवल पार्किंग तथा कान्फ्रेन्स रूम के निर्माण की योजना स्वीकृत की गयी है। माननीय उच्च न्यायालय, इलाहाबाद में 20 कोर्ट रूम तथा 30 अधिवक्ता चैम्बर्स का निर्माण कराया गया।

प्रदेश के अधीनस्थ न्यायालयों में 194 नये कोर्ट रूम निर्मित किये गये हैं। जिला न्यायालय, इलाहाबाद में अधिवक्ताओं के लिए 39 चैम्बर्स एवं 02 बड़े हॉल निर्मित किये गये हैं।

सिविल जज जूनियर डिवीजन के 610 पदों पर तथा उच्चतर न्यायिक सेवा के 51 पदों पर नियुक्ति हुई है।

- माननीय उच्च न्यायालय में निर्माण कार्यों तथा मशीनें साज-सज्जा एवं उपकरणों के क्रय हेतु 533 करोड़ रुपये की व्यवस्था प्रस्तावित है।
- माननीय उच्च न्यायालय, इलाहाबाद की लखनऊ खण्डपीठ के लिये नये भवनों के निर्माण कार्य हेतु 150 करोड़ रुपये की व्यवस्था प्रस्तावित है।
- माननीय उच्च न्यायालय के न्यायमूर्ति के लिये आवासीय भवनों के निर्माण हेतु 100 करोड़ रुपये की व्यवस्था प्रस्तावित है।
- प्रदेश के विभिन्न जनपदों में न्यायालयों की स्थापना हेतु 400 करोड़ रुपये की व्यवस्था प्रस्तावित है।
- जनपदों में न्यायिक अधिकारियों के लिये आवास के निर्माण हेतु 150 करोड़ रुपये की धनराशि प्रस्तावित है।
- प्रदेश के अधीनस्थ न्यायालयों की सुरक्षा हेतु सी0सी0टी0वी0 कैमरा एवं अन्य सुरक्षा उपकरण हेतु 75 करोड़ रुपये की व्यवस्था प्रस्तावित है।
- **उत्तर प्रदेश अधिवक्ता कल्याण निधि** से संबंधित कल्याणकारी स्टाम्पों की बिक्री की शुद्ध प्राप्ति का अधिवक्ता कल्याण निधि हेतु न्यासी समिति को अन्तरण हेतु 6 करोड़ रुपये तथा समिति को अनुदान हेतु 20 करोड़ रुपये की व्यवस्था प्रस्तावित है।
- **युवा अधिवक्ताओं को आर्थिक सहायता** प्रदान किये जाने के लिये कार्पस फण्ड हेतु 5 करोड़ रुपये तथा किताब एवं पत्रिका हेतु 10 करोड़ रुपये की धनराशि की व्यवस्था प्रस्तावित है।
- प्रदेश के विभिन्न जनपदों में **अधिवक्ता चैम्बर** का निर्माण एवं उनमें अन्य अवस्थापना सुविधाओं के विकास हेतु 5 करोड़ रुपये की व्यवस्था प्रस्तावित है।

मान्यवर,

कठोर कानून व्यवस्था स्थापित करने और जनता को त्वरित न्याय दिलाने की दिशा में हमारी सरकार द्वारा किये गये और किये जा रहे अथक और सफल प्रयासों से प्रदेश में कानून व्यवस्था के प्रति जनसाधारण में विश्वास की भावना बलवती हुई है और अब जनता स्वयं को सुरक्षित महसूस कर रही है। इन भावनाओं को व्यक्त करते हुये मैं कहना चाहूंगा कि-

भय के सब तटबंध तोड़कर जनता को विश्वास दिया है।
रोकी अपराधों की आंधी, जन-जन को अहसास दिया है।
भ्रष्टाचारी आतंकित हैं योगी की सरकार में,
स्वच्छ पारदर्शी शासन का हमने सफल प्रयास किया है।

खाद्य एवं रसद

- मूल्य समर्थन योजना के अन्तर्गत **रबी विपणन वर्ष** 2019-2020 में 6 हजार 796 क्रय केन्द्र स्थापित कर 37 लाख मीट्रिक टन गेहूं की रिकॉर्ड खरीद की गयी।
- व्यापक कृषक हित को ध्यान में रखकर गेहूं क्रय की अवधि को विस्तारित कर दिनांक 25 जून, 2019 तक गेहूं क्रय का कार्य किया गया। इससे 7 लाख 53 हजार 414 किसान लाभान्वित हुये और 6 हजार 889 करोड़ रुपये का भुगतान सीधे किसानों के खातों में किया गया।
- **खरीफ विपणन वर्ष 2019-2020 के अन्तर्गत धान क्रय** का कार्य सम्पूर्ण प्रदेश में प्रारम्भ हो चुका है जो माह फरवरी, 2020 तक चलेगा।
- इस वर्ष भारत सरकार द्वारा धान कॉमन का समर्थन मूल्य 1 हजार 815 रुपये प्रति कुन्तल एवं धान ग्रेड-ए का समर्थन मूल्य 1 हजार 835 रुपये प्रति कुन्तल निर्धारित किया गया है। उतराई, छनाई की मद में 20 रुपये प्रति कुन्तल कृषकों को अतिरिक्त रूप में दिये जाएंगे। 3 हजार 799 क्रय केन्द्रों के माध्यम से अभी तक 53 लाख 15 हजार मीट्रिक टन धान खरीद की जा चुकी है। जिससे 6 लाख 58 हजार 41 किसान लाभान्वित हुये हैं तथा 8 हजार 966 करोड़ रुपये का भुगतान सीधे किसानों के खातों में किया गया।

पशुपालन, दुग्ध विकास एवं मत्स्य

गोवंश संरक्षण हमारी सांस्कृति परम्परा है। संविधान का नीति निदेशक तत्व भी है।

- वर्ष 2018-2019 में प्रदेश में दुग्ध उत्पादन 305 लाख मीट्रिक टन रहा। वर्ष 2019-2020 में दुग्ध उत्पादन का लक्ष्य 340 लाख मीट्रिक टन रखा गया है। अक्टूबर, 2019 तक 175 लाख मीट्रिक टन दूध का उत्पादन हुआ है।
- प्रदेश के 18 मण्डलों में ग्रामीण और शहरी क्षेत्रों को मिलाकर 4 हजार 900 से अधिक गोआश्रय स्थलों में लगभग 4 लाख गोवंश संरक्षित किये गये हैं। **मुख्य मंत्री सहभागिता** योजनान्तर्गत 46 हजार से अधिक गोवंश को इच्छुक पशुपालकों की सुपुर्दगी में दिया गया है।
- राष्ट्रीय पशु रोग नियंत्रण कार्यक्रम के अन्तर्गत खुरपका-मुंहपका एवं ब्रुस्लोसिस रोग नियंत्रण हेतु ऐक्शन प्लान तैयार कर भारत सरकार को प्रेषित किया गया है जिसका लक्ष्य वर्ष 2030 तक प्रदेश को खुरपका-मुंहपका रोग से मुक्त कराया जाना है।
- दुग्ध व्यवसाय ऐसा व्यवसाय है जो ग्रामीण क्षेत्र, विशेष रूप से अनुसूचित जाति, अन्य पिछड़ा वर्ग एवं समाज के निर्बल, भूमिहीन, मजदूर, बेरोजगारों हेतु आजीविका का महत्वपूर्ण स्रोत है।
- वर्ष 2018-2019 में कार्यरत 7 हजार 293 सहकारी दुग्ध समितियों के माध्यम से 3 लाख 31 हजार लीटर प्रतिदिन दूध का उपार्जन कर 1 लाख 73 हजार लीटर

प्रतिदिन नगरीय दूध बिक्री किया गया। वर्तमान वर्ष में कार्यरत 6 हजार 968 सहकारी दुग्ध समितियों के माध्यम से 2 लाख 26 हजार लीटर प्रतिदिन दूध का उपार्जन कर 1 लाख 88 हजार लीटर प्रतिदिन नगरीय दूध विक्रय किया जा रहा है।

- आगामी वर्ष में ग्राम पंचायतों के स्वामित्व वाले 5 हजार हेक्टेयर सामुदायिक तालाबों का 10 वर्षीय पट्टा आवंटन व समस्त स्रोतों से 295 करोड़ मत्स्य बीज उत्पादन एवं मत्स्य बीज वितरण का लक्ष्य प्रस्तावित है।
- आगामी वर्ष में 1 लाख 93 हजार मत्स्य पालकों को निःशुल्क प्रीमियम पर मछुआ दुर्घटना बीमा योजना से आच्छादित किये जाने का लक्ष्य है।
- आवासविहीन 1 हजार मत्स्य पालक परिवारों को 1 लाख 20 हजार रुपये प्रति आवास की दर से निःशुल्क आवास की सुविधा उपलब्ध कराये जाने का है।

पर्यटन, संस्कृति एवं धर्मार्थ कार्य

- उत्तर प्रदेश में वर्ष 2018 में 28 करोड़ 88 लाख से अधिक पर्यटक आये, जिनमें भारतीय पर्यटकों की संख्या 28 करोड़ 50 लाख एवं विदेशी पर्यटकों की संख्या 37 लाख 80 हजार है। वर्ष 2019 में माह जुलाई तक 39 करोड़ 80 लाख पर्यटक आए, जिनमें भारतीय पर्यटकों की संख्या 39 करोड़ 49 लाख एवं विदेशी पर्यटकों की संख्या 30 लाख 78 हजार है।
- **अयोध्या में दीपोत्सव** का आयोजन 26 अक्टूबर, 2019 का पुनः किया गया तथा इस अवसर पर 4 लाख 04 हजार 26 से अधिक दीप जलाये गये। यह एक नया कीर्तिमान था जिसे गिनीज बुक ऑफ वर्ल्ड रिकार्ड्स में सम्मिलित किया गया।
- **अयोध्या** में उच्च स्तरीय पर्यटक अवस्थापना सुविधाओं के विकास हेतु 85 करोड़ रुपये की व्यवस्था प्रस्तावित है। अयोध्या में **तुलसी स्मारक भवन** के सुदृढ़ीकरण हेतु 10 करोड़ रुपये की व्यवस्था प्रस्तावित है।
- जनपद **वाराणसी में सांस्कृतिक केन्द्र की स्थापना** के लिये 180 करोड़ रुपये की व्यवस्था प्रस्तावित है।
- **उत्तर प्रदेश पर्यटन नीति-2018** के अन्तर्गत पर्यटन क्षेत्र हेतु 18 हजार 311 करोड़ रुपये के निवेश हेतु प्राप्त 212 प्रस्तावों के सापेक्ष 105 पंजीकरण प्रमाण-पत्र निवेशकों को जारी किये जा चुके हैं। नीति के अन्तर्गत पर्यटन इकाइयों को प्रोत्साहन हेतु 50 करोड़ रुपये की व्यवस्था प्रस्तावित है।
- प्रदेश की सांस्कृतिक एवं प्राचीन धरोहरों को संरक्षित किये जाने के उद्देश्य से जनपद हापुड़ में गढ़मुक्तेश्वर क्षेत्र के विकास, गोरखपुर में रामगढ़ ताल में वाटर स्पोर्ट्स के विकास, महत्वपूर्ण पर्यटन स्थलों पर हेलीपोर्ट का निर्माण, 46 पर्यटन विकास योजनाओं का क्रियान्वयन इत्यादि कतिपय महत्वाकांक्षी योजनायें प्रस्तावित हैं।

- प्रदेश में प्राचीन संस्कृति व सम्पदा के बिखरे पड़े अवशेषों को प्रकाश में लाने एवं भावी पीढ़ियों के लिये उन्हें संरक्षित करने एवं पुरातात्विक महत्व के स्थलों, स्मारकों तथा पुरावशेषों का सर्वेक्षण, प्राचीन स्मारकों के जीर्णोद्धार एवं परिलक्षण महत्व के स्थलों का उत्खनन आदि कार्य किये जा रहे हैं।
- जनपद गोरखपुर में आधुनिक प्रेक्षागृह का निर्माण, कबीर अकादमी की स्थापना, जनपद बलरामपुर में इमलिया कोडर व उसके आस-पास थारु जनजाति की संस्कृति के संरक्षण हेतु संग्रहालय की स्थापना, रामलीला मैदानों की चाहरदीवारियों का निर्माण, गुरु गोरक्षनाथ शोध पीठ की स्थापना, पं0 सूर्यकान्त त्रिपाठी निराला जी की जन्मस्थली गढ़कोला, उन्नाव में विशाल स्मृति भवन, पुस्तकालय एवं अन्य निर्माण कार्य कराये जा रहे हैं।
- जनपद गोरखपुर के रामगढ़ ताल में वॉटर स्पोर्ट्स के विकास हेतु 25 करोड़ रुपये की व्यवस्था प्रस्तावित है।
- श्री काशी विश्वनाथ मंदिर विस्तारीकरण एवं सौन्दर्यीकरण योजना हेतु 200 करोड़ रुपये की व्यवस्था प्रस्तावित है।
- काशी हिन्दू विश्वविद्यालय के अन्तर्गत वैदिक विज्ञान केन्द्र के निर्माण हेतु 18 करोड़ की व्यवस्था प्रस्तावित है।
- कैलाश मानसरोवर यात्रा अनुदान हेतु 8 करोड़ रुपये एवं सिन्धु दर्शन यात्रा अनुदान हेतु 10 लाख रुपये की व्यवस्था प्रस्तावित है।

वन एवं पर्यावरण

वन स्थिति रिपोर्ट-2017 के अनुसार प्रदेश के भौगोलिक क्षेत्रफल का 9.18 प्रतिशत क्षेत्र वनावरण एवं वृक्षारोपण से आच्छादित है जो वर्ष 2015 के सापेक्ष 676 वर्ग किलोमीटर की वृद्धि दर्शाता है।

दिनांक 09 अगस्त, 2019 को **वृक्षारोपण महाकुम्भ** में एक ही दिन में 22 करोड़ 59 लाख पौधों का रोपण किया गया। 09 अगस्त, 2019 को प्रयागराज में एक ही स्थल पर एक ही दिन में सर्वाधिक पौधों का वितरण किया गया जिसे गिनीज बुक ऑफ वर्ल्ड रिकार्ड्स में सम्मिलित किया गया है।

मानव वन्यजीव संघर्ष को आपदा घोषित करने वाला उत्तर प्रदेश प्रथम राज्य है। प्रभावी सुरक्षा व्यवस्था तथा प्रवर्तन के कारण राज्य में बाघों की संख्या वर्ष 2014 के 117 से बढ़कर वर्ष 2018 में 173 हो गई है।

- वर्ष 2030 तक वनावरण एवं वृक्षावरण 15 प्रतिशत तक किये जाने का लक्ष्य है जिसके लिये विभिन्न वृक्षारोपण योजनाओं में सड़क, रेलवे लाइन तथा कृषकों की निजी भूमि पर वृहद स्तर पर बीहड़ खादर व अवनत वन भूमि, सामुदायिक भूमि तथा कृषकों की निजी भूमि पर वृहद स्तर पर वृक्षारोपण कराने की कार्य योजना है।

- वन्य जीव संरक्षण की दिशा में नई तकनीक के प्रयोग हेतु आई0आई0टी0, कानपुर को तकनीकी पार्टनर चिन्हित किया गया है। दुधवा टाइगर रिजर्व में एम-स्ट्राइप्स एप्स के माध्यम से स्मार्ट पेट्रोलिंग प्रारम्भ की गई है।
- पर्यावरण को स्वच्छ एवं स्वस्थ्य बनाने के उद्देश्य से राज्य सरकार द्वारा पॉलीथीन के निर्माण एवं उपयोग पर पूर्ण प्रतिबन्ध लगाया गया।
- प्रदेश के प्रमुख शहरों में प्रभावी प्रदूषण नियंत्रण के उद्देश्य से 15 शहरों में वायु प्रदूषण नियंत्रण तथा 14 नदी खण्डों में जल प्रदूषण नियंत्रण कार्य योजना क्रियान्वित है। इसके अतिरिक्त एन0सी0आर0 क्षेत्र एवं लखनऊ, कानपुर, आगरा, वाराणसी, मुरादाबाद में काम्प्रीहैन्सिव प्रदूषण नियंत्रण कार्य योजना क्रियान्वित है।

सूक्ष्म, लघु एवं मध्यम उद्योग

- उत्तर प्रदेश पहले एम0एस0एम0ई0 के क्षेत्र में एक समृद्ध प्रदेश के रुप में जाना जाता था। वर्तमान सरकार ने **ओ0डी0ओ0पी0** जैसी योजना लाकर परम्परागत उद्योगों को एक नई ऊर्जा प्रदान की है। योजना हेतु 250 करोड़ रुपये की व्यवस्था प्रस्तावित है।
- **''उत्तर प्रदेश सूक्ष्म, लघु एवं मध्यम उद्यम तथा निर्यात प्रोत्साहन नीति-2017''** प्रख्यापित की गई है।
- प्रदेश के शहरी एवं ग्रामीण क्षेत्र के पारम्परिक कारीगरों जैसे बढ़ई, दर्जी, टोकरी बुनकर, नाई, सुनार, लोहार, कुम्हार, हलवाई आदि पारम्परिक हस्तशिल्पियों की कलाओं के प्रोत्साहन हेतु **''विश्वकर्मा श्रम सम्मान योजना''** लागू है।

खादी एवं ग्रामोद्योग

- प्रदेश में **मुख्य मंत्री ग्रामोद्योग रोजगार** योजना संचालित है जिसके अन्तर्गत 16 हजार लोगों को रोजगार उपलब्ध कराये जाने के लक्ष्य है।
- खादी एवं ग्रामोद्योग में समुचित विकास एवं स्वरोजगार के अवसर उपलब्ध कराये जाने हेतु **खादी एवं ग्रामोद्योग विकास एवं सतत् स्वरोजगार प्रोत्साहन नीति-2017** गठित की गयी है। योजना में एक ग्रामोद्योग समाधान सेल स्थापित किया जा चुका है जिसमें उद्यमियों की सभी समस्याओं एवं जिज्ञासाओं का निराकरण तात्कालिक रूप से किया जा रहा है।

हथकरघा एवं वस्त्रोद्योग

- कृषि क्षेत्र के बाद हथकरघा उद्योग उत्तर प्रदेश का सर्वाधिक रोजगार उपलब्ध कराने वाला विकेन्द्रीकृत कुटीर उद्योग है। प्रदेश में लगभग 1 लाख 91 हजार हथकरघा बुनकर एवं लगभग 80 हजार हथकरघे हैं। प्रदेश में 2 लाख 58 हजार पॉवरलूम एवं लगभग 5 लाख 50 हजार पावरलूम बुनकर हैं।

- आगामी वर्ष में वस्त्रोद्योग के क्षेत्र में 25 हजार बुनकरों के रोजगार सृजन का लक्ष्य रखा गया है।

समाज कल्याण

- **वृद्धावस्था/किसान पेंशन योजना** हेतु 1 हजार 459 करोड़ रुपये की व्यवस्था प्रस्तावित है।
- **राष्ट्रीय वृद्धावस्था पेंशन योजना** हेतु 1 हजार 251 करोड़ रुपये की व्यवस्था प्रस्तावित है।
- **राष्ट्रीय पारिवारिक लाभ** योजनान्तर्गत 500 करोड़ रुपये की व्यवस्था प्रस्तावित है।
- प्रदेश में गरीबी रेखा से नीचे जीवन यापन करने वाले सभी वर्गों के परिवारों के पुत्रियों की शादी हेतु **"मुख्य मंत्री सामूहिक विवाह योजना"** प्रारम्भ की गयी है जिसके लिये 250 करोड़ रुपये की व्यवस्था प्रस्तावित है।
- अनुसूचित जाति के छात्र-छात्राओं हेतु छात्रवृत्ति योजनाओं के लिये 2 हजार 35 करोड़ रुपये की व्यवस्था प्रस्तावित है।
- अनुसूचित जातियों के बालक/बालिकाओं के शैक्षिक विकास एवं उत्थान के लिये प्रदेश में 94 राजकीय आश्रम पद्धति विद्यालय संचालित किये जा रहे हैं।
- पिछड़े वर्ग के छात्र-छात्राओं हेतु छात्रवृत्ति योजनाओं के अन्तर्गत 1 हजार 375 करोड़ रुपये की व्यवस्था प्रस्तावित है।

दिव्यांगजन कल्याण

- **दिव्यांग पेंशन योजना** के अर्न्तत 500 रुपये प्रति माह प्रति लाभार्थी की दर से पेंशन दिये जाने हेतु 621 करोड़ रुपये की व्यवस्था प्रस्तावित है।
- **समेकित विशेष माध्यमिक विद्यालयों** की स्थापना कराये जाने हेतु 30 करोड़ रुपये की व्यवस्था प्रस्तावित है।
- दिव्यांग दम्पत्तियों के बच्चों के पालन पोषण हेतु **पालनहार योजना** प्रस्तावित है जिसके अन्तर्गत गरीबी रेखा के नीचे जीवन यापन करने वाली ऐसी दिव्यांग दम्पत्तियों जिनमें पति-पत्नी दोनों दिव्यांग हो अथवा उनमें से एक की मृत्यु हो गई हो और दूसरा दिव्यांग हो अथवा दोनों कुष्ठ के कारण दिव्यांग हों, के बच्चों के पालन-पोष हेतु प्रतिमाह अनुदान दिया जायेगा। इस योजना हेतु 25 करोड़ रुपये की व्यवस्था प्रस्तावित है।
- प्रदेश के सभी 75 जनपदों में शिविर लगाकर दिव्यांगजन को चिन्हित कर कृत्रिम अंग, कैलीपर ट्राईसाइकिल, व्हीलचेयर आदि उपलब्ध कराने हेतु 37 करोड़ रुपये की व्यवस्था प्रस्तावित है।

अल्पसंख्यक कल्याण

- **प्रधानमंत्री जन विकास कार्यक्रम** के अन्तर्गत अल्पसंख्यक बाहुल्य क्षेत्रों में शिक्षा, स्वच्छता, स्वास्थ्य, पेयजल तथा मूलभूत अवस्थापना सुविधाओं में सुधार हेतु 783 करोड़ रुपये की व्यवस्था प्रस्तावित है।
- मान्यता प्राप्त मदरसों एवं मकतबों में धार्मिक शिक्षा के साथ-साथ आधुनिक विषयों की शिक्षा की सुविधा प्रदान किये जाने के उद्देश्य से 479 करोड़ रुपये की व्यवस्था प्रस्तावित है।

राजस्व

- भू-माफियाओं के विरुद्ध प्रभावी कार्यवाही की जा रही है। अब तक 2 लाख 39 हजार 775 शिकायतें **भू-माफिया पोर्टल** पर दर्ज की गयीं, जिनमें से 2 लाख 36 हजार 642 शिकायतें निस्तारित की जा चुकी हैं।
- **एंटी भू-माफिया अभियान** के अन्तर्गत 52 हजार 882 हेक्टेयर क्षेत्रफल अवैध अतिक्रमण से अवमुक्त कराया गया है तथा 21 हजार 419 राजस्व वाद, 753 सिविल वाद, 3 हजार 437 एफ0आई0आर0 दर्ज करायी गयी है।
- प्रदेश में दैवी आपदा से प्रभावित परिवारों को राहत प्रदान किये जाने के लिये आगामी वर्ष में **राज्य आपदा मोचक निधि** हेतु 2 हजार 578 करोड़ रुपये की बजट व्यवस्था प्रस्तावित है। **राष्ट्रीय आपदा मोचक निधि** हेतु 1 हजार करोड़ रुपये की व्यवस्था प्रस्तावित है।
- पूर्व में संचालित मुख्य मंत्री किसान एवं सर्वहित बीमा योजना के स्वरूप में परिवर्तन करते हुये आगामी वर्ष से **मुख्य मंत्री कृषक दुर्घटना कल्याण योजना** प्रारम्भ किये जाने का निर्णय लिया गया है। योजना हेतु 500 करोड़ रुपये की व्यवस्था प्रस्तावित है।
- आगामी वर्ष में लगभग 73 लाख लाभार्थियों को **प्रधानमंत्री जीवन ज्योति बीमा योजना** के अन्तर्गत बीमा आवरण प्रदान कराये जाने हेतु 99 करोड़ रुपये तथा **प्रधानमंत्री सुरक्षा बीमा योजना** के अन्तर्गत बीमा आवरण प्रदान कराये जाने हेतु 3 करोड़ 60 लाख रुपये की व्यवस्था प्रस्तावित है। **आम आदमी बीमा योजना** के अन्तर्गत लगभग 6 लाख लाभार्थियों को बीमा का लाभ प्रदान कराये जाने हेतु 10 करोड़ रुपये की व्यवस्था प्रस्तावित है।

नियोजन

- **त्वरित आर्थिक विकास योजना** प्रदेश में विकास कार्यों को त्वरित गति से क्रियान्वित करने हेतु संचालित है। योजनान्तर्गत अवस्थापना सुविधाओं से सम्बन्धित यथा-सड़क, पुल, पेयजल तथा स्वच्छता, विद्युत व्यवस्था, शिक्षा, व्यवस्था हेतु भवन निर्माण आदि को प्राथमिकता पर कराया जाना परिकल्पित है। योजना हेतु 1 हजार करोड़ रुपये की व्यवस्था प्रस्तावित है।

- राज्य आय के संशोधित अनुमान के अनुसार प्रदेश की प्रति व्यक्ति आय वर्ष 2018-19 (संशोधित अग्रिम अनुमान) में 64 हजार 330 रुपये आंकलित हुई है।
- नेपाल अन्तर्राष्ट्रीय सीमा से लगे 07 जनपदों यथा-पीलीभीत, लखीमपुर खीरी, बहराइच, श्रावस्ती, सिद्धार्थनगर, बलरामपुर एवं महराजगंज के 21 विकास खण्डों में योजना कार्यान्वित है। **बार्डर एरिया डेवलपमेन्ट** कार्यक्रम के अन्तर्गत 74 करोड़ रुपये की व्यवस्था प्रस्तावित है।

मान्यवर,

विभागवार महत्वपूर्ण योजनाओं एवं कार्यक्रमों हेतु आय-व्ययक में की गई व्यवस्थाओं का विवरण प्रस्तुत करने के पश्चात् मैं, राजकोषीय सेवाओं का विवरण प्रस्तुत कर रहा हूं।

राजकोषीय सेवायें

राज्य वस्तु एवं सेवा कर तथा मूल्य संवर्द्धित कर

राज्य वस्तु एवं सेवा कर तथा मूल्य संवर्द्धित कर से राजस्व प्राप्ति का अनुमान 91 हजार 568 करोड़ रुपये निर्धारित किया गया है।

आबकारी शुल्क

आबकारी शुल्क से राजस्व प्राप्ति का अनुमान 37 हजार 500 करोड़ रुपये है।

स्टाम्प एवं पंजीकरण

स्टाम्प एवं पंजीकरण से 23 हजार 197 करोड़ रुपये की प्राप्ति अनुमानित है।

वाहन कर

वाहन कर से 8 हजार 650 करोड़ रुपये की प्राप्ति अनुमानित है।

वित्तीय वर्ष के बजट अनुमान

मान्यवर,

- प्रस्तुत बजट का आकार 5 लाख 12 हजार 860 करोड़ 72 लाख रुपये (5,12,860.72 करोड़ रुपये) है।
- बजट में 10 हजार 967 करोड़ 87 लाख रुपये (10,967.87 करोड़ रुपये) की नई योजनाएं सम्मिलित की गई है।

प्राप्तियाँ

- कुल प्राप्तियाँ 5 लाख 558 करोड़ 53 लाख रुपये (5,00,558.53 करोड़ रुपये) अनुमानित हैं।
- कुल प्राप्तियों में 4 लाख 22 हजार 567 करोड़ 83 लाख रुपये (4,22,567.83 करोड़ रुपये) की राजस्व प्राप्तियाँ तथा 77 हजार 990 करोड़ 70 लाख रुपये (77,990.70 करोड़ रुपये) की पूँजीगत प्राप्तियाँ सम्मिलित हैं।

- राजस्व प्राप्तियों में कर राजस्व का अंश 3 लाख 18 हजार 884 करोड़ 17 लाख रुपये (3,18,884.17 करोड़ रुपये) है। इसमें स्वयं का कर राजस्व 1 लाख 66 हजार 21 करोड़ रुपये (1,66,021 करोड़ रुपये) तथा केन्द्रीय करों में राज्य का अंश 1 लाख 52 हजार 863 करोड़ 17 लाख रुपये (1,52,863.17 करोड़ रुपये) सम्मिलित है।

व्यय

- कुल व्यय 5 लाख 12 हजार 860 करोड़ 72 लाख रुपये (5,12,860.72 करोड़ रुपये) अनुमानित है।
- कुल व्यय में 3 लाख 95 हजार 116 करोड़ 95 लाख रुपये (3,95,116.95 करोड़ रुपये) राजस्व लेखे का व्यय है तथा 1 लाख 17 हजार 743 करोड़ 77 लाख रुपये (1,17,743.77 करोड़ रुपये) पूँजी लेखे का व्यय है।

समेकित निधि

- समेकित निधि की प्राप्तियों से कुल व्यय घटाने के पश्चात् 12 हजार 302 करोड़ 19 लाख रुपये (12,302.19 करोड़ रुपये) का घाटा अनुमानित है।

लोक लेखा

- लोक लेखे से 8 हजार 500 करोड़ रुपये (8,500 करोड़ रुपये) की शुद्ध प्राप्तियाँ अनुमानित है।

समस्त लेन-देन का शुद्ध परिणाम

- समस्त लेन-देन का शुद्ध परिणाम 3 हजार 802 करोड़ 19 लाख रुपये (3,802.19 करोड़ रुपये) ऋणात्मक अनुमानित है।

अन्तिम शेष

- प्रारम्भिक शेष 22 हजार 322 करोड़ 87 लाख रुपये (22,322.87 करोड़ रुपये) को हिसाब में लेते हुये अन्तिम शेष 18 हजार 520 करोड़ 68 लाख रुपये (18,520.68 करोड़ रुपये) रहना अनुमानित है।

राजस्व बचत

- राजस्व बचत 27 हजार 450 करोड़ 88 लाख रुपये (27,450.88 करोड़ रुपये) अनुमानित है।

राजकोषीय घाटा

- राजकोषीय घाटा 53 हजार 195 करोड़ 46 लाख रुपये (53,195.46 करोड़ रुपये) अनुमानित है जो वर्ष के लिये अनुमानित सकल राज्य घरेलू उत्पाद का 2.97 प्रतिशत है।
- राज्य की ऋणग्रस्तता सकल राज्य घरेलू उत्पाद का 28.8 प्रतिशत अनुमानित है।

मान्यवर,

मैं, माननीय मुख्य मंत्री जी एवं माननीय वित्त राज्य मंत्री जी तथा मंत्रि-परिषद् के अपने सभी माननीय सदस्यों का अत्यन्त आभारी हूं जिनके सहयोग एवं परामर्श से बजट प्रस्तुत करने में सक्षम हो सका हूं। मैं, अपर मुख्य सचिव, वित्त एवं वित्त आयुक्त, प्रमुख सचिव, वित्त और वित्त विभाग के अधिकारियों एवं कर्मचारियों तथा सभी विभागों के अधिकारियों एवं कर्मचारियों के प्रति अपना आभार प्रकट करता हूं, जिन्होंने इस बजट को तैयार करने में बहुमूल्य सहयोग प्रदान किया है।

माननीय मुख्य मंत्री जी के नेतृत्व में क्या करेंगे, सुन लीजिए-

बचाएंगे, सजाएंगे संवारेंगे तुझे! (यू0पी0 को)
हर मिटे नक्श को चमका के उभारेंगे तुझे।
राह इमदाद की देखें-यह भले गौर नहीं!
हम 'नरेन्द्र भाई' के साथी हैं, कोई और नहीं।
हम वो गुंचे हैं जो बिजली पे हंसा करते हैं!
हम वो दीपक हैं जो आंधी में जला करते हैं।

(सत्तापक्ष के सदस्यों ने मेजें थपथपाईं)

एक शायर ने कहा है- अमल से ज़िन्दगी बनती है, जन्नत भी, जहन्नुम भी,
यह खाक ही अपनी किस्मत से न नूरी है, न नारी है।

और अन्तिम कि- खुदी को कर बुलन्द इतना, कि हर तक़दीर से पहले,
खुदा बन्दे से यह पूछे, बता तेरी रज़ा क्या है ?

और दुष्यन्त कुमार ने कहा था कि-

कौन कहता है कि आकाश में सुराख नहीं हो सकता,
एक पत्थर तो ज़रा दिल से उछालो यारों।

(सत्तापक्ष के सदस्यों द्वारा मेजें थपथपाईं गईं)

इन्हीं शब्दों के साथ, मान्यवर, मैं वित्तीय वर्ष 2020-2021 का बजट इस सदन में उपस्थित सभी सम्मानित जनप्रतिनिधियों के माध्यम से प्रदेश की जनता को समर्पित करता हूं।

मान्यवर, मैं आपका आभारी हूं कि आपने आज के इस मौके पर माननीय मुख्य मंत्री, योगी आदित्यनाथ जी के नेतृत्व में यह चौथा बजट, हमको पेश करने की अनुमति दी। इस सहयोग के लिए मैं आपके माध्यम से पूरे सदन को धन्यवाद देता हूं, बहुत-बहुत धन्यवाद।

(सत्तापक्ष के सदस्यों द्वारा मेजें थपथपाईं गईं)

[12:21 बजे] औचित्य के प्रश्न की सूचना

श्री अध्यक्ष-

माननीय राकेश प्रताप सिंह का नियम-300 में एक नोटिस था, उसको सुन लें। राकेश जी, आप क्या कहना चाहते हैं ?

विधान सभा के उपवेशन के मध्य लन्च ब्रेक का समय निर्धारित किये जाने विषयक औचित्य का प्रश्न

श्री राकेश प्रताप सिंह-

माननीय अध्यक्ष जी, आपने मुझे नियम-300 में बोलने का मौका दिया, इसके लिए मैं आपका आभार व्यक्त करता हूं। मैं सदन का ध्यान विधान सभा के उपवेशन के मध्य लंच ब्रेक का समय निर्धारित न होने की स्थिति की ओर आकर्षित करना चाहता हूं। उत्तर प्रदेश विधान परिषद में माननीय सदस्यों के लिए लंच ब्रेक का समय निर्धारित है। देश की संसद में राज्य सभा की भांति, लोक सभा में लंच ब्रेक का समय निर्धारित किया जा चुका है। लंच ब्रेक न होने के कारण माननीय सदस्यों को मध्याह्न भोजन व नाश्ते में कठिनाई होती है क्योंकि भोजन और नाश्ते के लिए सदन को छोड़कर जाना होता है। उस अवधि में तमाम आवश्यक कार्रवाई से माननीय सदस्यों को वंचित होना पड़ता है और तमाम जानकारियां अधूरी रह जाती हैं। अतः मैं इस औचित्य के प्रश्न पर सदन का ध्यान आकर्षित करते हुए आवश्यक व्यवस्था सुनिश्चित कराये जाने की मांग करता हूं।

श्री अध्यक्ष-

आपको कुछ कहना है?

वित्त, संसदीय कार्य चिकित्सा शिक्षा मंत्री (श्री सुरेश कुमार खन्ना)-

माननीय अध्यक्ष जी, आज तो इनकी मांग पूरी कर दीजिए।

श्री अध्यक्ष-

आज फिर हम कितनी देर का ब्रेक करें ?

श्री राकेश प्रताप सिंह-

माननीय अध्यक्ष जी, मैं आज के लिए नहीं कह रहा हूं। अध्यक्ष जी, हम लोगों को नोटिस देना होता है, इसके लिए हम लोग 9:00 बजे सदन आ जाते हैं और कल साढ़े छः-सात बजे तक हम लोग सदन में रहे। मान्यवर, मैं अपनी बात जानता हूं कि मैं लगातार सदन में बैठता हूं और उस बीच में सदन को छोड़कर जाना उचित नहीं समझता हूं और भी बहुत से लोग सदन में ऐसे बैठते हैं। तो 1:00 घण्टे का लंच ब्रेक हमेशा के लिए हो जाए, परमानेन्ट हो जाए, मैं आज की बात नहीं कह रहा हूं। आज तो हमें पता है कि माननीय मुख्य मंत्री जी की तरफ से लंच की व्यवस्था की गयी है।

श्री सुरेश कुमार खन्ना-

मान्यवर, मुख्य मंत्री जी ने सहमति दी है, वह दिन और समय तय कर देंगे। मुख्य मंत्री जी सहमत हैं।

अध्यक्ष जी, माननीय सदस्य ने मध्याह्न भोजन की बात उठायी है तो दलीय नेताओं की बैठक में, जब सभी दलों के नेता होंगे, उस समय बैठकर तय कर लेंगे।

श्री अध्यक्ष-

जहां तक आज का प्रश्न है, तो हम ब्रेक करते हैं।

[12:24 बजे] बजट भाषण में पृष्ठ संख्या-01 पर हुई त्रुटि के संशोधन हेतु पीठ से अनुरोध

वित्त, संसदीय कार्य चिकित्सा शिक्षा मंत्री (श्री सुरेश कुमार खन्ना)-

मान्यवर, एक संशोधन है, बजट भाषण के पेज-1 पर जहां 2019 लिखा गया है, यह मान्यवर, 2018 है। भूल से यह 2019 लिख गया है। आपकी अनुमति से हम इसमें सुधार करना चाहेंगे।

श्री अध्यक्ष-

ठीक है।

श्री राकेश प्रताप सिंह-

माननीय अध्यक्ष जी, एक व्यवस्था रही है, यह सदन के संचालन की व्यवस्था है, उसको भी सुन लें। माननीय मुख्य मंत्री जी भी बैठे हैं, वह व्यवस्था आ जायेगी तो ठीक रहेगा।

श्री अध्यक्ष-

अभी जो माननीय संसदीय कार्य मंत्री जी ने कहा है, कार्यवाही के लोग उसको ठीक कर लें।

[12:25 बजे] विधान सभा की कैंटीन की खराब स्थिति के सम्बन्ध में पूर्व के औचित्य के प्रश्न के साथ विभागीय बजट के प्रस्तुतिकरण पर विभागीय मंत्रियों द्वारा खान-पान एवं उपहार दिये जाने के सम्बन्ध में

श्री राकेश प्रताप सिंह-

मान्यवर, यहां की कैटीन कि स्थिति बहुत खराब है। मैंने तीन सौ के औचित्य का प्रश्न भी पिछली बार दिया था और पिछली बार उसमें यह बात हुई थी कि उसमें हम अलग से बैठकर बात भी कर लेंगे, उस पर आज तक कोई बात नहीं हुई है। दूसरी चीज यह परंपरा रही है मा0 अध्यक्ष जी, मैं आपके माध्यम से मा0 मुख्य मंत्री जी से भी कहना चाहूंगा कि मा0 मुख्य मंत्री जी सदन में पहले नहीं रहे हैं, इसलिए शायद वह इस बात से अवगत नहीं होंगे। जब भी यहां बजट प्रस्तुत किया गया है, विभागीय बजट हमेशा प्रस्तुत होता था और विभागीय

मंत्रियों के द्वारा यहां खान-पान की व्यवस्था हमेशा होती रही है और कुछ न कुछ उपहार हमेशा दिया जाता रहा है। इस व्यवस्था पर कहीं न कहीं विराम लगा है।

श्री अध्यक्ष-

पहले के एक संसदीय कार्य मंत्री जी ने इनाम में झाड़ू दिया था।

श्री राकेश प्रताप सिंह-

मान्यवर, हम नहीं जानते कि उन्होंने इनाम में क्या दिया था। मैं केवल यह कहना चाहता हूं कि उस व्यवस्था के माध्यम से हम एक साथ बैठते हैं, अपने विचारों का आदान-प्रदान करते हैं। अगर यह व्यवस्था जैसे पहले चलती रही है, वह चलती रहे तो बहुत अच्छा रहेगा।

श्री अध्यक्ष-

उपहार तो व्यक्ति अपने मन से देता है, जबरदस्ती तो लिया नहीं जाता है।

श्री राकेश प्रताप सिंह-

मान्यवर, मा0 मुख्य मंत्री जी का निर्देश तो होगा कैबिनेट मंत्रियों को। न उपहार दे रहे हैं और न ही भोजन दे रहे हैं।

श्री अध्यक्ष-

आज बजट प्रस्तुत हुआ है और देश की सबसे बड़ी विधान सभा की सरकार का बजट है।

[12:27 बजे] मा0 मुख्य मंत्री द्वारा वित्त मंत्री एवं उनकी पूरी टीम को शानदार बजट की प्रस्तुति हेतु धन्यवाद

मुख्य मंत्री (श्री योगी आदित्यनाथ)-

मैं धन्यवाद देता हूं वित्त मंत्री जी को और उनकी पूरी टीम को जिन्होंने शानदार बजट प्रस्तुत किया और उस बजट को हमारे सामने के सभी मित्रों ने बहुत सराहना की है, और अब वह इतना उसको स्वीकार्य किए हैं कि भोजन भी मांगने लग गए हैं। दो बातें मा0 सदस्य ने रखीं हैं और स्वाभाविक रूप से देश के किसी भी विधान मण्डल में उत्तर प्रदेश विधान मण्डल सबसे बड़ा है। स्वाभाविक रूप से यहां पर चर्चा की गरिमा और उसकी गंभीरता भी इसी प्रकार से होनी चाहिए, और काफी अच्छी बातें और अच्छी चर्चा मा0 सदस्य करते हैं। जो प्रस्ताव यहां पर रखें हैं हम लोग चाहते हैं पहले भी हाउस सीटिंग में मैंने इस बात को कहा था कि सदन में हमें चर्चा और तेज करना चाहिए। अलग-अलग जगह से जो प्रस्ताव आएंगे या सुझाव आएंगे तो वह सरकार के लिए भी उपयोगी होते हैं और सभी मा0 सदस्यों के लिए भी उपयोगी होते हैं। एक लंच ब्रेक के लिए चेयर जो तय करे और जो भी दलीय नेता तय करें सरकार को इसमें कोई आपत्ति नहीं है। दूसरी परिपाटी भी यही है कि ग्यारह बजे से

लेकर के एक बजे तक संसद का ही सदन चलता है। क्यूश्च्यन ऑवर और उसके बाद जीरो ऑवर या किसी अन्य नियम के अंतर्गत जो भी व्यवस्थाएं होती हैं वह चलता है और उसके बाद एक बजे से दो बजे के बीच में लंच ऑवर होता है, दो बजे के बाद फिर से सदन बैठता है और सांयकाल छः बजे तक या फिर जब तक सदन का कार्य पूरा नहीं हो पाता है, तब तक चलता है। अगर विधान सभा में भी यह परिपाटी बने तो एक समृद्ध परंपरा होगी, अच्छी परंपरा होगी और सभी मा0 सदस्यों को भी उसमें सुविधा हो सकती है, लेकिन दलीय नेता इसमें बैठकर के जो भी तय करें और चेयर का जो भी इस सम्बन्ध में निर्देश होगा सरकार उससे पूरी तरह सहमत है। दूसरा जो बहुत महत्वपूर्ण सुझाव है जिस पर अक्सर मैंने दलीय नेताओं की बैठक में भी इस बात पर चर्चा की थी और मैं धन्यवाद दूंगा मा0 सदस्य को कि हम जनरल बजट तो पास कर लेते हैं, लेकिन विभागीय बजटों पर चर्चा नहीं हो पाती है। विभागीय बजटों पर भी चर्चा होनी चाहिए, विभागीय बजटों पर अवश्य चर्चा होनी चाहिए और निर्धारित होनी चाहिए। यह 403 हमारे मा0 सदस्य हैं, यह आवश्यक नहीं कि हर सदस्य स्मार्ट सिटी पर बोलें।

लेकिन अलग-अलग पृष्ठ भूमि से आए हुए मा0 सदस्यों की समस्याएं भी अलग-अलग हैं, अलग-अलग विभागों से उनका संवाद अलग-अलग तरीके से पड़ता है और उनकी रुचि एवं उनके दिन प्रति दिन से जुड़ी हुई समस्याओं को देखते हुए अगर विभागीय बजट पर भी चर्चा होती है तो सरकार इसके लिए पूरी तरह सहमत है और मैं इस प्रकार के प्रस्ताव का स्वागत करूँगा। इस प्रकार के किसी भी कार्यक्रम का स्वागत करूंगा कि जिस पर मा0 सदस्यों को बोलने का अवसर भी मिले और हम उस चर्चा को आगे बढ़ा सकें लेकिन चर्चा को सार्थक दिशा में आगे बढ़ाने की दिशा में अगर हमारे सामने की बेंच पर बैठे हुए मित्रगण भी सहयोग करेंगे तो सरकार ने, हमने पहले भी कहा था कि हम हर विषय पर चर्चा करने को तैयार हैं क्योंकि एक समृद्ध चर्चा के माध्यम से उत्तर प्रदेश विधान मण्डल देश के अन्दर एक बहुत अच्छा सन्देश दे सकता है और स्वाभाविक रूप से जब चर्चा होगी तो विभागीय मंत्री के द्वारा या विभाग के द्वारा लंच या डिनर की व्यवस्था यहां पर स्वतः ही होगी, उसके लिए सम्भवतः आपको बोलने की आवश्यकता नहीं पड़ेगी।

(सदस्य श्री लाल जी वर्मा द्वारा खड़े होकर बोलने का प्रयास करने पर)

श्री अध्यक्ष-

मा0 वर्मा जी, अब तो पूरी बात हो गई।

श्री लाल जी वर्मा-

मान्यवर, मैं इस बात का खण्डन करता हूं कि विपक्ष ने कोई भोजन की मांग की है। हमने भोजन की मांग नहीं की है। यह मा0 विधायक का व्यक्तिगत रहा होगा, विपक्ष ने भोजन की मांग नहीं की है।

श्री अध्यक्ष-

अरे, यह हंसी-मजाक हो रहा है।

श्री लाल जी वर्मा-

मान्यवर, मैं दूसरी बात कहना चाहता हूं कि यह बजट मा0 संसदीय कार्य मंत्री/वित्त मंत्री जी ने प्रस्तुत किया और वे बिना रुके हुए लगातार बजट को प्रस्तुत करने में सक्षम हुए। इसके लिए तो मैं उनको धन्यवाद देता हूं। लेकिन यह दिशाहीन बजट है, किसानों, नौजवानों, पिछड़े वर्गों और अनुसूचित जातियों के लिए इसमें कुछ भी व्यवस्था नहीं है। धन्यवाद।

श्री अध्यक्ष-

यह सब तो आप अपनी पारी में बोलेंगे ही। चूंकि सभी मा0 नेताओं को अखबार में, प्रेस में प्रतिक्रिया आदि व्यक्त करनी है।

वित्त, संसदीय कार्य एवं चिकित्सा शिक्षा मंत्री (श्री सुरेश कुमार खन्ना)-

मान्यवर, यदि अनुमति हो तो एक बात हम भी कह दें।

श्री अध्यक्ष-

आप शेर में कहेंगे कि गद्य में।

श्री सुरेश कुमार खन्ना-

मान्यवर, मा0 वर्मा जी हैं और इन्होंने आज सवेरे जितना पढ़ा था, वे सारी बातें यहां कह दीं। इन्होंने बस इतना ही पढ़ा था। अब आप उसका जवाब भी सुन लीजिए कि

उनका जो काम है वो अहल-ए-सियासत जानें

अपना पैगाम मोहब्बत है, जहां तक पहुंचे।

(सदन में जोरदार हंसी)

श्री अध्यक्ष-

अब हम अपराह्न 02 बजे तक के लिए उठते हैं।

(अपराह्न 2:00 बजे सदन की कार्यवाही श्री अध्यक्ष की अध्यक्षता में पुनः आरम्भ हुई।)

[02:01 बजे] नियम-301 के अन्तर्गत सूचनाएं

श्री अध्यक्ष-

आज दिनांक 18-02-2020 को कुल 37 सूचनायें प्राप्त हुई जिसमें से 24 माननीय सदस्यों की सूचनायें स्वीकार की गईं जिसमें पहली सूचना श्री प्रभु नारायण सिंह यादव जी की जनपद चन्दौली के विधान सभा क्षेत्र सकलडीहा के टिमिलपुर ग्राम में स्थापित पानी की टंकी द्वारा पीने के पानी की सप्लाई सुनिश्चित कराये जाने के सम्बन्ध में है। दूसरी सूचना श्री अजय कुमार लल्लू जी की जनपद कुशीनगर में ट्रामा सेंटर का निर्माण एवं संचालन कराये जाने के

सम्बन्ध में है। तीसरी सूचना श्री कैलाश नाथ सोनकर की जनपद वाराणसी के विधान सभा क्षेत्र अजगरा के अन्तर्गत बाबतपुर एयरपोर्ट रोड में आर0टी0ओ0 आफिस रमई पट्टी ग्राम सभा तक जर्जर रोड की मरम्मत कराये जाने के सम्बन्ध में है। चौथी सूचना डा0 अनीता लोधी राजपूत की जनपद बुलन्दशहर के विधान सभा क्षेत्र डिबाई के अन्तर्गत बक्सरा से सोरला तक मार्ग का निर्माण कराये जाने के सम्बन्ध में है। पांचवीं सूचना 'प्रिंस' वीर विक्रम सिंह की जनपद शाहजहांपुर के विधान सभा क्षेत्र कटरा स्थित बस स्टैण्ड का पुनर्निर्माण कराये जाने के सम्बन्ध में है। छठीं सूचना श्री चन्द्र प्रकाश उर्फ सी0ए0 चन्द्र प्रकाश शुक्ल की जनपद बस्ती के विधान सभा क्षेत्र कप्तानगंज के अन्तर्गत कतिपय मार्गों का निर्माण कराये जाने के सम्बन्ध में है। सातवीं सूचना श्रीमती बिमला सिंह सोलंकी की जनपद बुलन्दशहर के विधान सभा क्षेत्र सिकन्द्राबाद के अन्तर्गत नगर पंचायत ककोढ़ का सीमा विस्तार कराये जाने के सम्बन्ध में है। आठवीं सूचना श्री राजीव तरारा की जनपद अमरोहा के अन्तर्गत बारसाबाद में निर्माणाधीन बीज भण्डारण भवन में किये जा रहे भ्रष्टाचार की जांच कराये जाने के सम्बन्ध में है। नौवीं सूचना श्री सत्यवीर त्यागी जी की जनपद मेरठ के विधान सभा क्षेत्र किठौर के अन्तर्गत ग्राम सेतकुआं में तालाब की चार दीवारी कराये जाने के सम्बन्ध में है। दसवीं सूचना श्री राम चन्द्र यादव की जनपद अयोध्या के विधान सभा क्षेत्र रूदौली के अन्तर्गत राजकीय नलकूपों की नलियों का पुनर्निर्माण बाराबंकी के स्थान पर जनपद अयोध्या से कराये जाने के सम्बन्ध में है।

ग्यारहवीं सूचना श्री सुभाष पासी जी की जनपद गाजीपुर के विधान सभा क्षेत्र सैदपुर के अन्तर्गत शीत गृह में खोवा मण्डी खुलवाये जाने के सम्बन्ध में है। बारहवीं सूचना श्री संजय सिंह गंगवार जी की जनपद पीलीभीत के अन्तर्गत ग्राम पचपेड़ा में 1800 एकड़ राज्य सरकार की भूमि में उद्योगों को लगवाये जाने के सम्बन्ध में है। तेरहवीं सूचना श्री अबरार अहमद जी की जनपद सुल्तानपुर के विधान सभा क्षेत्र इसौली के अन्तर्गत देवरा व इसौली पारा के बल्दीराय संपर्क मार्ग का निर्माण कराये जाने के सम्बन्ध में है। चौदहवीं सूचना श्री रमेश चन्द्र मिश्र जी की जनपद जौनपुर के विधान सभा क्षेत्र बदलापुर में पालिटेक्निक खोले जाने के सम्बन्ध में है। पन्द्रहवीं सूचना श्री मनोज कुमार पाण्डेय की जनपद रायबरेली के विधान सभा क्षेत्र ऊँचाहार के ग्राम धमधमा में इलाहाबाद कानपुर रोड से आफसर वारिस के घर तक रोड निर्माण कराये जाने के सम्बन्ध में है। सोलहवीं सूचना श्री अनिल सिंह जी की जनपद उन्नाव के विधान सभा क्षेत्र पुरवा के अन्तर्गत विकास खण्ड हिलौली में नहर पुल से रामदास खेड़ा तक मार्ग का निर्माण कराये जाने के सम्बन्ध में है। सत्रहवीं सूचना श्री राम अचल राजभर जी की जनपद अम्बेडकरनगर के विधान सभा क्षेत्र अकबरपुर के विकास खण्ड अकबरपुर के अन्तर्गत संपर्क मार्ग का निर्माण कराये जाने के सम्बन्ध में है। अट्ठारहवीं सूचना श्री पल्टूराम जी की जनपद बलरामपुर के विधान सभा क्षेत्र बलरामपुर सदर में एम0एस0डी0पी0 योजनान्तर्गत पाइप लाइन बजट आवंटन के उपरांत भी शुरू न होने से उत्पन्न स्थिति के सम्बन्ध में है। उन्नीसवीं सूचना श्री प्रमोद उटवाल जी की जनपद मुजफ्फरनगर के विधान सभा क्षेत्र पुरकाजी के अन्तर्गत

नालों को अन्डर ग्राउण्ड किये जाने के सम्बन्ध में है। बीसवीं सूचना डा0 डी0सी0 वर्मा की जनपद बरेली के तहसील मीरगंज के अन्तर्गत कतिपय गांवों में शुद्धपेय जल पाइप लाइन से कराये जाने के सम्बन्ध में है। इक्कीसवीं सूचना श्रीमती जय देवी जी की जनपद लखनऊ के विधान सभा क्षेत्र महिलाबाद के अन्तर्गत विकास खण्ड माल को नगर पंचायत बनाने एवं शहरी सुविधाएं उपलब्ध कराये जाने के सम्बन्ध में है। बाइसवीं सूचना श्री वीरेन्द्र यादव की जनपद गाजीपुर के विधान सभा क्षेत्र जंगीपुर के अन्तर्गत कालूपुर से युवराजपुर तक रोड का चौड़ीकरण कराये जाने के सम्बन्ध में है। तेइसवीं सूचना श्री अमन मणि त्रिपाठी की जनपद महाराजगंज में भारत नेपाल सीमा पर चिकित्सीय जांच एवं सुविधाएं उपलब्ध कराये जाने के सम्बन्ध में है। चौबीसवीं सूचना श्री आजाद अरिमर्दन की जनपद आजमगढ़ के विधान सभा क्षेत्र लालगंज के अन्तर्गत विकास खण्ड पल्हना में पुलिस चौकी एवं अग्निशमन केन्द्र का निर्माण कराये जाने के सम्बन्ध में।

श्री अमन मणि त्रिपाठी-

माननीय अध्यक्ष जी, हमने नियम-301 में सूचना दी है उसको स्वीकार करके उस पर सरकार का ध्यानकर्षण करा दीजिये, यह बहुत आवश्यक सूचना है।

श्री अध्यक्ष-

ठीक है, कर देंगे।

(सदन की सहमति से स्वीकृत सभी सूचनाएं पढ़ी हुई मानी गईं।)

जनपद चन्दौली के विधान सभा क्षेत्र सकलडीहा के टिमिलपुर ग्राम में स्थापित पानी की टंकी द्वारा पीने के पानी की सप्लाई सुनिश्चित कराये जाने के सम्बन्ध में नियम-301 के अन्तर्गत सूचना

श्री प्रभुनारायण सिंह यादव-

[मान्यवर, मैं आपके माध्यम से जनपद चन्दौली के विधान सभा क्षेत्र सकलडीहा के सकलडीहा विकास खण्ड के टिमिलपुर ग्राम में स्थापित पानी टंकी के तरफ दिलाना चाहता हूं कि मान्यवर, इस पानी टंकी से लगभग दर्जनों गांवों से भी अधिक गांव की पीने की पानी की सप्लाई की जाती है। वर्तमान समय में पानी सप्लाई हेतु दो पम्प हाउस बने हैं। जिसमें एक बड़ा व एक छोटी क्षमता का है। बड़ा पम्प हाउस लगभग एक साल से ज्यादा दिनों से खराब पड़ा है। मात्र एक पम्प जुगाड़ से चलाया जाता है। जिनके चलाने के लिए भी कोई कर्मचारी नहीं रहते हैं। किसी प्रकार से पम्प चलाने का कार्य कराते हैं। जो गांव इस स्कीम से जुड़े हैं उसमें से चौथाई गांवों में ही पानी मिल पा रहा है। इस पानी की टंकी की देख-रेख का कार्य जल निगम विभाग जनपद चन्दौली द्वारा किया जाता है। इसलिए मैं इस महत्वपूर्ण विषय को आपके

नोट-[ ] यह अंश पढ़ा हुआ माना गया।

संज्ञान में लाना चाहता हूं। पीने के पानी की समस्या बहुत बड़ी है और लोगों से जुड़ा हुआ विषय है।

अतः इस अविलम्बनीय लोक महत्व के विषय को सदन के संज्ञान में लाते हुए सरकार का ध्यान आकृष्ट किये जाने की मांग करता हूं।]

जनपद कुशीनगर में ट्रामा सेंटर का निर्माण एवं संचालन कराये जाने के सम्बन्ध में नियम-301 के अन्तर्गत सूचना

श्री अजय कुमार लल्लू-

[मान्यवर, जनहित एवं लोकमहत्व के विषय पर सदन के माध्यम से सरकार का ध्यान आकृष्ट कराते हुए अवगत कराना है कि जनपद कुशीनगर में स्थित जिला अस्पताल, कुशीनगर में ट्रामा सेण्टर हेतु पूरे जनपद में लोगों के द्वारा आन्दोलन चलाया जा रहा है। पूर्व में भी इस सन्दर्भ में मेरे द्वारा सरकार से मांग की जाती रही है, चूंकि उ0प्र0 और बिहार की सीमा पर स्थित जिला मुख्यालय जहां ट्रामा सेण्टर न होने के नाते मरीजों को बहुत परेशानियों का सामना करना पड़ता है और अब तक काफी लोगों ने जान गंवायी है। पिछले दिनों एक शशांक तिवारी नाम का लड़का जिसका एक्सीडेण्ट होने के नाते जिला अस्पताल आया वहां ट्रामा सेण्टर न होने के नाते गोरखपुर जाने के दौरान उसकी मृत्यु हो गयी। जनपद के लोगों में सरकार की अनदेखी के प्रति काफी आक्रोश है। जनपद कुशीनगर में ट्रामा सेण्टर का निर्माण एवं संचालन अतिशीघ्र कराया जाना अति आवश्यक है।

अतः अविलम्बनीय एवं लोक महत्व के इस विषय पर शासन का ध्यान आकृष्ट कराते हुए तत्काल जनपद कुशीनगर के निवासियों को ट्रामा सेण्टर का निर्माण कराये जाने की कार्रवाई की मांग करता हूं।]

जनपद वाराणसी के विधान सभा क्षेत्र अजगरा के अन्तर्गत बाबतपुर एयरपोर्ट रोड आर0टी0ओ0 आफिस रमई पट्टी ग्राम सभा तक जर्जर रोड की मरम्मत कराये जाने के सम्बन्ध में नियम-301 के अन्तर्गत सूचना

श्री कैलाश नाथ सोनकर-

मान्यवर, मैं आपके माध्यम से सदन का ध्यान आकृष्ट कराना चाहता हूं कि मेरे विधान सभा क्षेत्र 385 अजगरा, जनपद-वाराणसी में कई वर्षों से बाबतपुर एयरपोर्ट रोड, आर0टी0ओ0 ऑफिस, रमई पट्टी ग्राम सभा तक जीर्ण-शीर्ण रोड खराब है जिससे सैकड़ों लोगों का आवागमन होता है। लोगों को दिक्कतों का सामना करना पड़ता है।

नोट-[ ] यह अंश पढ़ा हुआ माना गया।

अतः लोक महत्व के इस अविलम्बनीय विषय पर मैं सदन के माध्यम से जनपद-वाराणसी के 385 अजगरा विधान सभा के उक्त प्रकरण पर शीघ्र कार्रवाई की मांग करता हूं।]

जनपद बुलन्दशहर के विधान सभा क्षेत्र डिबाई के अन्तर्गत बक्सरा से सोरला तक मार्ग का निर्माण कराये जाने के सम्बन्ध में नियम-301 के अन्तर्गत सूचना

डॉ0 अनीता लोधी राजपूत-

[मान्यवर, मेरी विधान सभा क्षेत्र संख्या-68, डिबाई (जनपद-बुलन्दशहर) में बक्सरा से सोरला तक मार्ग कच्चा एवं जीर्ण-शीर्ण अवस्था में है। यह मार्ग कई मार्गों को जोड़ने वाला मार्ग है। इस मार्ग के जीर्ण-शीर्ण व ध्वस्त होने से यहां के किसानों एवं आम जनमानस को भारी कठिनाइयों का सामना करना पड़ा है। यदि इस मार्ग का निर्माण शीघ्रातिशीघ्र करा दिया जाता है तो इससे लगभग 10-12 गांव के किसान व आम जनमानस लाभान्वित होगा। जनहित में बक्सरा से सोरला तक मार्ग का सुदृढ़ीकरण एवं नवीनीकरण कराया जाना नितान्त आवश्यक है।

अतः मैं आपके माध्यम से लोक महत्व के इस अविलम्बनीय विषय की ओर सरकार का ध्यान आकृष्ट करते हुए कार्रवाई की मांग करती हूं।]

जनपद शाहजहांपुर के विधान सभा क्षेत्र कटरा स्थित बस स्टैंड का पुनर्निर्माण कराये जाने के सम्बन्ध में नियम-301 के अन्तर्गत सूचना

प्रिंस वीर विक्रम सिंह-

मान्यवर, अवगत कराना है कि जनपद शाहजहांपुर के मेरे विधान सभा क्षेत्र 131 कटरा के अन्तर्गत उ0प्र0 परिवहन विभाग की कटरा बस स्टैण्ड अति जर्जर होने के कारण यात्रियों को काफी कठिनाइयों का सामना करना पड़ रहा है। इस जर्जर बस स्टैण्ड के पुनर्निर्माण हेतु मेरे अनुरोध पर विभाग द्वारा पुनर्निर्माण के आदेश किये गये थे परन्तु उक्त जर्जर बस स्टैण्ड का पुनर्निर्माण आज तक नहीं किया गया है। जिसकी शिकायत मेरे द्वारा व क्षेत्रवासियों के द्वारा सम्बन्धित अधिकारियों से कई बार की जा चुकी है परन्तु पुनर्निर्माण आज तक नहीं हुआ है। जिससे यात्रियों को काफी कठिनाइयों का सामना करना पड़ रहा है।

अतः नियम-301 के अन्तर्गत अविलम्बनीय जनपद की लोक महत्व के इस प्रकरण पर शासन का ध्यान आकर्षित करते हुए कार्रवाई की मांग करता हूं।

नोट-[ ] यह अंश पढ़ा हुआ माना गया।

जनपद बस्ती के विधान सभा क्षेत्र कप्तानगंज के अन्तर्गत कतिपय मार्गों का निर्माण कराये जाने के सम्बन्ध में नियम-301 के अन्तर्गत सूचना

श्री चन्द्र प्रकाश उर्फ सीए चन्द्र प्रकाश शुक्ल-

[मान्यवर, विधान सभा क्षेत्र कप्तानगंज जनपद बस्ती के सम्पर्क मार्गों की स्थिति अत्यन्त खराब है। जिससे क्षेत्र के निवासियों को एवं छात्र-छात्राओं एवं छोटे-छोटे बच्चों को स्कूल जाने एवं मरीजों को अस्पताल पहुंचने में काफी कठिनाई का सामना करना पड़ रहा है। जिसमें प्रमुख सम्पर्क मार्ग-पोखरा बाजार के पेट्रोल पम्प से समय माता के स्थान तक, बड़गा पगारे पिच मार्ग से परसपुर गांव तक, कौड़ीकोल से मरवटिया गांव तक, करनपुर शिव मन्दिर से हरिहरपुर जू0हा0 तक, अभयपुरा सम्पर्क मार्ग से मिरवापुर पिच मार्ग तक, कप्तानगंज दुबौलिया मार्ग कि0मी0 2 से प्यारी देवी इण्टर कालेज कि0मी0 1 से राजाजोत कला हरिजन बस्ती मार्ग, परिवारपुर से बनहा मार्ग कि0मी0 1 से ककुवाराउत उर्फ ओझागंज मार्ग, महादेव विश्वकर्मा के घर से रामगोपाल काली मन्दिर तक, सम्पर्क मार्ग अत्यन्त खराब स्थिति में है। मार्ग कच्चा होने के कारण जगह-जगह गड्ढों में जलभराव होता है जिससे क्षेत्रवासी गिर कर चोटिल होते रहते हैं। जनहित में उक्त सम्पर्क मार्गों का निर्माण कराया जाना आवश्यक है।

अतः लोक महतव के अविलम्बनीय विषयक की ओर सरकार का ध्यान आकृष्ट करते हुए उक्त सम्पर्क मार्गों का निर्माण कराये जाने हेतु कार्रवाई की मांग करता हूं।]

जनपद बुलन्दशहर के विधान सभा क्षेत्र सिकन्द्राबाद के अन्तर्गत नगर पंचायत ककोढ़ का सीमा विस्तार कराये जाने के सम्बन्ध में नियम-301 के अन्तर्गत सूचना

श्रीमती बिमला सिंह सोलंकी-

मान्यवर, अवगत कराना है कि मेरे विधान सभा क्षेत्र सिकन्द्राबाद जनपद बुलन्दशहर के अन्तर्गत नगर पंचायत ककोड़ आती है। यह नगर पंचायत लगभग 50 वर्ष पूर्व गठित हुई थी। विगत पिछले वर्षों में इसके आस-पास काफी आबादी बढ़ चुकी है लेकिन सीमा विस्तार न होने के कारण बढ़ी हुई आबादी में विकास कार्य नहीं हो पाते हैं। इसके सीमा विस्तार हेतु शासन स्तर से कार्यवाही प्रारम्भ की गयी थी, लेकिन नगर पंचायत के बोर्ड द्वारा प्रस्ताव पास न करने के कारण सीमा विस्तार लम्बित है। जनहित में नगर पंचायत ककोड़ का सीमा विस्तार किया जाना नितान्त आवश्यक है।

मैं आपके माध्यम से लोक महत्व के इस अविलम्बनीय विषय की ओर सरकार का ध्यान आकृष्ट करते हुए कार्रवाई की मांग करती हूं।

नोट-[ ] यह अंश पढ़ा हुआ माना गया।

जनपद अमरोहा के अन्तर्गत बारसाबाद में निर्माणाधीन बीज भण्डारण भवन में किये जा रहे भ्रष्टाचार की जांच कराये जाने के सम्बन्ध में नियम-301 के अन्तर्गत सूचना

श्री राजीव तरारा-

[मान्यवर, मेरे विधान सभा क्षेत्र धनौरा, जनपद अमरोहा के अन्तर्गत बारसाबाद में बीज भण्डार के भवन का निर्माण कराया जा रहा है। जिसके निर्माण में बहुत ही घटिया सामग्री का प्रयोग किया जा रहा है। इस बीच भण्डार भवन के निर्माण में घटिया सामग्री के प्रयोग किये जाने के कारण अक्टूबर 2019 में इस भवन का छज्जा गिर जाने के कारण कई मजदूर घायल हो गये। सरकार द्वारा जनहित में बीज भण्डार भवन का निर्माण कराये जाने हेतु धन जारी किया गया है परन्तु अधिकारियों एवं ठेकेदारों की मिलीभगत के कारण भ्रष्टाचार की भेंट चढ़ गया है। इसकी टी0ए0सी0 द्वारा जांच कराकर कठोर कार्यवाही किया जाना जनहित में आवश्यक है।

अतः लोक महत्व के अविलम्बनीय विषय की ओर सरकार का ध्यान आकृष्ट करते हुए टी0ए0सी0 द्वारा जांच कराकर कठोर कार्रवाई किये जाने की मांग करता हूं।]

जनपद मेरठ के विधान सभा क्षेत्र किठौर के अन्तर्गत ग्राम सेतकुआं में तालाब की चारदीवारी कराये जाने के सम्बन्ध में नियम-301 के अन्तर्गत सूचना

श्री सत्यवीर त्यागी-

[मान्यवर, मेरी विधान सभा क्षेत्र-46 किठौर जनपद मेरठ के अन्तर्गत, ग्राम सेतकुआं, ब्लॉक खरखौंदा में तालाब की चारदीवारी करना अति आवश्यक है। चारदिवारी न होने के कारण गांव के रास्ते पर जलभराव रहता है। ग्रामवासियों को आने-जाने में काफी कठिनाई का सामना करना पड़ता है। जनहित में इस तालाब की चारदीवारी कराया जाना नितान्त आवश्यक है।

अतः मैं आपके माध्यम से लोक महत्व के इस अविलम्बनीय विषय की ओर सरकार का ध्यान आकर्षित करते हुए वक्तव्य की मांग करता हूं।]

जनपद अयोध्या के विधान सभा क्षेत्र रूदौली के अन्तर्गत राजकीय नलकूपों की नालियों का पुनर्निर्माण बाराबंकी के स्थान पर जनपद अयोध्या से कराये जाने के सम्बन्ध में नियम-301 के अन्तर्गत सूचना

श्री राम चन्द्र यादव-

मान्यवर, जनपद अयोध्या विधान सभा क्षेत्र रुदौली अन्तर्गत स्थापित राजकीय नलकूपों की नालियां जिसे किसानों के खेत तक पानी उपलब्ध कराये जाने की दृष्टि से बनायी गयी थी उक्त स्थापित सभी राजकीय नलकूपों की नालियां क्षतिग्रस्त हो गयी हैं, जिसके कारण किसानों के खेतों की सिंचाई का कार्य नहीं हो पा रहा है। जनपद अयोध्या विधान सभा क्षेत्र रुदौली के राजकीय नलकूपों के संचालन की व्यवस्था जनपद बाराबंकी डिवीजन देख रहा है। जबकि सभी विभागों का कार्य जनपद अयोध्या से संचालित किया जा रहा है। राजकीय नलकूपों के संचालन

नोट-[ ] यह अंश पढ़ा हुआ माना गया।

का कार्य बाराबंकी से होने के कारण जनपद अयोध्या के अन्तर्गत रुदौली विधान सभा क्षेत्र की नालियों का पुनर्निर्माण कार्य नहीं हो पा रहा है। क्षेत्र के सभी राजकीय नलकूपों की सर्वे रिपोर्ट मंगाकर पुनर्निर्माण कराये जाने की मांग लगातार किसानों द्वारा की जा रही है।

अतः लोक महत्व के अविलम्बनीय विषय पर सरकार का ध्यान आकृष्ट करते हुए राजकीय नलकूपों की नालियों पर पुनर्निर्माण बाराबंकी के स्थान पर जनपद अयोध्या से कराये जाने हेतु कार्रवाई की मांग करता हूं।

जनपद गाजीपुर के विधान सभा क्षेत्र सैदपुर के अन्तर्गत शीत गृह में खोवा मण्डी खुलवाये जाने के सम्बन्ध में नियम-301 के अन्तर्गत सूचना

श्री सुभाष पासी-

[मान्यवर, आपके माध्यम से इस सदन का ध्यान लोक महत्व के गम्भीर विषय की ओर ले जाना चाहता हूं। मेरे विधान सभा क्षेत्र 374 सैदपुर, जनपद गाजीपुर अन्तर्गत एन0ए0-29 के बगल में सरकारी शीत गृह लगभग 16 वर्ष से बन्द पड़ी है, जिससे न तो सरकार को फायदा हो रहा है और नहीं क्षेत्रीय जनता को। ऐसे में इस शीत गृह में सरकार की तरफ से कोई नई योजना संचालित कर दिया जाये जिसमें लोगों को रोजगार भी मिल सके और सरकार की आय भी बढ़े व हमारे क्षेत्र का विकास भी हो सके।

नोट :- जनपद-गाजीपुर अन्तर्गत सैदपुर विधान सभा में दूध व खोवा का कार्य बहुत अधिक मात्रा में होता है। क्षेत्रीय जनता की मांग है कि बन्द पड़े शीतगृह में खोवा मण्डी आदि खोलने हेतु वर्तमान सरकार से पुरजोर मांग करता हूं।]

जनपद पीलीभीत के अन्तर्गत ग्राम पचपेड़ा में 1800 एकड़ राज्य सरकार की भूमि में उद्योगों को लगवाये जाने के सम्बन्ध में नियम-301 के अन्तर्गत सूचना

श्री संजय सिंह गंगवार-

मान्यवर, मेरी विधान सभा क्षेत्र के अन्तर्गत भरा पचपेड़ा ग्राम में औद्योगिक क्षेत्र के विकास हेतु लगभग 1800 एकड़ राज्य सरकार की भूमि यू0पी0एस0आई0डी0सी0 के अधिग्रहण में है। क्षेत्रीय जनता व क्षेत्र के विकास हेतु औद्योगिक दृष्टि से पिछड़े हुए क्षेत्र में उद्योगों का स्थापित होना अत्यन्त आवश्यक है।

अतः लोक महत्व के अविलम्बनीय विषय की ओर सरकार का ध्यान आकृष्ट करते हुए ग्राम-भरा पचपेड़ा में 1800 एकड़ राज्य सरकार की भूमि में यथा शीघ्र उद्योगों को लगवाने की मांग करता हूं।

नोट-[ ] यह अंश पढ़ा हुआ माना गया।

जनपद सुल्तानपुर के विधान सभा क्षेत्र इसौली के अन्तर्गत देवरा व इसौली पारा से बल्दीराय सम्पर्क मार्ग का निर्माण कराये जाने के सम्बन्ध में नियम-301 के अन्तर्गत सूचना

श्री अबरार अहमद-

[मान्यवर, आपके माध्यम से सदन का ध्यान गम्भीर विषय की ओर दिलाना चाहता हूं। मान्यवर, मेरे विधान सभा क्षेत्र इसौली, जनपद सुल्तानपुर अन्तर्गत देवरा व इसौली पारा बाजार से बल्दीराय तक मार्ग लम्बाई लगभग 10.0 किमी0 तथा जुडूपुर N.H. 56 से मनियारपुर तक मार्ग लम्बाई लगभग 3.00 कि0मी0 जो बहुत ही खराब एवं जर्जर हालत में है। उपरोक्त मार्गों पर लोगों का चलना दूभर हो रहा है जिससे स्थानीय जनता में रोष की भावना व्याप्त है। जनहित में उपरोक्त मार्गों की मरम्मत/निर्माण कार्य कराया जाना अति आवश्यक है।

अतः इस जनहित के विषय पर सरकार का ध्यान आकृष्ट कराते हुए उपरोक्त दोनों मार्गों की मरम्मत/निर्माण कराये जाने हेतु सरकार से वक्तव्य दिये जाने की मांग करता हूं।]

जनपद जौनपुर के विधान सभा क्षेत्र बदलापुर में पालीटेक्निक खोले जाने के सम्बन्ध में नियम-301 के अन्तर्गत सूचना

श्री रमेश चन्द्र मिश्र-

मान्यवर, अवगत कराना है कि जनपद जौनपुर के विधान सभा बदलापुर में एक भी पालीटेक्निक कालेज नहीं है, जिससे छात्रों को पालीटेक्निक की शिक्षा ग्रहण करने में काफी असुविधा हो रही है, जबकि पूरे जिले में मात्र एक ही पालीटेक्निक कालेज है जो बदलापुर से लगभग 50 कि0मी0 दूर स्थित है। जिले में मात्र एक ही कालेज होने के कारण छात्रों को एडमिशन के लिए भटकना पड़ता है। जिससे हर वर्ष हजारों की संख्या में छात्र पालीटेक्निक की शिक्षा ग्रहण करने से वंचित रह जाते हैं।

अतः नियम-301 के अन्तर्गत अविलम्बनीय लोक महत्व एवं जनहित के इस प्रश्न पर शासन का ध्यान आकर्षित करते हुए कार्रवाई की मांग करता हूं।

जनपद रायबरेली के विधान सभा क्षेत्र ऊंचाहार के ग्राम धमधमा में इलाहाबाद-कानपुर रोड से आफसर वारिस के घर तक रोड निर्माण कराये जाने के सम्बन्ध में नियम-301 के अन्तर्गत सूचना

श्री मनोज कुमार पाण्डेय-

[मान्यवर, महोदय अवगत कराना है कि हमारी वि0स0 क्षेत्र ऊंचाहार, जनपद रायबरेली के वि0ख0 दीनशाह गौरा में ग्राम पंचायत धमधमा में विधायक निधि द्वारा (समाज का

नोट-[ ] यह अंश पढ़ा हुआ माना गया।

ब्याज निगम) 12 वर्ष पूर्व इलाहाबाद कानपुर रोड से आफसर वारिस के दरवाजे तक 300 मी0 पक्की सड़क बनायी गयी थी। इस समय यह सड़क अत्याधिक खराब है। बड़े-बड़े गड्ढे हो गये हैं जब बारिश हो जाती है तो आम जनता का चलना अत्यन्त कठिनाई भरा होता है। यही रास्ता गंगा जी के प्रसिद्ध घाट को भी जाता है जिससे श्रृद्धालुओं को काफी समस्याओं को सामना करना पड़ता है।

अतः आग्रह है कि जनहित में उक्त मार्ग निर्माण हेतु लोक निर्माण विभाग को निर्देश देने की कृपा करें।]

जनपद उन्नाव के विधान सभा क्षेत्र पुरवा के अन्तर्गत विकास खण्ड हिलौली में नहर पुल से रामदास खेड़ा तक मार्ग का निर्माण कराये जाने के सम्बन्ध में नियम-301 के अन्तर्गत सूचना

श्री अनिल सिंह-

[मान्यवर, जनपद-उन्नाव के विधान सभा क्षेत्र 167-पुरवा उन्नाव के विकास खण्ड-हिलौली अन्तर्गत संजर खेड़ा नहरपुल से रामदास खेड़ा तक मुख्य मार्ग खड़ण्जायुक्त एवं अति जर्जर है। जिससे क्षेत्रवासियों को आवागमन में अत्यधिक कठिनाइयों का सामना करना पड़ रहा है। क्षेत्रीय जनता द्वारा उक्त खड़ण्जायुक्त/अतिजर्जर मार्ग का डामरीकरण/नवनिर्माण हेतु सम्बन्धित अधिकारियों से कई बार अनुरोध किया गया है। पर अभी तक उक्त मार्ग का डामरीकरण नहीं किया गया है। जिससे क्षेत्रीय जनमानस में अत्यधिक आक्रोश व्याप्त है।

अतः इस सम्मानित सदन का एक अविलम्बनीय लोक महत्व के विषय की ओर ध्यान आकृष्ट करना चाहता हूं।]

जनपद अम्बेडकरनगर के विधान सभा क्षेत्र अकबरपुर के विकास खण्ड अकबरपुर के अन्तर्गत सम्पर्क मार्ग का निर्माण कराये जाने के सम्बन्ध में नियम-301 के अन्तर्गत सूचना

श्री राम अचल राजभर-

मान्यवर, जिला-अम्बेडकरनगर की विधान सभा क्षेत्र 281, अकबरपुर के विकास खण्ड-अकबरपुर के अन्तर्गत कुर्की शिवलीपुर सम्पर्क मार्ग से कुर्की महमूदपुर के रणविजय सिंह के खेत होते हुए स्व0 पाचूराम राजभर के खेत तक (ल0 लगभग 1.5 कि0मी0) की सड़क अत्यन्त जर्जर एवं क्षतिग्रस्त है। जिससे क्षेत्रीय जनता को आवागमन में अत्यधिक कठिनाइयों का सामना करना पड़ रहा है। क्षेत्रीय जनता द्वारा उक्त क्षतिग्रस्त जर्जर मार्ग का पिच निर्माण कराये जाने हेतु कई बार अनुरोध किया गया है परन्तु अभी तक क्षतिग्रस्त जर्जर सड़क का पिच निर्माण नहीं हो सका है। जिससे क्षेत्रीय जनमानस में अत्यधिक आक्रोश व्याप्त है।

नोट-[ ] यह अंश पढ़ा हुआ माना गया।

अस्तु इस सम्मानित सदन का ध्यान एक अविलम्बनीय, लोक महत्व के विषय की ओर ध्यान आकृष्ट करना चाहता हूं।

जनपद बलरामपुर के विधान सभा क्षेत्र बलरामपुर सदर में एम0एस0डी0पी0 योजनान्तर्गत पाइप लाइन बजट आवंटन के उपरान्त भी शुरू न होने से उत्पन्न स्थिति के सम्बन्ध में नियम-301 के अन्तर्गत सूचना

श्री पल्टूराम-

[मान्यवर, अवगत कराना है कि जनपद बलरामपुर की विधान सभा क्षेत्र के बलरामपुर सदर के अन्तर्गत नगर पालिका परिषद्, बलरामपुर में सीवर लाइन बिछाने हेतु सरकार द्वारा एम0एस0डी0पी0 योजना के अन्तर्गत अल्पसंख्यक कल्याण विभाग को बजट भी दिया गया है। परन्तु कार्यदायी संस्थाओं के बीच में विवाद के कारण 1 वर्ष होने के बावजूद भी कार्य प्रारम्भ नहीं किया गया। जनहित में अल्पसंख्यक कल्याण विभाग एवं नगर विकास विभाग, उ0प्र0 को उक्त कार्य को प्रारम्भ किये जाने के निर्देश दिया जाना अत्यन्त आवश्यक है।

अतः नियम-301 के अन्तर्गत अविलम्बनीय जनता की लोक महत्व/जनहित के इस प्रश्न पर शासन का ध्यान आकर्षित करते हुए कार्रवाई की मांग करता हूं।]

जनपद मुजफ्फरनगर के विधान सभा क्षेत्र पुरकाजी के अन्तर्गत नालों को अन्डर ग्राउन्ड किये जाने के सम्बन्ध में नियम-301 के अन्तर्गत सूचना

श्री प्रमोद उटवाल-

मान्यवर, मेरे विधान सभा क्षेत्र पुरकाजी-13 के अन्तर्गत नये भोपा अड्डे से गांव नसीरपुर की ओर एक नाला है जो कूड़े-करकट, पालीथीन आदि से भरा हुआ है तथा नाले का पानी भी रुका हुआ है, जिससे मच्छर व कीड़े-मकोड़े भारी संख्या में पैदा हो रहे हैं। जिससे मोहल्ला गंगा विहार, आदर्श कालोनी, बच्चन सिंह कालोनी, सुभाषनगर, अंकित विहार आदि क्षेत्रों में महामारी फैलने का भय बना रहता है। जनहित में उक्त नाले का अण्डरग्राउण्ड बनाना अति आवश्यक है।

अतः नियम-301 के अन्तर्गत अविलम्बनीय लोक महत्व के विषय पर सरकार का ध्यान आकृष्ट कर कार्रवाई करने की मांग करता हूं।

नोट-[ ] यह अंश पढ़ा हुआ माना गया।

जनपद बरेली के तहसील मीरगंज के अन्तर्गत कतिपय गांवों में शुद्ध पेयजल पाइप लाइन से कराये जाने के सम्बन्ध में नियम-301 के अन्तर्गत सूचना

डॉ0 डी0 सी0 वर्मा-

[मान्यवर, अवगत कराना है कि जनपद बरेली की मीरगंज तहसील के अन्तर्गत रामगंगा के खादर में बसे कैंसर प्रभावित गांव में शुद्ध पेयजल व्यवस्था हेतु रामगंगा के पानी को शुद्धकर खादर के सभी गांवों में पाइप लाइन के माध्यम से सप्लाई किया जाना जनहित में अत्यन्त आवश्यक है।

अतः नियम-301 के अन्तर्गत अविलम्बनीय लोक महत्व एवं जनहित के इस प्रश्न पर शासन का ध्यान आकर्षित करते हुए कार्रवाई की मांग करता हूं।]

जनपद लखनऊ के विधान सभा क्षेत्र मलिहाबाद के अन्तर्गत विकास खण्ड माल को नगर पंचायत बनाने एवं शहरी सुविधाएं उपलब्ध कराये जाने के सम्बन्ध में नियम-301 के अन्तर्गत सूचना

श्रीमती जय देवी-

मान्यवर, सदन के माध्यम से अनुरोध करना है कि मेरी विधान सभा क्षेत्र मलिहाबाद के विकास खण्ड माल जो कि विकास की दृष्टि से बहुत पिछड़ा है। विकास खण्ड माल नगर पंचायत की योग्यता रखता है तथा नगरीय समस्याओं से भी युक्त है। इसलिए सदन के माध्यम से जनहित में अनुरोध करना है कि विकास खण्ड माल को नगर पंचायत घोषित कराकर इसके पिछड़ेपन को दूर करने का प्रयास जनहित में किया जाय। विकास खण्ड माल में कार्यरत सरकारी कर्मचारी को जनपद लखनऊ की सभी विकास खण्डों से कम वेतन भत्ता मिलता है, जिसके कारण कर्मचारियों में घोर निराशा बनी रहती है। विकास खण्ड माल नगर पंचायत न होने के कारण कर्मचारियों को शहरी भत्ता नहीं मिल पाता है। विकास खण्ड माल राजधानी का एक मात्र विकास खण्ड है जो सभी शहरी सुविधाओं से वंचित है, इसलिए विकास खण्ड माल को नगर पंचायत घोषित करने का कष्ट करें। इससे पूर्व में नियम-301 के अन्तर्गत विधान सभा के प्रथम सत्र में भी सदन के माध्यम से माल को नगर पंचायत घोषित करने की मांग की गयी थी, जिस पर सक्षम अधिकारियों द्वारा कार्यवाही की गयी थी, लेकिन अभी तक कार्रवाई लम्बित है।

अतः सदन के माध्यम से जनहित में अनुरोध करना है कि विकास खण्ड माल के पिछड़ेपन को दूर करने के लिए यह आवश्यक हे कि माल को जनहित में नगर पंचायत घोषित कर माल की जनता को विकास की शहरी विकास की योजनाओं से जोड़ने हेतु निर्देशित करने का कष्ट करें।

नोट-[ ] यह अंश पढ़ा हुआ माना गया।

जनपद गाजीपुर के विधान सभा क्षेत्र जंगीपुर के अन्तर्गत कालूपुर से युवराजपुर तक रोड का चौड़ीकरण कराये जाने के सम्बन्ध में नियम-301 के अन्तर्गत सूचना

श्री वीरेन्द्र कुमार यादव-

[मान्यवर, आपके माध्यम से सरकार का ध्यान गम्भीर विषय की ओर दिलाना चाहता हूं। हमारे विधान सभा क्षेत्र जंगीपुर गाजीपुर के अन्तर्गत कालूपुर से युवराजपुर तक रोड लम्बाई लगभग 4.00 कि0मी0 जो अति जर्जर है, इसका उच्चीकरण एवं चौड़ीकरण कराया जाना जनहित में अति आवश्यक है। उक्त रोड का उच्चीकरण एवं चौड़ीकरण न होने के कारण स्थानीय जनता को काफी परेशानी का सामना करना पड़ता है।

अतः इस जनहित के लोक महत्व के विषय को सदन के संज्ञान में लाते हुए तत्काल उक्त रोड का उच्चीकरण एवं चौड़ीकरण किये जाने हेतु सरकार से मांग करता हूं।]

जनपद महाराजगंज में भारत-नेपाल सीमा पर चिकित्सीय जांच एवं सुविधाएं उपलब्ध कराये जाने के सम्बन्ध में नियम-301 के अन्तर्गत सूचना

श्री अमन मणि त्रिपाठी-

मान्यवर, भारत नेपाल सीमा पर कोरोना वायरस के फैलने की अपार सम्भावनाएं हैं। हमारे यहां नेपाल की सीमा 40 किलोमीटर है। सीमा पर तमाम चीन की एजेंसियां कम्पनियां काम कर रहे हैं। तमाम चीन के लोग आवागमन कर रहे हैं जिससे कोरोना वायरस फैलने का खतरा बना हुआ है। हमारी सीमा पर चिकित्सीय सुविधाएं व कोरोना वायरस के फैलने से रोकने के लिए नाकाफी है। भारत नेपाल सीमा पर अन्य तमाम प्रकार की चिकित्सीय जांच और सुविधाओं को बढ़ाया जाना आवश्यक है जिससे करोना वायरस को फैलने से रोकने के लिए किया जाना है हमारे क्षेत्र में गत दिनों कई संदिग्धों की जांच करायी गयी। जांच उपरान्त करोना वायरस नहीं पाया गया परन्तु खतरा बना हुआ है। इसके लिए अविलम्ब सीमा पर चिकित्सीय सुविधाएं विशेष चिकित्सा अधिकारियों की नियुक्ति की जाए जिससे हम प्रभावशाली तरीके से कोरोना वायरस को रोकने में सफल हो सके।

जनपद आजमगढ़ के विधान सभा क्षेत्र लालगंज के अन्तर्गत विकास खण्ड पल्हना में पुलिस चौकी एवं अग्नि शमन केन्द्र का निर्माण कराये जाने के सम्बन्ध में नियम-301 के अन्तर्गत सूचना

श्री आजाद अरिमर्दन-

[मान्यवर, आपके माध्यम से इन सम्मानित सदन का ध्यान एक अविलम्बनीय लोक महत्व के विषय पर आकृष्ट कराना चाहता हूं।

नोट-[ ] यह अंश पढ़ा हुआ माना गया।

जिला-आजमगढ़ के विधान सभा क्षेत्र लालगंज के वि0ख0-पल्हना का क्षेत्रफल एवं आबादी का मानक भी पूरा करता है। पल्हना पुलिस चौकी को पुलिस थाना बनाया जाना एवं एक उप फायर स्टेशन (अग्नि शमन केन्द्र) की आवश्यकता है। उक्त वि0ख0 में पुलिस चौकी को थाना एवं अग्निशमन केन्द्र न होने से क्षेत्रीय जनता को बहुत ही परेशानियों का सामना करना पड़ रहा है। जिसके कारण आम जनता में अत्यधिक आक्रोश व्याप्त है।

अतः लोक महत्व के अविलम्बनीय विषय पर सदन के माध्यम से सरकार का ध्यान आकृष्ट कराते हुए जनहित में उक्त पुलिस चौकी को पुलिस थाना एवं उप फायर स्टेशन बनाये जाने की कार्रवाई की मांग करता हूं।]

श्री अध्यक्ष-

निम्न माननीय सदस्यों की सूचनायें अस्वीकार कर दी गयी-श्री प्रतीक भूषण सिंह, श्री रजनी कांत त्रिपाठी, डा0 मंजू शिवाच, श्री प्रेम नारायण पाण्डेय, श्री विजय कुमार राजभर, श्रीमती आराधना मिश्रा 'मोना', श्री नरेश सैनी, श्री शैलेन्द्र यादव 'ललई', श्री अम्बरीश सिंह पुष्कर 'एडवोकेट', श्री मनोज कुमार पारस, श्री बहोरन लाल मौर्य, श्री संजय प्रताप जायसवाल, श्री बृजभूषण राजपूत उर्फ गुड्डू भइया।

[02:03 बजे] श्री लाल जी वर्मा, सदस्य, विधान सभा की जनपद अम्बेडकरनगर से सम्बन्धित पांच याचिकायें†

(1) माननीय अध्यक्ष जी मैं आपकी अनुमति से जनपद अम्बेडकर नगर के विधान सभा क्षेत्र-277, कटेहरी के विकास खण्ड कटेहरी के अन्तर्गत देवरायपुर सम्पर्क मार्ग से पहितीपुर अन्नाये पक्की सड़क तक जर्जर/क्षतिग्रस्त सम्पर्क मार्ग (ल0 लगभग 1.20 कि0मी0) का निर्माण कराये जाने के सम्बन्ध में श्री रूकुम केश वर्मा व अन्य निवासीगण जनपद अम्बेडकर नगर द्वारा हस्ताक्षरित याचिका,

(2) माननीय अध्यक्ष जी मैं आपकी अनुमति से जनपद अम्बेडकर नगर के विधान सभा क्षेत्र-277, कटेहरी के विकास खण्ड भीटी के अन्तर्गत आनन्द नगर चौराहे से हीडी नरहरपुर दरबपुर तक जर्जर/क्षतिग्रस्त सम्पर्क मार्ग का निर्माण कराये जाने के सम्बन्ध में श्री राजेश गुप्ता व अन्य निवासीगण जनपद अम्बेडकर नगर द्वारा हस्ताक्षरित याचिका,

(3) माननीय अध्यक्ष जी, मैं आपकी अनुमति से जनपद अम्बेडकर नगर के विधान सभा क्षेत्र-277, कटेहरी के विकास खण्ड कटेहरी के अन्तर्गत अकबरपुर चीनी मिल के दक्षिण मिझौड़ा सम्पर्क मार्ग बहोरिकपुर सबना गांव तक जर्जर सम्पर्क मार्ग का निर्माण कराये जाने के सम्बन्ध में श्री जगराम वर्मा व अन्य निवासीगण जनपद अम्बेडकर नगर द्वारा हस्ताक्षरित याचिका,

---

† छापी नहीं गईं।

(4) माननीय अध्यक्ष जी, मैं आपकी अनुमति से जनपद अम्बेडकर नगर के विधान सभा क्षेत्र-277, कटेहरी के विकास खण्ड भीटी के अन्तर्गत गोसाईगंज सेनपुर से पिछवारा तक जर्जर सम्पर्क मार्ग का निर्माण कराये जाने विषयक श्री लक्ष्मण वर्मा व अन्य निवासीगण जनपद अम्बेडकर नगर द्वारा हस्ताक्षरित याचिका,

(5) माननीय अध्यक्ष जी, मैं आपकी अनुमति से जनपद अम्बेडकर नगर के विधान सभा क्षेत्र-277, कटेहरी के विकास खण्ड भीटी के अन्तर्गत मुख्य मार्ग मिझौड़ा से इटावा गांव होते हुए बरहा गांव तक जर्जर/क्षतिग्रस्त सम्पर्क मार्ग (ल0 लगभग 1.20 कि0मी0) का निर्माण कराये जाने के सम्बन्ध में श्री शैलेन्द्र वर्मा व अन्य निवासीगण जनपद अम्बेडकर नगर द्वारा हस्ताक्षरित याचिका उपस्थित करता हूं।

श्री काली प्रसाद, सदस्य, विधान सभा की जनपद देवरिया से सम्बन्धित छः याचिकायें†

(1) माननीय अध्यक्ष जी, मैं आपकी अनुमति से विकास खण्ड भागलपुर जनपद देवरिया के महदहा चौराहे से डुमवलिया होकर भटनी पिच मार्ग तक पिच सड़क का चौड़ीकरण कराये जाने के सम्बन्ध में श्री राजन तिवारी व अन्य निवासीगण जनपद देवरिया द्वारा हस्ताक्षरित याचिका,

(2) मान्यवर, मैं आपकी अनुज्ञा से विकास खण्ड भागलपुर जनपद देवरिया के पिपरा रामधर इण्टर कालेज से करौटा प्राथमिक विद्यालय तक डामरीकरण कराये जाने के सम्बन्ध में श्री सुनील सिंह व अन्य निवासीगण जनपद देवरिया द्वारा हस्ताक्षरित याचिका,

(3) मान्यवर, मैं आपकी अनुज्ञा से जनपद देवरिया के विकास खण्ड भागलपुर के ग्राम बगहा से एकौना होकर डिघड़ा जुनेबी पिच मार्ग तक डामरीकरण कराये जाने के सम्बन्ध में श्री मदन लाल व अन्य निवासीगण जनपद देवरिया द्वारा हस्ताक्षरित याचिका,

(4) मान्यवर, मैं आपकी अनुज्ञा से विकास खण्ड भागलपुर जनपद देवरिया के ग्राम बगहा से पिपरा पाठक तक मार्ग का डामरीकरण कराये जाने के सम्बन्ध में श्री हेमन्त कुमार व अन्य निवासीगण जनपद देवरिया द्वारा हस्ताक्षरित याचिका,

(5) मान्यवर, मैं आपकी अनुज्ञा से विकास खण्ड भागलपुर जनपद देवरिया के ग्राम मुरासो में राजकीय नलकूप लगवाये जाने के सम्बन्ध में श्री रामदरश यादव व अन्य निवासीगण जनपद देवरिया द्वारा हस्ताक्षरित याचिका,

(6) मान्यवर, मैं आपकी अनुज्ञा से जनपद देवरिया के विकास खण्ड सलेमपुर के तेतरी हरदो से उसरहां तक मार्ग का डामरीकरण कराये जाने के सम्बन्ध में श्री कुन्ज बिहारी सिंह व अन्य निवासीगण जनपद देवरिया द्वारा हस्ताक्षरित याचिका उपस्थित करता हूं।

---

† छापी नहीं गईं।

श्री रोशन लाल वर्मा, सदस्य, विधान सभा की जनपद शाहजहांपुर से सम्बन्धित पांच याचिकाएं (व्यपगत)†

(1) जनपद शाहजहांपुर के ब्लाक-निगोही के अन्तर्गत ग्राम विक्रमपुर चकौरा के पश्चिम से बरौरा तक कच्चे गड्ढायुक्त मार्ग का डामरीकरण कराये जाने के सम्बन्ध में श्री ओमवीर सिंह पुत्र श्री हाकिम सिंह व अन्य निवासीगण जनपद शाहजहांपुर द्वारा हस्ताक्षरित याचिका,

(2) जनपद शाहजहांपुर के ब्लाक-तिलहर के अन्तर्गत ग्राम पुरायुं से ग्राम हुसेनापुर तक कच्चे गड्ढायुक्त मार्ग का डामरीकरण कराये जाने के सम्बन्ध में श्री महेश गुप्ता पुत्र श्री वासुदेव सिंह व अन्य निवासीगण जनपद शाहजहांपुर द्वारा हस्ताक्षरित याचिका,

(3) जनपद शाहजहांपुर के ब्लाक-तिलहर के अन्तर्गत ग्राम पुरांयु से ग्राम रामपुर नवदिया से नहर पटरी पर बख्तियारपुर डामर रोड तक कच्चे गड्ढायुक्त मार्ग का डामरीकरण कराये जाने के सम्बन्ध में श्री सुबेदार वर्मा पुत्र श्री खेमकरन लाल व अन्य निवासीगण जनपद शाहजहांपुर द्वारा हस्ताक्षरित याचिका,

(4) जनपद शाहजहांपुर के ब्लाक-निगोही के अन्तर्गत ग्राम चक वरैचा डामर रोड से गौ-शाला तक कच्चे गड्ढायुक्त मार्ग का डामरीकरण कराये जाने के सम्बन्ध में श्री मुन्ना लाल वर्मा पुत्र श्री तोताराम व अन्य निवासीगण जनपद शाहजहांपुर द्वारा हस्ताक्षरित याचिका तथा

(5) जनपद शाहजहांपुर के ब्लाक-तिलहर के अन्तर्गत ग्राम नौगाई से ग्राम मित्रपुर बरूआ तक कच्चे गड्ढायुक्त मार्ग का डामरीकरण कराये जाने के सम्बन्ध में श्री वेदव्यास पुत्र श्री महेन्द्र पाल व अन्य निवासीगण जनपद शाहजहांपुर द्वारा हस्ताक्षरित याचिका उनकी अनुपस्थिति में व्यपगत हुई।

डॉ0 जमुना प्रसाद सरोज, सदस्य, विधान सभा की जनपद प्रयागराज से सम्बन्धित एक याचिका

मान्यवर, मैं आपकी अनुज्ञा से जनपद-प्रयागराज के विधान सभा क्षेत्र सोरांव में सिंचाई हेतु ट्यूबवेल स्थापित किये जाने के सम्बन्ध में श्री शेष कुमार व अन्य निवासीगण जनपद प्रयागराज द्वारा हस्ताक्षरित याचिका उपस्थित करता हूं।

† छापी नहीं गईं।

श्री सुरेश राही, सदस्य, विधान सभा की जनपद सीतापुर नगर से सम्बन्धित एक याचिका (व्यपगत)†

जनपद-सीतापुर के ग्राम रमुवापुर पोस्ट सुजावलपुर में प्राथमिक विद्यालय खोले जाने के सम्बन्ध में श्री जगदीश प्रसाद व अन्य निवासीगण जनपद सीतापुर द्वारा हस्ताक्षरित याचिका उनकी अनुपस्थिति में व्यपगत हुई।

श्री सुनील कुमार शर्मा सदस्य, विधान सभा की जनपद गाजियाबाद नगर से सम्बन्धित एक याचिका

मान्यवर, मैं आपकी अनुज्ञा से नगर निगम गाजियाबाद के वार्ड सं0-64 के अन्तर्गत मोहन नगर-वजीराबाद रोड पर पैडल उपरिगामी सेतु के निर्माण के सम्बन्ध में श्री सतीश ढिलोर व अन्य निवासीगण जनपद गाजियाबाद द्वारा हस्ताक्षरित याचिका उपस्थित करता हूं।

श्री अध्यक्ष-

मद संख्या-09, 10, 11 के मा0 सदस्यों के अनुपस्थित रहने पर मद संख्या-12

श्री मनोज कुमार पाण्डेय, सदस्य, विधान सभा की जनपद लखनऊ से सम्बन्धित एक एवं रायबरेली से सम्बन्धित दो याचिकाएं

(1) मान्यवर, मैं आपकी अनुज्ञा से जनपद रायबरेली के ग्राम सभा मेलखा साहब सम्पर्क मार्ग से पूरे समदा तक मार्ग निर्माण कराये जाने के सम्बन्ध में श्री कल्लू यादव निवासी ग्राम मेलखा साहब व अन्य निवासीगण जनपद रायबरेली द्वारा हस्ताक्षरित याचिका,

(2) मान्यवर, मैं आपकी अनुज्ञा से जनपद लखनऊ में दुबग्गा से अवध हास्पिटल जाने वाले मार्ग को 4 लेन बनाये जाने के सम्बन्ध में श्री मारकण्डेय सिंह व अन्य निवासीगण जनपद लखनऊ द्वारा हस्ताक्षरित याचिका उपस्थित तथा

(3) मान्यवर, मैं आपकी अनुज्ञा से जनपद रायबरेली के विधान सभा क्षेत्र बछरावां के विकास खण्ड शिवगढ़ में स्थित ग्राम पंचायत ओसाह में प्रधानमंत्री ग्रामीण आवास बनवाये जाने के सम्बन्ध में श्रीमती सुनीता द्विवेदी व अन्य निवासीगण जनपद रायबरेली द्वारा हस्ताक्षरित याचिका उपस्थित करता हूं।

श्री मुकेश चन्द्र वर्मा, सदस्य, विधान सभा की जनपद फिरोजाबाद से सम्बन्धित दो याचिकाएं

(1) मान्यवर, मैं आपकी अनुज्ञा से जनपद फिरोजाबाद की तहसील फिरोजाबाद के अन्तर्गत ग्राम तोतलपुर में रामनिवास के घर से मक्खन सिंह अमीन साहब के घर तक सम्पर्क मार्ग का डामरीकरण व नाली बनवाये जाने के सम्बन्ध में श्री मक्खन सिंह व अन्य निवासीगण जनपद फिरोजाबाद द्वारा हस्ताक्षरित याचिका तथा

† छापी नहीं गईं।

(2) मान्यवर, मैं आपकी अनुज्ञा से जनपद फिरोजाबाद की तहसील फिरोजाबाद के अन्तर्गत ग्राम नगला दया में गुड्डू के घर से आंगनबाड़ी केन्द्र तक सम्पर्क मार्ग का निर्माण के सम्बन्ध में श्री सतेन्द्र व अन्य निवासीगण जनपद फिरोजाबाद द्वारा हस्ताक्षरित याचिका उपस्थित करता हूं।

श्री राम अचल राजभर, सदस्य, विधान सभा की जनपद अम्बेडकर नगर से सम्बन्धित दो याचिकाएं†

(1) मान्यवर, मैं आपकी अनुज्ञा से जनपद अम्बेडकर नगर के विकास खण्ड अकबरपुर के अन्तर्गत स्थित ग्राम सभा मंशापुर सम्पर्क मार्ग से हमजापुर होते हुए सुरूआरपुर तक जर्जर/क्षतिग्रस्त सम्पर्क मार्ग (ल0 लगभग 1.5 कि0मी0) का निर्माण कराये जाने के सम्बन्ध में श्री वीरेन्द्र व अन्य निवासीगण जनपद अम्बेडकर नगर द्वारा हस्ताक्षरित याचिका तथा

(2) मान्यवर, मैं आपकी अनुज्ञा से जनपद अम्बेडकर नगर के विकास खण्ड अकबरपुर के अन्तर्गत स्थित ग्राम सभा रग्धूपुर के पंकज भारती के खेत से ग्राम सभा घाघूपुर होते हुए श्रवण क्षेत्र तक जर्जर क्षतिग्रस्त सम्पर्क मार्ग का निर्माण कराये जाने के सम्बन्ध में श्री रामजीत राजभर व अन्य निवासीगण जनपद अम्बेडकर नगर द्वारा हस्ताक्षरित याचिका प्रस्तुत करता हूं।

श्री राहुल प्रकाश, सदस्य, विधान सभा की जनपद मिर्जापुर से सम्बन्धित दो याचिकाएं

(1) मान्यवर, मैं आपकी अनुज्ञा से जनपद मिर्जापुर के विधान सभा क्षेत्र छानबे में जर्जर सड़कों की मरम्मत/पुनः निर्माण कराये जाने के सम्बन्ध में श्री राजेश मिश्र व अन्य निवासीगण जनपद मीरजापुर द्वारा हस्ताक्षरित याचिका प्रस्तुत करता हूं तथा

(2) मान्यवर, मैं आपकी अनुज्ञा से जनपद मिर्जापुर के विधान सभा क्षेत्र छानबे में सड़कों/सम्पर्क मार्गों का निर्माण कराये जाने के सम्बन्ध में श्री कमलेश प्रजापति व अन्य निवासीगण जनपद मीरजापुर द्वारा हस्ताक्षरित याचिका प्रस्तुत करता हूं।

(मद संख्या-16 पुकारे जाने पर सदस्य सदन में उपस्थित नहीं थे)

श्री बृजभूषण राजपूत उर्फ गुड्डू भइया, सदस्य, विधान सभा की जनपद महोबा से सम्बन्धित दो याचिकाएं (व्यपगत)

(1) जनपद महोबा के अन्तर्गत नगर पंचायत कुलपहाड़ बेलाताल के सौन्दर्यीकरण के सम्बन्ध में श्री हरिदास अनुरागी व अन्य निवासीगण जनपद महोबा द्वारा हस्ताक्षरित याचिका तथा

---

† छापी नहीं गईं।

(2) जनपद महोबा के कस्बा कुलपहाड़ में संचालित राजकीय बालिका इण्टर कालेज के नये भवन के निर्माण के सम्बन्ध में श्री हरिदास अनुरागी व अन्य निवासीगण जनपद महोबा द्वारा हस्ताक्षरित याचिका उनकी अनुपस्थिति में व्यपगत हुई।

श्री पूरन प्रकाश, सदस्य, विधान सभा की जनपद मथुरा से सम्बन्धित छः याचिकाएं†

(1) मान्यवर, मैं आपकी अनुज्ञा से जनपद मथुरा के ब्लाक बलदेव के ग्राम बरौली अथवा आस-पास सुरक्षा हेतु एक पुलिस चौकी स्थापित कराये जाने के सम्बन्ध में श्री लखेन्द्र सिंह व अन्य निवासीगण जनपद मथुरा द्वारा हस्ताक्षरित याचिका,

(2) मान्यवर, मैं आपकी अनुज्ञा से बुलन्दशहर से आगरा तक गंगाजल पेयजल योजना के अन्तर्गत ब्लॉक बलदेव से जा रही पाइप लाइन बिछाने हेतु किसानों द्वारा दी गयी जमीन के ग्रामों में गंगाजल उपलब्ध कराये जाने के सम्बन्ध में श्री लखेन्द्र सिंह व अन्य निवासीगण जनपद मथुरा द्वारा हस्ताक्षरित याचिका,

(3) मान्यवर, मैं आपकी अनुज्ञा से जनपद मथुरा के ब्लाक राया में तेजा नगला माइनर एवं कारव राजबाह की क्रासिंग पर पुल का निर्माण कराये जाने के सम्बन्ध में श्री हरवीर रावत व अन्य निवासीगण जनपद मथुरा द्वारा हस्ताक्षरित याचिका,

(4) मान्यवर, मैं आपकी अनुज्ञा से जनपद मथुरा के ब्लाक बलदेव के पास यमुना एक्सप्रेस-वे कट लगवाये जाने के सम्बन्ध में श्री लखेन्द्र सिंह व अन्य निवासीगण जनपद मथुरा द्वारा हस्ताक्षरित याचिका,

(5) मान्यवर, मैं आपकी अनुज्ञा से विधान सभा क्षेत्र बलदेव जनपद मथुरा के ब्लाक बलदेव के कस्बा महावन के पास राजकीय कन्या महाविद्यालय बनवाये जाने के सम्बन्ध में ठा0 मानवेन्द्र सिंह निवासी बंदी जनपद मथुरा द्वारा हस्ताक्षरित याचिका तथा

(6) मान्यवर, मैं आपकी अनुज्ञा से बुलन्दशहर से आगरा तक गंगाजल पेयजल योजना के अन्तर्गत ब्लाक राया जा रही पाइप लाइन बिछाये जाने हेतु किसानों द्वारा दी गयी जमीन वाले ग्रामों को गंगाजल उपलब्ध कराये जाने के सम्बन्ध में, श्री अनिल रावत व अन्य निवासीगण जनपद मथुरा द्वारा हस्ताक्षरित याचिका प्रस्तुत करता हूं।

श्री लाल बहादुर, सदस्य, विधान सभा की जनपद कौशाम्बी से सम्बन्धित दो याचिकाएं

(1) मान्यवर, मैं आपकी अनुज्ञा से विकास खण्ड मंझनपुर जनपद कौशाम्बी के ग्राम पंचायत भिखियापुर से बैरिहा का पूरा हिसामपुर तक मार्ग का डामरीकरण कराये जाने के सम्बन्ध में श्री उदय सिंह लोधी व अन्य निवासीगण जनपद कौशाम्बी द्वारा हस्ताक्षरित याचिका प्रस्तुत करता हूं तथा

---

† छापी नहीं गईं।

(2) मान्यवर, मैं आपकी अनुज्ञा से विकास खण्ड सरसवां जनपद कौशाम्बी की ग्राम पंचायत बरौला के प्राथमिक विद्यालय तक मार्ग का डामरीकरण कराये जाने के सम्बन्ध में श्री धीरेन्द्र सिंह पटेल व अन्य निवासीगण जनपद कौशाम्बी द्वारा हस्ताक्षरित याचिका प्रस्तुत करता हूं।

श्री प्रभात कुमार वर्मा, सदस्य, विधान सभा की जनपद गोण्डा से सम्बन्धित तीन याचिकाएं†

(1) मान्यवर, मैं आपकी अनुज्ञा से जनपद गोण्डा की तहसील मनकापुर के विकास खण्ड मनकापुर के अन्तर्गत ग्राम पंचायत महेबा नानकार के मनकापुर मछलीगांव मार्ग से महेवा नानकार होते हुए बड़ी नहर तक डामरीकरण कराये जाने के सम्बन्ध में श्री भगवानदीन मिश्रा व अन्य निवासीगण जनपद गोण्डा द्वारा हस्ताक्षरित याचिका तथा

(2) मान्यवर, मैं आपकी अनुज्ञा से जनपद गोण्डा की तहसील मनकापुर के विकास खण्ड बभनजोत के अन्तर्गत ग्राम पंचायत नरहरपुर के अनीपुर से नरहरपुर सम्पर्क मार्ग डामरीकरण कराये जाने के सम्बन्ध में श्री ताराशंकर श्रीवास्तव व अन्य निवासीगण जनपद गोण्डा द्वारा हस्ताक्षरित याचिका,

(3) मान्यवर, मैं आपकी अनुज्ञा से जनपद गोण्डा की तहसील मनकापुर के विकास खण्ड बभनजोत के अन्तर्गत ग्राम पंचायत औसानी बुजुर्ग केवटाहिया सम्पर्क मार्ग डामरीकरण कराये जाने के सम्बन्ध में श्री रामकृष्ण चौधरी व अन्य निवासीगण जनपद गोण्डा द्वारा हस्ताक्षरित याचिका प्रस्तुत करता हूं।

(मद संख्या-20 पुकारे जाने पर सदस्य सदन में उपस्थित नहीं थे)

प्रिंस वीर विक्रम सिंह, सदस्य, विधान सभा की अनुपस्थिति में जनपद शाहजहांपुर से सम्बन्धित तीन याचिकाएं (व्यपगत)

(1) जनपद शाहजहांपुर के विधान सभा क्षेत्र 131-कटरा अन्तर्गत विकास खण्ड कलान में स्थानीय नागरिकों के लिए पीने के पानी की टंकी की स्थापना कराये जाने के सम्बन्ध में श्री पुष्पेन्द्र प्रताप विक्रम व अन्य निवासीगण जनपद शाहजहांपुर द्वारा हस्ताक्षरित याचिका,

(2) एन0एच0-24 से जिला शाहजहांपुर के विधान सभा क्षेत्र 131-कटरा अन्तर्गत कुसक होते हुए ख्वाजकीपुर उर्फ भौना विकास खण्ड खुदागंज तक कच्चा मार्ग होने के कारण डामरीकरण कराये जाने के सम्बन्ध में श्री अंशुल गुप्ता व अन्य निवासीगण जनपद शाहजहांपुर द्वारा हस्ताक्षरित याचिका तथा

(3) जनपद शाहजहांपुर के विधान सभा क्षेत्र 131-कटरा अन्तर्गत विकास खण्ड जैतीपुर के ग्राम अमरेड़ी से मलरिया मिर्जापुर तक कच्चा मार्ग होने के कारण डामरीकरण कराये

† छापी नहीं गईं।

जाने के सम्बन्ध में श्री मुन्ना सिंह तोमर व अन्य निवासीगण जनपद शाहजहांपुर द्वारा हस्ताक्षरित याचिका उनकी अनुपस्थिति में व्यपगत हुई।

श्री रजनीकान्त मणि त्रिपाठी-

मान्यवर, मैं अपनी याचिका प्रस्तुत करना चाहता हूं।

श्री अध्यक्ष-

ठीक है, याचिका प्रस्तुत करें।

श्री रजनीकान्त मणि त्रिपाठी, सदस्य, विधान सभा की जनपद कुशीनगर से सम्बन्धित एक याचिका†

(1) माननीय अध्यक्ष जी, आपकी अनुमति से, जनपद कुशीनगर में विकास खण्ड कसया व न0पा0प0 कुशीनगर के सहकारी समिति की जीर्ण-शीर्ण परित्यक्त अनुकूल भवनों के नव निर्माण के सम्बन्ध में श्री अंकित मणि त्रिपाठी व अन्य निवासीगण जनपद कुशीनगर द्वारा हस्ताक्षरित याचिका उपस्थित करता हूं।

[02:17 बजे] श्री राज्यपाल के अभिभाषण पर चर्चा एवं नेता विरोधी दल द्वारा एक पक्ष एवं एक विपक्ष के क्रम में चर्चा कराये जाने की मांग††

श्री अध्यक्ष-

अब हम श्री राज्यपाल जी के अभिभाषण पर चर्चा जो जारी थी, उसके लिये नाम लेने जा रहे हैं। एक अनुरोध पहले छोटा सा कर लें कि इस चर्चा में सभी पक्ष के माननीय सदस्यों की रूचि है तो हम बार-बार प्रयास करते हैं कि 5 मिनट में बात समाप्त हो जाय। लेकिन जब मुझे टोकना पड़ता है तो तकलीफ होती है। मैं किसी को टोकता हूँ तो जो बोल रहा होता है उसकी लय में, उसके भाषण में बाधा पड़ती है। तो मेरा अनुरोध है कि अपनी ओर से ही 5 मिनट में समाप्त करने का कष्ट करें और प्रयास करें।

***नेता विरोधी दल (श्री राम गोविन्द चौधरी)-**

माननीय अध्यक्ष जी, आपसे विनम्र प्रार्थना है कि संसदीय कार्य मंत्री जी यहां विपक्ष में थे और आपके आसन पर माननीय माता प्रसाद पाण्डेय जी विराजमान थे, मैं उस समय मंत्री था तो वह कहते थे कि एक पक्ष को एक विपक्ष को। मैंने प्रश्न उठाया उनके सामने, चूंकि सत्ता पक्ष बड़ा दल होता है तो दो सत्ता पक्ष को एक विपक्ष को। लेकिन उन्होंने मेरी बात मानी नहीं। मान्यवर, यह विधान सभा जो है वह संविधान, नियमावली, परम्परा और आपके निर्देशों

---

† छापी नहीं गईं।

†† दिनांक 17 फरवरी, 2020 की कार्यवाही से।

* वक्ता ने भाषण का पुनर्वीक्षण नहीं किया।

के अनुसार चलती है। तो मेरी आपसे प्रार्थना है कि पुरानी परम्परा को लेकर आज एक सत्ता पक्ष एक विपक्ष की परम्परा को कायम करें यही मेरी आपसे प्रार्थना है।

श्री अम्बरीश सिंह पुष्कर एडवोकेट-

माननीय अध्यक्ष जी, आपने मुझे महामहिम राज्यपाल महोदया जी के अभिभाषण पर चर्चा के लिये बोलने का अवसर दिया, इसके लिये मैं आपका सादर धन्यवाद करता हूं। मान्यवर, मैं अपने आपको नेता प्रतिपक्ष जी द्वारा दिये गये संशोधन प्रस्ताव के साथ सम्बद्ध करते हुये अपनी बात कहना चाहता हूं। माननीय अध्यक्ष जी, जो महामहिम जी का अभिभाषण है वह पूरी तरीके से असत्य है और सरकार की कोई भी योजना धरातल पर काम नहीं कर रही है। सरकार के सारे दावे महज कागजी है। गांव में किसान पूरी तरीके से पीड़ित है। सरकार का दावा था कि किसानों की फसल का उचित मूल्य दुगना करके दिया जायेगा परन्तु आज किसानों की स्थिति यह है कि उन्हें अपनी फसलों की लागत का मूल्य भी नहीं मिल पा रहा है। आवारा पशु फसलों को नष्ट कर रहे हैं। अभी धान केन्द्रों पर धान खरीद के नाम पर सिर्फ खानापूर्ति की गयी। किसानों के धान को डायरेक्ट न खरीदकर बिचौलियों के माध्यम से खरीदा गया। माननीय अध्यक्ष जी, सरकार ने अभी-अभी 26 नवम्बर को संविधान दिवस मनाया। सरकार की कथनी और करनी में अंतर है। सरकार संविधान दिवस तो मनाती है परन्तु संविधान में दिये गये अधिकारों से दलितों, पिछड़ों को वंचित करने का प्रयास कर रही है। आज दलितों के आरक्षण को, जो संविधान निर्माता बाबा साहब भीमराव अम्बेडकर जी के संविधान में प्राविधान किया गया था, आज भी दलितों और पिछड़ों को संविधान के अनुरूप आरक्षण का लाभ नहीं मिल पा रहा है। सरकार तमाम संस्थानों में आरक्षण समाप्त करने की तैयारी कर रही है। सरकार द्वारा वर्तमान समय में जो निजीकरण किया जा रहा है, उसमें भी पूरी तरीके से आरक्षण लागू होना चाहिए, तभी भारतीय संविधान की रक्षा हो सके। माननीय अध्यक्ष जी, हमारी विधान सभा राजधानी की विधान सभा है। हमारी विधान सभा में सड़कों की हालत बिल्कुल खराब है। सरकार ने गड्ढामुक्ति के नाम पर सिर्फ खानापूर्ति की है और सरकारी धन का दुरुपयोग किया है। मैं अपनी इस बात को पूर्व से ही लगातार इस विधान सभा में रखता आया हूं। हमारी विधान सभा क्षेत्र की एक सड़क गंगागंज से नगराम तक है। जब से मैं विधायक बना हूं, तब से मैं यह बात सदन के माध्यम से अवगत कराता आया हूं कि नगराम से गंगागंज मार्ग इतना खराब है कि इस मार्ग पर लोगों ने आना-जाना ही बन्द कर दिया है। उक्त मार्ग को चौड़ीकरण करके पुनः निर्माण कराया जाना अति आवश्यक है। अतः माननीय अध्यक्ष जी, मैं आपसे मांग करता हूं कि नगराम से गंगागंज मार्ग का चौड़ीकरण कराया जाना अति आवश्यक है। माननीय अध्यक्ष जी, हमारी विधान सभा क्षेत्र में नहरों की सिल्ट सफाई के नाम पर सिर्फ खानापूर्ति की गई है। निजी एजेंसियों को लाभ पहुंचाने के लिए नहरों पर पुलों का निर्माण कराया जा रहा है। असिंचित क्षेत्रों में, जहां नहरों का पानी नहीं पहुंच रहा है, राजकीय नलकूल की स्थापना कराये जाने की मांग भी मैं आपके माध्यम से सरकार से

करता हूं। माननीय अध्यक्ष जी, आज पूरे उत्तर प्रदेश में किसानों के निजी विद्युत नलकूपों का बिल फिक्स या बिना मीटर के आधार पर वसूल किया जा रहा है। परन्तु हमारी विधान सभा मोहनलालगंज में किसानों के निजी नलकूपों में मीटर लगाकर विद्युत विभाग द्वारा वसूल किया जा रहा है, जो सरासर गलत है और अन्यायपूर्ण है। परेशान किसान अपना कनेक्शन कटवा रहे हैं। माननीय अध्यक्ष जी, गांव में स्थित स्कूलों की शिक्षा सुधार के लिए करोड़ों रुपये हर वर्ष खर्च करने का दावा सरकार द्वारा निरन्तर किया जा रहा है। वहीं आज भी कई गांवों में स्थित स्कूल अत्यन्त जर्जर हैं व बिना बाउंड्रीवाल के चल रहे हैं तथा कई आंगनबाड़ी केन्द्र तो बिना भवनों के ही चल रहे हैं। माननीय अध्यक्ष जी, मैं आपके माध्यम से सदन से मांग करता हूँ कि स्कूलों को सही कराया जाये व आंगनबाड़ी केन्द्रों का निर्माण कराया जाये। हमारी विधान सभा क्षेत्र में एक भी राजकीय डिग्री कॉलेज नहीं है, उसका निर्माण कराये जाने की मैं मांग करता हूं। माननीय अध्यक्ष जी, आज जो राशन कार्ड बन रहे हैं, उसके लिए भी चारों तरफ हाहाकार मचा है। कई बार आधार फीडिंग के लिए लाभार्थियों द्वारा जमा करने के बावजूद भी उनके आधार दर्ज नहीं हो पा रहे हैं तथा पहले से ई-मशीन पर अँगूठा लगाकर खाद्यान्न पा रहे लाभार्थियों के नाम भी हटाये जा रहे हैं। सभी लोगों को राशन, खाद्यान्न मिले, इसकी व्यवस्था भी सरकार द्वारा सुनिश्चित कराया जाना अति आवश्यक है। माननीय अध्यक्ष जी, हमारी विधान सभा के नाम से संसदीय क्षेत्र, विधान सभा क्षेत्र, ब्लाक व अभी हाल ही में नवगठित टाउन एरिया का गठन सरकार द्वारा किया गया है। उस टाउन एरिया में मऊ रेलवे क्रासिंग पड़ती है। वहां पर अत्यन्त जाम की स्थिति हमेशा बनी रहती है। मैं चाहता हूं कि नव गठित टाउन एरिया, मोहनलालगंज में रेलवे क्रासिंग पर ओवर ब्रिज की स्थापना तथा हमारे विकास खण्ड गोसाईंगंज की, गोसाईंगंज टाउन एरिया में भी क्रासिंग पर एक ओवर ब्रिज की स्थापना कराई जाये। माननीय अध्यक्ष जी, मेरे क्षेत्र में पूर्व की सरकार में, माननीय अखिलेश यादव जी की सरकार में खुजौली से लेकर नगराम तक एक सड़क का चौड़ीकरण हुआ था। लेकिन चौड़ीकरण होने के बाद से आज तक उस मार्ग पर लेपन का कार्य नहीं हुआ है और आज भी उस सड़क की स्थिति इतनी जर्जर है कि उस पर लोग सही से चल नहीं पा रहे हैं। मैं आपके माध्यम से सदन में मांग करता हूं कि खुजौली से नगराम रोड के चौड़ीकरण के साथ-साथ उसका डामरीकरण भी किया जाये। माननीय अध्यक्ष जी, हमारे विधान सभा क्षेत्र, मोहनलालगंज में पूर्व में नगर निगम की सिटी बसों का संचालन हो रहा था, जो वर्तमान सरकार द्वारा रोक दिया गया है। चूंकि अब वह टाउन एरिया बन चुका है। मैं आपके माध्यम से सिटी बसों का संचालन मोहनलालगंज कस्बे तक कराये जाने की मांग करता हूँ। माननीय अध्यक्ष जी, आज विद्युत विभाग द्वारा सौभाग्य योजना में सरकार द्वारा घर-घर तक कनेक्शन दिया गया है। घटिया तार व पाइप लगाकर, लोगों के घरों में कनेक्शन किये जा रहे हैं। जिससे हमारे क्षेत्र के कई मजदूर, किसान और कई अन्य लोगों की करन्ट लगने से मृत्यु भी हो चुकी है। और अब सौभाग्य योजना से जो कनेक्शन दिये गये हैं उससे अत्यधिक बिल वसूल किया

जा रहा है। तमाम ऐसे कस्बे हैं जो अभी भी विद्युतीकरण से छूटे हुए हैं। मैंने स्थानीय एक्स0ई0एन0 को अवगत कराया है लेकिन अभी तक कार्रवाई नहीं हुई है इसलिए विद्युतीकरण की मांग मैं सदन में आपके माध्यम से करता हूं। साथ ही माननीय अध्यक्ष जी हमारे क्षेत्र में सरकार की एक योजना थी नांन-कनेक्टिंग गांव, आज भी तमाम ऐसे मजरे हैं जो अभी भी मुख्य मार्गों से नहीं जुड़ पाये हैं जिसमें से हमारे विकास खण्ड मोहनलालगंज का मनोहरापुर, रानीखेड़ा, हीरामन खेड़ा, बरियारखेड़ा सहित तमाम ऐसे दर्जनों गांव हैं जो आज तक मुख्य मार्ग से नहीं जुड़ पाये हैं। चूंकि सरकार की इस प्रकार की योजना है तो मैं चाहता हूं कि उन गांवों को भी मुख्य मार्ग से जोड़ा जाय, जिससे हमारे सभी ग्रामवासियों को आने जाने में कोई दिक्कत नहीं हो। माननीय अध्यक्ष जी, आपने मुझे बोलने का अवसर दिया आपका बहुत-बहुत आभार और बहुत-बहुत धन्यवाद्।

श्री अध्यक्ष-

माननीय पुष्कर जी ने अपने क्षेत्र की बिन्दुवार बातें कीं यह बहुत प्रेरक बात है। इधर-उधर की बेकार की बातों में उन्होंने समय नहीं गंवाया।

श्रीमती शुचिस्मिता मौर्या-

माननीय अध्यक्ष जी, मैं आपको अन्तःकरण की गहराइयों से धन्यवाद् देती हूं कि आपने मुझे माननीया राज्यपाल जी के अभिभाषण पर अपने विचार रखने का अवसर दिया। आदरणीय अध्यक्ष महोदय, हमारी सरकार पं0 दीनदयाल उपाध्याय एवं डॉ0 श्यामा प्रसाद मुखर्जी जी के आदर्शों, नीतियों एवं सपनों से अभिसिंचित है और उसे मूर्त रूप देना इस सरकार की प्राथमिकता है। समाज के सभी वर्गों के सामाजिक, आर्थिक व शैक्षिक विकास के साथ-साथ प्रदेश के सर्वांगीण विकास हेतु हमारी सरकार कटिबद्ध है। आदरणीय अध्यक्ष महोदय, प्रदेश में जब से योगी जी की सरकार बनी है, प्रदेश की दशा और दिशा को एक नया आयाम और नया कलेवर मिला है। सरकार द्वारा चलायी जा रही विभिन्न कल्याणकारी योजनाएं जमीनी स्तर पर न केवल फलीभूत हो रहीं हैं बल्कि देश में भी प्रथम स्थान पर हैं। चाहे वह प्रधानमंत्री ग्रामीण व शहरी आवास योजना हो, उज्ज्वला योजना हो, सौभाग्य योजना हो, प्रधानमंत्री जीवन ज्योति योजना हो, पेंशन योजना, आयुष्मान योजना, ओ0डी0ओ0पी0 की बात हो या सूक्ष्म लघु एवं मध्यम उद्योग की स्थापना की बात हो, सभी क्षेत्र में हमारा प्रदेश अग्रणी है। आदरणीय अध्यक्ष महोदय, हमारा देश किसानों का देश है और उत्तर प्रदेश की आजीविका का मूल साधन भी कृषि ही है। देश और प्रदेश की आर्थिक अर्थव्यवस्था की रीढ़ भी कृषि ही है इसलिए हमारी सरकार बनते ही हमारी सरकार ने हमारे कृषक भाइयों की आय कैसे दुगनी हो इसका ध्यान रखते हुए नई प्रोक्योरमेण्ट पॉलिसी लागू की है, फसली ऋणमोचन का कार्य किया है और पहली बार गेहूं, धान, दलहन, तिलहन और मक्के का समर्थन मूल्य तय कर सीधा किसानों से खरीददारी की गई और डी0बी0टी0 के माध्यम से उनके खाते में पैसा भेजने का काम किया

गया है। आदरणीय अध्यक्ष जी, हमारे कृषक कैसे उन्नत कृषक बनें इसके लिए भी हमारी सरकार सदैव विचारशील रही है। चाहे स्वायल हेल्थ कार्ड देने की बात हो, सब्सिडी पर खाद, बीज और उपकरण उपलब्ध कराने की बात हो या फिर किसान पाठशाला व गोष्ठी के आयोजन की बात हो, या फिर अन्तर्राष्ट्रीय स्तर के कृषि कुम्भ का आयोजन हो, हमारी सरकार सदैव किसानों के साथ खड़ी है। जैसा कि हम सभी जानते हैं कि कृषि कार्य के लिए जल की भी बहुत आवश्यकता होती है इसलिए जल का सही प्रबन्धन एवं सिंचाई की नई टेक्निक के साथ-साथ हमारी सरकार ने 14 सिंचाई परियोजनाओं को भी पूर्ण करने का कार्य किया है। आदरणीय अध्यक्ष महोदय जी, हमारा देश संस्कृति, सभ्यता एवं परम्पराओं का देश है। इन सभी का संरक्षण एवं संवर्धन हमारी सरकार की प्राथमिकता है, जिसका गुणात्मक परिणाम भी परिलक्षित हो रहा है। स्वदेश दर्शन योजना के माध्यम से और हम सभी को मोक्ष प्रदान करने वाली मां गंगा की शुद्धता, निर्मलता और अविरलता कैसे अक्षुण्ण रखी जाय इसके लिए भी नमामि गंगे के तहत् भव्य गंगा यात्रा का आयोजन किया गया है जिससे मां गंगा निश्चित तौर पर जनमानस के बीच में अविरल बहती रहे। आदरणीय अध्यक्ष महोदय, हमारी सरकार शिक्षा, स्वास्थ्य, सड़क, सुरक्षा सभी क्षेत्र में अभूतपूर्व कार्य कर रही है। मैं इस सदन में मिर्जापुर के मंडवा विधान सभा क्षेत्र का प्रतिनिधित्व करती हूं और मैं अपने क्षेत्रवासियों की ओर से आदरणीय मुख्य मंत्री जी को और उप मुख्य मंत्री जी को बधाई और धन्यवाद् देती हूं कि उन्होंने ज्ञान की गंगा को बहाने के लिए मेरे विधान सभा क्षेत्र में एक महिला डिग्री कॉलेज दिया है। और आपके माध्यम से मैं उप मुख्य मंत्री श्री दिनेश शर्मा जी को धन्यवाद देती हूं और विनम्र आग्रह एवं अनुरोध करती हूं कि विकास खण्ड पहाड़ी में राजकीय महिला महाविद्यालय के शिलान्यास के लिए अपना अमूल्य समय देकर क्षेत्रवासियों को अनुग्रहीत करें। आदरणीय अध्यक्ष महोदय जी, मा0 योगी जी की यह सरकार 'सर्वजन हितायः सर्वजन सुखायः' की सरकार है। राम राज्य की परिकल्पना को साकार करने वाली सरकार है। अन्त में मैं महामहिम राज्यपाल महोदया के अभिभाषण से अपने विचारों को सम्बद्ध करते हुए ऐसे जनकल्याणकारी अभिभाषण का स्वागत और अभिनन्दन करती हूं। एक बार पुनः पूरे सदन को, आपको बहुत-बहुत धन्यवाद देती हूं। जय हिन्द।

श्री अध्यक्ष-

मा0 श्री अतुल गर्ग जी। आप समय के भीतर ही बोलियेगा।

चिकित्सा एवं स्वास्थ्य राज्य मंत्री (श्री अतुल गर्ग)-

मा0 अध्यक्ष महोदय, बहुत दिनों के बाद सदन में बोल रहा हूं। दो मिनट अतिरिक्त समय आपसे चाहूंगा। आदरणीय, हम लोग जो नये विधायकगण इस सत्र में आये हैं। हम यह उम्मीद करते हैं कि जो हमारे पुराने अनुभवी लोग इस सदन में हैं, उनसे हमें बहुत कुछ सीखने का अवसर मिलेगा। मान्यवर, बड़ी उम्मीद से हम लोग विधान सभा में आये थे और यह सोचते

थे कि जो भाषण का स्तर होगा, वह तर्कपूर्ण होगा, बिन्दुवार होगा, विषय पर आधारित होगा। पर जब यहां आये, तो भाषण की जगह सुनने को यह मिलता है कि साहब ये झूठ का पुलिन्दा है, मानवता को शर्मसार करने वाला है, ये समाज को नुकसान पहुंचाने वाला है, ये परंपरावादी भी हैं। ये कहते हैं कि भोजन भी परंपरानुसार मिलना चाहिए। मैं यह पूछना चाहता हूं कि यह क्या तर्क दिया जा रहा है ? इसमें कौन सी चीज झूठ का पुलिन्दा है। मानवता को कलंकित करने वाली कौन सी बात इस अभिभाषण में आ गया है। अभिभाषण देने से पहले यह कौन सी परम्परा है कि उसका विरोध किया जायेगा। इन्हें क्या पता है कि राज्यपाल क्या बोलने वाले हैं ? या तो राज्यपाल का अभिभाषण पहले से ही लीक हो जाता होगा, जो यह पहले से ही बैनर बनाकर व लिखकर लाते हैं। श्री राज्यपाल अपनी बात कहना चाह रहे हैं, जो सरकार का एजेण्डा है। आपने झूठ का कौन सा डेटा दिया, उसे हमें भी बता दीजिये। मान्यवर, मुझे तो एक बात और लगती है कि सरकार के कार्यों पर सरकार का भाषण, जो राज्यपाल महोदया का अभिभाषण था, उससे विपक्ष सौ प्रतिशत सहमत है, क्योंकि इसीलिए उन्होंने कोई तर्कपूर्ण बात न कहकर सीधा-सीधा यह कह दिया कि यह अभिभाषण गलत है और उन्होंने सी0ए0ए0 पर बोलना शुरू कर दिया, अपनी पीड़ाओं को लेकर बोलना शुरू कर दिये, जिसमें अभिभाषण को लेकर कोई जिक्र ही नहीं है। अगर हम सी0ए0ए0 की बात भी करें, तो विपक्ष की तरफ से नेहरू जी, सरदार पटेल जी या लोहिया जी का इसीलिए उदाहरण दिया गया कि साहब वहां पर अस्थिरता/गृह युद्ध के कारण श्रीलंका से, नेपाल से बहुत सारे लोगों को यहां पर नागरिकता दी गयी या शरण दी गयी। आपने खुद ही कहा है कि साहब वहां पर जो डिस्टर्बेन्स हुआ, जो पालिटिकल प्राब्लम्स आईं, उसके कारण यहां नागरिकता दी गयी। सी0ए0ए0 के अन्दर साफ-साफ ये कहा गया कि धार्मिक रूप से जो प्रताड़ित लोग हैं, यह कानून उनके लिए है। जिन लोगों ने राजनीतिक कारणों से शरण मांगी है, उनको शरण दी गयी है। आपके यहां जो तस्लीमा नसरीन हैं, राहत फतेह अली खान हैं, उनको भी शरण दी गयी। पिछले दिनों जो स्थिति थी उसमें छः सौ से ज्यादा लोगों को शरण दी गयी थी। मान्यवर, पाकिस्तान का एक रिवाज है कि वहां जो भी प्रधानमंत्री बनता है, वह संकट में आता है। नवाज शरीफ साहब बाहर घूम रहे हैं, इमरान साहब का भी यही हस्र होने वाला है।

श्री अध्यक्ष-

आप लोग शांत रहिये।

श्री अतुल गर्ग-

राजनीतिक कारणों से नागरिकता देने का..

श्री अध्यक्ष-

गर्ग जी, रुकिये। मा0 राजभर जी आप क्या कहना चाह रहे हैं ?

***श्री ओम प्रकाश राजभर-**

माननीय अध्यक्ष जी, माननीय सदस्य बार-बार विपक्ष की बात कर रहे हैं। विपक्ष में कांग्रेस, सुहेलदेव भारतीय समाज पार्टी व बहुजन समाज पार्टी भी है।

श्री अध्यक्ष-

आप कब से विपक्ष में हो गये, आप तो अभी किसी तरफ नहीं हैं ?

श्री ओम प्रकाश राजभर-

हम तो 8 महीने से विपक्ष में हैं। माननीय सदस्य, आप उपदेश हम लोगों को दीजिए तो उस उपदेश का पालन स्वयं भी कीजिए। आप महामहिम राज्यपाल के अभिभाषण पर चर्चा कर रहे हैं और यह कह रहे हैं कि एक भी सबूत दीजिए। अभी माननीय संसदीय कार्य मंत्री जी बोले हैं कि 75 जिले ओ0डी0एफ0 हो गये, आप केवल 01 जिला बता दीजिए जो ओ0डी0एफ0 हो गया हो तो मैं राजनीति छोड़ दूंगा ?

श्री अध्यक्ष-

आपको हमने बोलने की अनुमति नहीं दी है, आपका जब समय आयेगा तब आप बोलेंगे। आप मंत्री रहे हैं, आप सीनियर हैं तो क्यों बीच-बीच में कूदने लगते हैं ?

श्री अतुल गर्ग-

मान्यवर, जो मैंने विपक्ष कहा है उसमें से राजभर जी की पार्टी को माइनस कर दिया जाये।

श्री ओम प्रकाश राजभर-

कल मेरे साथ ऐसा हुआ कि मैं सदन में बोल रहा था और लाइव-टेलीकास्ट काट दिया गया, क्यों ? पता करिये।

श्री अध्यक्ष-

ऐसा नहीं हुआ है।

श्री ओम प्रकाश राजभर-

मान्यवर, ऐसा ही हुआ है। मैं आपको रिकार्डिंग दे दूंगा।

श्री अध्यक्ष-

ऐसा नहीं हुआ है, आप मुझे रिकार्डिंग दीजिएगा।

---

* वक्ता ने भाषण का पुनर्वीक्षण नहीं किया।

श्री ओम प्रकाश राजभर-

आपने मुझे पुकारा, मैंने बोलना शुरू किया और आप चाय पीने चले गये, उसके बाद क्या हुआ भगवान जाने ?

श्री अध्यक्ष-

अब जब आप बोलेंगे तो हम जाया नहीं करेंगे।

श्री ओम प्रकाश राजभर-

हो सकता है कि लाइट चली गयी हो।

श्री अतुल गर्ग-

मान्यवर, यह मेरे समय के अलावा बोल रहे हैं इसलिए मेरा समय बढ़ा दीजिएगा।

श्री अध्यक्ष-

ठीक है। राजभर जी अब आप जब भी बोला करेंगे, मैं जाऊंगा नहीं, चाहे जो हो जाये। क्योंकि हमारे चले जाने के बाद आप बोले भी बहुत, दसों दिशाओं वाला।

***श्री अतुल गर्ग-**

मान्यवर, राजनीतिक संरक्षण देना और धार्मिक आधार पर प्रताड़ित लोगों को संरक्षण देना, दोनों चीजें अलग-अलग हैं। अगर किसी वजह से नवाज़ शरीफ जी को हिन्दुस्तान के संरक्षण की जरूरत है या भविष्य में इमरान खान को जरूरत है तो उन्हें सिर्फ दो ही बात कहनी होगी-एक तो 'भारत माता की जय', दूसरे 'प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के हम साथ हैं' तो उनको भी लेने पर विचार किया जा सकता है। (सत्तापक्ष के सदस्यों ने मेजें थपथपायीं) मान्यवर, स्वामी विवेकानन्द जी का उदाहरण दे करके कहा गया कि हमारा भारत, हम सब समान हैं और उसके ऊपर साम्प्रदायिकता का आक्षेप लगाया गया। मैं दो घटनाओं की याद दिलाना चाहता हूं कि दो व्यक्तियों में झगड़ा हुआ, एक जियाउल, दूसरे नन्हें यादव, दोनों व्यक्ति मारे गये। हेलीकॉप्टर में बैठ करके श्रीमान आजम खां साहब और श्री अखिलेश यादव जी वहां गये और उन्हें 50-50 लाख रुपये का अनुदान दिया और उनकी सालियों तक को चार-चार नौकरियां दी। माननीय अध्यक्ष जी, उन्हीं दिनों अम्बेडकर नगर में श्री रामबाबू गुप्ता की हत्या हुई और वह साम्प्रदायिक कारणों से हुई, उसके बड़े भाई की भी हत्या हुई। हमारी विधवा बहन, इंतजार करती रही कि कोई तो आंसू पोछने आयेगा, कोई तो सम्मान देने आयेगा और वह फिर मा0 मुख्य मंत्री जी के दरवाजे पर भी गयी। अखबार में मैंने फोटो देखा लेकिन कोई सेक्रेटरी लेबिल का आदमी भी उनसे मिलने नहीं आया तब तुम्हारा 'हमारा भारत' कहां गया था, यह मैं आपसे पूछना चाहता हूं। आज माननीय योगी आदित्यनाथ जी की वजह से वह बहन

* वक्ता ने भाषण का पुनर्वीक्षण नहीं किया।

अपने सूनी आंखों से इनसे यह सवाल पूछ रही है और आज वह इस विधान सभा की सदस्य हैं, तब यह सवाल नहीं उठाया। मान्यवर, मेरे मन में बहुत रोष है।

श्री अध्यक्ष-

आप रोष में मत रहिये।

***श्री अतुल गर्ग-**

मान्यवर, ठीक है, मैं रोष में नहीं हूं। यह कहा गया कि राजकीय सम्पत्ति अगर थोड़ी-बहुत टूट भी गयी तो उसका पैसा वसूल नहीं करना चाहिए। मान्यवर, इन्होंने मुख्य मंत्री जी को तीन-चार बार राजा भी कहा। राजा और मुख्य मंत्री में फर्क होता है। मुख्य मंत्री राजा नहीं होता है क्योंकि उसकी खुद की सम्पत्ति नहीं होती है, वह समाज का, उस प्रदेश का ट्रस्टी होता है, वह सम्पत्ति का नुकसान बर्दाश्त नहीं कर सकता, यह हमारे मुख्य मंत्री जी ने दिखाया भी है। हां, इनकी परम्पराओं में जरूर है। हमारे प्रदेश में जब मा0 सर्वोच्च न्यायालय के आदेश से पूर्व मुख्यमंत्रियों की कोठियां खाली करायी गयीं।

तो मान्यवर, राजनाथ सिंह जी ने तुरन्त खाली कर दी, माननीय कल्याण सिंह जी ने तुरन्त खाली कर दी। आखिरी दम तक यह कोशिश रही और जब चलते टाइम बड़ी मजबूरी में कोठी खाली की गई तो उसे तोड़ा-फोड़ा गया मान्यवर। (मेजों की थपथपाहट) टोंटी चोरी की बात मैं नहीं कर रहा हूँ। यह बात गलत है।

श्री अध्यक्ष-

चलिये मूल विषय पर आइये। गर्ग जी मूल विषय पर आइये।

***श्री अतुल गर्ग-**

मान्यवर, यह कहा गया कि आन्दोलनकारियों को सीधे गोली मारी जा रही है। बिना नोटिस के गोली मारी जा रही है। हो सकता है इनके पास ऐसी कोई सूचना हो। पर मान्यवर, मुझे याद आता है।

श्री राजकुमार उर्फ राजू यादव-

वरूणा में गोली मारी और स्वीकार किया क्या किया उसे। क्या किया आपने ?

श्री अध्यक्ष-

आप बैठिये, जब आपका नम्बर आयेगा तब बोलियेगा।

---

* वक्ता ने भाषण का पुनर्वीक्षण नहीं किया।

श्री अतुल गर्ग-

मान्यवर, रामपुर तिराहे पर जो हत्याकांड हुआ उन औरतों ने कौन सी बंदूक ले रखी थी, अयोध्या के अंदर कोठारी बन्धुओं के हाथ में क्या बंदूक थी, क्या लाठी थी, क्या डंडा था, क्या पत्थर था। उनके सिर पर रखकर गोली मारी गई मान्यवर।

श्री अध्यक्ष-

अब आपका समय हो गया। आप मूल विषय पर नहीं आये।

श्री अतुल गर्ग-

मान्यवर, अभी मेरी बहुत जीने की इच्छा है। मान्यवर, दो मिनट और। मैं आखिरी बात कह रहा हूं। मैं मूल विषय पर ही आ रहा हूं। मान्यवर, जब इस तरह की साम्प्रदायिकता के आरोप लगते हैं तो यह जो सबसे बड़ा साम्प्रदायिक था यह कौन था ? यह पाकिस्तान का बॅटवारा हुआ क्यों ?

श्री अध्यक्ष-

पाकिस्तान वाले की बात यहां क्या कर रहे हैं। यह पाकिस्तान का विषय यहां कहां से आ गया।

श्री अतुल गर्ग-

मान्यवर इन लोगों से पूछिये कि जिन्ना की तस्वीर हटाने के ऊपर यह लोग क्यों चुप रहते हैं। क्यों नहीं यह बोलते कि जिन्ना सबसे बड़ा साम्प्रदायिक था आज तक भी।

श्री अध्यक्ष-

आपका समय हो गया।

श्री अतुल गर्ग-

ठीक है मान्यवर, मैं राज्यपाल के अभिभाषण का मैं पुरजोर समर्थन करता हूँ। बहुत धन्यवाद।

श्री नरेन्द्र कुमार वर्मा-

मान्यवर, व्यवस्था का प्रश्न है। राज्य में सरकार आपकी और दिल्ली में सरकार आपकी। जिन्ना की तस्वीर हटायेगा कौन ?

आप यह तय करवा दीजिये अध्यक्ष जी कि जिन्ना जी की तस्वीर हटवायेगा कौन जब राज्य में भी सरकार इनकी है और केन्द्र में भी।

(कई सदस्यों के बोलने के लिये खड़े होने पर)

श्री अध्यक्ष-

अरे आपका नाम नहीं है इसमें। यह लिस्ट तो गोपनीय आती है न हमारे पास आपकी पार्टी से तो मैं कैसे लीक कर दूं।

***श्री अमिताभ बाजपेई-**

माननीय अध्यक्ष जी, आपका बहुत-बहुत धन्यवाद कि आपने माननीय राज्यपाल महोदया के अभिभाषण पर मुझे बोलने का मौका दिया।

श्री अध्यक्ष-

आप अधिवक्ता हैं समय के भीतर बोलियेगा।

श्री अमिताभ बाजपेई-

माननीय अध्यक्ष जी, पूरे अभिभाषण में इस बात का उल्लेख राम राज्य का बहुत ज्यादा किया गया है और जहां से अभिभाषण शुरू हुआ है वहां से ही योजनाओं का उल्लेख है। जिसमें लिखा है कि हम प्रथम स्थान पर प्राप्त है। वह सारी की सारी योजनाएं केन्द्र सरकार से संबंधित हैं। जब उत्तर प्रदेश आबादी में नम्बर-1 है हमारा रेशियो उत्तर प्रदेश का हिन्दुस्तान में 1/6 है तो हर योजना के क्रियान्वयन में हमें नम्बर-1 होना ही है लेकिन सरकार यह भूल गई कि हम गरीबी में भी नम्बर-1 हैं। हमारा देश का आबादी का 22.29 प्रतिशत यानि कि कुल 8 करोड़, 9 लाख 10 हजार गरीब उत्तर प्रदेश में निवास करता है जैसा कि मैंने बताया है अपराध संख्या के हिसाब से भी उत्तर प्रदेश नम्बर-1 है। उत्तर प्रदेश में देश के कुल अपराधों में अपनी हिस्सेदारी में नम्बर-1 स्थान प्राप्त किया है। हत्या में भी उत्तर प्रदेश नम्बर-1 पर है। क्राइम एगेन्स्ट वुमेन के 56 हजार 11 केस दर्ज करके उत्तर प्रदेश पहले पायदान पर है। दहेज हत्या में भी उत्तर प्रदेश नम्बर-1 पर है। 21 हजार 711 केस के साथ में अपहरण में भी उत्तर प्रदेश नम्बर-1 पर है। मान्यवर, मां गंगा की बात बहुत होती है। गंगा सफाई की बड़ी-बड़ी यात्राएं निकाली गईं। बलिया से यात्रा चली, बिजनौर से यात्रा चली दोनों यात्राएं कानपुर में आईं। माननीय अध्यक्ष जी, दोनों यात्रायें कानपुर में आयीं। मैं कानपुर का रहने वाला हूं। यात्राओं में जितनी बर्बादी हुई है, यदि उतना गंगा में लगा दिया जाता तो शायद सचमुच मां गंगा साफ हो जातीं। मां गंगा हर चीज का पुरस्कार और तिरस्कार जरूर देती हैं, इसीलिए जब मां गंगा के आंचल को गंदा करने के लिए 14 दिसम्बर को कुछ लोग कानपुर में आये थे तो मां गंगा ने उसका जो तिरस्कार देना था, वह तिरस्कार भी दिया। आप लोगों ने टी0वी0 चैनलों पर देखा होगा। नमामि गंगे के नाम पर बड़ा खेल हो रहा है यहां तक कि सत्तापक्ष के विधायक भी अब उस पर प्रेस कांफ्रेंस करके नमामि गंगे का आरोप लगा रहे हैं। आयुष्मान योजना का जिक्र बहुत तेजी के साथ में होता है। अगर सरकार देखना चाहे तो उसकी असलियत देख ले। अखबारों में रोज आयुष्मान योजना का एक कॉलम ऊपर आ रहा है। अस्पतालों से आयुष्मान योजना के मरीज भगाए जा रहे हैं। आयुष्मान योजना के मरीजों को बाहर से दवा खरीदकर लाने के लिए मजबूर किया जा रहा है। आयुष्मान योजना के रोगी

---

* वक्ता ने भाषण का पुनर्वीक्षण नहीं किया।

परेशान हालत में हैं। मेरा यह सुझाव है कि यदि सरकार सचमुच गरीबों का भला चाहती है तो आयुष्मान योजना पर ध्यान दे तो बेहतर होगा।

बिजली की सप्लाई की बात हो रही है, मैं महानगर से आता हूं। मेरे यहां अंडरग्राउण्ड लाइनें बिछाई गयीं। इस कदर उसमें काम हुआ है कि आज उसमें करेंट आने से बहुत लोग मर रहे हैं, बड़ी-बड़ी दुर्घटनायें हो रही हैं। स्मार्ट मीटर लगाये गये हैं, वह स्मार्ट मीटर नहीं हैं, वह ओवर स्मार्ट मीटर हैं। उसमें जितना बिल आना चाहिए, वह उससे जम्प कर जाते हैं और कई-कई गुना ज्यादा बिल आता है और उसे ठीक करने की पावर किसी में नहीं है। बिजली के छापे के नाम पर लोगों को इस हद तक परेशान किया जा रहा है कि एक मुहल्ले में छापा डालने जाते हैं, एक लोग के यहां छापा डालते हैं और कई लोगों के नाम पते नोट कर लाते हैं, उन सबके नाम एफ0आई0आर0 हो जाती है और बाद में फिर सबको जुर्माना भरने के लिए मजबूर किया जाता है। पर्यटन का जिक्र किया गया है, इसमें लिखा है कि यू0पी0 नहीं देखा तो इंडिया नहीं देखा। मैं पूछना चाहता हूं कि आप क्या दिखाओगे ? ताजमहल तो आप दिखाओगे नहीं, वह तो मुगलों ने बनवाया था, गुलामी की निशानी है। क्या आप स्मार्ट सिटी दिखायेंगे ? स्मार्ट सिटी के नाम पर आखिर आपने क्या बनाया है ? यह जरूर है कि आप हजारों-करोड़ों का बजट दिखाते हैं, मैं भी स्मार्ट सिटी का रहने वाला हूं, कूड़े के अम्बार लगे हुए हैं, पेयजल की आपूर्ति नहीं हो रही है, आवारा जानवर सड़कों पर घूम रहे हैं, सड़कों पर बड़े-बड़े गड्ढ़े हैं, गलियां अंधेरे में हैं क्या यही स्मार्ट सिटी की परिकल्पना है ? हमारे शहरों में ठेला, पटरी, रेहड़ी, दुकानदार आज परेशान है, जो चाहता है लाठी मारकर ठेले वालों को भगाकर चला जाता है, उनको संरक्षण देने वाला कोई नहीं है। कहने को तो फेरी नीति का अनुपालन किया गया है, लेकिन फेरी नीति कहीं लागू नहीं हो पा रही है। गरीब, ठेला, पटरी, रेहड़ी, दुकानदारों को अपनी रोजी-रोटी के लिए जगह-जगह मारा-मारा फिरना पड़ रहा है। इसी के साथ चूंकि मैं समय के अन्दर अपनी बात समाप्त करना चाहता हूं, इसलिए मैं अपने क्षेत्र की कुछ बातें कहना चाहता हूं। मैं चाहता हूं कि अभिभाषण में मेरे क्षेत्र के हीरामन पुरवा में नगर निगम इंटर कालेज में विज्ञान संकाय की कक्षायें शुरू करायी जायें। मैं चाहता हूं कि मेरे क्षेत्र के के0पी0एम0 अस्पताल में आई0सी0यू0 की व्यवस्था की जाए। मैं चाहता हूं कि मेरे क्षेत्र के राजकीय अस्पताल डफरिन में नवजात शिशुओं के लिए एन0आई0सी0यू0 की व्यवस्था की जाए। मैं चाहता हूं कि मेरे क्षेत्र के धनकुट्टी अस्पताल जो कि जर्जर है और बन्द हो चुका है इसका पुनर्निर्माण कराया जाए। मैं चाहता हूं कि नानाराव पार्क के अन्दर स्मार्ट सिटी के अन्तर्गत एक बहुत बड़े धार्मिक महोत्सव का पंडाल बनाया जाए। मैं चाहता हूं कि बाजारों के अन्दर महिलाओं के लिए यूरिनल की व्यवस्था की जाए और मेरे शहर के पेयजल संकट को दूर किया जाए। पार्कों के अन्दर ओपेन जिम बनाकर के लोगों को स्वस्थ वातावरण दिया जाए। आपने मुझे समय दिया और मैंने तीन मिनट के अन्दर अपनी बात को समाप्त किया। आपको बहुत-बहुत धन्यवाद।

***श्री बहोरन लाल मौर्य-**

माननीय अध्यक्ष महोदय, माननीय राज्यपाल महोदया के अभिभाषण पर जो धन्यवाद डा0 मंजू शिवाच ने प्रस्तुत किया है, मैं उसके समर्थन में बोलने के लिए खड़ा हुआ हूं। मा0 अध्यक्ष जी, पिछड़े वर्ग की बात हो रही थी। 25 नवम्बर, 2014 को जब इनकी सरकार थी। पिछड़े वर्ग की कन्याओं को शादी में 20 हजार रुपये का जो अनुदान मिलता था, वह इन्होंने बन्द कर दिया और अल्पसंख्यक वर्ग की लड़कियों को 20 हजार रुपये मिलता रहा। आज जब मा0 योगी जी की सरकार है उसमें चाहे पिछड़ा वर्ग हो, सामान्य वर्ग हो, अल्पसंख्यक वर्ग हो 51 हजार रुपये शादी के लिए दिया जा रहा है। यही नहीं श्रमिक योजना के अन्तर्गत जो मजदूर की बेटियां हैं, उनकी शादी के लिए श्रम विभाग द्वारा 75 हजार रु0 दिया जा रहा है। अभी बरेली में मण्डल स्तर पर 520 जोड़ों की शादी हुई थी, उसमें मा0 स्वामी प्रसाद मौर्य जी गये थे, उन 520 जोड़ों में 461 हिन्दू जोड़े थे और 59 मुस्लिम जोड़े थे। आगरा में आज 1260 जोड़ों की शादी हो रही है उसमें माननीय मुख्य मंत्री जी सम्मिलित होंगे स्वामी प्रसाद मौर्य जी तो गए ही हैं। यह पिछड़े वर्ग का रोना इसीलिए रोते हैं क्योंकि सब जानते हैं कि बगैर पिछड़े वर्ग के कोई भी सत्ता हासिल कर ही नहीं सकता है इसलिए पिछड़े वर्ग को बरगलाने की कोशिश करते हैं। लेकिन भारतीय जनता पार्टी ने पिछड़े वर्ग का मर्म जाना इसलिए 2014 में पिछड़ा वर्ग भारतीय जनता पार्टी से जुड़ा 2017 में भारतीय जनता पार्टी से जुड़ा 2019 में पिछड़ा वर्ग जुड़ा और यही उम्मीद है कि जिस तरह से भारतीय जनता पार्टी पिछड़े वर्ग की मदद कर रही है आने वाले 2022 और 2024 में भी पिछड़ा वर्ग भारतीय जनता पार्टी का साथ देगा। अभी सी0ए0ए0की बात हो रही थी।

(अनेक सदस्यों के एक साथ बोलने पर व्यवधान)

आप सुने भी तो यह सी0ए0ए0 चिल्ला रहे थे उसमें हिन्दू, सिक्ख, ईसाई, बौद्ध जैन पारसी जो पाकिस्तान, बांग्लादेश और अफगानिस्तान में पीड़ित हैं उनको नागरिकता देनी है। हिन्दुओं के लिए नागरिकता देने वाला पूरे विश्व में केवल हिन्दुस्तान है।

श्री अध्यक्ष-

आप केवल अभिभाषण पर ही बोलें।

***श्री बहोरन लाल मौर्य-**

मुस्लिमों के लिए अगर वह परेशान हैं तो 57 कंट्री हैं।

---

* वक्ता ने भाषण का पुनर्वीक्षण नहीं किया।

श्री अध्यक्ष-

आप केवल अभिभाषण पर ही अपनी बात रखें। प्रति है आपके पास। पाकिस्तान की बात छोड़िए।

श्री बहोरन लाल मौर्य-

मैं बगैर प्रति के बोलूंगा। मैं अपने क्षेत्र बरेली की कुछ समस्याएं आपके माध्यम से सरकार से अनुरोध करता हूं। बरेली कमिश्नरी दिल्ली और लखनऊ के बीच है यहां पर एम्स स्तर का मेडिकल कालेज खोला जाए चुनाव से पहले हवाई अड्डे का उद्घाटन हो चुका है माननीय मंत्री जी भी बैठे हैं मैंने इनसे भी अनुरोध किया मैं आपके माध्यम से सरकार से अनुरोध करता हूं कि उड़ान की शीघ्र शुरूआत की जाए यहां नाथ नगरी टर्मिनल की घोषणा हुई तो नाथ नगरी टर्मिनल नाम रखा जाए हमारे बरेली शेरगढ़ ब्लाक में राजकीय डिग्री कालेज खोला जाए सेमीखेड़ा सहकारी चीनी मिल है उसका नवीनीकरण कराकर उसकी पेराई क्षमता बढ़ाई जाए सेमीखेड़ा में डिस्टिलरी स्वीकृत है उसे शीघ्र चालू किया जाए। अभयपुर-अगरास मार्ग है उसका चौड़ीकरण किया जाए बरेली बागेश्वर मार्ग से रिठौरा मार्ग का चौड़ीकरण किया जाए समय के अन्दर हमने अपनी बात रखी हम जानते हैं कि आप डाटेंगे इसलिए मैं आपसे अनुरोध करता हूं कि हमारी जो डा0 साहब ने प्रस्ताव रखा है उसका मैं समर्थन करता हूं और धन्यवाद देता हूं।

श्री अध्यक्ष-

मौर्या जी बहुत अच्छा।

डॉ0 डी0सी0 वर्मा-

माननीय अध्यक्ष जी माननीय राज्यपाल महोदया के अभिभाषण पर डा0 मंजू शिवाच जी ने जो धन्यवाद का प्रस्ताव प्रस्तुत किया है मैं उसका समर्थन करता हूं और जैसा कि कहा गया कि हमारी सरकार रामराज की तरफ बढ़ रही है निश्चित तौर पर यह दोहा चरितार्थ होता है-

दैहिक दैविक भौतिक तापा। रामराज नहिं काहुहि व्यापा।।

सब नर करहिं परस्पर प्रीती। चलहिं स्वधर्म निरत श्रुति नीती।।

हमारी सरकार सबका साथ, सबका विकास और सबके विश्वास पर काम कर रही है। हमारी सरकार शैक्षिक आर्थिक रूप से सभी को गरीबों को आगे बढ़ाने का काम कर रही है। इसी के तहत अभी हमारे मित्र उधर से बोल रहे थे हमारी सरकार उत्तर प्रदेश में जो बहुत सारी योजनाएं चल रही हैं उसे नम्बर एक पर लाई है। इसमें मान्यवर, हमारे यहां जो प्रधानमंत्री शहरी एवं ग्रामीण आवासों का निर्माण का लक्ष्य लगभग 27 लाख से ज्यादा कराया गया और 17 लाख आवास अब तक गरीबों को बनाकर दिए गए हैं। हमारे इस प्रदेश में

86 हजार 700 करोड़ का जो गन्ने का भुगतान किया गया इसमें नम्बर एक पर हमारा प्रदेश आया है। और मान्यवर, इसमें 10 हजार करोड़ से ज्यादा पैसा सपा की सरकार का बकाया था, हमारी सरकार ने उसका भी भुगतान करने का काम किया। प्रधानमंत्री उज्ज्वला गैस योजना 'उज्ज्वला योजना' के तहत 01 करोड़ 47 लाख कनेक्शन गरीबों को देने का काम हमारी सरकार ने किया है और सभी 75 जिलों में 02 करोड़ 61 लाख शौचालय बनवाने का काम हमारी सरकार ने किया है और उधर से कहा जा रहा है कि यह कम हैं तो मैं कहना चाहूंगा कि अभी कोई बैन थोड़े ही लगा दिया गया है। जहां सर्वे हो रहा है, जहां जिसका अभी तक शौचालय नहीं बना है उनका भी फीडिंग का काम चल रहा है और उनको भी शौचालय देने का काम हम कर रहे हैं। मान्यवर, 'सौभाग्य योजना' के तहत 01 करोड़ 24 लाख कनेक्शन दिये गये हैं। दुग्ध, चीनी तथा आम उत्पादन में हमारा प्रदेश नम्बर एक पर आया है। 'अटल पेंशन योजना' में भी हमारा प्रदेश नम्बर एक पर आया है। कानून-व्यवस्था के तहत हमारे प्रदेश में 218 पास्को ऐक्ट न्यायालय खोले गये और इसके अलावा दो जगह गौतमबुद्ध नगर तथा लखनऊ में पुलिस कमिश्नर व्यवस्था भी लागू की गयी है। कृषि के क्षेत्र में आप लोगों के समय में धान और गेहूं के जो क्रय केन्द्र बंद होते थे, नहीं चल रहे थे, हमारी सरकार में धान के सभी क्रय केन्द्र चलाए गए (मेजों की थपथपाहट) और जो धान का समर्थन मूल्य है उसको भी हमारी सरकार ने बढ़ाने का काम किया, 1815 रुपये व 1835 रुपये में ग्रेड वन का धान खरीदने का काम किया। आगे आने वाले रबी के सीजन में भी हमारी सरकार ने गेहूं का न्यूनतम समर्थन मूल्य बढ़ाने का काम किया है और 1925 रुपये इसका समर्थन मूल्य रखा गया है। मान्यवर, जहां तक शिक्षा तथा टेक्निकल शिक्षा की जब उधर से बात होती है तो मैं कहना चाहूंगा कि आप लोगों के समय में इस देश में आजादी के 70 साल बाद भी केवल 12 मेडिकल कॉलेज संचालित हो पाये थे। हम अपने मा0 मुख्य मंत्री जी को और अपनी सरकार को धन्यवाद देते हैं कि जब 2017 में हमारी सरकार बनी, उसके बाद इस साल हमारी सरकार ने 07 नये मेडिकल कॉलेजों में एम0बी0बी0एस0 का डिग्री कोर्स शुरू कर दिया है (मेजों की थपथपाहट) और इसके साथ ही उत्तर प्रदेश में 02 एम्स स्तर के विश्वविद्यालय खुले हैं उनमें भी 50-50 सीटें शुरू करा दी हैं। 08 नये मेडिकल कॉलेज भी निर्माणाधीन हैं, उनका काम चल रहा है और 13 नये मेडिकल कॉलेजों को भी मान्यता मिल गयी है। आगे आने वाले दिनों में इस प्रदेश में 42 मेडिकल कॉलेज काम करेंगे और आप लोग कहते हैं कि डाक्टरों की कमी है, डाक्टरों की कमी है। एक बच्चा अगर पैदा होता है तो 28 से 30 साल की उम्र में जाकर वह डाक्टर बनता है। वह 10 साल जब पढ़ता है तब जाकर हमें एक डाक्टर मिलता है। आज हमनें जो मेडिकल कॉलेज शुरू किये हैं उससे निश्चित तौर पर आगे आने वाले दिनों में हम उत्तर प्रदेश में डाक्टरों की कमी को पूरा करेंगे। इसी तरीके से अगर हम वेटेनिरी के क्षेत्र में देखें तो जब 2001 में हमारी सरकार यहां पर थी तो इस उत्तर प्रदेश में पहला वेटनरी विश्वविद्यालय मथुरा में शुरू कराया गया था और जब आपकी सरकार रही तो आपने 2016

और 2017 में इस प्रदेश के 04 वेटेनिरी कॉलेजों को वी0सी0आई0 से मान्यता न दिलाकर यू0जी0सी0 फंड बंद कराने का काम किया था, लेकिन आज जब हमारी सरकार है तो चाहे हमारा फैजाबाद का वेटेरिनरी कॉलेज हो, उसमें भी सीटें शुरू हो गयी हैं और चाहे बी0एच0यू0 का वेटेरिनरी कॉलेज हो वहां पर भी यू0जी0 सीटें शुरू हो गयी हैं। मथुरा में भी आपने वही स्थिति पैदा कर दी थी, लेकिन वहां भी प्रोफेसर्स की नियुक्ति कराकर के वहां पर अब 100 सीटें हो गयी हैं। हमारा मेरठ का भी वेटनरी कॉलेज है वह भी अब शुरू हो गया है। आई0वी0आर0आई0 में जो यू0जी0 सीटें थीं उसमें भी वी0सी0आई0 ने मान्यता दे दी है और कल हमारे मित्र मा0 विनय जी हैं वह बात कर रहे थे कि मथुरा वेटेनिरी कॉलेज में फार्मेसी का कोर्स शुरू कराया जाए तो आपके लिये मैं बताना चाहूंगा कि वहां पर 06 बैच निकल चुके हैं और फार्मेसी की 50 सीटें चल रही हैं। जो हमारी एल0इ0यू0 की सीटें हैं उसमें भी डिप्लोमा कोर्स की 50 सीटें वहां चल रही हैं। हमनें इस समय उनका जो यहां पर रजिस्ट्रेशन होता है उसकी भी प्रक्रिया चल रही है और बहुत जल्दी ही रजिस्ट्रेशन भी कराने का काम करेंगे।

श्री अध्यक्ष-

अब आप समाप्त कीजिये।

डॉ0 डी0 सी0 वर्मा-

मान्यवर, टेक्निकल क्षेत्र में भी 04 इंजीनियरिंग कॉलेज निर्माणाधीन हैं। हमारे 1325 पॉलीटेक्निक काम कर रहे हैं, 24 नये पॉलीटेक्निक बन गये हैं और 22 नये पॉलीटेक्निक का काम चल रहा है। जब तक शिक्षा के क्षेत्र में हम आगे नहीं बढ़ेंगे तब तक हमारा प्रदेश आगे नहीं बढ़ सकता। हमारे जो नेता है माननीय नरेन्द्र मोदी जी, माननीय योगी जी हमेशा बात करते हैं कि उत्तर प्रदेश या हमारा देश फिर से विश्व गुरू बने, हम कहना चाहेंगे कि जब हम शिक्षा के क्षेत्र में आगे बढ़ेगे तभी हमारा देश और प्रदेश विश्व गुरू बनेगा। हमारे मीरगंज क्षेत्र में माननीय योगी जी ने दो बड़े पुल देने का काम किया है। पिछली सरकार में गोराघाट का पुल बंद पड़ा हुआ था लेकिन हमारे मुख्य मंत्री जी ने साढ़े बयालिस करोड़ रुपये देकर इस बंद पड़े पुल का कार्य दुबारा शुरू कराया है। मान्यवर, इस सरकार ने हमारे क्षेत्र की सभी रोडों का मरम्मत कराने का कार्य किया है। आपके माध्यम से सरकार का ध्यान आकृष्ट कराना चाहता हूँ कि जनपद बरेली ढाई सौ कि0मी0 दिल्ली और ढाई सौ किमी लखनऊ के बीच में है इसलिए मैं आपके माध्यम से बरेली में एक एम्स स्तर का मेडिकल कॉलेज बनवाने की मांग करता हूँ। आपने मुझे धन्यवाद प्रस्ताव पर बोलने का मौका दिया इसका मैं समर्थन करता हूँ और आपको धन्यवाद देते हुए अपनी बात समाप्त करता हूँ।

श्री राजकुमार उर्फ राजू यादव-

माननीय अध्यक्ष जी, इनके द्वारा 7 मेडिकल कॉलेज के नाम बता दिए जायें ?

श्री अध्यक्ष-

पहले पल्टूराम जी अपनी बात रख लें।

श्री पल्टूराम-

माननीय अध्यक्ष जी धन्यवाद प्रस्ताव जो कि डा0 मंजू शिवाच जी द्वारा प्रस्तुत किया गया है उसके समर्थन में आपने मुझे बोलने का मौका दिया है मैं आपका हृदय की गहराइयों से धन्यवाद करता हूँ। मा0 अध्यक्ष जी किसी कवि ने कहा है कि ''आंधियां जहां उमंग नहीं भरती हैं, 'छातियां जहां संगीनों से डरती हैं,' 'सोड़ित के बदले अश्रु जहां बहता है, वह देश कभी स्वाधीन नहीं रहता है'' इसीलिए आगे कवि ने लिखा है ''आंधियां लाओं लहू में पाथ को पैदा करो, और कंठ में कुन्दन नहीं हुंकार को पैदा करों, 'रण की भेरियां बज चुकी हैं पाथ बस एकबार... गांडीव में टंकार को पैदा करो।''

श्री अध्यक्ष-

आप अभिभाषण पर बोलिये।

श्री पल्टूराम-

माननीय अध्यक्ष जी, विपक्षी पार्टी के लोग कानून व्यवस्था को खराब होने की बात कह रहे थे। राज्यपाल महोदया के अभिभाषण पर उन्होंने कहा कि यह झूठ का पुलिन्दा है। मैं पिछली बातों पर आपका और सदन का ध्यान आकृष्ट कराना चाहता हूँ कि उस समय भी समाजवादी पार्टी की सरकार थी मैं याद दिलाना चाहता हूँ कि बहुजन समाज पार्टी के उन सदस्यों को जो आज सत्ता के लालच में समाजवादी पार्टी से गठबंधन करके जो भारतीय जनता पार्टी को मिटाने का चक्र चलाया था उनका वह मंसूबा सफल तो नहीं हुआ लेकिन 2 जून, 1995 की वह घटना याद दिलाता हूँ जिस पर समाजवादी पार्टी के गुण्डों ने उत्तर प्रदेश की पूर्व मुख्य मंत्री बहन मायावती के जान लेने का जो कुतसित प्रयास किया था उस समय भी भारतीय जनता पार्टी के कद्दावर नेता जो इसी सदन के सदस्य थे स्वर्गीय ब्रह्म दत्त द्विवेदी जी ने अपनी जान की बाजी लगाकर बहन जी की जान को बचाने का काम किया था। मान्यवर, उस समय आप भी सदन में सदस्य थे मैं कहना चाहता हूँ कि आज जो अनुसूचित जाति के हिमायती बनना चाहते हैं मैं सपा और बसपा के दोनों लोगों से पूछना चाहता हूँ।

श्री अध्यक्ष-

आप अपने मूल विषय को लेकर ही बोलें।

श्री पल्टूराम-

मान्यवर, यह विषय राज्यपाल के अभिभाषण के अन्तर्गत ही आता है क्योंकि उन्होंने हमारी कानून व्यवस्था को चैलेंज किया है। इसलिए मैं आपसे कहना चाहता हूँ कि दलित समाज के लोग हों या पिछड़े समाज के लोग हों मैं उनको भी बताना चाहता हूँ कि उस समय भी बहुजन समाज पार्टी की अगर सत्ता की नींव पड़ी थी तो भारतीय जनता पार्टी के सदस्य

बहुजन समाज पार्टी से कहीं ज्यादा की संख्या में थे लेकिन उस समय भारतीय जनता पार्टी ने दलित राजनीति को स्थापित करने के लिए बहुजन समाज पार्टी की नेता को मुख्य मंत्री बनाने का काम किया था और तब उन्होंने डा0 बाबा साहब भीम राव आम्बेडकर स्मारक की नींव रखी थी उसमें भारतीय जनता पार्टी का खून बराबर का है। इसलिए मैं आज समाजवादी पार्टी के लोगों को याद दिलाना चाहता हूं कि वहीं समाजवादी पार्टी के लोगों ने जब 2012 से लेकर 2017 के बीच में जब अखिलेश यादव की रथ यात्रा निकली थी तो उनके एजेण्डे में यह था कि हमारी सरकार बनने के बाद बहुजन समाज पार्टी के द्वारा निर्मित किये गये डा0 बाबा साहब भीमराव अम्बेडकर के स्मारक को हम खण्डहर में तबदील करके किसी दूसरे प्रतिष्ठान को सौंपने जा रहे हैं। मेरे मित्रों यह दर्द सिर्फ मुझको नहीं है आज सपा और बसपा के लोगों को अगर दर्द नहीं है तो भारतीय जनता पार्टी का एक सदस्य होने के नाते अनुसूचित जाति में पैदा होने के नाते डा0 बाबा साहब भीमराव अम्बेडकर के उस पार्क को डा0 बाबा साहब भीमराव अम्बेडकर के उस स्मारक की जिसकी बिजली काट दी गयी थी समाजवादी पार्टी की सरकार में वहां भारतीय जनता पार्टी की सरकार बनती है और योगी जी करोड़ों रुपये का अनुदान देकर बजट जारी करके डा0 अम्बेडकर के उस प्रतिष्ठान को फिर से जगमगाने का काम करते हैं। इसलिए मैं आपसे कहना चाहता हूं वर्तमान में उनको विकास नहीं दिखाई पड़ रहा है, वर्तमान में अगर विपक्षी पार्टी के लोग देखना चाहते हैं तो मैं कहता हूं कि उत्तर प्रदेश के आठ जनपदों में बलरामपुर जनपद का नाम आया था तो भारत सरकार ने 117 जनपदों को सर्वे कराया था। अभी दिल्ली की पत्रिका ने अपने समाचार पत्र में यह छापा है कि उत्तर प्रदेश के आठ जनपदों में बलरामपुर जनपद विकास के पहले आयाम को छूता जा रहा है। अगर प्रदेश की सरकार ने विकास नहीं किया है तो किसने किया है। आराधना जी आप मेरी बात को सुनिये इसी मोबाइल में है मैं आपको दिखा दूंगा जरवल से लेकर गोण्डा तक की सड़क जो गड्ढों में तबदील थी आज दो घण्टे के अन्दर आप जरवल से गोण्डा जा सकती हैं और एक घण्टे के अन्दर बलरामपुर ऐसा नहीं माना जायेगा, वह काम किसने बजट जारी किया है उस बजट को देखिये और गोण्डा से लेकर बलरामपुर तक की सड़क जो गड्ढों में तबदील थी उस सड़क को योगी जी की सरकार ने गड्ढा मुक्त कर दिया है।

श्री अध्यक्ष-

अब आप बैठिये, कृपया आप बैठें, बहुत-बहुत धन्यवाद। अब श्रीमती बन्दना सिंह जी बोलें।

(इसी समय 03 बजकर 10 मिनट पर अधिष्ठाता श्री सुरेश कुमार श्रीवास्तव पीठासीन हुए।)

श्री अधिष्ठाता-

अब आप बैठिये, दूसरे सदस्य का नाम पुकार लिया गया है।

श्रीमती बन्दना सिंह-

माननीय अधिष्ठाता जी, आपने महामहिम राज्यपाल महोदया के अभिभाषण पर मुझे बोलने का मौका दिया, मैं आपकी बहुत-बहुत आभारी हूं। राज्यपाल महोदया का अभिभाषण सुनने के बाद मैं दावे के साथ यह कह सकती हूं कि प्रचण्ड बहुमत के अहंकार में हमारी उत्तर प्रदेश सरकार शायद यह भूल गयी है कि उसे जनता ने ही लोकतांत्रिक मूल्यों और आदर्शों की सुरक्षा एवं संरक्षण के लिए चुना है न कि उसकी निर्मम हत्या करने के लिए। माननीय अध्यक्ष जी, अपराध मुक्त, भय मुक्त तथा भ्रष्टाचार मुक्त करने का दावा यहां हमारी सरकार करती है। माननीय अधिष्ठाता महोदय, महामहिम राज्यपाल जी ने अपने अभिभाषण में दावे तो बहुत सारे किये हैं पर वास्तविकता से सारे दावे कोसों दूर हैं। आश्चर्य तब हो गया जब महामहिम एक महिला होकर भी महिलाओं की सुरक्षा और उनके संरक्षण के लिए एक शब्द भी नहीं रख पाई। जिस दिन उनको उत्तर प्रदेश का राज्यपाल नियुक्त किया गया, महिलाओं में एक खुशी की लहर दौड़ गई लेकिन उनका अभिभाषण सुनने के बाद बड़ा आश्चर्य हुआ पर उनकी शायद बहुत ज्यादा गलती नहीं कही जायेगी क्योंकि जो सरकार के बोल थे उसी को उन्होंने यहां पर पढ़कर सुनाया। आज उत्तर प्रदेश में चरम सीमा पर लूट, हत्या और बलात्कार जैसे घिनौने अपराध हो रहे हैं पर सरकार के कान और मुंह दोनों बंद हैं।

माननीय अधिष्ठाता महोदय, मैं इसी फरवरी की अपने विधान सभा क्षेत्र सगड़ी, आजमगढ़ की एक घटना का उल्लेख करना चाहती हूं। एक छह साल की मासूम बच्ची जो अपने मां के साथ सो रही थी वहां से उसको उठा लिया जाता है और उसके साथ सामूहिक बलात्कार किया जाता है। कहने में भी मुझे बड़ी शर्म आ रही है। मैं उस घटनास्थल पर पहुंची और उस स्थिति को देखकर मेरी आंखों से आंसू निकल रहे थे। सपा के राष्ट्रीय अध्यक्ष माननीय अखिलेश यादव जी ने उस बच्ची को एक लाख रुपये की सहायता राशि उपलब्ध कराई है और मैंने भी कुछ आर्थिक मदद उस बच्ची के परिवार को दी है। बच्ची के परिवार की आर्थिक स्थिति काफी हद तक खराब है जो भी वहां पहुंचा है उससे आप पूछ सकते हैं या उसकी जानकारी ले सकते हैं, लेकिन सरकार की तरफ से कोई भी संज्ञान उस बच्ची का नहीं लिया गया। एक भी अधिकारी वहां पर नहीं पहुंचा। माननीय अधिष्ठाता जी, जब मैं दस दिन बाद जिलाधिकारी महोदय से मिलने गई तो मैंने उस बच्ची की चर्चा वहां पर की जिस पर उन्होंने पूछा कि अब उसका क्या हाल है तो मैंने कहा कि जिलाधिकारी महोदय वह जिंदा तो है लेकिन आप बताइये कि छह साल की उस मासूम बच्ची का अब क्या होगा, अब उसके लालन-पालन और संरक्षण का ध्यान कौन रखेगा। तो उन्होंने पूछा कि कोई सरकारी सुविधा उसको मुहैया कराई गई अथवा नहीं, तो मैंने कहा कि एक भी पैसा उसे सरकारी कोष से मुहैया नहीं कराया गया है। तब उसके अगले ही दिन आठ बजे सुबह-सुबह वह उसके घर पहुंचते हैं। मैं अधिकारी महोदय को धन्यवाद इसलिये करना चाहूंगी कि हो सकता है कि उनके नालेज में बात पहुंची ही ना हो। उसके बाद उन्होंने तत्काल अपने पास से पच्चीस हजार रुपये

दिये और तीन लाख रुपये सरकारी कोष से दिलवाये। उस बच्ची के अपराधी को पकड़ा तक नहीं गया है और अब तक उसको सजा भी नहीं मिल सकी है। मैं कहना चाहूंगी कि यह तो जीता-जागता उदाहरण है लेकिन हमारी ऐसी कितनी महिलायें और कितनी तीन-तीन साल की बच्चियां हैं जो आज बच नहीं रही हैं और उन कुत्तों का शिकार हो रही हैं तो हम कैसे मान लें कि हमारी महिला सुरक्षित है। माननीय अधिष्ठाता महोदय, शिक्षा और स्वास्थ्य की हालत किसी से छिपी नहीं है। मैं कहना चाहूंगी कि दिल्ली की सरकार से हमारी उत्तर प्रदेश सरकार सीख ले ले। अगर दिल्ली की शिक्षा और स्वास्थ्य की व्यवस्था ठीक है तो क्या उत्तर प्रदेश की व्यवस्था को उसी तर्ज पर ठीक नहीं किया जा सकता है। प्राइवेट स्कूलों द्वारा जो धन उगाही चरम सीमा पर की जा रही है उसमें सरकार को थोड़ा अंकुश लगाने की आवश्यकता है। प्रतिवर्ष जो किताबें बदली जा रही हैं उस पर ध्यान देने और गंभीरता से सोचने की जरूरत है। माननीय अधिष्ठाता जी, यहां पर जितने माननीय सदस्य बैठे हैं सबके बच्चे प्राइवेट स्कूलों में पढ़ते हैं। आज हम अपने बच्चों की फीस और उनको कापी-किताबें दिलाने की स्थिति में हैं लेकिन उनसे पूछिये जो दस हजार और बीस हजार की नौकरी करते हैं और प्राइवेट स्कूल में अपने बच्चे को पढ़ाते हैं। वहां पर स्कूल की किताबें हर साल बदली जा रही हैं तो क्या यहां पर कोई ऐसा नियम लाया जायेगा कि जिससे प्रतिवर्ष उन किताबों को ना बदला जा सके। यदि सरकार इस पर ध्यान देगी तो पर्यावरण की भी सुरक्षा हो जायेगी। माननीय अधिष्ठाता महोदय, वर्तमान सरकार गौवंशों की हितैषी बनी बैठी है। हम लोग कोई उसके दुश्मन नहीं हैं। हम लोग तो गाय को पूजने वाले और उसको मानने वाले हैं। माननीय अधिष्ठाता जी, बड़ी हंसी आई जब मैं अपने क्षेत्र से निकल रही थी और हमारे ही खेत में जो गेहूं लगा था उसे 25 गौवंश मिलकर चर रहे थे। मैं खड़े होकर यह गिनने लगी कि देखें यह कितने हैं। मैंने जब उनको गिना तो वह 25 निकलें। मुझे बड़ी हंसी आई और गाड़ी में जो लोग बैठे थे उन्होंने यह कहा कि इसकी फोटो लेकर अखबार निकलवा देंगे कि विधायक जी के खेतों में ही गौवंश चर रहे हैं तो हमारे आम किसान भाई उससे कितने आहत होंगे ?

श्री अधिष्ठाता-

बन्दना जी अब आप समाप्त कर दीजिए।

श्रीमती बन्दना सिंह-

जो गौशालायें हमारे माननीय मुख्य मंत्री जी ने बनवाई है उसमें उनकी दुर्दशा देखते नहीं बनती है।

श्री अधिष्ठाता-

बन्दना जी आप समाप्त करिए।

श्रीमती बन्दना सिंह-

माननीय अध्यक्ष जी, मैं पहली बार इस सदन में बोल रही हूं। महामहिम ने सरकारी आवास योजनाओं के आंकड़े बताये हैं उनमें शहरी तो बने हैं, लेकिन हमारा गांव अछूता रह

गया है। माननीय अध्यक्ष जी, अभी कानून व्यवस्था की दुहाई हमारे पल्टूराम भईया दे रहे थे मैं उन्हीं की बात को कह देती हूं क्योंकि मैं इस कानून व्यवस्था से बहुत दुखी हूं। कानून व्यवस्था में कहा गया है कि उत्तर प्रदेश अपराधमुक्त, भयमुक्त, अन्यायमुक्त वातावरण तथा काननू का राज स्थापित करने वाला है, इसको मैं कैसे मान लूं ? मेरा अपना व्यक्तिगत मामला है। आए दिन जेल में बैठा व्यक्ति मुझे धमकियां दिया करता है और उस अपराध पर उसकी मदद यह कानून व्यवस्था ही करती है। अध्यक्ष जी, मैं व्यक्तिगत रूप से सूचना के अधिकार के तहत आजमगढ़, बलिया व जौनपुर जेल में जैमर होने तथा उसके कार्यरत होने के संदर्भ में जब-जब सूचना मांगी।

श्री अधिष्ठाता-

अब आप समाप्त करिए।

श्रीमती बन्दना सिंह-

अध्यक्ष जी, मुझे यह सूचना दी गयी कि वहां पर जैमर लगे हुए हैं और वह पूरी तरह से कार्यरत हैं। अध्यक्ष जी, मुझे बड़ा आश्चर्य हुआ जिस दिन मुझे यह सूचना मिली उसके ही अगले दिन वह अपराधी जेल में अपना बर्थ-डे मनाते हुए फोटो खींचकर वाट्स-अप और फेसबुक पर वायरल कर रहा है। अध्यक्ष जी, वहां पर लोकल समाचार-पत्रों में भी यह खबर आई थी जिसे हमारे तमाम जितने भी वहां के लोकल लोग होंगे उन्होंने भी इस घटना को पढ़ा होगा और सुना होगा। इसके अलावा आए दिन मुझे जो धमकियां मिलती हैं उनको तो छोड़ ही दीजिए।

श्री अधिष्ठाता-

अब आप समाप्त करिए। बन्दना जी आप सम्पूर्ण विपक्ष को रिप्रजेंट नहीं कर रही हैं। आप बी0एस0पी0 को रिप्रजेंट कर रही हैं। अब आपका समय समाप्त हो गया है।

श्रीमती बन्दना सिंह-

अध्यक्ष जी, ठीक है, लेकिन उनकी जो सुरक्षा हो रही है वह हमारे कानून के तहत ही हो रही है और ज्यादा कुछ न कहते हुए मैं यह सब जान और सुन देख भी रही हूं तथा इससे बहुत आहत भी हूं। माननीय अध्यक्ष जी, और कुछ ज्यादा न कहते हुए मैं अपनी बातों को अपने ही नेता माननीय लालजी वर्मा जी की बातों से सम्बद्ध करते हुए अपनी बात यहीं खत्म करती हूं-जय भीम, जय भारत।

श्री अधिष्ठाता-

कांग्रेस के नेता श्री दयाराम चौधरी जी।

श्री दयाराम चौधरी-

माननीय अध्यक्ष जी, मैं भारतीय जनता पार्टी से हूं।

श्री अधिष्ठाता-

पार्टी की ओर से पहला नाम दयाराम चौधरी जी का है और दूसरा नाम श्रीमती प्रतिभा शुक्ला जी का है तथा तीसरा नाम है श्री रवि सोनकर जी का है। माननीय अध्यक्ष जी, के आदेश का पालन किया जाएगा क्योंकि उन्होंने व्यवस्था बनाई है कि कांग्रेस के लोगों को बोलना है।

***श्री मसूद अख्तर-**

माननीय अधिष्ठाता महोदय, मैं आपको धन्यवाद देता हूं कि आपने मुझे महामहिम राज्यपाल मैडम के अभिभाषण पर चर्चा में बोलने के लिए मौका दिया मैं आपका दिल से आभारी हूं। मैं नेता विरोधी दल आदरणीय राम गोविन्द चौधरी जी से, नेता बहुजन समाज पार्टी आदरणीय लाल जी वर्मा जी से और कांग्रेस नेता माननीया आराधना मिश्रा जी के संशोधन प्रस्ताव से अपने आप को जोड़ते हुए मैं कहना चाहता हूं कि महामहिम राज्यपाल जी के माध्यम से राज्य सरकार ने जो अभिभाषण प्रस्तुत किया है। वह एक भ्रामक, असत्य और अर्धसत्य का एक पुलिन्दा मात्र है। मा0 अध्यक्ष जी, मुझसे पहले भी मा0 सदस्यगण इस ओर इशारा कर चुके हैं। सरकार हर मोर्चे पर विफल रही है और अपनी इन्हीं नाकामियों को छुपाने के लिए शब्दों को तोड़मरोड़कर जो अभिभाषण सदन में प्रस्तुत किया गया है वह महामहिम राज्यपाल जी की गरिमा और प्रतिष्ठा के हिसाब से भी सही नहीं है। मा0 अध्यक्ष जी, मूलभूत सरोकार, सुरक्षा और बेरोजगारी, शिक्षा और स्वास्थ्य इसके लिए मौजूदा सरकार ने बहुत बड़े-बड़े दावे करने का काम किया है। अपराधमुक्त भयमुक्त अन्यायमुक्त वातावरण देने का भारतीय जनता पार्टी ने दावा किया है। लेकिन आज कहीं भी वातावरण भयमुक्त नहीं है। अन्यायमुक्त, अपराधमुक्त नहीं है। लेकिन मैं कहूंगा कि पूरे उत्तर प्रदेश में अपराधयुक्त, भययुक्त, अन्याययुक्त वातावरण का माहौल है। मा0 अधिष्ठाता जी, आप किसी भी दिन का अखबार देख लीजिए। किसी भी शहर का अखबार देख लीजिए। उसमें लूट, डकैती, हत्या, बलात्कार जैसी घटनाओं से अखबार भरा रहता है। मैं कहना चाहता हूँ कि जब हमारी पुलिस पर ही एक्सटार्शन और ब्लेकमेलिंग के चार्ज लगेंगे तो यह वातावरण होना स्वाभाविक है। नारी सुरक्षा और अस्मिता के दावे सरकार करती है। लेकिन मैं कहना चाहता हूं कि नारी कहीं भी सुरक्षित नहीं है। न स्कूल कालेज में सुरक्षित है न थाने में सुरक्षित है और न नारी निकेतन में ही सुरक्षित है। और अगर कोई मजलूम बहन उसके खिलाफ आवाज उठाती है तो उसी को कटघरे में खड़ा करने का काम इस सरकार के द्वारा किया जाता है।

अधिष्ठाता महोदय, इसी तरह से शिक्षा के क्षेत्र में भी सरकार के बड़े-बड़े दावे हैं। स्कूल में रजिस्ट्रेशन की गिनती तो हमारे ही महामहिम के द्वारा गिनायी गयी है लेकिन यह नहीं बताया गया है कि रजिस्ट्रेशन के सिर्फ 55 प्रतिशत वहां पर उपस्थिति है। बड़े-बड़े दावे तो

---

* वक्ता ने भाषण का पुनर्वीक्षण नहीं किया।

किये गये हैं कि कमरे बनवाये गये हैं, स्कूल बनवाये गये हैं लेकिन मैं कहना चाहता हूं कि दूरदराज के गांवों में आज भी बहुत सारे स्कूल बिना टीचर के रन कर रहे हैं। और कहीं-कहीं तो 4-5 सौ विद्यार्थियों पर एक-एक टीचर है। मैं कहना चाहता हूं कि लाखों सेंक्शन पोस्ट के बावजूद भी उन पर भर्ती नहीं की जा रही है। हमारे युवक और युवतियां बेरोजगार घूम रहे हैं। इस पर सरकार की नीयत और नीति स्पष्ट नहीं है। रोजगार के फ्रन्ट पर बताने के लिए सरकार के पास कोई जवाब नहीं है। मा0 अधिष्ठाता महोदय, कौशल उद्यम विकास के दावे यह सरकार करती है लेकिन इनवेस्टमेंट के नाम पर जीरो है।

आज सदन में कुछ कहने के लिए हो जाए इसीलिए आखिरी वक्त में सरकार के द्वारा डिफेंस-एक्सपो का आयोजन करने का काम किया गया है। पिछले दिनों पश्चिमी उत्तर प्रदेश में किसान पॉपुलर की खेती से अपनी रोजी-रोटी चलाने का काम कर रहा था और मौजूदा सरकार ने पश्चिमी उत्तर प्रदेश में उद्योगों को लगवाने के लिए फॉर्म निकाले थे लेकिन आज तक धरातल पर एक भी उद्योग लगाने का काम मौजूदा सरकार के द्वारा नहीं किया गया है। मैं स्वास्थ्य के मामले में कहना चाहता हूं कि मौजूदा सरकार द्वारा फरवरी माह से पी0एच0सी0 एवं सी0एच0सी0 में आरोग्य मेले का आयोजन किया गया है। मैं सरकार से पूछना चाहता हूं कि पी0एच0सी0 एवं सी0एच0सी0 में जो डॉक्टर वहां पर पूरे हफ्ते रहते ही थे तो फिर उन्हीं के द्वारा वहां पर आरोग्य मेला लगाने का क्या औचित्य बनता है ? पहले से ही डॉक्टरों की कमी है और यह सरकार डॉक्टरों की कमी को पूरा नहीं कर पाई है। यह आरोग्य मेला रविवार को आयोजित किया जा रहा है और डॉक्टर द्वारा आरोग्य मेले को सफल बनाने में मुझे यह डर है कि कहीं पूरे हफ्ते की चिकित्सा सेवा राम भरोसे न हो जाए। मैं किसानों के बारे में कहना चाहता हूं कि इस सरकार ने किसानों के लिए बड़े-बड़े वायदें किये थे कि किसानों की आय दोगुनी करेंगे। लेकिन मात्र 100 रुपये एवं 105 रुपये गेंहू का समर्थन मूल्य बढ़ा देने से किसानों की आय दोगुनी नहीं हो जाती। गन्ने का रेट 03 साल से एक रुपया भी नहीं बढ़ाया गया है और उसका बकाया भुगतान भी नहीं दिया गया है तो फिर बड़े-बड़े खोखले वायदें किस बात के ? एक तरफ सरकार किसानों की आय दोगुनी करने की बात करती है लेकिन दूसरी तरफ किसान पर आधारित उद्योग हैं वह भी बंद करने की कगार पर हैं। किसान की फसल के साथ-साथ कामधेनु योजना भी एक उद्योग होता था जिससे किसानों को खुशहाल करने का काम किया गया था, उस कामधेनु योजना को बंद कर दिया गया है। जो कुक्कुट योजना शुरू की गयी थी, उस योजना को एक साल हो गया लेकिन उसके लिए सरकार ने सब्सिडी देने का काम नहीं किया है।

श्री अधिष्ठाता-

अब आप समाप्त कीजिए, आपका समय हो गया है।

***श्री मसूद अख्तर-**

मा0 अधिष्ठाता महोदय आज किसानों का यह हाल है कि यदि कहीं भी तार में कट लगा हुआ मिल जाए तो उनके ऊपर 3-3, 5-5 एवं 10-10 लाख रुपये का जुर्माना लगाया जाता है। सरकार ने सौभाग्य योजना के अंतर्गत हर घर को बिजली देने का दावा किया है लेकिन वहां हाल यह है कि जो बिचौलियें, जे0ई0 एवं इंजीनियर हैं उन्होंने अपने दलाल छोड़े हुए हैं। वह सब चीजें लिखकर लाते हैं और जो सुविधा शुल्क दे देता है उसका नाम काट दिया जाता है और अन्य को जेल में भरने का काम किया जाता है।

श्री अधिष्ठाता-

अब आप बैठ जाईये। आपका समय समाप्त हो गया है।

श्री मसूद अख्तर-

मा0 अधिष्ठाता महोदय, ठीक है, मैं अपनी बात समाप्त करता हूं और आपने मुझे महामहिम राज्यपाल के अभिभाषण पर बोलने का अवसर दिया उसके लिए बहुत-बहुत धन्यवाद।

श्री दयाराम चौधरी-

मा0 अधिष्ठाता महोदय मैं आपका आभारी हूं कि आपने मुझे बोलने का अवसर दिया। महामहिम राज्यपाल के अभिभाषण पर जो धन्यवाद प्रस्ताव डॉ0 मंजू शिवाच ने प्रस्तुत किया है उसके समर्थन में बोलने के लिए खड़ा हुआ हूं। उत्तर प्रदेश में जब से भाजपा सरकार बनी है तब से लगातार किसानों के लिए, गरीबों के लिए, नौजवानों के लिए कल्याणकारी योजनाएं चलाई जा रही है।

(श्री मसूद अख्तर के लगातार बोलते रहने पर)

श्री अधिष्ठाता-

समय पूरा के बाद जो कुछ बोला जा रहा है वह लिखा नहीं जाएगा। दयाराम जी आप बोलिए। मसूद अख्तर जी यह तरीका अनुचित है, ये लिखा नहीं जाएगा।

श्री दयाराम चौधरी-

गांव में जो आम आदमी है जब तक उसके चेहरे पर खुशहाली नहीं होगी तब तक भारतीय जनता पार्टी की सरकार चैन से नहीं बैठने वाली है।

श्री अधिष्ठाता-

कांग्रेस के मा0 सदस्य अपना स्थान ग्रहण कर लीजिए, इस तरीके से नहीं चलता है। जितना समय आपने मांगा था उतना समय मिल चुका है।

---

* वक्ता ने भाषण का पुनर्वीक्षण नहीं किया।

श्री दयाराम चौधरी-

मान्यवर, मैं जिस विधान सभा से चुनकर आया हूं उस विधान सभा में गन्ना की तीन चीनी मिलें थीं और बसपा के नेता यहां पर बैठे हुए हैं। (श्री मसूद अख्तर के लगातार बोलने पर) अब ये क्या तरीका है, जब आपका समय खत्म हो गया है और पीठ ने कह दिया है फिर भी आप बोल रहे हैं, डिस्टर्ब नहीं करना चाहिए।

श्री अधिष्ठाता-

दयाराम जी आप बोलिए।

श्री दयाराम चौधरी-

मान्यवर, मैं जिस विधान सभा से चुनकर आता हूं उसमें तीन चीनी गन्ना मिलें थीं, पिछली बसपा की सरकार में मुण्डेरवा की मिल 20 साल पहले बंद हो गयी। जब वहां का किसान शांतिपूर्वक आंदोलन कर रहा था, निहत्था था, इसी बसपा और विपक्ष की जो सरकारें थीं उन्होंने निहत्थे किसानों पर गोली चलवाई थी। उसमें तीन किसान शहीद हो गये थे उनकी आत्मा भटक रही थी और जब भी चुनाव आता था ये विपक्ष का एकदम हथियार बन जाता था कि आप हमको वोट दे दो, हम मुण्डेरवा की मिलें चलवा देंगे। 20 साल का वक्त बीत गया, इनको कभी याद नहीं आई। मैं धन्यवाद देता हूं उत्तर प्रदेश सरकार के यशस्वी मुख्य मंत्री जी एवं गन्ना मंत्री जी को उन्होंने वहां की मिल को स्वीकृत किया और एक साल के अंदर उसको चला भी दिया है। जो तीन आत्माएं शहीद हुई थीं, भटक रही थीं उनकी आत्मा को भी शांति मिल गयी है और ये विपक्ष के लोग कहते हैं कि हम किसानों के हितैषी हैं। मान्यवर, मुझे याद है उस समय किसान कितना परेशान होता था, खाद के लिए लाइन लगाता था, लाठियां खाता था लेकिन उसे समय से खाद नहीं मिलती थी, उसको समय से कभी बीज नहीं मिलता था। गैस के लिए हो-हल्ला हो रहा था। वर्ष 2014 के पहले आप याद कर लेना कहीं चौराहे पर गैस का सिलेण्डर नहीं बंटता था, थानों में गैस का सिलेण्डर बंटता था, लंबी-लंबी लाइन लगती थी, चार-चार आठ-आठ घण्टा लाइन लगाकर लोग गैस का सिलेण्डर लेते थे, मैं धन्यवाद देना चाहूंगा यशस्वी प्रधानमंत्री मोदी जी को, जिन्होंने 2014 के बाद गैस का कनेक्शन और खाद की कोई कमी नहीं होने दिया, जितना जरूरत हो ले जाइए। आज हमारी सरकार एक-एक करके कल्याणकारी योजनाएं चला रही हैं। हमने नकलविहीन परीक्षा कराने का संकल्प लिया और आज नकलविहीन परीक्षा हो रही है, मैं दावे के साथ कह सकता हूं। जो भी कॉम्पटीशन होते थे, आयोग की जितनी भी भर्तियां विपक्ष की सरकारों में होती थीं, उसमें आयोग पर उंगलियां उठती थीं, पेपर लीक-आउट हो जाता था लेकिन उत्तर प्रदेश की वर्तमान सरकार ने जब-जब नियुक्तियां कराई हैं एक भी पर्चा लीक-आउट नहीं हुआ इसके लिए मैं आदरणीय मुख्य मंत्री जी का धन्यवाद देना चाहूंगा। ये अपराध की बात करते हैं, याद कर लेना यही सपा की गवर्नमेण्ट थी, इन्हीं का सभासद था इसी हजरतगंज चौराहे पर बंटी यादव की हत्या दिन-दहाड़े

कर दी गयी थी। याद कर लेना बसपा की सरकार थी, राज्यपाल गेट के सामने मा0 विधायकगणों का धरना था उसमें मंजूर अहमद की भी हत्या हो गयी थी। ये अपराध की बात करते हैं, थानों और तहसीलों में गोलियां चलती थीं। मैं तो जीता जागता उदाहरण हूं बस्ती जनपद में, जब-जब भी जहां कोई बात आई लगता नहीं था कि कानून नाम की कोई चीज है, जंगलराज था, ये किसानों, गरीबों और अपराध की बात करते हैं और जो वर्तमान की योगी जी की सरकार है जितनी योजनाएं चला रहे हैं चाहे वह सामूहिक बीमा योजना हो, सुमंगला योजना हो, महिलाओं-बच्चियों के लिए एक ऐसी योजना आई है जिसका नाम सुमंगला योजना है, उसके लिए बजट में भी व्यवस्था हो गयी है, जब भी कोई लड़की पैदा होगी, उसके बाद उसे दो हजार रुपया मिलेगा, जब वह लड़की एक साल की हो जाएगी उसकी दवा एवं पोषण के लिए एक हजार रुपया मिलेगा।

श्री अधिष्ठाता-

अब आप समाप्त कीजिए।

श्री दयाराम चौधरी-

कक्षा 1 में एडमीशन पर 2 हजार जब वह लड़की कक्षा-6 में एडमिशन करायेगी तो उसको 02 हजार रुपया मिलेगा और जब वह लड़की कक्षा-9 में एडमिशन करायेगी तो उसको 03 हजार रुपया मिलेगा और जब कक्षा-12 में जायेगी तो उसको 05 हजार रुपया मिलेगा। जहां हमने लड़कियों के स्वास्थ्य की चिन्ता की है, उनकी शिक्षा की चिन्ता की है, वहीं हमने उनकी शादी की भी चिन्ता की है। उत्तर प्रदेश की सरकार ने निर्णय लिया है कि शादी आप तय करो, लड़का आप देखो, शादी कराने का काम सामूहिक विवाह योजना के माध्यम से उत्तर प्रदेश सरकार कर रही है।

श्री अधिष्ठाता-

चौधरी जी, अब आप बैठ जाइये।

श्री दयाराम चौधरी-

चूंकि मैं 03 वर्ष में पहली बार बोलने के लिए खड़ा हुआ हूं। मान्यवर, मैं अपने क्षेत्र की कुछ बातें कहना चाहता हूं। मेरी विधान सभा में 03 ब्लाक हैं। लेकिन इन तीनों ब्लाकों में लड़कियों के लिए कहीं भी इण्टर कालेज नहीं है। मेरा सुझाव है कि जैसा श्री राज्यपाल के अभिभाषण में है, हमारे किसी न किसी तरह एक-एक ब्लाक में कन्या इण्टर कालेज खोलने की व्यवस्था की जाए। मान्यवर, मेरे जनपद में मेडिकल कालेज भी बन कर तैयार हो गया है। पहले वहां के लोगों को स्वास्थ्य के लिए लखनऊ आना-जाना पड़ता था, अब उन्हें अपने स्वास्थ्य की चिन्ता नहीं है, बस्ती में भी मेडिकल कालेज शुरू हो गया है, पढ़ाई भी शुरू हो गयी है और वहां दवा भी शुरू हो गयी है। माननीय अधिष्ठाता महोदय, मैं एक बात और कहना चाहता हूं। जनपद बस्ती का जो नाम है, उसके नाम से उसकी कोई पहचान नहीं हो पाती है। जब बस्ती

बताओ तो कहते हैं कि कौन सी बस्ती है, कहां की बस्ती है ? मेरा एक सुझाव है कि बस्ती को वशिष्ठ नगर घोषित कर दिया जाए। इसी के साथ मैं अपनी बात समाप्त करता हूं, जय-हिन्द, जय भारत।

***श्रीमती प्रतिभा शुक्ला-**

अधिष्ठाता महोदय, श्री राज्यपाल के अभिभाषण पर धन्यवाद प्रस्ताव जो डॉ0 मंजू जी ने प्रस्तुत किया था, उसके समर्थन में मैं बोलने के लिए खड़ी हुई हूं। मान्यवर, नेता प्रतिपक्ष ने जब अपनी बात रखी थी तो उन्होंने राम राज्य के बजाय रावण राज्य कहा था कि यह रावण राज्य चल रहा है। मैं कहना चाहूंगी कि राम राज्य का मतलब यह नहीं है कि बहुत सारा पैसा-रुपया। राम राज्य का मतलब यह होता है कि अपनी बात कहने का अधिकार हो। हमारी सरकार सबको अपनी बात कहने का समान अधिकार दे रही है। यहां हर जाति-वर्ग के लिए हर व्यवस्थाएं हैं, चाहे आवास की बात हो, चाहे सामाजिक सुरक्षा की बात हो, कहीं कोई भेदभाव करने का काम सरकार नहीं कर रही है। पं0 दीनदयाल उपाध्याय जी के सपनों को पूरा कर रही है। पं0 दीनदयाल उपाध्याय जी का सपना था कि समाज के आखिरी पायदान का जो व्यक्ति है, उसकी गरीबी को दूर करके समाज में उसको उचित स्थान दिया जाए। मा0 योगी आदित्यनाथ जी जो हमारे मुख्य मंत्री हैं, उनको हम बहुत धन्यवाद देना चाहेंगे, उन्होंने राम राज्य की परिकल्पना के तहत ही काम किया है और हमारी सरकार जो नीतियां लागू कर रही है, हर व्यक्ति का सपना होता है कि उसका अपना एक घर हो। प्रधानमंत्री शहरी आवास योजना के अन्तर्गत हमारी विधान सभा में बहुत सारे लोगों को आवास मिले हैं और वह बहुत प्रसन्नता का अनुभव कर रहे हैं। इसके साथ-साथ मुख्य मंत्री आवास योजना के अन्तर्गत ग्रामीण क्षेत्रों में भी आवास मिल रहे हैं। हम लोग वहां जाकर उनकी खुशियों के साथ शामिल हैं। इसके साथ ही साथ उज्जवला योजना के अन्तर्गत, अधिष्ठाता जी, जब हम 2012 में चुनाव लड़ रहे थे, उस समय गैस सिलेण्डर के लिए लम्बी-लम्बी लाइनें लगती थीं और महिलाएं यह कहती थीं कि यदि गैस सिलेण्डर नहीं है तो वोट नहीं मिलेगा। हम लोग उस समय संघर्ष कर रहे थे, यह उस समय की बात है। लेकिन आज यह है कि हर घर में, हर गांव में प्रधानमंत्री जी ने गैस सिलेण्डर दिया है और उत्तर प्रदेश ने उसमें प्रथम स्थान प्राप्त किया गया है। इसी के साथ-साथ शौचालय के मामले में भी उत्तर प्रदेश को ओ0डी0एफ0 घोषित किया गया है। बहुत सारे लोग कहते हैं कि अभी ओ0डी0एफ0 घोषित नहीं है लेकिन लगातार लिस्ट जारी हो रही हैं, कुछ बन गये हैं और कुछ बन रहे हैं, उनकी पूरी सूची जारी हो चुकी है और उत्तर प्रदेश ने ओ0डी0एफ0 में प्रथम स्थान प्राप्त किया है। इसके लिए हम सरकार को धन्यवाद देते हैं। साथ ही साथ कौशल विकास योजना के अन्तर्गत ग्रामीण क्षेत्रों में महिला समूहों के माध्यम से उनको छोटे-छोटे उद्योग देकर स्वावलम्बी बनाने का कार्य सरकार कर रही है। इस तरह के

* वक्ता ने भाषण का पुनर्वीक्षण नहीं किया।

काम सरकार ने जो किए हैं, इससे सभी लोग सामर्थ्यवान बन रहे हैं, और साथ ही साथ विद्युत कनेक्शन के लिए हम लोग बहुत परेशान रहते थे। हमें अच्छी तरह से याद है कि हम लोगों ने 55 गांव में विद्युतीकरण कराने का पूरा काम किया है, लेकिन वह नहीं हो पाया है। हमारी सरकार में हर घर में बिजली का कनेक्शन है और हम समझते हैं कि शायद ही कोई ऐसे पांच से छः घर छूटे हों जहां पर बिजली कनेक्शन देने का काम हमारी सरकार कर रही है और जो अभी भी छूटे रह गए हैं उसके के लिए सौभाग्य प्लस आ गया है, इसके अंतर्गत उसमें भी कनेक्शन देने का काम हमारी सरकार कर रही है, लेकिन बिजली चोरी को मना कर रही है, क्योंकि आप कटिया नहीं डाल सकते। पिछली सरकारों में कटिया डालने का ज्यादा प्रचलन था, लेकिन अब उसको रोका जा रहा है। आज जो भी बिजली का कनेक्शन लेगा उसको बिल भुगतान करना पड़ेगा। हमारी सरकार ईमानदारी से काम कर रही है, जो लोग ईमानदारी के साथ चलना चाहते हैं, सरकार उनके साथ अच्छे से पेश आ रही है, लेकिन जो बेईमानी कर रहे हैं उनके लिए तो कोई उपाय ही नहीं है। और सरकार ने अटल पेंशन योजना के अंर्तगत प्रथम स्थान प्राप्त किया है। अभी हमारे यहां पशुओं की बात हो रही थी तो अधिष्ठाता महोदय हम आपका ध्यान आकृष्ट कराना चाहेंगे कि पशुओं की जो समस्या है, लेकिन हमारे मुख्य मंत्री जी संत हैं और संत कभी नहीं चाहेगा कि किसी गाय के साथ जो गाय हमारी माता है उसके साथ अत्याचार हो, लेकिन समस्या कहां आ रही है। हर गांव-गांव में हम लोग जाते हैं, एक बार गांव में हम बैठे थे तो वहां लोग बात करने लगे, क्योंकि मेरा ग्रामीण क्षेत्र है तो वहीं अपनी ही गाय को लोग छोड़ देते हैं जिससे वह रात में खेतों को चर जाती है, लेकिन हमारे यहां अकबरपुर रढिया क्षेत्र में अभी दो गौशालाएं हैं बड़ी-बड़ी, जिसके अंतर्गत हमारे यहां गाय हैं, सांड़ हैं उनको रखकर गाय की सुरक्षा की व्यवस्था की गई है। और हर गांव-गांव में गौशालाएं भी हैं टीन शेड और साथ ही साथ सरकार ने अब यह भी उपाय कर दिया है कि जो गाय पालना चाहता हो उसके लिए चारे की व्यवस्था है। जब तक गाय ने दूध दिया तब तक आपने रखा उसके बाद छोड़ दिया, यह तो अन्याय है, लेकिन हमारे किसान इससे जो परेशान हो रहे हैं इसके लिए हम चाहेंगे कि सामाजिक चेतना तो जाग्रत हो। यह तो हम सभी का कर्तव्य है कोई एक सरकार या हमारे मुख्य मंत्री अकेले नहीं कर सकते, कोई विधायक नहीं कर सकता। वह सबको आगे बढ़ कर आना पड़ेगा। अभी बलत्कार की बात आई तो उस पर हम यह कहना चाहेंगे कि हम बेटियों को तो बहुत शिक्षा देते हैं ऐसे कपड़े न पहनो, ऐसा न करो, लेकिन हम अपने बेटों को शिक्षा कभी नहीं देते कि कहीं भी आप जा रहे हैं और किसी के साथ अन्याय हो रहा हो और छींटाकशी हो रही हो तो अपनी बहन की रक्षा के लिए और उसकी सुरक्षा के लिए खड़े हो। एक सामाजिक जाग्रत चेतना जब तक नहीं आएगी, तब तक यह घटनाएं होती ही रहेंगी। उसके लिए हम सभी को जाग्रत होना ही पड़ेगा, हम सभी को आगे आना ही पड़ेगा। कहीं भी कोई ऐसी घटना होती है सरकार रक्षा के लिए आती है। मान्यवर, हम स्वास्थ्य के विषय में यह कहना चाहेंगे कि आयुष्मान योजना के अंतर्गत कानपुर देहात में

डेढ़ लाख लोगों को आयुष्मान कार्ड मिल चुके हैं और उसके साथ ही साथ मुख्य मंत्री राहतकोष से भी पैसा मिल चुका है और इसके साथ-साथ आरोग्य मेले हो रहे हैं। संडे के दिन सब छुट्टी मनाते हैं और संडे को कोई बीमार हो जाता है तो कोई डॉक्टर नहीं मिलता। मुख्य मंत्री जी ने कहा कि संडे को भी क्लीनिक खोल दिया जाए, संडे को ऐसा होता है कि कभी भी डॉक्टर नहीं मिलते बड़ी दिक्कतें आती हैं। चाहे शहर की बात हो, चाहे गांव की। कानपुर देहात में एक मेडिकल कालेज हमें मिला है जिसके लिए हम सरकार का धन्यवाद अदा करना चाहेंगे। एक राजकीय इण्टर कालेज हमें मिला है उसके लिए भी सरकार का धन्यवाद करना चाहेंगे और साथ ही साथ दो करोड़ हम लोगों को विकास के लिए मिला है। सड़कों के माध्यम से नगरीय क्षेत्र में इसके लिए भी हम मुख्य मंत्री जी का धन्यवाद करना चाहेंगे। इस समर्थन में हम राज्यपाल जी का बहुत-बहुत धन्यवाद अदा करते हैं और साथ ही अपनी बात को समाप्त करते हैं।

श्री रवि कुमार सोनकर-

आदरणीय अधिष्ठाता जी, आपने हमें श्री राज्यपाल के अभिभाषण पर बोलने का अवसर दिया, इसके लिए मैं अपने विधान सभा क्षेत्र महादेवा की जनता की तरफ से हृदय की गहराइयों से आपका आभार प्रकट करता हूं। यह अभिभाषण जिसे 38 पन्नों में समेटने का प्रयास किया गया है। उसे मैं अपनी भाषा में यह कहना चाहता हूं कि यह गागर में सागर भरने का काम किया गया है। आदरणीय अधिष्ठाता जी, कुशीनगर से गौतम बुद्ध नगर तथा तथागत से तथागत सम्पूर्ण उत्तर प्रदेश को एक धागे में पिरोने का भी कार्य किया गया है। मा0 अधिष्ठाता जी, हमने संविधान में पढ़ा जिसमें साफ-साफ लिखा है हम भारत के लोग। हमारे लिए यह एक परिवार है, पूरा देश परिवार की तरह है। जाति, धर्म, मजहब से इसकी पहचान नहीं हो सकती। फिर भी हमारे मुख्य मंत्री जी जो एक सन्त हैं, एक पीठ महन्त भी हैं, उनके बारे में यह टिप्पणी की जाती है कि इनका अपना कोई परिवार नहीं है। लेकिन मैं यह कहना चाहता हूं कि 325 भुजाओं से उनके पास यह एक परिवार है और वे उत्तर प्रदेश की 22 करोड़ जनता को श्रेष्ठ मानकर एक परिवार के रूप में कार्य कर रहे हैं। मैं अपने विपक्ष के साथियों को आपके माध्यम से यह बताना चाहता हूं कि आज तक ऐसा कोई मुख्य मंत्री नहीं हुआ जो प्रदेश के सभी 22 करोड़ लोगों को अपना परिवार मानकर योजनाएं बनाता हो। सभी 22 करोड़ लोगों को ही श्रेष्ठ मानकर कार्य करने की मंशा और प्रेरणा रखता हो। आदरणीय अधिष्ठाता जी, मैं आपके माध्यम से उन लोगों को एक बात कहना चाहता हूं जो हमारे मुखिया के बारे में इस तरीके की टिप्पणी करते हैं। वह यह है कि आपको चुल्लू भर पानी में डूबने की आवश्यकता नहीं है क्योंकि आज गंगा साफ हो रही है, निर्मल हो रही है और हमारी गंगा मैया आपके डूबने से मैली हो जाएंगी। मैं यह आपके बीच में कहना चाहता हूं। आदरणीय अधिष्ठाता जी, जिस राम राज्य की कल्पना की बात लगातार विपक्ष द्वारा उठाई जा रही है, उसमें मैं यह कहना चाहता हूं कि राम राज्य अब आकर ही रहेगा और राम मन्दिर भी अब बहुत जल्द

बनकर ही रहेगा। मैं यह कहना चाहता हूं। आदरणीय अधिष्ठाता जी, निश्चित रूप से जिस राम काज के लिए आदरणीय श्री योगी आदित्यनाथ जी महाराज का राज्याभिषेक हुआ है उसमें मैं अपने विपक्ष के साथियों को आमंत्रित करता हूं कि बहुत जल्द अयोध्या में भगवान राम का मन्दिर बनने जा रहा है। उसमें आप लोग भी आइए और जो आपके पिछले पाप हैं उनको उस राज्याभिषेक में धुल लीजिए। जो मर्यादा पुरुषोत्तम भगवान श्री राम का मन्दिर बनने का ऐतिहासिक कार्य होने जा रहा है उसमें आप भी अपनी सहभागिता सुनिश्चित करिए। आदरणीय अधिष्ठाता जी, मैं आपके बीच में अपने विधान सभा क्षेत्र की बात भी करूँगा। आदरणीय अधिष्ठाता जी, लगातार कानून व्यवस्था के बारे में लोगों द्वारा यह बात कही जा रही है कि कानून-व्यवस्था चुस्त-दुरुस्त नहीं है। मैं उस पर यह कहना चाहता हूं कि हमारे उत्तर प्रदेश की जो बरसों से यह मांग थी कि उत्तर प्रदेश में पुलिस कमिश्नर की प्रणाली लागू होनी चाहिए तो हमारे गोरक्ष पीठाधीश्वर और उत्तर प्रदेश के यशस्वी मुख्य मंत्री जी ने जनता की उस मांग को स्वीकार करके कानून-व्यवस्था के प्रति अपनी प्रतिबद्धता जाहिर की है। मैं यह बताना चाहता हूं।

आदरणीय अधिष्ठाता जी, मैं अनुसूचित जाति के एक वर्ग से आता हूं और मैं एक बात कहना चाहता हूं कि हमारी बहन-बेटियों की शादी हम परिवार वालों के ऊपर लगातार बोझ बनी रहती थी लेकिन जिस तरीके से आदरणीय मुख्य मंत्री जी ने सामूहिक विवाह योजना की शुरूआत की है और जिस तरीके से उस सामूहिक विवाह योजना में हमारी बहन-बेटियों की शादियों का खर्च उत्तर प्रदेश सरकार उठा रही है, यह बहुत बड़ा काम है। पहले सरकार इसमें 35 हजार रुपये दे रही थी उसको हमारी सरकार ने 51 हजार रुपये किया है। आज आप वहां जाइए और देखिए कि जब हमारी बहन-बेटियां वहां सामूहिक विवाह की योजना में जाती हैं तो वहां का जिलाधिकारी, वहां का पुलिस कप्तान, वहां का सांसद, वहां का विधायक उन बेटियों के सामूहिक विवाह में उनके स्वागत में पलक-पांवड़े बिछाकर खड़े रहने का कार्य करता है। आदरणीय अधिष्ठाता जी, मैं बताना चाहता हूं कि अभी हमारे सदर के विधायक जी ने कहा और मुण्डेरवा चीनी मिल हमारे, उनके क्षेत्र में संयुक्त रूप से पड़ती है और 470 करोड़ रुपये की लागत से वह मुण्डेरवा चीनी मिल हमारे गन्ना मंत्री जी और मा0 मुख्य मंत्री जी ने दी है। उसके लिए भी मैं अपने विधान सभा क्षेत्र महादेवा और जनपद बस्ती की पूरी जनता की तरफ से आभार प्रकट करना चाहता हूं। आदरणीय अधिष्ठाता जी, अभी हमारे एक साथी ने कहा है कि यू0पी0 नहीं देखा तो क्या देखा ? मैं कहना चाहता हूं कि यू0पी0 में आइए, सबसे पहले काशी में जाइए, वहां भगवान विश्वनाथ का दर्शन कीजिए और अपने पापों से मुक्ति का रास्ता खोजिए। मैं आपसे यह कहना चाहता हूं। आदरणीय अधिष्ठाता जी, आप लोग लगातार मुंगेरी लाल के सपने देख रहे हैं। मैं आपसे कहना चाहता हूं कि वर्ष 2014 में आप हमसे नहीं लड़ पाए, वर्ष 2017 में भी आप हमसे नहीं लड़ पाए और वर्ष 2019 में आप गठबन्धन बनाकर भी हमसे नहीं लड़ पाए। मैं आपको बताना चाहता हूं कि वर्ष 2022 में आपकी जमानतें भी जब्त हो जायेंगी अगर आप अपने अंदर परिवर्तन नहीं करेंगे। आदरणीय अधिष्ठाता महोदय मैं

अपने विधान सभा क्षेत्र की दो समस्याओं पर सरकार का ध्यान आकृष्ट कराना चाहता हूं एक समस्या देईसाड से चानपुर एक सड़क है जिससे बहुत अधिक मात्रा में गन्ना ले जाने का कार्य होता है। उसमें सरकार का ध्यान मैं चाहता हूं दूसरी समस्या एक मिनी स्टेडियम के सम्बन्ध में है जो वनकटी ब्लॉक में है उसकी तरफ भी मैं सरकार का ध्यान आकृष्ट कराना चाहता हूं और हमारे क्षेत्र के कुवानो नदी पर कचूरे घाट है उस पर पुल की वर्षों से बहुत सारे लोगों की मांग है। मैं चाहता हूं कि सरकार उस पर भी अपना ध्यान आकृष्ट करे और एक बात कहकर मैं अपनी बात समाप्त करूँगा आदरणीय अधिष्ठाता महोदय जो लगातार हमारी सरकार पर टिप्पणी कर रहे हैं उनके शासनकाल में क्या हुआ मैं उस पर नहीं जाना चाहता। मैं सिर्फ एक बात कहूंगा कि आप अपने 2012 से वर्ष 2017 के कार्यकाल को याद करिये उसमें केवल एक उद्योग चलता था उस उद्योग का नाम है ट्रान्सफर-पोस्टिंग उद्योग। इसी के साथ मैं अपने मुख्य मंत्री का धन्यवाद और आभार व्यक्त करते हुए अपनी बात को विराम देता हूं। धन्यवाद।

श्री रफीक अन्सारी-

मा0 अधिष्ठाता जी, मैं एक शेर से अपनी बात शुरू करता हूं कि

''अगर मैं मर जाऊं, मेरी अलग से पहचान लिख देना,
मेरी पेशानी पर लहू से हिन्दुस्तान लिख देना।''

माननीय अध्यक्ष जी, यह जो भारतीय जनता पार्टी की सरकार बन कर आई है। ये कानून व्यवस्था के नाम पर बनकर आई थी। हर रोज चीखते चिल्लाते थे गुण्डाराज, जंगलराज लेकिन अधिष्ठाता जी, आप देख रहे हैं कि गुण्डाराज और जंगलराज कैसा है। 20 दिसम्बर, को मा0 अधिष्ठाता जी, आप याद कर लीजिए, पूरे हिन्दुस्तान के अंदर और पूरे उत्तर प्रदेश के अंदर इतने लोग गोली से मारे गये हैं कि पूरे हिन्दुस्तान में जितने और कहीं नहीं मरे, 24 से ज्यादा लोगों की हत्या इस सरकार ने कर दी है और मैं कहना चाहता हूं माननीय अध्यक्ष जी, नागरिकता कानून संशोधन पर पूरे देश में आंदोलन हो रहे हैं लेकिन उत्तर प्रदेश के अंदर सरकार ने माननीय अधिष्ठाता जी, धारा-144 लगा रखी है। जो संविधान ने हमें अधिकार दिया है किसी ने अधिकार नहीं दिया है ये संविधान ने अधिकार दिया है धरना और प्रदर्शन करने का लेकिन इस सरकार ने अघोषित इमरजेन्सी लगा रखी है कि कोई धरना-प्रदर्शन नहीं करेगा और जो धरना प्रदर्शन करेगा उसको लाठी मारने का काम किया जायेगा और उसको जेल में डालने का काम किया जायेगा उसको गोली मारने का काम किया जायेगा। मारो कितनी गोली मारोगे तुम्हारे पास बन्दूक है, तुम्हारे पास फौज है, तुम्हारे पास पुलिस है और हमारे पास सीने हैं। मारो कितनी गोली मारोगे हमारे सीने कम नहीं पड़ेंगे। **''दो-चार चाहे जमाने के बावजूद हम मिट नहीं सकेंगे मिटाने के बावजूद।''** माननीय अधिष्ठाता जी, पूरे उत्तर प्रदेश के अंदर कोई सरकार का आदमी नहीं गया जो मरने वाले हैं वह मजदूर हैं, गरीब कमजोर हैं कोई उनका इतिहास क्रिमिनल नहीं है। आज उनकी मां पुकार रही हैं, कोई मेरे सलीम को ला दो, मेरे

आमिर को ला दो, मेरे मोहसिन को ला दो, उनकी मां और बच्चे इस सरकार को पुकार रहे हैं। मैंने वादा किया है मेरठ की जनता से वहां के लोगों ने मैंने वादा किया है कि मोहसिन को तो मैं नहीं ला सकता लेकिन गूँगी बहरी सरकार के कानों तक जरूर आपकी बात को पहुंचाऊंगा। मैं मेरठ के लोगों का धन्यवाद करता हूं कि मुझे विधान सभा में भेजा और मेरठ की आवाज बुलन्द करने का काम मैं कर रहा हूं। साथियों समाजवादी पार्टी एक ऐसी पार्टी थी जिसमें अखिलेश यादव ने उत्तर प्रदेश के अंदर 5-5 लाख रुपये मरने वालों को देने का काम किया लेकिन इस सरकार के कान पर जूँ नहीं चल रही है। उनके घर जाकर भी किसी ने नहीं देखा कि ये गरीब और कमजोर ठेले वाले और रिक्शेवाले जिन के बल पर यह सरकार बनी थी उस तरफ देखने का काम इस सरकार ने नहीं किया। भारत के एक मंत्री कहते हैं कि देवबंद से आतंकवादी पैदा होते हैं। देवबंद से आतंकवादी पैदा होते हैं, मैं कहना चाहता हूं कि 1857 याद करिए। 1857 में लाहौर से देवबंद तक कोई पेड़ नहीं बचा था जहां पर उल्माओं को फांसी पर लटकाने का काम अंग्रेजों ने नहीं किया। ऐसा काम आजादी में उल्माओं ने किया है, हमारे मौलानाओं ने किया है। आज उनको धकेलने का काम किया, आज उन पर आरोप लगाया जा रहा है कि आतंकवादी हैं, देवबंद से आतंकवादी निकलते हैं। 'इस मिट्टी में सभी का खून है शामिल, हिन्दू और मुसलमान का, इस मिट्टी में सभी का खून है शामिल, किसी के बाप का हिन्दुस्तान थोड़ी है'। मैं कहना चाहता हूं कि नागरिकता कानून पर हमको कोई नहीं रोक सकता है। हम पर देशद्रोही होने के मुकदमें लगाये जाते हैं।

श्री अधिष्ठाता-

अब आप समाप्त कीजिए।

***श्री रफीक अन्सारी-**

आतंकवादियों के लगाये जाते हैं, मैं कहना चाहता हूं कि हमें आजादी चाहिए इस कानून से, हमें आजादी चाहिए भूख से, हमें आजादी चाहिए बेरोजगारी से, यह नारे लगाते रहेंगे हम और हिन्दुस्तान को आजाद करेंगे हम।

श्री अधिष्ठाता-

अब समाप्त करिए। आपको कुछ और कहना है, अपने क्षेत्र के बारे में कह लीजिए, आपका समय समाप्त हो गया है।

श्री रफीक अन्सारी-

'ए-खाक-ए वतन तेरे लिए आग बहुत है, ऐ भारत तेरी हिफाजत के लिए मुसलमान बहुत है।

---

* वक्ता ने भाषण का पुनर्वीक्षण नहीं किया।

श्री अधिष्ठाता-

बस हो गया, आप बैठ जाइए। समाजवादी पार्टी के श्री वीरेन्द्र यादव जी।

श्री रफीक अन्सारी-

मान्यवर, एक शेर और पढ़ना चाहूंगा इनके दखल पर मैं भी चुप था, इनके दखल पर आप भी चुप हो, अगला नम्बर आपका है।

श्री अधिष्ठाता-

अब इसको मत लिखिए।

श्री रफीक अन्सारी-

बहुत-बहुत धन्यवाद। मैं अपने नेता विरोधी दल की बातों पर बल देता हूं।

***श्री वीरेन्द्र कुमार यादव-**

माननीय अध्यक्ष जी, आपने हमें राज्यपाल महोदया के भाषण पर बोलने का वक्त दिया, इसके लिए आपका बहुत-बहुत धन्यवाद। मैं नेता विरोधी दल की बातों पर बल देते हुए यह कहना चाहता हूं कि उत्तर प्रदेश के अंदर प्रधानमंत्री सौभाग्य योजना के तहत जो गरीबों को निःशुल्क बिजली कनेक्शन दिया जा रहा है वह निश्चित रूप से उसके माथे पर कलंक है। जिस तरह से आज जो गांव का गरीब व्यक्ति है वह निःशुल्क कनेक्शन लेता है लेकिन निःशुल्क कनेक्शन लेने के बाद जब बिल आता है तो किसी का 80 हजार, किसी का 90 हजार, किसी का 1 लाख आता है। आज जब प्रदेश सरकार इस तरह के कनेक्शन की बात करती है तो निश्चित रूप से यह धोखा है। हम यह कहना चाहेंगे कि अपने ही क्षेत्र के एक तिवारी जी के परिवार के बारे में बताना चाहूंगा, जिनके 6 लाख रुपये फर्जी आटा चक्की के नाम पर वसूलने का काम किया। हम सरकार से मांग करते हैं कि निश्चित रूप से आप इसकी जांच कराने का काम करेंगे। दूसरी तरफ जिस तरह से प्रदेश सरकार जिला मुख्यालय पर 24 घण्टे, तहसील मुख्यालय पर 20 घण्टे, ग्रामीण क्षेत्रों को 18 घण्टे रोस्टर के अनुसार बिजली देने का काम कर रही है, निश्चित रूप से मैं कहना चाहूंगा कि यह धोखा है, यह छलावा है।

उत्तर प्रदेश के माननीय पूर्व मुख्य मंत्री श्री अखिलेश यादव जी ने जब उत्तर प्रदेश में सरकार थी तो निश्चित रूप से गांवों को उन्होंने 20 घण्टे बिजली देने का काम किया। जो आज किसान है, वह अपने खेतों में यदि पानी भरने जा रहा है तो दिन के उजाले में नहीं जा रहा है बल्कि रात के अंधेरे में जा रहा है। इस कड़ाके की ठण्ड में भी जब किसान खेतों में जाकर पानी भर रहा है तो कहीं न कहीं जाड़े के वक्त में ठिठुरन हो जाती है जिससे उसकी मौत हो रही है। निश्चित रूप से किसान को उसका पैसा भी नहीं मिल पा रहा है इसलिए मैं कहना चाहूंगा कि सरकार जो बिजली की सौभाग्य योजना की बात कर रही है निश्चित रूप से

* वक्ता ने भाषण का पुनर्वीक्षण नहीं किया।

यह छलावा है। सड़क के मुद्दे पर मैं कहना चाहता हूं कि गड्ढामुक्ति के नाम पर सरकार यह दावा करती है कि 1 लाख 29 हजार 4 सौ 41 किलोमीटर जो सड़क है मैंने उसको गड्ढामुक्त करने का काम किया है। माननीय मुख्य मंत्री जी जिन्होंने पिछले दिनों मऊ से लेकर बनारस तक की यात्रा करने का काम किया था और सौभाग्य था कि वह विधान सभा हमारी ही पड़ती है। माननीय मुख्य मंत्री जी जैसे ही लखनऊ में पहुंचे तो सारे अधिकारियों को बुलाकर उन्होंने यह कहने का काम किया कि हमारी कमर टूट गयी। उनको समझ में नहीं आ रहा था कि हम रोड पर चल रहे हैं या गड्ढे में। यह सरकार फर्जी गड्ढामुक्ति के नाम पर करोड़ों-करोड़ों रुपये वसूलने का काम कर रही है। मैं अपने विधान सभा क्षेत्र की बात करूँ तो कालूपुर से लेकर युवराजपुर तक सड़क अति जर्जर हो गयी है। मैं आपके माध्यम से सरकार से मांग करता हूं। कि उस सड़क के चौड़ीकरण कराने का काम करें। जंगीपुर लावां मोड़ से ले करके रायपुर तक चौड़ीकरण का काम, भड़सर से जयरामपुर होते हुए इनवा मोड़ तक चौड़ीकरण का काम, विरनो गोपालापुर से रायपुर नहर तक चौड़ीकरण का काम, मरदह से जलालाबाद तक चौड़ीकरण का काम, विरनो थाना से कहोतरी होते हुए बौरी तक चौड़ीकरण का काम, मदारपुर से कहोतरी चट्टी तक चौड़ीकरण का काम करें। चकताजूद्दीनपुर में एक पुल की आवश्यकता है। माननीय अधिष्ठाता महोदय मैं आपसे चाहता हूं कि सरकार का इस पर ध्यान आकृष्ट करने का काम करे। दूसरी तरफ स्वास्थ्य के क्षेत्र में जब माननीय मुख्य मंत्री, श्री अखिलेश यादव जी थे तो उन्होंने गाजीपुर जनपद में 300 बेड का हास्पिटल देने का काम किया था लेकिन आज उसकी इतनी बुरी दुर्दशा है कि न तो वहां डाक्टर है और न दवा है। मरीज अगर वहां जायेगा तो निश्चित रूप से गाजीपुर से बनारस रिफर हो जायेगा। आज हर व्यक्ति को स्वास्थ्य की आवश्यकता है। अगर आपका ध्यान सरकार की तरफ होगा तो निश्चित रूप से मैं कह सकता हूं कि गाजीपुर जनपद में स्वास्थ्य के क्षेत्र में आज जो हालात हैं, बहुत ही जर्जर हैं, बहुत ही खराब हैं। दूसरी तरफ कृषि के क्षेत्र में मैं कहना चाहता हूं कि सरकार दावे करती है कि हम किसान की आय दुगना करने का काम करेंगे लेकिन आज हालत यह हो गयी है कि किसान को अपनी लागत का मूल्य नहीं मिल पा रहा है। जब किसान अपने खेतों में जाता है तो सुबह से लेकर रात तक अपने खेतों की मेड़बन्दी करने का काम करता है। लाठी और डण्डा लेकर उस गौवंश की सुरक्षा करने का काम करता है। सरकार उस पर तनिक भी गम्भीर नहीं है अगर गौवंश की सुरक्षा की बात यह भारतीय जनता पार्टी की सरकार करे तो निश्चित रूप से अच्छा होगा। आज जिस तरीके से भारतीय जनता पार्टी गौवंश की बात करती है, गाय की रक्षा की बात करती है लेकिन दूसरी तरफ उन्हीं गायों का सड़कों पर एक्सीडेन्ट हो जाने पर उन्हें कोई उठाने वाला नहीं है। आज किसान परेशान है और किसान जब परेशान है तो कहीं-न-कहीं अपनी बात वह हम लोगों के माध्यम से आपके सामने रखने का काम कर रहा है। जिस तरीके से अपराध का ग्राफ लगातार बढ़ता जा रहा है और कहीं-न-कहीं लूट, हत्या, डकैती, बलात्कार लगातार होने से इस प्रदेश के अन्दर गुण्डराज हो गया है। आज गाजीपुर

जनपद में एक समाज के व्यक्ति ने गहमर में यादवों के ऊपर लाठीचार्ज कर उनको मारने का काम किया, वहां न्याय होना चाहिए, कल ही मौत हुई है। यादव समाज के भाईयों के ऊपर एक ऐसे बाहुबली समाज के लोगों ने उसके दरवाजे पर जाकर मारने का काम किया है, हत्या करने का काम किया है। सरकार इसको गम्भीरता से लेने का काम करे। आज अपराध का ग्राफ लगातार बढ़ रहा है। माननीय नेता विरोधी दल की बातों पर बल देते हुए मैं अपनी वाणी को विराम दूंगा। बहुत-बहुत धन्यवाद।

श्री अधिष्ठाता-

मा0 त्रिवेणी राम जी अपनी बात रखें।

श्री त्रिवेणी राम-

माननीय अधिष्ठाता महोदय, आपको बहुत-बहुत धन्यवाद। आपने मुझे महामहिम राज्यपाल के अभिभाषण में संशोधन पर बोलने का अवसर दिया। यह सरकार पिछड़ों का ध्यान सी0ए0ए0, एन0आर0सी0 पर कराकर शिक्षा, स्वास्थ्य, बेरोजगारी, महंगाई, हत्या, लूट, बलात्कार से ध्यान भटकाना चाहती है। माननीय राज्यपाल जी का यह अभिभाषण झूठ का पुलिन्दा है। भारतीय जनता पार्टी द्वारा नारा दिया गया सबका साथ, सबका विकास और सबका विश्वास। मैं आपके माध्यम से सदन को बताना चाहता हूं कि कल माननीय ओम प्रकाश राजभर जी जो सुहेलदेव भारतीय समाज पार्टी के नेता हैं, जब वह सदन में अपना वक्तव्य दे रहे थे और 4 मिनट 24 सेकेण्ड के बाद लाइव टेलीकास्ट को रोक दिया गया, यह निन्दनीय है। इसलिये रोका गया कि उनकी लोकप्रियता को देखते हुये यह भारतीय जनता पार्टी की सरकार घबरा गयी है और वह उनकी आवाज को गरीबों, दलितों और पिछड़े समाज तक नहीं पहुँचने देना चाहती है। दूसरी तरफ इसमें प्रधानमंत्री ग्रामीण आवास योजना की बात कही गयी है। मैं बताना चाहता हूँ आज मेरे पास यहां मोबाइल में फोटो है। गया जहूराबाद विधान सभा क्षेत्र में एक सनेहुआ गांव है वहां हमने आवास की हालत देखी है। वहां एक रंभा देवी नाम की, जो राजभर समाज से है, उसके पति की मृत्यु हो चुकी है, उसके छोटे-छोटे चार बच्चे हैं, कोई चार वर्ष का है, पांच वर्ष से ऊपर कोई नहीं है। वह वहां प्लास्टिक डालकर रह रही है। मैं उसके आवास के सम्बन्ध में जिलाधिकारी महोदय, सी0डी0ओ0 और डी0पी0आर0ओ0 से आग्रह किया, लेकिन उसका आज तक आवास नहीं बन पाया। उसी तरह से मेरे क्षेत्र में ऐसे-ऐसे गरीब लोग हैं जो आवासविहीन हैं, झोपड़ी में रहते हैं, उनकी स्थिति ऐसी भी नहीं है कि वह अपना झप्पर भी डाल सकें। वहीं माननीय अधिष्ठाता जी प्रधानमंत्री उज्जवला योजना की बात चल रही है, मैं मानता हूँ कि उज्जवला योजना के तहत खैरात में गैस सिलेण्डर बांटा गया लेकिन हालत यह है कि सरकार ने कभी यह दिखवाने का काम नहीं किया कि क्या वह लोग गैस सिलेण्डर यूज कर रहे हैं, उस पर खाना बना रहे हैं। इतनी महँगाई हो गयी है कि 2016-17 में 410 से 415 रुपया में 14 किलो 200 ग्राम का सिलेण्डर मिलता था, आज वही सिलेण्डर 932 रुपये का हो

गया है। गरीब मजदूर व्यक्ति उस सिलेण्डर को घर में रख दिया है और फिर वही पुरानी हालत उसके सामने पैदा हो गयी है और वह फिर लकड़ी और घासफूस पर खाना बनाने को मजबूर है। इसमें प्रधानमंत्री सहज बिजली योजना सौभाग्य की बात भी कही गयी है इसमें यह मैं मानता हूँ कि फ्री का कनेक्शन तो दिया गया लेकिन देने के बाद सरकार ने कभी यह दिखवाने का काम नहीं किया कि क्या उसके घर में बल्ब जल रहा है, उसके घर में पंखा चल रहा है, वहां लाइट जा रही है कि नहीं। ऐसे-ऐसे परिवार हैं जिनके घर में अभी लाइट नहीं जली है, कनेक्शन झोपड़ी पर लटका दिया गया है, घर की कच्ची दीवार पर लटका दिया गया है। लाइट जल नहीं रही है और उसका बिल 10-10, 20-20 हजार रुपया आ रहा है। मान्यवर, 2016-17 में 226 रुपया प्रतिमाह बिजली की दर थी, आज लाइट और पंखे का 525 रुपया प्रतिमाह हो गया है। यह स्थिति है और सरकार वाहवाही लूट रही है और अपनी पीठ थपथपा रही है। दूसरी तरफ मैं बताना चाहता हूँ कानून व्यवस्था पर मैं खुद भुक्तभोगी हूं मैं एक दिन तहसील में गया था वहां पर 25-30 की संख्या में अधिवक्ता लोग थे उन्होंने आकर मुझसे कहा कि विधायक जी यह वकील साहब के ऊपर फर्जी मुकदमा लादा जा रहा है और एस0ओ0 से हम लोग बात कर रहे हैं तो वह सुन नहीं रहे हैं। आप थोड़ा कह दीजिये तो मैनें चार बार एस0ओ0 को फोन किया लेकिन चार बार फोन करने के बाद एक बार भी एस0ओ0 महोदय ने फोन रिसीव नहीं किया उसके बाद हम कहें कि आप लोग चलिये, मैं उसके पास चल रहा हूं।

श्री अधिष्ठाता-

अब समाप्त करिये।

श्री त्रिवेणी राम-

वहां जाने के बाद जब एस0ओ0 को बुला रहे हैं तो वह कह रहे हैं कि आओ अंदर, जैसे चपरासी को बुला रहे हैं। वहीं बैठे-बैठे जब कप्तान महोदय से कहा तो कप्तान महोदय ने जब एस0ओ0 से कहा तो वह आकर बात सुने उसके बाद भी वह फर्जी मुकदमा कर दिये। दूसरी तरफ मैं कहना चाहता हूं माननीय अध्यक्ष जी, जनपद गाजीपुर के थाना-मरदह के अन्तर्गत ग्राम बोगना है, वहां 13-01-2020 को मंजू देवी पत्नी धन्नू राम की लड़की के साथ छेड़खानी होती है और उसके बाद एफ0आई0आर0 नहीं होती है। मेरे दबाव में एफ0आई0आर0 हुई, लेकिन एफ0आई0आर0 होने के बाद भी आज तक गिरफ्तारी नहीं हुई।

श्री अधिष्ठाता-

आपका विषय आ गया है। अब समाप्त करिए।

श्री त्रिवेणी राम-

मान्यवर, मैं एक बात और कहना चाहता हूं। मैं अपने क्षेत्र की कुछ समस्याओं को बताना चाहता हूं, उसे दो मिनट सुन लीजिए। एक व्यवस्था का मामला है।

श्री अधिष्ठाता-

अब आप समाप्त कर दीजिए। भाषण में व्यवस्था मत लाइये, भाषण में व्यवस्था का प्रश्न नहीं उठता है।

श्री त्रिवेणी राम-

मान्यवर, बस दो मिनट में मैं अपनी बात कह लूँगा। इस सदन में 403 माननीय सदस्य हैं। चुनाव जीतने के बाद जब आते हैं तो सरकार उनके लिए आवास, पानी, टेबिल आदि की व्यवस्था करती है और वह सुविधा सभी माननीय सदस्यों के लिए है। लेकिन जो सुहेलदेव भारतीय समाज पार्टी के विधान मण्डल दल के नेता हैं, श्री ओम प्रकाश राजभर जी, उनके लिए आज तक आवास की व्यवस्था नहीं की गई है।

श्री अधिष्ठाता-

ठीक है, आपकी बात आ गयी, अब समाप्त करिये, अब बैठ जाइये।

श्री त्रिवेणी राम-

मान्यवर, मैं अपने क्षेत्र की गड्ढायुक्त सड़कों के बारे में आपके माध्यम से सरकार को बताना चाहता हूँ। सिखड़ी से केशरूआ होते हुए धर्मागतपुर तक 06 कि0मी0 सड़क गड्ढे में तब्दील है, उसकी मरम्मत कराने की जरूरत है। इसी तरह मुड़ियारी से हुरमुजपुर हाल्ट तक 5 कि0मी0, यह सड़क भी गड्ढे में तब्दील हो गयी है। वैरक से अकबरपुर होते हुए सलेमपुर वघई तक की सड़क भी गड्ढे में तब्दील है।

श्री अधिष्ठाता-

अब आपकी बात हो गयी।

श्री त्रिवेणी राम-

मान्यवर, इसी तरह कड़जी से हुसनपुर सम्पर्क मार्ग है, नायकड़ीह से झोराटी होते हुए मऊ वार्डर तक की सड़क पर 03 वर्ष पहले गिट्टी पड़ गयी थी, लेकिन वह भी अभी छूटा पड़ा है। परसपुर से जौहरपुर (नसुलहा तक), खड़उड़ा नहर से कुन्दनपुर होते हुए कोठिया शंकरपुर तक और दुल्लहपुर पावर हाउस से चुरामनपुर होते हुए, वीर अब्दुल हमीद पार्क तक की सड़क जर्जर हो गयी है। माननीय अधिष्ठाता जी, आपने मुझे बोलने का अवसर दिया, इसके लिए आपको बहुत-बहुत धन्यवाद। अब मैं अपनी वाणी को विराम देता हूं, धन्यवाद।

श्री अधिष्ठाता-

अब श्रीमती राजबाला जी।

***श्रीमती राजबाला-**

माननीय अधिष्ठाता जी, बहुत-बहुत धन्यवाद। आपने मुझे माननीय राज्यपाल महोदया जी के अभिभाषण के धन्यवाद प्रस्ताव पर, जो डा0 मंजू शिवाच जी ने प्रस्तुत किया है, उसके समर्थन में बोलने का अवसर प्रदान किया। माननीय अधिष्ठाता जी, हमारी प्रदेश सरकार, माननीय योगी आदित्यनाथ जी के नेतृत्व में उत्तर प्रदेश को उत्तम प्रदेश बनाने का कार्य निरन्तर कर रही है। प्रदेश के सभी वर्गों के सर्वांगीण विकास के लिए 'सब का साथ और सबका विकास' की जो नीति अपनाई है, उसी से हमारी सरकार ने सबका विश्वास भी जीता है। माननीय अधिष्ठाता जी, सरकार द्वारा विभिन्न योजनायें चलाई जा रही हैं, जिसका लाभ सभी वर्गों को बिना किसी भेदभाव के दिया जा रहा है। माननीय अधिष्ठाता जी, हमारा उत्तर प्रदेश आज प्रथम स्थान पर है। हमारे प्रदेश में जितनी भी योजनायें चलाई जा रही है। उन सभी में हमारे उत्तर प्रदेश ने प्रथम स्थान प्राप्त किया है। प्रधानमंत्री ग्रामीण/शहरी आवास योजना में गरीबों के सिर पर छत देने में, गन्ना मूल्य का भुगतान करने में, प्रधानमंत्री उज्ज्वला योजना में बहनों को सिलेण्डर देने में व निःशुल्क गैस कनेक्शन देने में, ग्रामीण क्षेत्रों में शौचालय बनवाने में, शौचालय योजना में, सौभाग्य योजना में घर-घर में बिजली पहुंचाने में, प्रधानमंत्री जीवन ज्योति योजना, आम आदमी योजना से भविष्य सुरक्षित करने में, सूक्ष्म, लघु व मध्यम उद्योगों की स्थापना करने में, दूध, चीनी, गन्ना, आम उत्पादन में, सभी में हमारे प्रदेश ने प्रथम स्थान प्राप्त किया है। माननीय अधिष्ठाता जी, शिक्षा के क्षेत्र में हमारी प्रदेश सरकार का काम सराहनीय है। प्रदेश भर में 'स्कूल चलो अभियान' चलाकर शिक्षा के प्रति जागरूक करने का काम हमारी प्रदेश सरकार ने किया है। जिससे छात्रों की नामांकन संख्या में 2019-20 का जो शैक्षिक सत्र है, उसमें 1 करोड़ 80 लाख तक संख्या पहुंची है। शिक्षा की रोशनी प्रत्येक बच्चे को मिले, कोई भी इससे वंचित न रहे, यह हमारी सरकार का लक्ष्य है। 15 हजार प्राथमिक विद्यालयों को अंग्रेजी माध्यम में परिवर्तित करके विद्यालयी शिक्षा के स्तर को सुधारने का काम किया है। आज हमारे प्राथमिक विद्यालय भी अंग्रेजी विद्यालयों की तर्ज पर चल रहे हैं। माननीय अधिष्ठाता जी, पिछली सरकारों में परीक्षाओं में नकल माफियाओं का मकड़जाल फैला रहता था, समूह बनाकर नकल कराई जाती थी। इससे जो हमारे मेहनत करने वाले छात्र हैं, उनके साथ में अन्याय होता था। इस अन्याय को हमारी प्रदेश सरकार ने खत्म किया है। इसके लिए मैं बहुत-बहुत सराहना करती हूं कि जो छात्र पूरे साल मेहनत से पढ़ाई करते हैं, उनके साथ में न्याय किया है। उच्च शिक्षा के प्रचार-प्रसार के लिए तीन नये राजकीय विद्यालयों तथा 49 नये राजकीय महाविद्यालयों की स्थापना की जा रही है। माननीय अधिष्ठाता जी, मेरी विधान सभा क्षेत्र के लिए भी माननीय मुख्य मंत्री जी ने एक डिग्री कॉलेज दिया है, उसके लिए मैं उनका बहुत-बहुत आभार व्यक्त करती हूं।

माननीय अध्यक्ष जी, हमारे विधान सभा क्षेत्र में दो तहसीलें हैं और दोनों की दूरी लगभग 40 से 45 किलोमीटर की है। मैं इसके लिए माननीय मुख्य मंत्री जी से अपने क्षेत्र की

---

* वक्ता ने भाषण का पुनर्वीक्षण नहीं किया।

बेटियों के लिए एक और डिग्रीकॉलेज की मांग करती हूं जिससे क्षेत्र की बेटियों को शिक्षा प्राप्त करने के लिए लम्बी दूरी तय न करनी पड़े तथा पास में उन्हें डिग्री कॉलेज मिल जाय इससे उन्हें शिक्षा ग्रहण करने में सुविधा होगी। मान्यवर, माननीय मुख्य मंत्री जी द्वारा चलायी गयी कन्या सुमंगला योजना वास्तव में मंगल करने वाली योजना है। माननीय अध्यक्ष जी, हमारी प्रदेश सरकार ने गरीब व्यक्तियों के जन्म से लेकर उनके पालन-पोषण एवं विवाह सभी की जिम्मेदारी ली है। माननीय मुख्य मंत्री जी द्वारा सामूहिक विवाह का जिस तरह का आयोजन जिले में कराया जाता है, लोगों का विवाह कराया जाता है वह सराहनीय है। माननीय अध्यक्ष जी, जब हमारी सरकार की बात चलती है तो कानून-व्यवस्था की बात जरूर चलती है। हमारे मुख्य मंत्री जी ने जबसे पदभार संभाला है तबसे कानून-व्यवस्था में जो सुधार हुआ है वह देखने लायक है। इससे पहले कितनी बिगड़ी कानून-व्यवस्था थी उसे सब जानते हैं। मैं रामपुर जिले से आती हूं इसलिए मैं इसका जिक्र जरूर करना चाहूंगी, यहां पर जितने भी माननीय सदस्य बैठे हुए हैं जहां तक मेरा ख्याल है वह सब रामपुर के बारे में जानते होंगे। रामपुर में सपा के एक नेता ने हमारे दलितों, गरीबों की भूमि पर कब्जा किया हुआ था, इससे सभी परिचित होंगे। जब हमारे मुख्य मंत्री जी ने इसका संज्ञान लिया तब जाकर हमारे दलितों और गरीबों की जमीनों को वापस करने का काम शुरू किया गया। वह लोग इतने डरे हुए रहते थे कि वह किसी से शिकायत भी नहीं कर पाते थे कि हां हमारी जमीन छीन ली है। इस डर के माहौल को खत्म करने का काम हमारे माननीय मुख्य मंत्री जी ने किया है इसके लिए मैं मा0 मुख्य मंत्री जी की बहुत सराहना करती हूं, तहेदिल से धन्यवाद करती हूं वहां के जो निवासी हैं जो प्रताड़ना में रहते थे उनकी ओर से भी धन्यवाद मैं माननीय मुख्य मंत्री जी को देना चाहती हूं। माननीय अध्यक्ष जी, हमारे क्षेत्र की कुछ समस्याएं हैं उनको मैं आपके सामने रखना चाहती हूं। हमारे विधान सभा क्षेत्र में बस अड्डे की बहुत आवश्यकता है। हमारे यहां दो तहसीलें हैं दोनों में कहीं भी बस अड्डा नहीं है जो हमारे क्षेत्रवासी हैं वह गर्मी, सर्दी, बरसात में चौराहों पर खड़े रहते हैं, बस का इन्तजार करते हैं इसके लिए मैं आपसे संरक्षण चाहती हूं और अपने विधान सभा क्षेत्र के निवासियों के लिए बस अड्डे की मांग करती हूं। हमारी विधान सभा क्षेत्र में तहसील मिलक है, वहां मैं आर0ओ0बी0 की मांग करती हूं क्योंकि वहां अक्सर मालगाड़ी आकर खड़ी हो जाती है और जो रेलवे लाइन है वह आबादी के बीच से होकर निकलती है और जब मालगाड़ी खड़ी हो जाती है तो उसके नीचे से छोटे बच्चों, महिलाओं को, किसानों को निकलना पड़ता है जो कि बहुत ही खतरनाक है, इसलिए मैं वहां पर ओवरब्रिज बनाये जाने की मांग करती हूं। हमारे क्षेत्र में माननीय मुख्य मंत्री जी ने बहुत कुछ दिया है, एक विद्यालय दिया है, दो फायर स्टेशन दिये हैं और पांच करोड़ रुपए भी दिये थे जिससे मैंने सड़कें बनवाई हैं।

श्री अधिष्ठाता-

कृपया समाप्त करें।

***श्रीमती राजबाला-**

माननीय अधिष्ठाता जी, हमारी प्रदेश सरकार ने शिक्षा के क्षेत्र में, स्वास्थ्य के क्षेत्र में बहुत काम किया है, विद्युतीकरण के क्षेत्र में बहुत काम किया है। माननीय अध्यक्ष जी, मैं महामहिम राज्यपाल जी के अभिभाषण पर प्रस्तुत धन्यवाद प्रस्ताव का समर्थन करते हुए अपनी बात को समाप्त करती हूं, धन्यवाद।

(मा0 जटा शंकर त्रिपाठी का नाम पुकारे जाने एवं उनके अनुपस्थित रहने पर माननीय सदस्या श्रीमती गरिमा सिंह जी का नाम पुकारा गया।)

श्रीमती गरिमा सिंह-

माननीय अध्यक्ष जी, आपने इस सम्मानित सदन में बोलने का अवसर दिया इसके लिए मैं आपके प्रति आभार व्यक्त करती हूं, अभिवादन करती हूं। महामहिम के अभिभाषण पर जो धन्यवाद प्रस्ताव डॉ0 मन्जू शिवाच जी ने प्रस्तुत किया है मैं उसका समर्थन करती हूं।

रहिमन पानी राखिये, बिन पानी सब सून।
पानी गये न ऊबरे, मोती मानुस चून।।

जल ही जीवन है, जल जीवन का आधार है, जल के बिना जीवन की कल्पना असम्भव है। बढ़ते जल संकट को ध्यान में रखते हुए एवं उसके महत्व के समझते हुए केन्द्र सरकार की तरह उत्तर प्रदेश सरकार द्वारा जल शक्ति विभाग का गठन किया गया है। वर्तमान में 74 हजार 659 किलोमीटर लम्बी नहर प्रणालियों, हजारों राजकीय नलकूपों, पम्प नहरों, लघु नहरों, निःशुल्क बोरिंग एवं जलाशयों से लगभग 98.48 लाख हेक्टेयर भूमि सिंचित हो रही है। वर्षों से अधूरी पड़ी बाण गंगा सागर, पहुज बांध, पहाड़ी बांध, पथराई बांध, लहचूरा बांध, गुंटा बांध, मौदहा बांध तथा जमरान बांध आदि परियोजनाओं को पूरा किया गया है। इन परियोजनाओं के पूर्ण होने से लाखों किसानों का भला हुआ है, सरकार का यह बृहद् कार्य किसानों के प्रति उनकी सच्ची निष्ठा को दर्शाता है। इसके साथ ही सरकार द्वारा प्रदेश की 14 अन्य परियोजनाओं को पूर्ण करने का कार्य किया जा रहा है, जिससे भविष्य में लाखों हेक्टेयर अतिरिक्त सिंचाई क्षमता का सृजन होगा। 'ड्रिप स्प्रिंकलर सिंचाई योजना' से लाखों किसानों के खेत सिंचित हो रहे हैं। मा0 मुख्य मंत्री जी के निर्देशन में जल शक्ति विभाग द्वारा वर्षों से चोक माइनरों और नहरों के टेल तक सफाई द्वारा किसानों को समय से जल उपलब्ध कराने का कार्य किया गया है। इससे किसान आसानी से अपनी फसलों की सिंचाई कर सकेंगे। मेरी सरकार द्वारा 'जल जीवन मिशन' आरम्भ किया गया है। 'नीर निर्मल योजना', 'राज्य ग्रामीण पेयजल योजना' पर कार्य चल रहा है। इन योजनाओं द्वारा हर घर में शुद्ध जल उपलब्ध कराया जा सकेगा। 'मुख्य मंत्री आरोग्य पेयजल योजना' के तहत परिषदीय प्राथमिक या

* वक्ता ने भाषण का पुनर्वीक्षण नहीं किया।

उच्च प्राथमिक विद्यालयों में 'अल्ट्रा फिल्टरेशन तकनीक' पर आधारित जल संशोधन संयत्र स्थापित किये गये हैं। बुन्देलखण्ड व विन्ध्य क्षेत्र के जनपदों के जल संकट को दूर करने के लिए 545 पेयजल योजनाएं तैयार की गयी हैं, जिनमें मार्च, 2020 तक कार्य प्रारम्भ कर दिया जायेगा। बुन्देलखण्ड में खेतों में हजारों संख्या में तालाबों का निर्माण कराया गया है और इस वर्ष फिर अधिक संख्या में तालाबों का निर्माण प्रस्तावित है। प्रदेश के संकटग्रस्त 271 विकास खण्डों में, 22 शहरों में 'राज्य भू-जल संरक्षण मिशन' प्रारम्भ किया गया है, जिसमें 'वर्षा जल संचयन' एवं 'भू-जल रिचार्ज' प्रयोग में लाया जायेगा। माननीय प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी जी की प्रेरणा से मां गंगा की अविरलता, निर्मलता संरक्षण सुनिश्चित करना, अध्यात्म संस्कृति की रक्षा, जनसहभागिता तय करना। जब गंगा आधारित सतत् आर्थिक विकास को भी जनपद बिजनौर से कानपुर एवं बलिया से कानपुर तक 1,358 किमी0 गंगा यात्रा का आयोजन किया गया है। यह गंगा यात्रा 27 जनपदों, 21 नगर निकायों, 1029 ग्राम पंचायतों से यात्रा करते हुए पांच दिनों में सम्पन्न हुई। गंगा यात्रा से जुड़े 26 विभागों द्वारा कार्यक्रम समारोह आयोजित हुए हैं तथा सरकार की योजनाओं के अन्तर्गत बड़ी संख्या में लाभार्थियों को लाभान्वित भी किया गया है। आज के समय में जागरूक बनकर जल को संरक्षित करना है, अपने भारतीय संस्कृति की रक्षा करना है और प्रदूषण से अपने प्रदेश को बचाना है। भू-जल दोहन से अपने प्रदेश की रक्षा करनी है, भू-जल स्तर अपने सामान्य स्थिति में रहे। प्रत्येक व्यक्ति तक स्वच्छ पेयजल उपलब्ध कराने हेतु सरकार कटिबद्ध है। हमारे देश के दो महापुरुष महात्मा गांधी और लाल बहादुर शास्त्री जी का एक स्वच्छ भारत का सपना था। उस स्वच्छ भारत के सपने को साकार करने के लिए हमारी केन्द्र एवं राज्य सरकार ने स्वच्छता का जो संकल्प लिया है, उस संकल्प को सिद्धी तक पहुंचाने के लिए हमारे यशस्वी प्रधानमंत्री जी ने स्वच्छ भारत का नारा दिया है, और कर्मयोगी मुख्य मंत्री जी ने स्वच्छ उत्तर प्रदेश का नारा दिया है। इसी स्वच्छता के लिए कटिबद्ध होकर अनेकों योजनाओं द्वारा निरन्तर कार्य किया जा रहा है। विभिन्न कार्यक्रमों द्वारा समाज को स्वच्छता के प्रति जागरूक किया जा रहा है। उत्तर प्रदेश में 2 करोड़ 61 लाख इज्जत घरों का निर्माण हुआ है और उत्तर प्रदेश ने देश में प्रथम स्थान प्राप्त किया है। स्वच्छता के इस विषय पर मा0 महोदय मैं आपसे विनती करना चाहूंगी कि जैसे हर नगर पंचायत, नगर पालिका और नगर निगम को स्वच्छ रखने के लिए सरकार की ओर से जो संसाधन उपलब्ध कराये जाते हैं, ठीक उसी तरह ग्रामीण अंचल के लिए भी उन संसाधनों को उपलब्ध कराया जाये। ऐसे में ग्रामीण भी शिक्षित होंगे कि कचरा उन्हें कहां और कैसे फेंकना है ? साथ ही साथ मा0 अधिष्ठाता महोदय, मैं आपसे यह भी प्रार्थना करना चाहती हूं कि हर जनपद के लिए 'वेस्ट सेग्रीगेशन' और 'वेस्ट डिस्पोजल' अवशिष्ट प्रबन्धन और अवशिष्ट निष्पादन का स्थान चिन्हित कर सुनिश्चित किया जाये।

श्री अधिष्ठाता-

अब आप अपना भाषण समाप्त कीजिए।

श्रीमती गरिमा सिंह-

मा0 अधिष्ठाता महोदय, थोड़ा सा समय और लूंगी। हमारे मुख्य मंत्री द्वारा 'आयुष्मान योजना' के अन्तर्गत भारी लाभ पहुंचाया जा रहा है। 'मुख्य मंत्री जन आरोग्य योजना' के अन्तर्गत 10 लाख 56 हजार परिवारों को सालाना 5 लाख की निःशुल्क चिकित्सा सुविधा प्रदान की जा रही है। प्रदेश में सहज चिकित्सा हेतु सचल एम्बुलेन्स सेवा के माध्यम से असमर्थ ग्रामीणों तक स्वास्थ्य सेवा पहुंचायी जा रही है। हमारी विधान सभा क्षेत्र अमेठी में भी नये आयुष अस्पताल का निर्माण हो रहा है, जिसके लिए मैं सरकार को धन्यवाद देती हूं। अमेठी के सामुदायिक स्वास्थ्य केन्द्र में नये ओ0पी0डी0 का निर्माण हो रहा है। राष्ट्रीय स्वास्थ्य मिशन के अन्तर्गत इस वर्ष अमेठी में अभी तक लगभग 400 मोतियाबिन्द के सफल ऑपरेशन हो चुके हैं तथा लगभग 2000 व्यक्तियों को परीक्षणोपरान्त दवाई लिखी गयी है।

श्री अधिष्ठाता-

अब समाप्त करिये।

श्रीमती गरिमा सिंह-

हमारी सरकार ने स्वच्छता, जल-संचयन, पर्यावरण संरक्षण जैसे विषयों पर अत्यन्त महत्वपूर्ण व हितकारी कदम उठाये हैं और आज के समय के दृष्टिगत नई योजनाओं से लगातार प्रदेशवासियों को लाभान्वित कर रही है। मुझे विश्वास है कि तालाबों पर अतिक्रमण और पेड़ों की कटान की प्रथा को रोकने के लिए सरकार गम्भीर उपाय करेगी..

श्री अधिष्ठाता-

अब समाप्त करिये, बैठ जाइये।

श्रीमती गरिमा सिंह-

और ग्रामीणों को जागरूक करेगी तथा इसके लिए बने कानूनों को सख्ती से लागू करेगी।

श्री अधिष्ठाता-

अब बैठ जाइये।

श्रीमती गरिमा सिंह-

मान्यवर, आप सबको बहुत-बहुत धन्यवाद, आभार। जय हिन्द।

श्री कारिन्दा सिंह-

माननीय अधिष्ठाता महोदय, मैं आपको बहुत-बहुत धन्यवाद देता हूं कि आपने मुझे बोलने का अवसर दिया। हमारे विपक्ष के द्वारा जो कहा जाता है कि प्रदेश में जंगलराज है, कहीं भी कानून-व्यवस्था नहीं है, मैं उनको बता देना चाहता हूं कि उनके समय में पहले हर

चौराहों पर जो गुण्डागर्दी होती थी, थाने उनके द्वारा चलाये जाते थे, आज कहीं भी गुण्डागर्दी और गुण्डे कहीं भी दिखायी नहीं दे रहे हैं। सब जगह बढ़िया काम हो रहा है। मैं आपको सिंचाई के बारे में बताना चाहता हूं कि पहले कभी भी पानी टेल तक नहीं पहुंचता था, किसानों की खेती सिंचाई के बगैर रह जाया करती थी परन्तु आज किसान खुशहाल है क्योंकि सिंचाई के लिए हर खेत को पानी मिल रहा है और टेल तक पानी पहुंच रहा है। पहले भी नहरों की सफाई व सिंचाई के लिए सरकार के द्वारा पैसा दिया जाता था लेकिन कहीं काम दिखायी नहीं देते थे किन्तु आज नहरों की समुचित सफाई हो रही है और टेल तक पानी पहुंचाया जा रहा है। फसलों की खरीद पहले कभी इतनी नहीं होती थी किन्तु आज फसलों की खरीद के लिए सरकार के द्वारा व्यवस्था की जा रही है। शिक्षा के क्षेत्र में देखा जाए तो पहले नकल का बोलबाला रहता था, शिक्षा माफियाओं के द्वारा नकल करायी जाती थी और युवाओं का जीवन बर्बाद हो रहा था हमारी सरकार ने उस पर अंकुश लगाया है और नकल विहीन परीक्षायें करायी जा रही हैं जिसका पूरे प्रदेश में अच्छा संदेश गया है। पहले नौकरियां जाति के आधार पर या दूसरी व्यवस्था के आधार पर मिलती थीं लेकिन पहली बार देखा जा रहा है कि नौकरियों में पारदर्शिता है और बिना पैसे, बिना जाति-धर्म के, बिना भेदभाव के युवाओं को योग्यता के आधार पर नौकरी मिल रही है। माननीय अधिष्ठाता महोदय, स्वास्थ्य के बारे में कहना चाहता हूं कि पहले गरीब अपना इलाज धनाभाव के कारण नहीं करा पाते थे आज उनके लिए आयुष्मान भारत योजना लागू की गयी है उसके द्वारा वह 5 लाख रुपये तक का इलाज करा सकते हैं। यह व्यवस्था हमारी सरकार द्वारा पहली बार की गयी है। श्रमिकों के लिए हमारी सरकार द्वारा शिविर आयोजित करके उनके रजिस्ट्रेशन कराये जा रहे हैं, उनके परिवार में इससे भी खुशहाली आयी है। मैं इसी के साथ अपने क्षेत्र के बारे में कहना चाहता हूं कि मेरा विधान सभा क्षेत्र गोवर्धन है जहां भारतवर्ष में सबसे ज्यादा पर्यटक परिक्रमा करने/दर्शन करने आते हैं। उसके लिए मथुरा से गोवर्धन जाने के लिए तीन साल से सड़क रुकी पड़ी हुई है उसका तुरन्त निर्माण कराया जाये क्योंकि अधिकमास आने वाला है। गोवर्धन क्षेत्र में फायर ब्रिगेड की भी व्यवस्था की जाए क्योंकि वह एक ऐसा स्थल है और वहां कोई भी अग्निकांड की घटना हो जाती है तो मथुरा से फायर ब्रिगेड बुलायी जाती है। इसी के साथ हमारे क्षेत्र में एक नई तहसील का निर्माण हुआ है उस तहसील का भवन अभी तक नहीं बन पाया है, मैं चाहूंगा कि उस तहसील भवन को भी अतिशीघ्र बनाया जाये और वहां पर रजिस्ट्री ऑफिस की व्यवस्था भी तुरन्त की जाए। गोवर्धन में जो परिक्रमा करने के लिये बाहर से लोग आते हैं। उसमें एक अर्डींग से मुखराई तक रास्ते का निर्माण कराया जाय इससे मथुरा-गोवर्धन रोड का लोड कम हो जायेगा। इसी के साथ मैं एक ओर और ध्यान दिलाना चाहता हूं मेरे क्षेत्र में लगभग 80 परसेन्ट खारा पानी है। उस खारे पानी के कारण वहां पीने के पानी की भी दिक्कत है। 4-5 किमी0 दूर से टैंकरों से पानी आता है। मैं चाहूंगा कि उस क्षेत्र में पीने के पानी की व्यवस्था की जाय और जो सड़कें वैसे तो हमारे माननीय मुख्य मंत्री जी ने पहले जो गड्ढायुक्त

सड़कें थीं उनको गड्ढामुक्त कर दिया गया है। (मेजों की थपथपाहट) क्षेत्र में विकास के कार्य किये जा रहे हैं। गोवर्धन एक ऐसा तीर्थ स्थल है, उसके लिये मैं चाहूंगा कि इन सब बिन्दुओं का विशेष ध्यान दिया जाय।

***श्रीमती लीना तिवारी-**

आदरणीय अधिष्ठाता महोदय, आपने मुझे महामहिम राज्यपाल महोदया के अभिभाषण पर अपना वक्तव्य प्रस्तुत करने का अवसर दिया, मैं आपके प्रति धन्यवाद ज्ञापित करती हूं। यह सर्वविदित है कि उत्तर प्रदेश भारत की पुरातन एवं सांस्कृति का पोषक एवं संरक्षक है। प्रधानमंत्री ग्रामीण व शहरी विकास योजना, प्रधानमंत्री उज्ज्वला योजना, ग्रामीण क्षेत्रों में शौचालय, सूक्ष्म, लघु एवं मध्यम उद्योगों की स्थापना, प्रधानमंत्री सहज बिजली योजना, प्रधानमंत्री जीवन ज्योति योजना एवं आम आदमी बीमा योजना में उत्तर प्रदेश राज्य ने देश में अपना प्रथम स्थान प्राप्त कर सबका साथ, सबका विकास और सबका विश्वास की नीति को सार्थक और मजबूत बनाया है। इसके लिये अपनी पार्टी अपना दल एस व विधान सभा क्षेत्र मड़ियांहू की समस्त सम्मानित जनता की तरफ से मैं माननीय राज्यपाल महोदया, माननीय मुख्य मंत्री जी को बहुत बहुत बधाई देती हूं और आभार प्रकट करती हूँ (मेजों की थपथपाहट) उत्तर प्रदेश सरकार ने कानून व्यवस्था को और मजबूत बनाने के लिये जीरो टालरेंस नीति अपना कर प्रदेश को अपराध मुक्त, भय मुक्त व अन्याय मुक्त कर दिया है। आदरणीय अधिष्ठाता महोदय, उत्तर प्रदेश सरकार ने पुलिस व्यवस्था को अधिक प्रभावी बनाने के लिये महानगरीय क्षेत्र में पुलिस कमिश्नर प्रणाली लागू कर प्रथम चरण में लखनऊ और गौतमबुद्धनगर से जो शुरुआत की है वह स्वागत योग्य है। आदरणीय अधिष्ठाता महोदय, उत्तर प्रदेश की अधिकतर आबादी की जीविका कृषि पर निर्भर करती है। ऐसे में उत्तर प्रदेश किसानों को डी0बी0पी0 के माध्यम से भुगतान करने वाला देश का प्रथम राज्य बना है। प्रधानमंत्री किसान सम्मान निधि के अन्तर्गत प्रदेश के 2 करोड़ 33 लाख किसान परिवारों को लाभान्वित किया गया है। आध्यात्म एवं संस्कृति के सम्वर्धन हेतु गंगा की अविरलता और निर्मलता सुनिश्चित करने के लिये जनपद बिजनौर से कानपुर एवं बलिया से कानपुर तक 1358 किमी0 तक की गंगा यात्रा का आयोजन अपने आप में कला एवं संस्कृति का संगम है। आदरणीय अधिष्ठाता महोदय, जल के बिना जीवन सम्भव नहीं है। बदले जल संकट को ध्यान में रख कर केन्द्र सरकार की तर्ज पर उत्तर प्रदेश सरकार ने जल शक्ति विभाग का गठन किया है। इसके लिये मैं माननीय मुख्य मंत्री जी को बहुत-बहुत बधाई देना चाहती हूं। उत्तर प्रदेश सरकार द्वारा जल जीवन मिशन आरम्भ किया जा रहा है जिसके अन्तर्गत 2024 तक पाइप जल योजना द्वारा हर घर जल उपलब्ध कराने का लक्ष्य रखा गया है। आदरणीय अधिष्ठाता महोदय, ग्रामीण विकास के माध्यम से देश को आत्मनिर्भर बनाना गांधी जी का सपना था। प्रधानमंत्री आवास योजना ग्रामीण में 13.75 लाख व मुख्य मंत्री आवास योजना के अन्तर्गत कुल 50740 व्यक्तियों को निःशुल्क आवास से

* वक्ता ने भाषण का पुनर्वीक्षण नहीं किया।

लाभान्वित किया जा रहा है। मान्यवर, हमारी उत्तर प्रदेश शिक्षा, स्वास्थ्य और सुरक्षा को मजबूत बनाने के लिये कृत संकल्प है। ग्रामीण अंचल में रहने वाली जनता को अधिक से अधिक चिकित्सा सुविधाएं उपलब्ध कराना हमारी सरकार की प्राथमिकता है। प्रदेश में टेलीमेडिसिन की शुरुआत की गई है जिसके अन्तर्गत दूरस्थ ग्रामों में माननीय अध्यक्ष जी, प्रदेश में टेलीमेडिसिन की शुरुआत की गयी है, जिसके अन्तर्गत दूरस्थ ग्रामों में रोगी मोबाइल फोन के माध्यम से वरिष्ठ व विशेषज्ञ चिकित्सकों का परामर्श ले सकते हैं। प्रधानमंत्री जन आरोग्य योजना के अन्तर्गत 01 करोड़ 26 लाख लाभार्थियों के परिवारों को तथा मुख्य मंत्री जन आरोग्य योजना के अन्तर्गत 10 लाख 56 हजार परिवारों को सालाना 05 लाख रुपये तक निःशुल्क चिकित्सा सुविधा का लाभ प्रदान किया जा रहा है। मेरी सरकार द्वारा नारी सशक्तीकरण संकल्प अभियान चलाया गया है। बालिकाओं के प्रति सकारात्मक सोच विकसित करने के लिए मुख्य मंत्री कन्या सुमंगला योजना का प्रारम्भ किया गया है। मुख्य मंत्री सामूहिक विवाह के अन्तर्गत निर्धन परिवार की 01 लाख से अधिक गरीब कन्याओं की शादी करायी गयी है। प्रधानमंत्री जन विकास कार्यक्रम के अन्तर्गत 42 राजकीय इण्टर कालेजों का निर्माण कार्य पूरा कराया गया है।

(इसी मध्य अपराह्न 04 बजकर 37 मिनट पर श्री अध्यक्ष पुनः पीठासीन हुये।)

इन सभी महत्वपूर्ण योजनाओं को सही ढंग से संचालित करने के लिए मैं मा0 मुख्य मंत्री जी को पुनः ढेर सारी बधाई देती हूं और मैं अपनी तरफ से इस धन्यवाद प्रस्ताव का समर्थन करती हूं। बहुत-बहुत धन्यवाद। जय हिन्द, जय भारत।

(विपक्ष के कई सदस्यों द्वारा एक साथ खड़े होकर बोलने का प्रयास करने पर घोर व्यवधान।)

श्री अध्यक्ष-

आप लोग बैठ जायें। सब लोग एक साथ बोल रहे हैं, समझ में नहीं आ रहा है।

***श्रीमती सुनीता-**

मा0 अध्यक्ष महोदय, मैं बहुत देर से सुनती आ रही हूं कि उस अभिभाषण में रामराज्य की बहुत चर्चा हुई है। यह सारा देश जानता है कि रामराज्य की शुरुआत 2014 से हो गयी थी और उसी दिन से रामराज्य की स्थापना इस देश में हो गयी है, इसका जवाब यह लोग नहीं दे पायेंगे। आज तक जिस तरह से इन लोगों ने कार्य किया है, जिस तरह से इन लोगों ने राज्य चलाया है, उसका काला चिट्ठा आज सबके सामने है। जिस तरह से किसानों के लिए काम किया गया है, यह किसी से छिपा नहीं है। हमारे यहां के किसान बुरी स्थिति में आत्महत्या कर रहे थे, लेकिन जबसे यह सरकार बनी है, किसानों की आय दोगुनी करने की हमारे प्रधानमंत्री की जो योजना है, उसको सफलतापूर्वक लागू किया जा रहा है। मैं अपने क्षेत्र की बात करूंगी हमारे क्षेत्र में इतने क्रय केन्द्र खोले गये हैं कि किसान तुरन्त अपना धान व गेहूं जमा करता है। आज दलहन का भी समर्थन मूल्य हमारी सरकार ने लागू कर दिया है और

* वक्ता ने भाषण का पुनर्वीक्षण नहीं किया।

तुरन्त खाते में पैसा ट्रांसफर होता है। पहले किसान दर-दर भटकते थे और बिचौलिये उसका लाभ उठाते थे, यह सरकार इसका जवाब नहीं दे पाती है। जबसे माननीय राज्यपाल महोदया का अभिभाषण शुरू हुआ है, एक बात मैं अपनी तरफ से कहना चाहूंगी कि जब अभिभाषण की बात आती है तो बाहर लोग यह चर्चा करते हैं कि आप लोग विधान सभा में जाकर गोला चलायेंगे और विरोध करेंगे, यही आप लोगों के पास काम है। यहां सभी प्रतिष्ठित और बुद्धिजीवी लोग बैठे हैं, लेकिन यह चीजें किसको शोभा देती हैं ? यह बहुत खराब विषय है।

मैं आप लोगों से यह आग्रहपूर्वक कहना चाहूंगी कि यह परम्परा बन्द हो, यह विरोध बन्द हो। विरोध करने का तरीका बदला जाए, क्योंकि आज 21वीं सदी में हम लोग पहुंच गये हैं। हमारे बच्चे हम पर हंसेंगे, हमारे बच्चे हमको कोसेंगे कि आप लोग वहां बैठकर यही करते रहे हैं। जहां इस मन्दिर में बैठकर कानून बनाया जाता है, देश की बातें की जाती हैं, समाज की बातें की जाती हैं, अपने क्षेत्र की बातें हम विधायक करने आते हैं, लेकिन यहां से बड़ी खराब यादें लेकर जाते हैं। इस बार गोला तो नहीं चला, लेकिन विरोध हुआ है। आप लोगों से आग्रह है कि यह बन्द होना चाहिए। बात हो, बात का विरोध हो। विरोध करना कोई गलत बात नहीं है। अपनी बात रखनी चाहिए, लेकिन कैसे रखनी चाहिए इस पर हम लोगों को विचार करना चाहिए। हम लोग पहली बार चुनकर आये हैं। हम लोगों को बिल्कुल अच्छा नहीं लगता है, बात कहने का तरीका बदल दीजिए। पहले किसानों के साथ धांधली की जा रही थी। पूरी पब्लिक का गेहूं और धान लिया जाता है। किसी के साथ कोई भेद-भाव नहीं होता है। यह सरकार जिस तरह से आई है किसानों के सम्मान की बात करती है हम भी एक किसान परिवार से आते हैं किसान के लिए 6 हजार रुपया क्या मूल्य रखता है यह कहने की जरूरत नहीं है।

श्री अध्यक्ष-

अब समाप्त करें।

***श्रीमती सुनीता-**

हर घर में किसान निधि पहुंची है। मेरे क्षेत्र में मेडिकल कालेज से लेकर सारी चीजें आई हैं मैं माननीय मुख्य मंत्री जी का और माननीय उप मुख्य मंत्री जी का धन्यवाद करना चाहती हूं जिस क्षेत्र से मैं आती हूं वहां के लिए लोग हंसते थे कि यहां कितनी गड्ढे वाली सड़कें हैं ढाई सौ करोड़ रुपया माननीय मुख्य मंत्री जी और उप मुख्य मंत्री जी ने हमको देकर सम्मान बढ़ाया है जिस जिले तक पहुंचने में हमें तीन घण्टे लगते थे उस जिले में हम लोग 35 मिनट में पहुंचते हैं। यह हमारी सरकार की देन है। अध्यक्ष महोदय, इस बात का मुझे जवाब देना है मैं बहुत सारी बातें कहना चाहती हूं आप मुझे थोड़ा सा मौका दें। बिजली के बारे में हमारे जिले से वीरेन्द्र यादव जी आते हैं उन्होंने बिजली की बात कही जब सरकार बनी थी उसके पहले बिजली आना न्यूज बनता था लेकिन आज हमारे यहां।

---

* वक्ता ने भाषण का पुनर्वीक्षण नहीं किया।

श्री अध्यक्ष-

अब समाप्त करें। अब आपका हो गया।

श्रीमती सुनीता-

आज हमारे क्षेत्र में 18 घण्टे से 22 घण्टे बिजली रहती है। यह सबको बिना भेद-भाव किए दिया जाता है। भाजपा की सरकार में जाति-पांति के आधार पर भेद-भाव नहीं है। इन लोगों ने जाति-पांति की बात की थी।

श्री अध्यक्ष-

अब समाप्त करें। अब आप बैठ जाइए।

श्रीमती सुनीता-

यहां पर अपराधियों की बात कही जाती है अपराधी किसी जाति के नहीं होते हैं अपराधी अपराधी होते हैं। अपराधियों को सजा मिलनी ही चाहिए यह इस सरकार ने साबित किया है। उन्होंने जो कहा वहां एक स्थानीय झगड़ा हुआ और झगड़े में जो हुआ।

श्री अध्यक्ष-

आप हमारी बात भी तो सुनें। आप सुनती नहीं हैं। आप बैठिए।

श्रीमती सुनीता-

हमारी सरकार अपराधियों का समर्थन नहीं करती है। अपराधियों को सजा मिलेगी लेकिन आपने उसको क्यों जाति-पांति के आधार पर जोड़ा। जाति-पांति में बांटने का काम किसने किया अपराधियों की कोई जाति नहीं होती है। आपके समय में भाई-भाई को लड़ाया गया, पड़ोसी को पड़ोसी से लड़ाया गया पति-पत्नी को लड़ाए यही चलता आया है। हम उसी झगड़े को सुलझा रहे हैं।

श्री अध्यक्ष-

आप कृपया बैठिए। आपको बहुत ज्यादा थकान आ गयी।

***डॉ0 संग्राम यादव-**

अध्यक्ष महोदय, हम आपका बहुत-बहुत आभार व्यक्त करते हैं कि आपने महामहिम श्री राज्यपाल के अभिभाषण पर नेता विरोधी दल श्री रामगोबिन्द चौधरी जी के द्वारा रखे गए संशोधन प्रस्ताव पर मुझे बोलने का अवसर दिया। अध्यक्ष महोदय जो महामहिम राज्यपाल महोदय का अभिभाषण था उसमें सरकार आने वाले दिनों में उसकी क्या कार्य योजना है किस रास्ते पर सरकार चलने वाली है उसका एक रोड मैप होता है लेकिन महामहिम श्री राज्यपाल महोदय के अभिभाषण में जो पूरी तरह दिशाहीन था सत्य को मारने वाला था और उत्तर प्रदेश के विकास के बारे में उसका कोई रोड मैप नहीं था, मान्यवर, भारतीय जनता पार्टी की सरकार

* वक्ता ने भाषण का पुनर्वीक्षण नहीं किया।

को तीन साल बीत गए सरकार की एक भी योजना उत्तर प्रदेश में लागू नहीं कर पाई सरकार जो समाजवादी पार्टी की सरकार में जो योजनाएं लागू थीं जिन योजनाओं पर काम हुआ था सरकार उसी का नाम बदलकर अपनी पीठ को थपथपाने का काम कर रही है। आप विदित हैं अभी कल ही उत्तर प्रदेश में जो अपराध हैं अपराध और भारतीय जनता पार्टी का सीधा सम्बन्ध है। सरकार में बैठे हुए लोग आज पूरी तौर पर अपराधियों से मिले हुए हैं फर्जी इन्काउण्टर की बाढ़ सी आ गई है हमारे ही उत्तर प्रदेश को लगातार मानवाधिकार आयोग से लगातार नोटिस मिल रही है जब महामहिम राज्यपाल महोदया उत्तर प्रदेश की विधान सभा में अपना भाषण पढ़ रही थीं उसी समय लखनऊ के न्यायालय में बमबारी हो रही थी। माननीय अध्यक्ष महोदय, हम आपसे कहना चाहते हैं कि उत्तर प्रदेश के अन्दर अभी बहुजन समाज पार्टी की मा0 सदस्य श्रीमती बन्दना सिंह ने अपने क्षेत्र में सगड़ी के अन्दर जो एक बच्ची के साथ दुष्कर्म हुआ था, मैं उन बातों को आपके सामने रख करके कहना चाहता हूं कि आज पूरा उत्तर प्रदेश अपराध से थर्रा रहा है, अपराध बेतहाशा बढ़ रहा है, अपराधी इतने बेखौफ हैं, इतने बेखौफ हैं कि आजमगढ़ के अन्दर मेहनगर का एक नौजवान दूल्हा बन करके अपनी दुल्हन को लेने लालगंज जा रहा था। लालगंज के माननीय विधायक जी बैठे हैं। ढोल-बाजे के साथ दूल्हा गाड़ी में अपनी बहन के साथ बैठ करके लालगंज अपनी बारात लेकर जा रहा था और लालगंज के अन्दर जैसे ही उसकी बारात पहुंची, अपराधी आये, उसकी बहन पिछली सीट पर बैठी थी, अपराधी नमस्ते करते हैं, बहन ने देखा कि अपराधी तमन्चा निकालता है और तमन्चा निकाल करके जो उसका भाई दूल्हा था अपराधी उसके ऊपर फायर कर देता है और दूल्हा वहीं पर मर जाता है। उत्तर प्रदेश के अन्दर यह हालात हैं कि दूल्हे भी सुरक्षित नहीं हैं और आप कानून-व्यवस्था की बात करते हैं। इसी हजरतगंज के अन्दर हिन्दूवादी नेता की हत्या कर दी जाती है। उत्तर प्रदेश के उप मुख्य मंत्री जी बैठे हैं, उत्तर प्रदेश के इलाहाबाद के अन्दर अपराध का क्या हाल है, अगर आप उसी को संज्ञान में ले लेंगे तो उत्तर प्रदेश के अन्दर अन्य जनपदों में क्या हो रहा है वह स्वतः विदित हो जायेगा। आजमगढ़ के अन्दर घंटे-डेढ़ घंटे फायर करते हुये सर्राफा व्यापारी को लूटा गया। बरेली के अन्दर सर्राफा व्यापारी को लूटा गया। आज क्या हालत है। आपके पास सिर्फ नफरत पैदा करने के अलावा कुछ बचा है ? महामहिम राज्यपाल महोदया के अभिभाषण में एक्सप्रेस-वे की घटना पर आप एक मिनट दुख व्यक्त कर देते कि जलती हुयी बसों में लोग जल करके मर गये, एक शब्द सरकार की तरफ से आ जाता।

श्री अध्यक्ष-

आप मूल बातें कह लीजिये नहीं तो बाद में समय नहीं रहेगा।

***डॉ0 संग्राम यादव-**

मान्यवर, यह कानून-व्यवस्था से जुड़ा हुआ प्रश्न है। अगर फिटनेस चेकिंग नहीं होगी, परिवहन विभाग फिटनेस चेकिंग नहीं करेगा तो लोगों की जान की कीमत क्या है ? परसों ही रायबरेली से वैन जा रही थी और वैन में आग लग गयी जिसमें 07 लोग जल गये। यह उत्तर प्रदेश है, जहां के सन्त मुख्य मंत्री हैं और वहां पर बेटियों का क्या हाल है, बेटियां जलायी जा रही हैं। बेटियों के साथ सामूहिक बलात्कार, दुष्कर्म और न जाने कितने ही अपराध बढ़े और आप कहते हैं कि आप उत्तर प्रदेश को कहां ले जा रहे हैं। यह लोक भवन बना है लोक भवन, जिसकी खूबसूरत बिल्डिंग बरबस आपको आकर्षित करती है। मुझे फक्र होता अगर देश के पूर्व प्रधानमंत्री श्रद्धेय स्व0 अटल बिहारी वाजपेयी जी के नाम पर उनकी जन्मभूमि पर आप कोई बड़ा विश्वविद्यालय बनाते जिसकी दुनिया में चर्चा होती। आप उस लोक भवन में, जिसको मा0 अखिलेश यादव जी ने बनाया था, आप मूर्ति रख करके अपनी पीठ को थपथपाने का काम कर रहे हैं। पूर्वांचल एक्सप्रेस-वे, समाजवादी पूर्वांचल एक्सप्रेस-वे, जिसकी बुनियाद इसी चौधरी चरण सिंह जी की प्रतिमा के सामने मा0 अखिलेश यादव जी ने रखी थी, आज उस एक्सप्रेस-वे पर जा-जाकर आप कहां-कहां अपनी पीठ थपथपायेंगे। आप 100 नम्बर को बदल कर 112 नम्बर कर रहे हैं। अरे, सबसे बड़े नकलची तो आप हैं और कहते हैं कि हम नकल विहीन परीक्षा करा रहे हैं। डायल 100 जैसी दुनिया की सबसे बेहतरीन पुलिस प्रणाली को मा0 अखिलेश यादव जी ने लागू किया था, लेकिन आपने उसको बदल करके 112 कर दिया। 1090 सेवा जो क्रियाशील थी और जो उत्तर प्रदेश के अन्दर काम कर रही थी, आपने उसको शिथिल करने का काम किया। आंकड़ों में भारतीय जनता पार्टी द्वारा महामहिम राज्यपाल महोदया जी के अभिभाषण में इस बात का जिक्र हो जाता। मा0 सुप्रीम कोर्ट ने कहा है कि आन्दोलन जो होता है, प्रदर्शन करना जो होता है, यह हमारा मौलिक अधिकार है। सी0ए0ए0 के खिलाफ जो हमारी बहन-बेटियां और माताएं बिलरियागंज के अन्दर शान्तिपूर्ण धरना-प्रदर्शन में भाग ले रही थीं, उस शान्तिपूर्ण धरना-प्रदर्शन को लाठियों से कुचला गया, बहन-बेटियों को भद्दी-भद्दी गालियां दी गयीं और उनके साथ अमानवीय व्यवहार किया गया। बिना महिला पुलिस के ऐसी महिलाओं के साथ अभद्र व्यवहार किया गया और आपत्तिजनक बातें कही गयीं। महामहिम राज्यपाल महोदया अपने अभिभाषण में शान्तिपूर्ण धरना-प्रदर्शन पर अगर दो शब्द कह देतीं तो हमें तसल्ली हो जाती। आप कहते हैं कि 'सबका साथ, सबका विकास और सबका विश्वास', आपने ही 26 नवम्बर को 'संविधान दिवस' मनाया और सबसे ज्यादा संविधान की हत्या करने का काम भी आप कर रहे हैं।

मा0 उप मुख्य मंत्री जी, हमको आप पर बहुत विश्वास था कि आप पिछड़े वर्ग के एक बहुत बड़े नेता हैं और आपके रहते पिछड़ा वर्ग के हकों पर कोई डाका नहीं डाल सकता लेकिन लोक सेवा आयोग अपनी परीक्षाओं में कैसे-कैसे बदलाव कर रहा है ? अब तो आउटसोर्सिंग का जमाना आ गया है और पिछड़े वर्ग का हक मारा जा रहा है। आउटसोर्सिंग के

* वक्ता ने भाषण का पुनर्वीक्षण नहीं किया।

माध्यम से नौकरी करने वाले लोगों को सरकारी धन का पैसा दिया जाता है, लेकिन वहां पर आरक्षण नहीं हो पा रहा है। आपके रहते हुए उत्तर प्रदेश के अन्दर पिछड़ों के हकों पर भारतीय जनता पार्टी डाका डाल रही है और हमें इस बात का अफसोस है। आप पिछड़े वर्ग के मेधावी छात्र थे, आप उनके हकों को मारने का काम कर रहे हैं। आप कहते हैं कि हम सबका साथ दे रहे हैं, और सबका विकास कर रहे हैं। आप संविधान दिवस मना करके न जाने कहां से क्या-क्या बातें जोड़ रहे हैं। आप बाबा साहेब का जन्म दिवस मनाते हैं और कहते हैं कि हम संविधान का पालन कर रहे हैं लेकिन आज सबसे ज्यादा संविधान की धज्जियां उड़ाई जा रही हैं। मान्यवर, मुझे अफसोस है कि आप जैसा विद्वान व्यक्ति संवैधानिक पीठ पर बैठा है और आज उत्तर प्रदेश में गौ-आश्रय स्थलों की क्या स्थिति है ? अगर आप उसकी रिपोर्ट मंगा लेते और संज्ञान में ले लेते तो आपको पता चल जाता कि कितनी गायों को पानी के अभाव में तड़पते हुए छोड़ दिया जाता है। माननीय डिप्टी सी0एम0 साहब 30 रुपये में भूसा, खरी, दाना और लइया कहां से आ पायेगा ? किनके जिम्मे आपने गौ-आश्रय स्थलों को छोड़ दिया है ? आज गौ-आश्रय स्थल एक बदशाला बनकर रह गये हैं और उस बदशाला में आए दिन हमारी गौमाता दम तोड़ रही हैं। उज्ज्वला योजना, उज्ज्वला योजना क्या उज्जवला योजना है ? आप कहते हैं कि हमने गरीबों को सिलेण्डर दे दिया है और रातों-रात ढेड़ सौ रुपये की कीमत बढ़ा दी जाती है। सिलेण्डर के दाम आसमान छू रहे हैं भला कौन गरीब आदमी सिलेण्डर भरा पायेगा ? डिप्टी सी0एम0 साहब जिस रास्ते से आप आए हैं वह गांव, गरीब और किसान का रास्ता था। कब तक आप कहेंगे कि समाजवादी पार्टी और अखिलेश यादव अरे अखिलेश यादव राष्ट्र की वह सम्पत्ति हैं जिन्होंने ऐसा एक्सप्रेस-वे बनवाया है कि दुनिया का लड़ाकू विमान उस पर उतर गया। श्री अखिलेश यादव जी 100 नम्बर हेल्प लाईन लेकर आए जिससे वाहवाही मिलती है। अभी उत्तर प्रदेश के डी0जी0पी0 साहब रिटायर हुए हैं तो उनसे उनके कार्यकाल की उपलब्धियां पूछी गयी तो उन्होंने कहा कि मुझे फक्र है, खुशी है कि मुझे ऐसे पुलिस मुख्यालय में बैठने का अवसर मिला जिसकी सिग्नेचर बिल्डिंग देश ही नहीं दुनिया में भी सबसे अच्छी बनी है। इसके अलावा उन्होंने कहा कि नोएडा और लखनऊ में जो कमिश्नर प्रणाली लागू हुई है यह मेरे कार्यकाल की महत्वपूर्ण उपलब्धियां हैं। जन नायक चन्द्रशेखर विश्वविद्यालय, जनेश्वर मिश्र पार्क, श्रावस्ती के अन्दर विश्वविद्यालय जो बना है उसका नाम श्री अखिलेश यादव जी ने रखा है और आप हमें जातिवादी कहते हैं। आईना खोल कर देखें तो मैंने कल भी कहा था कि सबसे बड़ी परिवारवादी और सबसे बड़ी जातिवादी भारतीय जनता पार्टी है दूसरा कोई नहीं है। हमें आप परिवारवाद बताते हो आप कितना बरगलायेंगे ? आप संविधान की हत्या कर रहे हैं। संविधान की जो मूल भावना है उसके साथ आप खिलवाड़ कर रहे हैं।

श्री अध्यक्ष-

अब आप समाप्त करें आपकी सारी बातें आ गयी हैं।

डॉ0 संग्राम यादव-

आप दीपोत्सव्, होली मनाओ हमें खुशी है। हम ईद मनायें, होली मनायें आप ''सबका साथ, सबका विकास'' की बात करते हैं और नफरत की भाषा बोलते हैं। गांधी जयन्ती मनायी जाती है, इसी मण्डप के अन्दर बापू जी ने कहा था कि ''ईश्वर अल्ला तेरे नाम सबको सम्मति दे भगवान'' एक तरफ गांधी जयन्ती, संविधान दिवस मनाया जाता है और दूसरी तरफ डॉ0 आम्बेडकर जी के संविधान की और गांधी जी के विचारों की हत्या भारतीय जनता पार्टी द्वारा की जाती है। माननीय अध्यक्ष महोदय, हमारे क्षेत्र में माननीय अखिलेश यादव जी ने बहुत शानदार अस्पताल, डिग्री कॉलेज, पॉलीटेक्निक कॉलेज बनवाया है और पहले पूर्वांचल में एक गूंगे-बहरों का विद्यालय भी बनवाया था। मैं सरकार के जिम्मेदार उप मुख्य मंत्री जी के सामने कहना चाहता हूं, जो गूंगे बहरों के लिए बहुत बड़ा है अगर आप जाकर देखते तो सोचते कि अखिलेश जी की संवेदना कहां-कहां पहुंची, कैसे-कैसे गरीब, कैन्सर इन्स्टीट्यूट से लेकर क्या-क्या वे बना रहे थे, आप सबने चारों तरफ जातिवाद, भ्रष्टाचार, गुण्डाराज। मान्यवर, उस विद्यालय को चलवा दें। अच्छा होता कि भारतीय जनता पार्टी जिन उद्देश्यों को लेकर राष्ट्रीय आन्दोलन भरा गया था, उन उद्देश्यों पर चलकर भारत को महान बनाने की दिशा में अग्रसर होती। भारतीय जनता पार्टी 70 प्रतिशत भू-भाग पर थी अब 35 प्रतिशत भू-भाग पर आकर सिमट गयी है, 35 प्रतिशत भू-भाग पर आप आ गये और 2022 पूरे सचिवालय के इर्द-गिर्द के लोगों से आप पता कर लें माननीय अखिलेश यादव ही भारी बहुमत के साथ आयेंगे। आपका बहुत-बहुत धन्यवाद।

श्री अध्यक्ष-

श्री सुरेन्द्र मैथानी जी, आप पहली बार बोल रहे हैं, संक्षेप में बोलियेगा।

***श्री सुरेन्द्र मैथानी-**

माननीय अध्यक्ष जी, मैं महामहिम राज्यपाल जी के अभिभाषण पर धन्यवाद प्रस्ताव जो कि डा0 मंजू सिवाच जी ने प्रस्तुत किया था उसके समर्थन में बोलने के लिए खड़ा हुआ हूं। मैं आपको हृदय की गहराइयों से धन्यवाद ज्ञापित करना चाहता हूं कि मेरे जीवनकाल खण्ड में, पहली बार इस उत्तर प्रदेश के इतने बड़े सदन में माननीय सभी सम्मानित सदस्यों के समक्ष आपने मुझे बोलने का अवसर दिया। मैं इस सदन के सभी सम्मानित सदस्यों का हृदय की गहराइयों से हार्दिक स्वागत करता हूं, वन्दन करता हूं, अभिनन्दन करता हूं और धन्यवाद देता हूं अपने उन पूर्वज पण्डित दीन दयाल उपाध्याय जी का वंशज होने के नाते से अन्त्योदय के आधार पर एवं एकात्म मानववाद के आधार पर हमारी सरकार गरीबों पर समर्पित होने वाली सरकार है। मैं धन्यवाद देना चाहता हूं अपने उन पूर्वज को डा0 श्यामा प्रसाद मुखर्जी जी को जिन्होंने तमाम भौतिक संशाधनों को छोड़ते हुए अपने जीवन का बलिदान दिया, भारत की

* वक्ता ने भाषण का पुनर्वीक्षण नहीं किया।

अखण्डता और एकता के लिए अपना बलिदान किया। मैं धन्यवाद देना चाहता हूं ऐसे अपने पूर्वज पण्डित अटल बिहारी बाजपेई जी को जिन्होंने विपक्ष का आचरण एवं व्यवहार जिस प्रकार का होना चाहिए इस देश में उसको परिभाषित करने का काम किया। मैं गौरवान्वित अनुभव करता हूं कि मैं उस दल का एक कार्यकर्ता हूं जिसके नेता ने पूरे भारत के मान को पूरे विश्व में बढ़ाने का काम किया और तब पूरे विश्व के शक्तिशाली देश अमेरिका जैसे देश के राष्ट्रपति ट्रम्प ने भी कहा कि अबकी बार ट्रम्प सरकार। मैं ऐसे आदरणीय हमारे देश के यशस्वी प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र दामोदर दास मोदी जी की प्रशंसा करता हूं, मैं प्रशंसा करता हूं अपने देश के यशस्वी भारत के गृह मंत्री आदरणीय श्री अमित अनिल चन्द्र शाह जी की जिन्होंने इस देश के मान को बढ़ाने का काम किया। जनता की आकांक्षाओं को पूरा करने की ओर लगातार प्रयास कर रहे हैं। मैं धन्यवाद देना चाहता हूं अपने राष्ट्रीय अध्यक्ष आदरणीय जगत प्रकाश नड्डा जी को एवं उत्तर प्रदेश के माननीय अध्यक्ष स्वतंत्र देव सिंह जी को और हमारे उत्तर प्रदेश के माननीय संगठन मंत्री आदरणीय सुनील बंसल जी को जिन्होंने मुझको आशीर्वाद देकर जनता के जनादेश को प्राप्त करने के लिए, गोविन्दनगर विधान सभा क्षेत्र, कानपुर में जनता का आशीर्वाद लेने के लिए भेजा और धन्यवाद देता हूं मैं गोविन्दनगर विधानसभा क्षेत्र की जनता को जिन्होंने सदन के माध्यम से मुझको अपने क्षेत्र की सेवा करने का अवसर प्रदान किया। मैं धन्यवाद देना चाहता हूं उत्तर प्रदेश के माननीय मुख्य मंत्री जी श्रद्धेय गोरक्ष धाम पीठ के पीठाधीश्वर महाराज योगी आदित्यनाथ जी को, जो अपनी सरकार को माननीय उप मुख्य मंत्री माननीय केशव प्रसाद मौर्य जी के माध्यम से और माननीय उप मुख्य मंत्री दिनेश शर्मा जी के माध्यम से और तमाम हमारे वरिष्ठ मंत्रियों के माध्यम से सरकार को गरीबों को समर्पित करने का काम कर रहे हैं जो आज बजट में भी दिखाई दे रहा है। मैं माननीया आनन्दी बेन पटेल जी के इस अभिभाषण के पृष्ठ-11 की तरफ माननीय सदन का ध्यान आकृष्ट कराना चाहता हूं। जल के बिना जीवन की कल्पना असम्भव है।

श्री अध्यक्ष-

कृपया आप संक्षेप कीजिये।

श्री सुरेन्द्र मैथानी-

माननीय अध्यक्ष जी, आप जैसे विद्वान अध्यक्ष के नेतृत्व में मुझे पहली बार सदन में बोलने का अवसर मिला है और मैं बहुत जल्दी तीन-चार मिनट में अपने विषय को समाप्त कर दूंगा। माननीय अध्यक्ष जी, मैं आपका आभार व्यक्त करना चाहता हूं कि सबसे बड़े लोकतांत्रिक देश के सबसे बड़े राज्य की विधान सभा में मुझे प्रथम बार बोलने का आपने अवसर दिया है इसलिये मैं आपका आभार व्यक्त करता हूं। मैं इस माननीय सदन के माध्यम से अपने विधान सभा क्षेत्र गोविन्दनगर की जनता का भी आभार व्यक्त करना चाहता हूं। मैं अपने प्रथम सम्बोधन में कोई राजनीतिक मुद्दा नहीं उठाना चाहता हूं। मेरा विषय हर इंसान से संबंधित है, भले ही वह किसी भी राजनीतिक विचारधारा से जुड़ा हो, किसी धर्म, क्षेत्र, भाषा, भाषी का वह व्यक्ति हो। मैं देश के तत्कालीन यशस्वी प्रधानमंत्री और हम सबके नेता श्रद्धेय अटल बिहारी

बाजपेयी जी के भाषण के उस अंश को उद्धत करते हुए शुरुआत कर रहा हूं जिसमें उन्होंने कहा था कि भले ही पहले दो विश्वयुद्ध सत्ता और ताकत के लिए लड़े गये हों लेकिन तीसरा विश्वयुद्ध जल के लिए लड़ा जायेगा। यह सुनकर कितना सुखद लगता है कि हमारे पृथ्वी गृह का 73 प्रतिशत भाग पानी से घिरा है यानी हमारे चारो ओर पानी ही पानी है लेकिन हम इसका इस्तेमाल नहीं कर सकते क्योंकि इसका 97.5 प्रतिशत धरातलीय जल समुद्री यानी खारा है। अब यह जानकार भी हम सब हैरान हैं कि शेष बचे 2.5 प्रतिशत जल का भी हम इस्तेमाल नहीं कर सकते।

श्री अध्यक्ष-

मैथानी जी, आपका समय समाप्त हो गया है। कृपया अब आप अपनी वाणी को विराम दीजिये।

श्री सुरेन्द्र मैथानी-

माननीय अध्यक्ष जी, कुल मिलाकर आने वाले समय में प्राकृतिक जल के संचयन और उपयोग के प्रति हमें संवेदनशील रहना चाहिये। भू-गर्भीय जल के संचयन के अलावा इसे प्रदूषित होने से भी बचाने की बड़ी जिम्मेदारी भी हमें उठानी पड़ेगी। वर्ल्ड बैंक की इस रिपोर्ट पर केन्द्र में प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी जी के कुशल नेतृत्व वाली सरकार बनने के उपरान्त भू-गर्भ जल के लिए ठोस उपाय किये गये हैं जिससे बदलाव की तस्वीर भी दिखने लगी है। विगत वर्षों में पर्यावरण दिवसों के अवसर पर वृहद वृक्षारोपण अभियान चलाये गये हैं।

श्री अध्यक्ष-

आप जो कागज लिये हैं आप हमें दे दीजियेगा हम उसे जुड़वा देंगे।

श्री सुरेन्द्र मैथानी-

माननीय अध्यक्ष जी, मैं आपको दे दूंगा। यदि आप हमें समय नहीं दे रहे हैं तो मैं आपके आदेश का पालन करूंगा। मैं आपका संरक्षण चाहता हूं।

श्री अध्यक्ष-

हमारा जो काम है वह बड़ा कठिन है। हम जब समय देते हैं तो दूसरे लोग नाराज होते हैं और जब मना करते हैं तो वह भी नाराज हो जाते हैं।

श्री सुरेन्द्र मैथानी-

माननीय अध्यक्ष जी, उत्तर प्रदेश की सरकार ने बहुत अधिक काम किये हैं लेकिन अभी सीवरेज समस्या के निराकरण और पीने के पानी की व्यवस्था करने की और अधिक आवश्यकता है। मेरे विधान सभा क्षेत्र गोविन्दनगर के अन्तर्गत उत्तर प्रदेश का सबसे बड़ा छठ पूजन का त्योहार होता है और तीन किलोमीटर की नहर मेरे गोविन्दनगर विधान सभा क्षेत्र से जाती है। काफी कुछ काम इस नहर की सफाई के लिए हुआ है जिसके लिए मैं अपनी माननीय

योगी जी की सरकार को धन्यवाद देता हूं। मेरा विनम्रतापूर्वक आग्रह है कि इस नहर के किनारे स्थित घाटों को पक्का करा दिया जाये जिससे छठ पूजन का त्योहार भी हम मना सकें। मैं आपको धन्यवाद ज्ञापित करता हूं कि आपने मुझको समय दिया। मैं आपके आदेशों का आदर और पालन करते हुए महामहिम जी के अभिभाषण का पुरजोर समर्थन करते हुए अपनी बात को समाप्त करता हूं। भारत माता की जय।

श्री अध्यक्ष-

श्री नितिन अग्रवाल जी, आप बहुत संक्षेप में अपनी बात रखिये और साढ़े चार मिनट में अपनी बात को समाप्त कर दीजिये।

***श्री राकेश प्रताप सिंह-**

माननीय अध्यक्ष जी, पहले यह स्पष्ट हो जाये कि माननीय सदस्य किस दल की ओर से बोल रहे हैं।

श्री अध्यक्ष-

श्री राकेश जी, यदि आपको बताना है तो आप ही बताइये कि यह किस दल में हैं।

श्री नितिन अग्रवाल-

माननीय अध्यक्ष जी, आपको बहुत-बहुत धन्यवाद कि आपने मुझे माननीया राज्यपाल जी द्वारा प्रस्तुत अभिभाषण पर बोलने का अवसर दिया, मैं आपका बहुत आभारी हूं। राज्यपाल जी का अभिभाषण सरकार की नीतियों और कार्यक्रमों का दर्पण होता है। निश्चित तौर पर माननीय राज्यपाल जी ने इस सदन में जब अपना अभिभाषण किया तो उन्होंने उत्तर प्रदेश की 22 करोड़ जनता के सामने सरकार की नीतियों और कार्यक्रमों को रखने का काम किया है। सरकार ने युवा दिवस भी बहुत जोर-शोर से इस वर्ष मनाया और मैं अपनी बात नौजवानों तथा युवाओं से शुरू करना चाहता हूं।

श्री अध्यक्ष-

उसी तक सीमित रखिए आप (हंसी)। जल्दी-जल्दी बोल दीजिए जो कहना चाहते हैं। समय उतना ही लीजिए ज्यादा न लीजिए।

श्री नितिन अग्रवाल-

काफी समय बाद बोलने का मौका मिला है तो थोड़ा वक्त दे दीजिए। आप पांच मिनट का समय दे दीजिए।

श्री अध्यक्ष-

पांच मिनट में तो दो मिनट हो गये हैं।

---

* वक्ता ने भाषण का पुनर्वीक्षण नहीं किया।

श्री नितिन अग्रवाल-

अध्यक्ष जी, वर्ष 2018 में सरकार ने इनवेस्टर्स समिट उत्तर प्रदेश में किया और मा0 प्रधानमंत्री जी ने उसका उद्घाटन किया। मैं यह जानता हूं कि आज हमारे सामने बहुत बड़ा चैलेंज है नौजवानों को नौकरी देने का और नौजवानों को ऐसे अवसर देने का जिससे उनको नौकरी मिल सके। 2018 के इनवेस्टर समिट में देश ही नहीं बल्कि विदेश के तमाम इनवेस्टर उत्तर प्रदेश की धरती पर आए और उस वक्त 4 लाख 68 करोड़ रुपये के एम0ओ0यू0 साइन किये गये जिससे एक विश्वास पैदा हुआ कि उत्तर प्रदेश में भी लोग उद्योग लगाकर हमारे जो बेरोजगार नौजवान हैं उनको रोजगार मिले। मुझे खुशी है कि उस वक्त उत्तर प्रदेश में जो एम0ओ0यू0 हुए थे उसमें कुछ उद्योग उत्तर प्रदेश में आये लेकिन सरकार से मेरा यह भी सुझाव है कि जो एम0ओ0यू0 दस्तखत हुए थे उसमें जल्द से जल्द कार्यवाही हो जाए तो जो हमारे तमाम नौजवान हैं उनको जल्द से जल्द सरकारी नौकरी मिले और उनको प्राइवेट नौकरी मिले जिससे जो नौजवान अपने पैरों पर खड़ा होना चाहते हैं वह खड़े होकर सम्मान से अपना जीवन-यापन कर सकें। डिफेंस एक्सपों भी इसी साल फरवरी में किया जिसमें तमाम देशों के प्रतिनिधित्व आये उन्होंने उत्तर प्रदेश में करीब 50 हजार करोड़ के एम0ओ0यू0 करने का काम किया। एक माहौल बनाने का काम हुआ और लोगों में एक विश्वास पैदा हुआ कि अगर उद्योग आयेंगे तो लोगों को नौकरी के साधन भी मिलेंगे। स्वास्थ्य एक ऐसा क्षेत्र है जो मूलभूत सुविधाएं देने का काम करता है। मैं समझता हूं कि प्रदेश ही नहीं बल्कि देश के हर व्यक्ति का यह अधिकार है कि उसको अच्छी स्वास्थ्य सुविधाएं मिलें। इसी क्रम में प्रधानमंत्री जन आरोग्य योजना आयुषमान भारत के तहत एक करोड़ 18 लाख परिवारों को 5 लाख रुपये की सहायता देने का काम सरकार ने किया जिससे जो लोग इलाज नहीं करा पाते थे और जिन लोगों का पैसे के अभाव में इलाज नहीं हो पाता था उनको इस योजना से जोड़ने का काम किया तथा इसके साथ ही मुख्य मंत्री जन आरोग्य योजना से 10 लाख 56 हजार गरीब परिवारों को लाभान्वित करने का काम किया। आज मुझे कहने में कोई संकोच नहीं है कि उत्तर प्रदेश में बहुत सारे जिलों में नये मेडिकल कॉलेज खुले और बहुत सारे जिलों में नये मेडिकल कॉलेजों का निर्माण कार्य चल रहा है तथा बहुत सारे जिलों में नये मेडिकल कॉलेज प्रस्तावित भी किये जा रहे हैं।

अभी सरकार ने कुछ ही दिन पहले घोषणा करी कि पी0पी0पी0 मॉडल पर जो जिले रह गये हैं वहां मेडिकल कॉलेज खोलने का काम किया जाएगा और स्वास्थ्य की जो मूलभूत सुविधाएं हैं उनको बेहतर किया जाएगा, लेकिन मेरा सुझाव सरकार से यह भी है और मैं यह मानता भी हूं कि देश में करीब 20 हजार से ज्यादा डॉक्टरों की कमी है तथा उन डॉक्टरों की कमी को दूर करने के लिए मेडिकल कॉलेज खोलना जरूरी है। जब तक बच्चे आयेंगे नहीं पढ़कर निकलेंगे नहीं तब तक डॉक्टर बनेंगे कैसे ? लेकिन उसके साथ-साथ सरकार से मेरा सुझाव यह भी है कि आज जो मेडिकल कॉलेज हमारे प्रदेश में हैं और जिन फैकल्टी की कमी

हमारे मेडिकल कॉलेज में है उस कमी को भी सरकार को पूरा करना चाहिए। राजकीय मेडिकल कॉलेज में करीब 50 प्रतिशत की जो कमी है उसको भी जल्दी से जल्दी पूरा किया जाए और जो नये मेडिकल कॉलेज खुलने हैं उसमें भी फैकल्टीज आएं। जब बच्चे पढ़कर निकलेंगे और अच्छे डॉक्टर बनेंगे तो उस कमी को बहुत जल्दी से पूरा कर लिया जाएगा। 102, 108 एम्बुलेंस को और बेहतर किया जा सकता है। मेरा यह भी मानना है कि जिन गरीब लोगों को किडनी की बीमारी हो जाती है, जिनको लीवर की बीमारी हो जाती है, जिनको कैंसर की बीमारी हो जाती है और इस बीमारी से जो महंगा इलाज होता है उस इलाज को कराने के लिए हमें ऐसी व्यवस्था करनी चाहिए जिससे वह लोग यह इलाज करा सकें तथा पैसे के अभाव में जो लोग इलाज नहीं करा पाते हैं उसमें सरकार से मेरा सुझाव है कि ऐसे इंस्टीट्यूट खोले जाएं जिससे गरीब लोगों का इलाज हो जाए और उनकी जान बचाई जा सके। माननीय गन्ना मंत्री जी यहां पर नहीं हैं अभी यहां बैठे हुए थे बहुत देर से, मैं उनको बधाई दूंगा कि करीब 86 हजार 700 करोड़ रुपये का गन्ना मूल्य का भुगतान सरकार ने किया है।

वर्ष 2019-20 में कुल देय गन्ना मूल्य 14790 करोड़ के सापेक्ष 8454 करोड़ रुपये का भुगतान भी हो गया है। लेकिन जो शेष बचा हुआ है मेरा सुझाव है कि उसका भुगतान भी जल्द से जल्द किसानों को कर दिया जाये। आज मैं इस मौके पर यह जरूर कहना चाहूंगा कि हमारा प्रदेश कृषि प्रधान प्रदेश है और हम जानते हैं कि जब तक किसान के चेहरे पर खुशी नहीं आयेगी तब तक हमारा प्रदेश खुशहाल नहीं हो सकता। सरकार का संकल्प है कि पांच साल में हम किसानों की आय दोगुनी करेंगे। मेरा सुझाव है कि इस संकल्प को जल्द से जल्द पूरा करके जो वायदा किया है उस वायदे को पूरा करिये। बहुत से कदम उठाये गये हैं बहुत सारे कदम उठाने बाकी हैं। मेरा सुझाव है कि जल्द से जल्द उन कदमों को उठा लिया जाये। आज महानगरों में और जनपद मुख्यालयों में 24 घण्टे बिजली दी जाती है और अन्य शहरों में 22 घण्टे बिजली दी जा रही है और ग्रामीण अंचल में 18 घण्टे बिजली की आपूर्ति हो रही है। सुधार हुआ है। बहुत सारे नये विद्युत उपकेंद्र बने। मेरे पास जो आंकड़ा है जो मैं देख पा रहा हूं कि प्रदेश की पारेषण क्षमता जो 16348 मेगावाट की थी उसको बढ़ाकर 24 हजार मेगावाट किया गया। प्रदेश में अधिकतम मांग जो 2016-17 में 16110 मेगावाट थी वह मांग 2019-20 में 21950 मेगावाट हुयी है और उसकी आपूर्ति की गयी है। मेरा सुझाव है कि विद्युत व्यवस्था बेहतर हुयी है ट्रांसमीशन की व्यवस्था बेहतर हुयी है प्रोडक्शन बढ़ा है लेकिन उसके साथ-साथ अभी भी कुछ जनपद बचे हैं जहां पर जर्जर तार अभी भी हैं जहां पर ट्रांसफार्मर्स की कमी है जहां पर ट्रांसफार्मर्स नहीं बदल पा रहे हैं उसकी भी व्यवस्था सरकार करे। किसानों को पर्याप्त बिजली मिले क्योंकि गर्मी का सीजन भी आ रहा है। धान की फसल भी लगेगी तो किसानों को पर्याप्त बिजली मिले जिससे किसान सिंचाई व्यवस्था ठीक से कर सके। मैं बस इतना ही कहूंगा कि मुझे उम्मीद है कि जो सुझाव मैंने दिये हैं इन सुझावों को सरकार लागू करेगी और जो

संकल्प है उस संकल्प को पूरा करने का काम करेगी। इसी के साथ मैं आपका बहुत आभारी हूं कि आपने मुझे बोलने का अवसर दिया। धन्यवाद।

श्री धीरेन्द्र बहादुर सिंह-

मान्यवर, मेरी याचिका है। मैं उस समय उपस्थित नहीं था अनुरोध है कि कृपया उसको स्वीकार कर लें।

[05:14 बजे] कार्य-मंत्रणा समिति द्वारा सदन के कार्यक्रम निर्धारण की सिफारिशें विषयक प्रस्ताव

श्री अध्यक्ष-

ठीक है, हम अभी देखते हैं। आज कार्य-मंत्रणा समिति की बैठक हुयी थी। उत्तर प्रदेश विधान सभा की कार्य-मंत्रणा समिति ने आज दिनांक 18 फरवरी 2020 की बैठक में निम्नलिखित सिफारिशें की हैं :-

1-दिनांक 20 फरवरी, 2020 को सदन का उपवेशन न हो।

2-दिनांक 24 फरवरी, 2020 को उत्तर प्रदेश जगद्गुरू रामभद्राचार्य विकलांग विश्वविद्यालय (संशोधन) विधेयक, 2020 के विचार एवं पारण सम्बन्धी मदें ले ली जायें।

शेष कार्यक्रम यथावत् रहेगा।

संसदीय कार्य, ग्राम्य विकास, समग्र ग्राम्य विकास राज्य मंत्री (श्री आनन्द स्वरूप शुक्ल)-

मान्यवर, मैं आपकी अनुज्ञा से प्रस्ताव करता हूं कि ''यह सदन कार्य-मंत्रणा समिति की सिफारिश, जिसकी सूचना आज श्री अध्यक्ष द्वारा सदन में दी गयी है, से सहमत है।

श्री अध्यक्ष-

प्रश्न यह है कि ''कार्य-मंत्रणा समिति की सिफारिश विषयक प्रस्ताव, जो मा0 मंत्री जी द्वारा प्रस्तुत किया गया है, से यह सदन सहमत है'' ?

(प्रश्न उपस्थित किया गया और सर्वसम्मति से स्वीकृत हुआ।)

याचिका के समय हमारे विधायक श्री धीरेन्द्र बहादुर सिंह जी हैं वह अनुपस्थित थे अब आ गये हैं उनका अनुरोध स्वीकार करते हुये याचिका प्रस्तुत करने की अनुमति है।

श्री अध्यक्ष-

याचिका के समय मा0 विधायक श्री धीरेन्द्र बहादुर जी अनुपस्थित थे लेकिन अब आ गये हैं तो उनका अनुरोध स्वीकार करते हुए याचिका प्रस्तुत करने की अनुमति है।

[05:16 बजे] श्री धीरेन्द्र बहादुर सिंह, सदस्य, विधान सभा की जनपद रायबरेली से सम्बन्धित एक याचिका†

मान्यवर, मैं आपकी अनुज्ञा से विधान सभा जनपद-रायबरेली भूपगंज छिवलहा से बेनीमाधव गंज वाया हीरालाल का पुरवा सम्पर्क मार्ग का निर्माण कराये जाने के सम्बन्ध में श्री मधुसूदन व अन्य निवासीगण जनपद रायबरेली द्वारा हस्ताक्षरित याचिका उपस्थित करता हूं।

(विपक्ष के कई सदस्यों द्वारा एक साथ बोलने का प्रयास करने पर घोर व्यवधान)

श्री अध्यक्ष-

पहले याचिका प्रस्तुत हो जाने दीजिए उसके बाद बहुजन समाज पार्टी के सदस्य बोलेंगे।

कुँ0 नरेन्द्र पाल सिंह, सदस्य, विधान सभा की जनपद जालौन से सम्बन्धित एक याचिका

मान्यवर, मैं आपकी अनुज्ञा से जनपद-जालौन के विधान सभा क्षेत्र कालपी के विकास खण्ड कदौरा में सूर्य मन्दिर मार्ग में वन क्षेत्र पर मार्ग न बनाने के सम्बन्ध में श्री हर्षित खन्ना व अन्य निवासीगण जनपद जालौन द्वारा हस्ताक्षरित याचिक उपस्थित करता हूं।

[05:18 बजे] श्री राज्यपाल महोदय के अभिभाषण पर चर्चा (क्रमागत)

***श्री कमल सिंह मलिक-**

मा0 अध्यक्ष जी, 'जय गंगा मैय्या, जय गढ़मुक्तेश्वर'। महामहिम राज्यपाल महोदया के अभिभाषण पर डॉ0 मंजू शिवाच जी के समर्थन प्रस्ताव पर अपने ज्येष्ठ एवं श्रेष्ठ मा0 सदस्यों के समक्ष अपनी बात रखना चाहता हूं। महामहिम राज्यपाल महोदया का जो भाषण है वह हमारी सरकार के 03 साल के धरातलीय एवं रचनात्मक कृतित्व की शत-प्रतिशत सुव्याख्या है। किसी भी सरकार का आंकलन करना हो, तो किसी भी मा0 सदस्य का विधान सभा क्षेत्र पूरे उत्तर प्रदेश का दर्पण होता है। जब यह सरकार वर्ष 2017 में आई थी तब उत्तर प्रदेश में किस प्रकार का वातावरण था और मेरी विधान सभा में किस प्रकार का वातावरण था। हमने कहा था कि बेटी बचाओ, बेटी पढ़ाओ और मैं उस समय देखता था कि ऐसी छात्राएं जो परीक्षा में 98 एवं 99 प्रतिशत अंक पाती थीं लेकिन वह इण्टर के बाद पढ़ने नहीं जाती थीं और वह कहती थीं कि घर के बाहर का वातावरण ठीक नहीं है। मेरी विधान सभा क्षेत्र दिल्ली से लगी हुई है और मेरा जनपद-हापुड़ भी एन0सी0आर0 में आता है। वहां से बेटियां पढ़ने के लिए बसों में बैठकर नहीं जाती थीं। आज वहां का वातावरण ऐसा है कि बेटी कहीं भी जाए, वह सुरक्षित है। वह बेटियां जो पूरे प्रदेश एवं पूरे भारत का भविष्य एवं गौरव हुआ करती थीं, हो सकती थीं, लेकिन वह पढ़ने के लिए नहीं गईं। आज बेटियों, परिवार एवं अभिभावक को

---

† छापी नहीं गईं।

* वक्ता ने भाषण का पुनर्वीक्षण नहीं किया।

विश्वास है कि बेटियां कहीं भी जाएं उनको कोई भी खतरा नहीं है, वह सुरक्षित हैं। मैं गढ़मुक्तेश्वर विधान सभा क्षेत्र से आता हूं जहां मैं सर्वप्रथम अपने यशस्वी मा0 मुख्य मंत्री जी एवं वित्त मंत्री जी को धन्यवाद दूंगा जिन्होंने गढ़मुक्तेश्वर के सांस्कृतिक विकास के लिए, पर्यटन के लिए बजट में हिस्सेदारी दी, बजट में चर्चा की है। मा0 मोदी जी और मा0 योगी जी ने किसानों की आय को दोगुनी करने का वायदा किया है और मैं कहता हूं कि मेरी विधान सभा क्षेत्र किसान बाहुल्य विधान सभा क्षेत्र है और किसान की 90 प्रतिशत खेती गन्ने पर आधारित है। हम लोगों ने वर्ष 2022 में किसानों की आय दोगुनी करने की बात कही थी। लेकिन सरकार की गन्ना नीति के कारण से वह दोगुनी आय अभी हो गयी है। चूंकि आप वर्ष 2016-17 में गन्ने का बजट देखेंगे कि किसानों को कितना पेमेण्ट हुआ है तो वह मात्र 18 हजार करोड़ रुपये था लेकिन इस वर्ष में सरकार ने 36 हजार करोड़ रुपया गन्ना किसानों को दिया है। यह इस बात का प्रमाण है कि हमने वर्ष 2022 में किसानों की आय दोगुनी करने का वायदा किया था लेकिन हमने अभी से ही किसानों की आय दोगुनी करने का काम किया है। किसी भी सरकार के लिए शिक्षा एवं स्वास्थ्य दो मापदण्ड हुआ करते हैं। मेरी विधान सभा क्षेत्र के अन्दर शिक्षा के लिए लोकतांत्रिक इतिहास में किसी भी सरकार ने काम नहीं किया, कोई भी उच्च शिक्षा का केन्द्र नहीं था लेकिन मैं अपने उप मुख्य मंत्री डॉ0 दिनेश शर्मा जी को धन्यवाद दूंगा, जिन्होंने दो-दो महाविद्यालय मेरी विधान सभा क्षेत्र को देने का काम किया जिसमें एक लड़कियों के लिए है और एक महाविद्यालय को-एजुकेशन के लिए देने का काम किया। माननीय अध्यक्ष जी, मैं आपसे एक और आग्रह करता हूं कि मेरी विधान सभा क्षेत्र में नेचुरल रिसोर्सेज का भण्डार है। हमारे पास जमीन है, हम लोगों ने 500 एकड़ जमीन सेण्ट्रल यूनिवर्सिटी के लिए चिन्हित करके सरकार एवं शासन को दी है। अगर वहां पर सेण्ट्रल यूनिवर्सिटी बन जाएगी तो हम लोग जो एनसीआर में आते हैं, बहुत सारा शिक्षा का लोड दिल्ली से कम होगा और इससे पश्चिमी उत्तर प्रदेश का बहुत बड़ा भला होगा। मेरी विधान सभा क्षेत्र लगभग दिल्ली-अमरोहा-मुरादाबाद के बीच में आती है अगर वहां पर कोई एक्सीडेंट हुआ करता था, कोई अपने भाई, कोई अपने पति को खोया करता था लेकिन आज प्रदेश की सरकार के स्वास्थ्य मंत्री एवं मुख्य मंत्री जी ने हमें एक अत्याधुनिक ट्रामा सेण्टर देने का काम किया है उसका निर्माण प्रारम्भ होने वाला है। इसके लिए भी मैं सरकार को बहुत-बहुत धन्यवाद देना चाहता हूं।

श्री अध्यक्ष-

माननीय मलिक जी, अब ठीक है, समाप्त करिए।

***श्री कमल सिंह मलिक-**

माननीय अध्यक्ष जी, परिवहन की दृष्टि से मुझे तीन सौ करोड़ की सड़कें मिली हैं इसके लिए मैं उप मुख्य मंत्री केशव प्रसाद मौर्य जी को बधाई देना चाहूंगा लेकिन इसी के साथ हमारे यहां एक संवैधानिक संकट है। मेरी गढ़मुक्तेश्वर नगर पालिका पर जो एन0एच0आई0 का

* वक्ता ने भाषण का पुनर्वीक्षण नहीं किया।

टोल है उसके दोनों तरफ बस्ती है, अगर आदमी एक किलोमीटर भी पार करता है तो उसे टोल देना पड़ता है, दूसरी पार भी जाता है तो भी टोल देना पड़ता है। इसके लिए कृपया कोई व्यवस्था लागू करें क्योंकि लोकल टोल नहीं लगता है जो कि हमारे यहां बहुत बड़ा संवैधानिक संकट है, उसके लिए लोग आन्दोलन कर रहे हैं, मैं सरकार से कहूंगा कि इसके लिए सरकार कोई व्यवस्था का निर्माण करे। हमारे यहां गन्ने का जो रकबा है उसके हिसाब से लगभग दोगुना उत्पादन है, मैं सरकार से कहूंगा अगर एक गन्ना मिल हमारे यहां लगाएंगे तो निश्चित रूप से हम उस गन्ना मिल को भी पूरी सप्लाई गन्ने की देंगे। मैं अन्त में यह कहूंगा कि हमारी सरकार ने हमारी सांस्कृतिक पहचान के लिए, लोकतांत्रिक इतिहास में गढ़मुक्तेश्वर के लिए किसी सरकार ने कोई काम नहीं किया है और हमारे यहां जो कृष्ण भगवान के समय में उन्हीं के हाथों से मेला प्रारम्भ हुआ था, कुम्भ के बाद सबसे बड़ा मेला है, कुम्भ से अलग विचित्र बात उस मेले की यह है कि कुंभ में लोग आते-जाते हैं लेकिन इसमें 10 दिन तक एक परिवार अपनी गाड़ी लेकर वहां बसता है।

श्री अध्यक्ष-

अब आपका समय समाप्त हुआ। विक्रम सिंह जी आप बोलिए। विक्रम जी खड़े हो गये, अब आप बैठिए। आपका बहुत-बहुत धन्यवाद।

***श्री कमल सिंह मलिक-**

मैं ये कहना चाहता हूं कि हमारी सरकार के जो मुख्य मंत्री जी हैं वह संत हैं और संत का काम होता है वह अपनी आध्यात्मिक विचारधारा को आत्म-कल्याण और जनकल्याण के लिए लगाये। अन्त में यही कहूंगा,

''परहित बस जिन्ह कै मन माही।
तिन्ह कहुं जग दुर्लभ कुछ नाहीं।।''

श्री अध्यक्ष-

आप बैठ जाइए, विक्रम जी खड़े हैं।

श्री कमल सिंह मलिक-

माननीय अध्यक्ष जी, आपने मुझे बोलने का अवसर दिया उसके लिए बहुत-बहुत धन्यवाद्। जय हिन्द-जय भारत।

श्री अध्यक्ष-

सैनी जी आप बोलिए।

---

* वक्ता ने भाषण का पुनर्वीक्षण नहीं किया।

श्री विक्रम सिंह-

माननीय अध्यक्ष जी, आपने मुझे बोलने का अवसर दिया उसके लिए आपका बहुत-बहुत धन्यवाद। मैं नया विधायक हूं और अभी सीख रहा हूं। मैं महामहिम श्री राज्यपाल महोदया द्वारा सदन में दिए गये अभिभाषण के पक्ष में बोलने के लिए खड़ा हुआ हूं। सरकार के जो काम उसमें बताये गये हैं वे देश एवं प्रदेश के हित में हैं, चाहे युवा वर्ग हो, किसान हो, व्यापारी हो, मातृशक्ति हो, सभी के लिए बहुत कुछ उसमें है। जो पहले स्थिति हुआ करती थी, गुण्डाराज था, मैं भी छोटा किसान हूं, पानी चलाने जब जाते थे तो दस-दस लोग जाया करते थे, बदमाशों का भय रहता था। योगी जी की सरकार में यह सब बन्द हुआ है। छोटी-मोटी घटनाएं तो हैं लेकिन उनका खुलासा होने लगा है, बदमाश पकड़े जा रहे हैं, जेल भेजे जा रहे हैं। जो हमारे चौधरी साहब हैं, विपक्ष के नेता हैं, उनसे बहुत कुछ सीखने को मिल रहा है। जिस दिन वह यहां नहीं होते हैं, उस दिन विधायकों के चेहरे पर मुस्कुराहट भी नहीं आती। क्योंकि यह सरकार के खिलाफ बोलते-बोलते भी यह ध्यान में रखते हैं कि कोई बोर न हो। बड़ा अच्छा लगता है। घर जाते हैं तो बच्चे पूछते हैं कि चौधरी साहब आज नहीं थे ? वह टी0वी0 पर देखते हैं तो उनका मन नहीं लगता है। इसलिए आपका रहना बहुत जरूरी है, आपका स्वास्थ्य ठीक रहे। पता चला था, आपको अटैक हो गया था। अब आप ठीक हैं, ठीक रहेंगे, ऐसा मुझे विश्वास है। अध्यक्ष जी, माननीय मुख्य मंत्री योगी जी के शासन में इतना विकास हुआ है, चाहे बिजली हो, शहरों में 24 घण्टे, नगरों में 20 घण्टे और गांवों में 18 घण्टे बिजली आ रही है। पहले जब बिजली आती थी तो बच्चे तालियां बजाने लगते थे कि बिजली आ गयी, बिजली आ गयी। अब किसानों के लिए पानी की जो बात है, अब दिन में इतनी बिजली आ जाती है कि उनको इसके लिए रात में खेतों में जाना ही नहीं पड़ता। इन्हीं शब्दों के साथ मैं अपनी बात समाप्त करता हूं, जय हिन्द, जय भारत।

(कई सदस्य बोलने के लिए खड़े हो गए)

श्री अध्यक्ष-

आप बहुत लोग खड़े हैं, हमको दिक्कत आ रही है। मैं क्या करूं ? आप लोग कृपया बैठ जाइये। हमारा जॉब बड़ा कठिन है, जिसका हम नाम लेते हैं, खुश होता है, फिर जब बैठने को कहते हैं तो नाराज हो जाता है। इसके लिए कोई नियम बनाना पड़ेगा कि जब इधर के 02 लोग बोल लें तो उधर के बोलें। आप कोई बुद्धि लगाने का मौका ही नहीं देते हैं। बहुत दबाव आता है, हमारा स्वभाव ऐसा है, हम निर्णय कैसे करें ? हम आप लोगों का बहुत आदर करते हैं। अब इतने लोग खड़े हैं तो हम कैसे चयन करें।

श्री उमाशंकर सिंह-

माननीय अध्यक्ष जी, चूंकि आपने एक बार नाम पुकार लिया था कि इधर के बाद बसपा के सदस्य तैयार रहेंगे। इसलिए मैं याद दिला रहा हूं, यदि सम्भव हो तो देख लें।

(कई सदस्यों के एक साथ बोलने का प्रयास करने पर)

श्री अध्यक्ष-

आप लोग बैठें, अभी तो सदन चल ही रहा है। नियम-51 वाले लोग बैठे होंगे कि जल्दी से जायें।

अब शाह आलम उर्फ गुड्डू जमाली।

श्री शाह आलम उर्फ गुड्डू जमाली-

माननीय अध्यक्ष जी, आपने श्री राज्यपाल के अभिभाषण पर मुझे भाग लेने का मौका दिया, इसके लिए मैं आपका आभारी हूं। मैं नेता प्रतिपक्ष और अपने दल के नेता माननीय श्री लाल जी वर्मा और सभी विपक्ष के नेताओं द्वारा जो भी संशोधन प्रस्ताव दिया गया है, उससे अपने आपको सम्बद्ध करता हूं। मान्यवर, मैं सिर्फ दो-तीन बातें कहना चाहता हूं। माननीय अध्यक्ष महोदय, अभिभाषण सुनने में अच्छा हो सकता है, पढ़ने में भी अच्छा हो सकता है। मगर किसी ने कहा है कि-

'सिर्फ रंगों से कभी रस नहीं टपका करते,
कागजी फूल पर तितली नहीं आया करती।'

माननीय अध्यक्ष महोदय, मैं इस सदन का ध्यान एक बहुत ही गम्भीर घटना की तरफ ले जाना चाहता हूं। क्योंकि मैं देख रहा हूं कि इतनी सारी चर्चाएं हो रही हैं, मगर हम इतनी महत्वपूर्ण घटनाओं को कैसे भूल जाते हैं, उस पर चर्चा क्यों नहीं हो रही है ? मान्यवर, अभी मात्र चार दिन पहले की बात है और मैं बहुत खुशनसीब हूं कि मा0 वित्त मंत्री जी भी यहां पर मौजूद हैं और यह हमारे गार्जियन के समान हैं। अभी बनारस में एक परिवार ने वित्तीय संकट की वजह से आत्महत्या कर ली। हम सबने देखा और सुना है कि एक बेटा अपने बाप से कहता है कि पिता जी आपको अगर मुझे मारना है तो मुझे नींद की गोली दे दीजिएगा, उसके बाद मेरा गला दबा दीजिएगा, यह घटना सबने सुनी। मैं हाथ जोड़कर सिर्फ इतना कहना चाहता हूं मा0 वित्त मंत्री महोदय से सरकार कोई चलाए हमें बहुत फर्क नहीं पड़ता और नाहक आप लोग सोचते हैं कि कोई मुसलमान आपके विरोधी है, हमारे बहुत सारे भाई कहते हैं ऐसा नहीं है, कोई सरकार चलाए हम तो जानते हैं कि हम तो मॉयनॉरटी में हैं, हमें थोड़ी न मुख्य मंत्री बनना है। हम तो सिर्फ इतना चाहते हैं कि जो भी चलाए वह धर्म और जाति के नाम पर किसी से नफरत न करे, हम इतना ही चाहते हैं। मैं हाथ जोड़कर आपसे कहना चाहता हूं, क्योंकि आप फाइनेन्स मिनिस्टर हैं, ईश्वर ने आपको यह मौका दिया है, आप कर सकते हैं। ऐसे व्यापारी के लिए कोई फण्ड बनायें जो परेशान है अभी एक साल पहले की घटना है गुप्ता जी गाजियाबाद में हमारे दोस्त हुआ करते थे। मैं अपने आंखों के सामने की बात बता रहा हूं कि पन्द्रह दिन पहले हम लोग एक पार्टी में मिले थे और बहुत खुश थे और वह कह रहे थे कि आलम भाई बिटिया की शादी तय कर दिया है, आप सब लोगों को आना है। एक दिन हम

लोगों ने टाइम्स ऑफ इण्डिया में पढ़ा कि गुप्ता जी ने सोसाइड कर लिया है, वह भी आर्थिक संकट की वजह से। मा0 अध्यक्ष महोदय, इस पर भी चर्चा होनी चाहिए। अभी हमारी एक बहन ने अभी बहुत अच्छी बात कही कि क्या हम लोग इस हाउस में नफरत की बात करने आए हैं, तेरा-मेरा, हिन्दु-मुसलमान, मन्दिर-मस्जिद इसके अलावा हट करके और कोई बात नहीं करेंगे। ऐसा नहीं है मा0 अध्यक्ष महोदय यह देश सबका है, जहां तक अभी हमारे भाई कह रहे थे कि डेमोक्रेसी है। सी0ए0 और एन0आर0सी0 का जब जिक्र आता है तो हमें कहना पड़ता है और हमारा यह मानना है कि यह संविधान के मूल ढांचे के विपरीत है, और लोकतांत्रिक तरीके से लोकतांत्रिक दायरे में रह करके हमको अपनी बात या देश के हर नागरिक को अपनी बात कहने का हक है। बिलरियागंज में रात चार बजे पुलिस ने लाठी चार्ज कर दिया। महिलाओं को मारा गया, उन पर पानी फेंका गया, चार-चार महीने के बच्चों को मारा गया। मुबारकपुर में पचासों लोगों को अनावश्यक रूप से मुल्जिम बना दिया गया। अभी नेता प्रतिपक्ष जब बहस कर रहे थे तो यह चर्चा हो रही थी और उन्होंने अच्छी वार्ता की कि खाली वन साइडेड पुलिस की बताई हुई स्टोरी पर न जाइये। अभी जामिया का एक वीडियो वायरल हुआ और आपने देखा कि बच्चे लाइब्रेरी में पढ़ रहे थे और वह बेचारे किताबों से अपना बचाव कर रहे थे, और पुलिस लाठी चला रही थी। मैं किसी को दोष नहीं दे रहा हूं, मैं सिर्फ इतना कहना चाहता हूं कि हम आरोप-प्रत्यारोप नहीं करते हैं। हम सिर्फ इतना कहते हैं कि मा0 अध्यक्ष महोदय हमारा यह कहना है कि बिलरियागंज में, मुबारकपुर में ज्यादती हुई है। आपको अगर लगता है कि नहीं हुई है तो आप जांच किसी रिटायर्ड न्यायाधीश से करा दीजिए। मा0 अध्यक्ष महोदय ये चाहे कितना भी कर लें हिन्दू मुसलमान का इस देश में ऐसा रिश्ता है कि चाहे लाख कोई कोशिश कर ले उनको बांट नहीं सकता। इतिहास गवाह है कि जब हम नफरत की बात करते हैं तो इसी देश में उसको भी याद रखना पड़ेगा कि जब पंडित राम प्रसाद बिस्मिल और अशफाक उल्ला खां को एक साथ गिरफ्तार करके फांसी के फन्दे पर चढ़ाने की बात हुई तो इन्हीं अंग्रेजों ने अशफाक उल्ला खां से कहा कि अशफाक तुम यह लिख दो कि तुम राम प्रसाद बिस्मिल के बहकावे में आ करके तुमने यह आन्दोलन शुरू किया है, हम तुम्हें माफ कर देंगे। अशफाक उल्ला खां ने कहा कि थूकता हूं मैं तेरे मुंह पर और ऐसी रिहाई पर तेरी गुलामी से बेहतर है कि मैं पंडित राम प्रसाद बिस्मिल का जूता साफ करूं, उनका और हमारा ऐसा रिश्ता है। किसी ने कहा है कि सिर्फ लफ्जों का नहीं, रूह का रिश्ता है हमारा, तू तेरी सांस में तहलील हूं खुशबू की तरह। आप लाख हमको तोड़ो, लाख अलग करने की कोशिश करें, कभी हम अलग नहीं हो सकते मेरे भाई। अभी लोगों ने दिल्ली में वोटिंग की है, लोगों ने यह वोट देकर भी दिखाया बिना नफरत के भी वोट मांगा जा सकता है और चुनाव जीता जा सकता है। मैं किसी दल की वकालत नहीं करता, न मैं आम आदमी पार्टी का नेता हूं, लेकिन मैं यह जरूर कहता हूं कि मैं एक जिमेम्दार नागरिक और विधायक होने के नाते मैं दो बार विधायक हुआ हूं एक भी सी0डी0 अगर दिखा दीजिए कि मैंने कभी मुस्लिम समुदाय में जाकर मुस्लिम

होने के नाम पर वोट मांगा हो या कुछ कहा हो। इसलिए मैं यह कहता हूं और हाथ जोड़ करके इस सदन से कहना चाहता हूं कि थोड़ा इस राजनैतिक स्थिति को बदलिए। कुछ अच्छी बातें हों। जब परिवार के परिवार मर जाते हैं तो हम उसकी चर्चा नहीं करते। हम हर वक्त नफरत की बातें करते हैं, यह अच्छा नहीं है। मा0 अध्यक्ष महोदय इसी के साथ मैं आपका आभारी हूं, आपका धन्यवाद।

श्री अध्यक्ष-

हमारे पास समाजवादी पार्टी के 10 नाम शेष हैं, भारतीय जनता पार्टी के 13-14 नाम शेष हैं, बसपा के दो या तीन नाम हैं और एक नाम कांग्रेस का होगा। अगर इसमें धक्का-मुक्की न हो और लोग 05 मिनट में ही अपनी बात कह लें तो हम लोग 7-8 बजे तक निपटा लेंगे।

***नेता विरोधी दल (श्री राम गोविन्द चौधरी)-**

मा0 अध्यक्ष जी, हम तो इस पक्ष में शुरू से रहे हैं और जबसे यह विधान सभा बनी है तबसे इसका कार्यकाल सुबह 11 बजे से शाम 5 बजे तक का रहा है। लेकिन आज हम देख रहे हैं कि चूंकि कल मा0 मुख्य मंत्री जी को बोलना है और हो सकता है कि वे सम्भवतः 01 ही बजे से बोलें। अभी दोनों तरफ के मा0 सदस्य बोलने के इच्छुक हैं और हम घर जाने के इच्छुक हैं तो मैं आपसे प्रार्थना करता हूं कि आज जितने मा0 सदस्य बोलना चाहें, आप उनको बोलवा दीजिए और हमको छुट्टी दे दीजिए। आपका बहुत-बहुत धन्यवाद।

श्री अध्यक्ष-

आपकी बात पर हर बार संसदीय कार्य मंत्री जी खड़े होते थे लेकिन इस बार खड़े नहीं हुए। अब प्रभु नारायण सिंह यादव जी बोलेंगे।

***श्री प्रभु नारायण सिंह यादव-**

मा0 अध्यक्ष जी, आपने मुझे बोलने का अवसर दिया, आपका धन्यवाद। जबसे यह सरकार आई है तबसे पूरी तरह से कानून-व्यवस्था ध्वस्त है, बर्बाद है, किसान बर्बाद हो चुका है, बेरोजगारों की बड़ी लम्बी फौज खड़ी है, गरीब परेशान है। आज महंगाई चरम सीमा पर है, अस्तपालों में दवा का कोई इन्तजाम नहीं है, न डॉक्टर हैं। किसान मेहनत करके फसल उगाने का काम कर रहा है तो उसको उचित मूल्य मिलने का काम भी नहीं हो रहा है। आज डीजल के दाम, बिजली के दाम, रसोई गैस के दाम बढ़ने का काम रोज हो रहा है। ऐसे परिवेश में सरकार बार-बार किसान की आय दोगुनी करने की बात कर रही है। आज डीजल भी महंगा है, सिंचाई भी महंगी है और बिजली के रेट 05 गुना बढ़ाने का काम इस सरकार के आने के बाद से हुआ है। आज किसान पूरी तरह से बर्बादी की कगार पर है, आत्महत्या कर रहा है।

---

* वक्ता ने भाषण का पुनर्वीक्षण नहीं किया।

प्रधानमंत्री किसान सम्मान योजना के तहत किसान को सम्मान देने की बात कही गई लेकिन आज भी लाखों लोग इससे वंचित हैं। आज तक उनको इसका लाभ देने का काम नहीं किया गया। मैं आपके माध्यम से अपने जनपद चन्दौली की बातों की तरफ आपका ध्यान दिलाना चाहता हूं। यहां बिजली कनेक्शन के नाम पर बड़ी पीठ थपथपाई गई। मा0 अध्यक्ष जी, मैं आपको बता रहा हूं और सच्चाई है कि गांवों में आप चले जाइए। जहां उनका बिजली का बिल 5 हजार-10 हजार आता था आज 5 लाख, 10 लाख का बिल भेजकर किसानों का, गरीबों का उत्पीड़न करने का काम इस सरकार में बैठे लोग कर रहे हैं। मैं आपका ध्यान विशेष रूप से चन्दौली जनपद की तरफ दिलाना चाहता हूं। चन्दौली जनपद जो धान का कटोरा कहा जाता है। धान के उत्पादन में उसको सम्मान मिलने का काम पूरे उत्तर प्रदेश में हुआ है लेकिन आज चन्दौली जनपद का किसान जो धान की फसल उगाने का काम करता है आज उसकी फसल या तो खेत में है या तो खलिहान में पड़ी है कोई पूछने का काम नहीं कर रहा है। सरकार की गलत नीतियों के कारण तुगलकी फरमान के कारण ऐसा हुआ। यही सरकार एक बार आदेश करती है कि किसान की फसल का हार्वेस्टर से कटाई का काम नहीं होगा। हार्वेस्टर चलाने पर रोक लगाती है। सैकड़ों किसानों के ऊपर मुकदमा चलाने का काम करती है और वही सरकार जब इन किसानों का धान खेतों में सड़ जाता है तो हार्वेस्टर चलाने की अनुमति देती है। जब किसान बर्बादी के कगार पर पहुंच जाता है आज वर्तमान समय में जब खाद भी महंगी है, डीजल भी महंगा है और बिजली भी महंगी है किसी तरह से किसान कर्ज लेकर अपने खेत में फसल उगाने का काम कर रहा है तो आज गौ रक्षा के नाम पर बहुत-सी गौशालायें बनाई गई हैं, माननीय मुख्य मंत्री जी ने बहुत प्रयास किया है लेकिन जो जमीनी स्थिति है कि बची-खुची फसल भी इस गोवंश के द्वारा बर्बाद किये जाने का काम हो रहा है। गौशाला के नाम पर जहां प्रति जानवर 20 रुपये उनके भोजन के नाम पर दिया जाता है।

माननीय अध्यक्ष जी, सच्चाई मैं आपको बताना चाहता हूं और कई गौशालाओं में जाकर हम लोगों ने देखा भी है कि जानवर आज वहां पर खाने के बगैर मर रहे हैं, जितने जानवर श्लाटर हाउस में नहीं काटे जाते हैं, उससे ज्यादा जानवर आज गौशालाओं में मर रहे हैं और साथ ही सड़क दुर्घटनाओं में मर रहे हैं। इसलिए किसान के नाम पर केवल हाय-तौबा मचाने का काम यह सरकार कर रही है आज बेरोजगारों की लम्बी फौज है, गरीब हैं, किसान हैं सब परेशान हैं। हमारे जनपद में लोग बहुत उम्मीद लगाकर बैठे थे, माननीय मुख्य मंत्री जी का कार्यक्रम था, वहां पर कम से कम 7-8 बार जाना हुआ। बड़ी देशभक्ति की दुहाई देती है भारतीय जनता पार्टी की सरकार अभी वहां पर 16 तारीख को कार्यक्रम था माननीय प्रधानमंत्री जी भी गये थे, उसमें माननीय मुख्य मंत्री जी भी गये थे जिसमें 1200 करोड़ रुपये की घोषणा हुई, ये चन्दौली जनपद में कार्यक्रम हो रहा था लेकिन एक रुपया भी चन्दौली जनपद के लिए देने का काम नहीं हुआ। बड़ी देशभक्ति की दुहाई दी जाती है वहीं का एक जवान अवधेश यादव जो कि पुलवामा हमले में मारा गया था आज तक उसके नाम पर न तो कोई सड़क

बनाने का और न ही कोई गेट बनाने का और न ही उसको सम्मानित करने का काम किया गया है। उसी कार्यक्रम स्थल से मात्र 500 मीटर दूरी पर उस शहीद का घर है लेकिन आज तक मुख्य मंत्री जी ने उसके घर जाने का काम नहीं किया और न ही सरकार के किसी मंत्री ने काम नहीं किया। इसलिए माननीय अध्यक्ष जी, हम आपके माध्यम से यह मांग करते हैं हम चाहते हैं कि आप हम लोगों का संरक्षण करें। चन्दौली जनपद का किसान जो पूरी तरह से बर्बाद हो गया है, आज आप चाहे अपने निर्देश से सरकार के द्वारा कोई कमेटी बनाकर जांच करा लें एक चौथाई से ज्यादा धान की फसल खेतों में पड़ी है और उसका कोई पुरसाहाल नहीं है। मैं चाहता हूं कि जिस तरह से किसानों की बर्बादी हुई है किसानों ने आन्दोलन भी किया है। इस आपदा के संकट में किसान की मद्द के लिए सरकार का आगे आना चाहिए। मैं आपसे मांग करता हूं कि आज जो किसान की फसल बर्बाद हुई है। आज सरकार से उन किसानों को लाभ के नाम पर उनको अनुदान दिलाने का, उनको मुआवजा दिलाने का काम करे। आपने हमें अभिभाषण के संशोधन प्रस्ताव पर जो माननीय नेता विरोधी दल ने रखा है मैं उस पर बल देता हूं और आपने हमें जो समय दिया, मैं उसके लिए आपका बहुत-बहुत आभारी हूं। बहुत-बहुत, धन्यवाद।

श्री राजीव कुमार सिंह उर्फ बब्बू भईया-

माननीय अध्यक्ष जी, आपने मुझे माननीय राज्यपाल महोदया के अभिभाषण पर श्रीमती मंजू शिवाच द्वारा दिये गये धन्यवाद प्रस्ताव के समर्थन पर बोलने का अवसर प्रदान किया, मैं आपको और इस सदन को बहुत-बहुत धन्यवाद देता हूं। माननीय अध्यक्ष जी, हमारी सरकार द्वारा पूरे उत्तर प्रदेश में सभी को साथ लेकर सबका साथ और सबके विकास के सिद्धान्त के आधार पर विकास कार्यक्रमों को बढ़ाया गया है और जो विकास उत्तर प्रदेश में आदरणीय योगी आदित्यनाथ जी की सरकार में किये गये हैं, वह इतिहास में मील का पत्थर साबित होंगे। हमारी सरकार ने सामाजिक समरसता को भी मजबूत करने का काम किया है और पूरे प्रदेश में चहुमुखी विकास किया है। उत्तर प्रदेश में पहली बार बिना भय भ्रष्टाचार के, बिना जाति-धर्म, भाषा, क्षेत्र से ऊपर उठकर हमने सम्पूर्ण प्रदेश का कायाकल्प करने का काम किया है। हमारी सरकार ने पूर्व में भी बिना भेद-भाव के पारदर्शिता के आधार पर किसानों का 1 लाख तक का ऋण माफ करने का काम किया था, वह कहीं किसी भाषा, जाति-धर्म के नाम पर नहीं किया था। जो भी उसमें पात्रता की सूची में आये थे, हमने चाहे सौभाग्य योजना में कनेक्शन दिये हों, चाहे हमने माताओं-बहनों के लिए गैस सिलेण्डर देने का काम किया है। हमने पूरे उत्तर प्रदेश में प्रधानमंत्री आवास योजना में सभी जाति-धर्म के लोगों को जो पात्रता की सूची में हैं और जो इनकी सरकार के समय में बनी थीं, उन्हीं को देने का काम किया है। इस आजाद भारत में 70 साल के बाद भी जिन गांवों में बिजली नहीं पहुंची थी उसमें पंडित दीनदयाल उपाध्याय ज्योति योजना के माध्यम से उन गांवों में, उन गरीबों के घर में वल्ब जलाने का काम भी हमारी सरकार द्वारा किया गया है।

आदरणीय अध्यक्ष जी, हमारी सरकार ने आयुष्मान कार्ड के माध्यम से जो गरीब इलाज के अभाव में दम तोड़ देते थे, उनको एक रुपये से पांच लाख रुपये तक के इलाज के लिए आयुष्मान कार्ड बनाने की योजना का भी काम शुरू किया है। आज हमारी सरकार द्वारा गरीब के घर माताओं-बहनों के सम्मान के लिए शौचालय बनाने का कीर्तिमान स्थापित किया गया है। जो अभी हमारे विपक्ष के मित्र बता रहे थे, इन योजनाओं में सभी जाति-धर्म के लोगों को शामिल किया गया है। पारदर्शिता के आधार पर, निष्पक्षता के आधार पर कहीं किसी के साथ बिना भेद-भाव किये अगर किसी ने पहली बार काम किया है तो आदरणीय योगी आदित्यनाथ जी की सरकार ने किया है। हमारी सरकार ने 70 वर्ष के बाद पूरे प्रदेश में बिजली का काम करने के साथ-साथ किसानों के गन्ने का ऐतिहासिक भुगतान किया है और उसमें इनकी सरकार के समय का 10 हजार करोड़ भी हमारी सरकार ने भुगतान किया है। लगभग 86 हजार करोड़ का भुगतान करने का काम हमारी इस ऐतिहासिक सरकार द्वारा किया गया है। माननीय मुख्य मंत्री जी द्वारा 'मुख्य मंत्री सामूहिक विवाह योजना', 'एक जनपद और एक उत्पाद' में गांव के विकास को गति देने का काम 'किसान सम्मान निधि' में 1 करोड़ 87 लाख लोगों को सम्मानित करने का काम किया है। हमारा लक्ष्य 2 करोड़ 52 लाख का है और लगभग 1 करोड़ 87 लाख लोगों को सीधे डी0बी0टी0 के माध्यम से पैसा हमारी सरकार दे चुकी है। निर्मल गंगा हो उसके लिए हमारी सरकार ने बिजनौर से कानपुर और बलिया तक जाने का काम किया है। लोगों को संदेश दिया है कि गंगा को स्वच्छ रखना है और गंगा को स्वच्छ रखने के साथ-साथ गंगा को हम लोग मां की तरह मानते हैं इसलिए उसको उपयोगी बनाने का काम भी किया जा रहा है। आज 'मुख्य मंत्री आवास योजना' के नाम पर भी हमने 50 हजार आवास बनाने का काम किया है। पहली बार मूसहर, वनटांगिया, कोल, थारू आदि ग्रामों को राजस्व ग्राम का दर्जा देने का काम किया है। हमने इस प्रदेश के स्वास्थ्य के लिए कई मेडिकल कालेज खोलकर स्वास्थ्य को सुलभ और सस्ता बनाने का काम किया है। आदरणीय अध्यक्ष जी, इसके साथ-साथ शिक्षा के क्षेत्र में चाहे वह प्राथमिक शिक्षा हो, जूनियर शिक्षा हो या उच्च शिक्षा हो, सभी शिक्षाओं का उच्चीकरण करके और उसको पारदर्शिता के आधार पर छात्रों के जीवन को रोजगारमुखी बनाने का काम हमारी सरकार ने किया है। पहले जो शिक्षा माफियाओं के हाथ में थी, उससे निकाल कर उसको पारदर्शी बनाने का काम करके इस दिशा में आमूल-चूल परिवर्तन किया है। माननीय अध्यक्ष जी, हमने पूर्वांचल एक्सप्रेस, बुन्देलखण्ड एक्सप्रेस, गोरखपुर लिंक एक्सप्रेस, मेरठ से प्रयागराज तक 637 किलोमीटर और नोएडा इंटरनेशनल एयरपोर्ट बनाने का काम भी किया है। पहली बार उत्तर प्रदेश में औद्योगिक समिट करके हमने लगभग 2 लाख करोड़ रुपये का निवेश करके रोजगार देने का भी काम किया है और डिफेन्स एक्सपो जो अभी लगी थी, उसमें भी 50,000 करोड़ का निवेश करने का आश्वासन मिला है। इस सरकार द्वारा पूरे प्रदेश के लिए सम्पूर्ण विकास की योजनायें संचालित की जा रही हैं। हमारी सरकार बिना भय, भ्रष्टाचार के, बिना भेद-भाव के काम कर रही है।

हम आपसे अनुरोध करते हैं कि हमारी विधान सभा क्षेत्र, 117, दातागंज में एक स्टेडियम, दो छोटे पुल और एक चीनी मिल की स्वीकृति दें, जिससे वहां के किसानों को राहत मिले। आपने मुझे इस अवसर पर बोलने का अवसर दिया, उसके लिए आप सबका बहुत-बहुत धन्यवाद। जय हिन्द, जय भारत।

श्री राम प्रताप सिंह-

धन्यवाद अध्यक्ष जी, आपने मुझे डा0 मंजू शिवाच के माननीय राज्यपाल महोदय के अभिभाषण के समर्थन में बोलने का मौका दिया। हमारी सरकार जबसे उत्तर प्रदेश में आयी है, कानून का राज स्थापित हुआ है, लगातार विकास की योजनायें संचालित हुई हैं, चाहे सड़क का मामला हो, चाहे शिक्षा हो, स्वास्थ्य हो, चाहे सिंचाई का जल हो, चाहे पेयजल हो। मैं आगरा से आता हूं और आगरा में भी गंगा जल जो बहुत समय से लटका पड़ा था और तमाम सरकारों ने घोषणायें की थीं लेकिन उसको पूर्ण करने का काम अगर किसी ने किया, उसको पैसा देने का काम किसी ने किया तो आदरणीय योगी आदित्यनाथ जी की सरकार ने किया। आज आगरा के अन्दर गंगा जल मिल रहा है। शौचालय का निर्माण हुआ है, आवासों का निर्माण हुआ है और जब बात आयी कि इतवार को डाक्टर नहीं मिला करते हैं, जो जन आरोग्य मेले लग रहे हैं, उसमें डाक्टर उपलब्ध हो रहे हैं। अनेकों-अनेक विकास के काम हुए हैं, लेकिन कुछ विपक्ष के सदस्यों ने बड़ी अजीबों-गरीब बात की। लग रहा था कि जमालुद्दीन ठीक कह रहे हैं, लेकिन उससे पहले एक ने कहा कि किसी के बाप का राज नहीं है। मोदी जी ने तो हमेशा सबका साथ, सबका विकास की बात की थी। अगर सिलेण्डर दिये थे तो न हिन्दू देखा था न मुसलमान और अगर सड़क बनायी थी तो न हिन्दू देखा था न मुसलमान और आप थे जिन्होंने पिछड़ी जातियों की बेटियों की छात्रवृत्ति को रोकने का काम किया था और मोदी जी के टाइम में चाहे सामान्य हो, चाहे पिछड़े हों और चाहे अल्पसंख्यक हों, सब बेटियों को छात्रवृत्ति मिलती है। हम लोगों ने नारा दिया ''बेटी-बेटी एक समान, हिन्दू हो या मुसलमान''। लेकिन आपने पिछड़ी जाति की छात्रवृत्ति रोकने का काम किया था। फिर कहा कि गोलियाँ चला दीं। (विपक्ष के सदस्यों द्वारा टोका-टाकी करने पर)। आपने कुछ अच्छी बात की थी लेकिन एक सदस्य ने कहा कि आपने तो हमेशा महिलाओं के ऊपर, बहनों के ऊपर अत्याचार किया है। पहले तीन तलाक के नाम से अत्याचार किया था तो मोदी जी ने उन बहनों को संरक्षण देने का काम किया। अब खुद बैठे सर्दियों में घर में और महिलाओं को धरने पर बैठने के लिए आगे कर दिया। फिर से आपने अपनी माताओं और बहनों पर जो हमारी भी मातायें और बहनें हैं, उन पर अत्याचार करने का काम किया। अगर गुण्डे जायेंगे, गुण्डे अगर बच्चों की बसों को जलायेंगे, किसी के घर को जलायेंगे, सैकड़ों पुलिसकर्मियों को चोट पहुंचायेंगे, बुलेट की इंजरी होगी तो ये योगी की सरकार है, चूड़ी नहीं पहनेगी और गुण्डों को ढंग से जवाब दिया जायेगा। आप उनके लिए मुआवजे की बात करते हैं, जो उस बस को जलाने का प्रयास कर रहे थे, जिसमें स्कूल के 30 बच्चे थे।

श्री अध्यक्ष-

आप अब समाप्त कीजिये।

श्री राम प्रताप सिंह-

मैं अपनी विधान सभा क्षेत्र के बारे में कुछ बोल देता हूं। (विपक्ष के सदस्यों द्वारा टोका-टाकी करने पर)। आप बात न करें, यहां कानून का राज होगा। जमीनों पर कब्जे होते थे, यह बात मैं नहीं कह रहा, इन्हीं के चाचाश्री कहते हैं कि समाजवादी पार्टी में जमीनों पर कब्जे होते थे। यह विधान सभा इसका उदाहरण है।

श्री अध्यक्ष-

आप उनसे बात न करें, अपनी बात कहें।

श्री राम प्रताप सिंह-

मेरी विधान सभा क्षेत्र एत्मादपुर है। मैं ज्यादा समय नहीं लूंगा, समय में ही खत्म कर दूंगा। हमारे यहां गंगाजल आ गया है लेकिन मेरी विधान सभा यमुना के उस पार पड़ती है, तो मैं आपके माध्यम से सरकार से निवेदन करूंगा कि जो पाइप लाइन खराब है, कहीं पाइप लाइन नहीं है। इन लोगों ने कभी ध्यान नहीं दिया था और साथ में छोटा जल संस्थान अगर मेरी विधान सभा एत्मादपुर को मिलेगा तो विधान सभा क्षेत्र का बहुत लाभ होगा। आलू का सबसे ज्यादा उत्पादन पूरे प्रदेश में आगरा के एत्मादपुर विधान सभा क्षेत्र में ही होता है अगर वहां आलू का केन्द्र बनेगा तो अच्छा होगा। मान्यवर, मेरे विधान सभा क्षेत्र में गायत्री परिवार के संस्थापक आचार्य श्रीराम शर्मा जी की जन्मस्थली आवंलखेड़ा में है उसका विकास किया जाय और एत्मादपुर से आवंलखेड़ा तक सड़क का चौड़ीकरण हो जाय।

श्री अध्यक्ष-

माननीय सदस्य अब समाप्त करें और अब समाजवादी पार्टी से कोई एक माननीय सदस्य बोल लें।

श्री राम प्रताप सिंह-

माननीय अध्यक्ष जी, बस दो-तीन बिन्दु और कहना चाहता हूं कि अस्पताल में एक्सरे मशीन और ओवरहेड टैंक की भी मैं अपने क्षेत्र में मांग करता हूं और मेरे क्षेत्र में एक थाने का प्रस्ताव लम्बित है वह हो जाय और किसानों को ट्यूबवेल से सिंचाई के लिये जो 10 घन्टे बिजली मिल रही है उसको बढ़ाकर 14 घन्टे किया जाय तो किसान ढंग से सिंचाई कर सकेगा। आपने मुझे बोलने का समय दिया इसके लिये आपको बहुत-बहुत धन्यवाद।

(समाजवादी पार्टी के कई सदस्यों द्वारा एक साथ बोलने का प्रयास करने पर व्यवधान)

श्री अध्यक्ष-

कोई एक माननीय सदस्य बोलें, हम किसको बैठायें। हम तो थक गये। हम मना नहीं पा रहे हैं आपके लोगों को।

***श्री राकेश प्रताप सिंह-**

माननीय अध्यक्ष जी, सत्ता पक्ष के लोगों का काम अपने आप हो रहा है। इधर से दो तीन लोग बोलने वाले हैं 5-5 मिनट मिल जायेगा तो 15 मिनट में सब लोग बोल लेंगे। अभी जब आप कार्य मंत्रणा समिति की बैठक में गये थे तो त्रुटि जरूर हुयी लेकिन भाजपा के 5 विधायक लगातार बोल लिये थे। मैं कार्यवाही में दिखा दूंगा।

(सत्ता पक्ष की ओर से टोका-टाकी किये जाने पर)

श्री अध्यक्ष-

अब चलिये वह बात खत्म हो गयी।

श्री राकेश प्रताप सिंह-

कार्यवाही में अगर न निकला तो हमारे एक भी विधायक नहीं बोलेंगे। दिक्कत कहां हो रही है माननीय अध्यक्ष जी, हमारी संख्या 50 की है, बसपा की संख्या 17 की है, कांग्रेस की संख्या 7 की है और सुहेलदेव पार्टी की संख्या 4 की है और एक सबमें से ले लिये जाते हैं इसलिये हमारे दल के लोग कम बोल पा रहे हैं। इसलिये संख्या के आधार पर नाम तय होने चाहिये।

श्री अध्यक्ष-

अच्छा बैठिये। अब कोई एक तो बोलो।

***श्री मनोज कुमार पाण्डेय-**

माननीय अध्यक्ष जी, मैं आपका आभार प्रकट करता हूं कि आपने मुझे बोलने का अवसर दिया। महामहिम राज्यपाल महोदया के अभिभाषण पर नेता प्रतिपक्ष के द्वारा दिये गये उद्बोधन से सम्बद्ध करते हुये मैं आपसे कहना चाहता हूं।

श्री अध्यक्ष-

आप संक्षेप करिये, ताकि सब लोग बोल लें।

***श्री मनोज कुमार पाण्डेय-**

मैं छः मिनट में बोल दूंगा। माननीय अध्यक्ष जी, आज एक बात स्पष्ट है कि चाहे देश और चाहे उत्तर प्रदेश, आज प्रदेश की भी 68 फीसदी से ज्यादा आबादी कहीं न कहीं कृषि पर आधारित है। माननीय अध्यक्ष जी, आज जब हम इस देश में किसान, मजदूर और नौजवान की बात करते हैं तो हम कह सकते हैं कि राष्ट्रीय स्तर पर और प्रदेश स्तर पर भी आज उत्तर

---

* वक्ता ने भाषण का पुनर्वीक्षण नहीं किया।

प्रदेश का किसान कहीं न कहीं बदहाली की स्थति में है। एक बड़े संकट से आज उत्तर प्रदेश का किसान गुजर रहा है। जहां आज उसके उत्पादन का उसे मूल्य नहीं मिल पा रहा है तो वहीं दूसरी तरफ जबसे नलकूपों में बिजली के बिलों में बढ़ोत्तरी हुई है, यह भी इसके लिए एक बड़ी चुनौती हो गई है। माननीय अध्यक्ष जी, तीसरी एक बड़ी चुनौती उत्तर प्रदेश के किसानों के लिए छुट्टा जानवर हैं। आज परिस्थितियां यह हैं कि किसान के परिवार का प्रत्येक व्यक्ति, जिसकी ड्यूटी लगती है कि कौन खेत को कब देखेगा, कब उसकी चौकीदारी करेगा। चाहे वह सर्दी का मौसम हो, चाहे गर्मी का मौसम हो, चाहे वर्षा ऋतु हो, आज किसान अपने खेत के उत्पादन को बचाने के लिए ठीक उसी तरीके से लड़ाई लड़ रहा है, जैसे किसी को हिमालय के एवरेस्ट पर चढ़ाई चढ़नी हो। आज मजदूर भी परेशन है, लेकिन माननीय अध्यक्ष जी, किसान का पसीना जब जुते हुए खेतों पर गिरता है तो उसी में विलुप्त हो जाता है। मजदूर का पसीना जब कल-कारखानों पर गिरता है, तो कम से कम छन्न की आवाज होती है और उससे संघर्ष उत्पन्न होता है। वह कम से कम अपनी लड़ाई लड़ लेता है। आज नौजवान भी बड़े संकट से गुजर रहा है। आज सरकार ने महामहिम राज्यपाल के इस अभिभाषण में बड़ी-बड़ी बातें की, किसानों की बात की, नौजवानों और गरीबों की बात की तो हम आज सरकार में बैठे हुए लोगों से कहना चाहते हैं कि जब आप आवास की बात करते हैं तो लोहिया आवास की बात क्यों नहीं करते।

श्री अध्यक्ष-

अब आप संक्षेप कर दीजिए। पाण्डेय जी, संक्षेप कर दीजिए तो कुछ और माननीय सदस्य बोल लें।

श्री मनोज कुमार पाण्डेय-

जब समग्र गांव की आप बात करते हैं तो आप लोहिया समग्र गांव की बात करने की बात क्यों नहीं करते हैं। जब आप पेंशन की बात करते हैं तो समाजवादी पेंशन की बात क्यों नहीं करते हैं।

श्री अध्यक्ष-

अब आप संक्षेप कर दीजिए।

***श्री मनोज कुमार पाण्डेय-**

जब आप खेलो इण्डिया की बात करते हैं तो लखनऊ में माननीय अखिलेश यादव जी द्वारा बनाये गये इकाना स्टेडियम की बात क्यों नहीं करते हैं। जब आप उच्च शिक्षा की बात करते हैं और टेक्निकल एजुकेशन की करते हैं तो आप उस धारा पर क्यों नहीं चलते हैं कि

* वक्ता ने भाषण का पुनर्वीक्षण नहीं किया।

उत्तर प्रदेश के तत्कालीन मुख्य मंत्री जी ने 18 लाख बच्चों को लैपटॉप दे करके उच्च शिक्षा से जोड़ने का काम किया था तब आप इसकी कल्पना क्यों नहीं करते हैं।

श्री अध्यक्ष-

मनोज जी अब आप समाप्त करिये।

श्री मनोज कुमार पाण्डेय-

आप उद्घाटन तो करते हैं उत्तर प्रदेश की समाजवादी पार्टी की सरकार के कार्यों की, लेकिन आप काश अगर अपना भी कोई काम किये होते, उसका उद्घाटन किये होते तो हम आपको धन्यवाद देने का काम करते।

श्री अध्यक्ष-

मनोज जी अब आप खत्म करिये।

श्री मनोज कुमार पाण्डेय-

माननीय अध्यक्ष जी, अपनी क्षेत्र की दो समस्याओं पर बोलते हुए अपनी बात समाप्त करूंगा, आपके आदेश का पालन करूँगा। माननीय अध्यक्ष जी, ऊँचाहार की विधान सभा क्षेत्र से हम लगातार चुन कर आते हैं। हमारी ऊँचाहार की विकास खण्ड, रोहनिया में एक बकुलाही नाला जो लगभग 30 हजार एकड़ जमीनों के बीच में से गुजर करके जाता है।

श्री अध्यक्ष-

आप शॉर्ट करिये।

श्री मनोज कुमार पाण्डेय-

हमारी सरकार ने अपने 2016-17 के बजट में प्राविधान कर दिया था। 10 करोड़ रुपये उसके लिए प्रस्तावित भी कर दिया था। दुर्भाग्य से हम सरकार में नहीं आये, आज वहां का 40 हजार किसान पलायन की ओर है और मैं मांग करता हूं कि उस नाले की खुदाई करा करके और जो पिछले बजट में प्राविधान किया गया था, वह काम कराया जाये। माननीय अध्यक्ष जी, इसी तहर एक बड़ी सिंचाई की समस्या हमारी ऊँचाहार विधान सभा के डलमऊ कैनाल से है। एक मात्र सिंचाई का साधन डलमऊ कैनाल है। आज डलमऊ कैनाल से पिछले तीन वर्षों से किसानों को पानी नहीं दिया जा रहा है। किसान बदहाल और परेशान स्थिति में है। इसलिए हम कहना चाहते हैं कि आज कहीं न कहीं उत्तर प्रदेश का किसान, नौजवान और बेरोजगार एक बड़े संकट में है।

श्री अध्यक्ष-

आप बैठिये।

***श्री मनोज कुमार पाण्डेय-**

इस राज्य के महामहिम राज्यपाल के अभिभाषण में न किसान को लिया गया, न नौजवान को लिया गया, न बेरोजगार को लिया गया, इसलिए हम आपसे मांग करते हैं कि हमारी विधान सभा क्षेत्र की डलमऊ पम्प कैनाल की सिंचाई की व्यवस्था को सुदृढ़ करते हुए वहां पर किसानों को सिंचाई का पानी दिया जाये। बहुत-बहुत धन्यवाद।

श्री अध्यक्ष-

सुहेलदेव पार्टी के विधायक जी।

(इस मध्य इंजी0 बृजेश कठेरिया और श्री कैलाश नाथ सोनकर के एक साथ खड़े होकर बोलने का प्रयास करने पर)

(नेता प्रतिपक्ष द्वारा अपने स्थान पर बैठे-बैठे अपनी पार्टी के अन्य सदस्यों को बोलने की अनुमति देने का आग्रह पीठ से करने पर)

श्री अध्यक्ष-

अभी सबको बुलवा देंगे। अब श्री कैलाश नाथ सोनकर जी खड़े हो गये हैं।

श्री कैलाश नाथ सोनकर-

माननीय अध्यक्ष जी, आपने माननीय राज्यपाल जी के अभिभाषण पर बोलने का अवसर प्रदान किया है। मैं आपका आभार व्यक्त करता हूं। माननीय अध्यक्ष जी, इस सरकार ने वास्तव में जो रामराज्य की परिकल्पना के बारे में जो बताया है, उसके बारे में पक्ष और विपक्ष के बहुत सारे हमारे वक्ताओं ने अपनी बातें रखीं और हमारे सुहेलदेव भारतीय समाज पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष श्री ओम प्रकाश राजभर जी ने भी कल विस्तृत जानकारी रामराज्य की परिकल्पना के बारे में दी थी। माननीय अध्यक्ष जी वास्तव में शिक्षा के क्षेत्र में जैसा कि बताया गया है और जो कि महामहिम राज्यपाल महोदय के अभिभाषण में है कि देश के भविष्य की दिशा शिक्षा निर्धारित करती है। वास्तव में शिक्षा वह ब्रह्मास्त्र है जो देश के भविष्य की दिशा निर्धारित करती है और आज हम आजादी के 73 सालों के बाद भी भारत में शिक्षा के क्षेत्र में गुलामी महसूस करते हैं। आज प्राइवेट विद्यालयों के अधीन शिक्षा के लिए हम बाध्य हैं। हमारी सरकारी व्यवस्था जो प्राइमरी विद्यालय, जूनियर विद्यालय जहां से उन गरीब बच्चों को पढ़ने का अधिकार मिलता है, आगे बढ़ने का अवसर मिलता है, मान्यवर, हम जिस तरह से टाटपट्टी पर बैठ कर पढ़ा करते थे आज भी बच्चे उसी तरह से मजबूर हैं टाटपट्टी पर बैठ कर पढ़ने के लिए और आज भी उनके समक्ष उसी तरह की समस्याएं हैं। आज किस तरह से गरीबी गांव में भरी हुई है कि नमक-रोटी बच्चे मिड-डे-मील के अन्तर्गत खाते हैं और बड़े चाव से खाते

* वक्ता ने भाषण का पुनर्वीक्षण नहीं किया।

हैं उससे दिखता है कि कितनी बड़ी गरीबी आज भी हमारे प्रदेश में भरी है और गरीबी से लोग त्रस्त हैं। हमारे देश में, प्रदेश में वास्तव में जिस तरह से हमारी शिक्षा प्रणाली है, शिक्षा की प्रणाली में मैंने सुधार के लिए पहले भी निवेदन किया था तब सरकार ने कहा था कि हमारे पास बजट की कमी है हम एक साथ पूरे प्रदेश के प्राइमरी और जूनियर विद्यालयों को मॉड्यूलर नहीं बना सकते। मैं सरकार को एक सुझाव देना चाहता हूं उसे भी अभिभाषण में जोड़ना चाहिए था। मान्यवर, शराब की जो व्यवस्था है जिस तरह से शराब को बेच करके जो रेवेन्यू पाया जाता है अगर शराब के दाम 50 प्रतिशत बढ़ा दिये जाएं तो पूरे प्रदेश में कोई विरोध करने वाला नहीं होगा। 50 प्रतिशत शराब के दाम बढ़ा करके उन गरीबों के बच्चों पर खर्च किया जाय, जो गरीब मजदूर शराब पी करके अपने बच्चों का हक रोज गंवा देता है अगर उस शराब की कीमत बढ़ा करके प्राइमरी और जूनियर विद्यालयों को मॉड्यूलर एक वर्ष के अन्दर बनाया जा सकता है और पूरी शिक्षा प्रणाली सुधारी जा सकती है। शिक्षा के ब्रह्मास्त्र को पूरी तरह से प्रदेश सरकार आगे बढ़ाने में कामयाब हो सकती है क्योंकि शराब पर दाम बढ़ा करके गरीबों के साथ न्याय किया जायेगा।

श्री अध्यक्ष-

अब आप समाप्त करें।

श्री कैलाश नाथ सोनकर-

माननीय अध्यक्ष जी, अभी मेरा केवल दो मिनट हुआ है। बिजली के क्षेत्र में सत्ता पक्ष वाहवाही लेता है कि हम 18 घण्टे, 20 घण्टे, 22 घण्टे बिजली दे रहे हैं। माननीय अध्यक्ष जी, इसका भी श्रेय हमारी उत्तर प्रदेश की जनता का है, हमारी जनता ने ही एल0ई0डी0 वल्ब लगाये हैं, जो वल्ब हम 100 वाट, 200 वाट के जलाते थे वह आज 5 वाट, 3 वाट, 8 वाट, 12 वाट में परिवर्तित हो गये हैं इसमें हमारी उत्तर प्रदेश की जनता के प्रति आभार प्रकट करना चाहिए कि हम उसकी वजह से 18 घण्टे, 20 घण्टे और 22 घण्टे दे पा रहे हैं। क्योंकि आज भी प्रोडक्शन कोई नया नहीं चालू हुआ है लेकिन हमारी जनता ने हमारा साथ दिया है लेकिन उस जनता के साथ सरकार पूरी तरह से विश्वासघात कर रही है।

श्री अध्यक्ष-

अब आप बैठिये।

***श्री कैलाश नाथ सोनकर-**

मान्यवर, केवल दो मिनट। मान्यवर, आजकल ओवर स्मार्ट मीटर लगाये जा रहे हैं उस स्मार्ट मीटर की वजह से जनता परेशान हो रही है।

---

* वक्ता ने भाषण का पुनर्वीक्षण नहीं किया।

श्री अध्यक्ष-

दो मिनट नहीं, अब आप बैठिये, आपने 10 मिनट ले लिये हैं।

इधर से चार या पांच नाम हैं तो पांच का मतलब हुआ मिनिमम 25 मिनट।

श्री राम गोविन्द चौधरी-

मान्यवर, 3-3 मिनट कर दीजिए।

श्री अध्यक्ष-

और इधर से भी नाम कुछ ज्यादा हैं तो एक इधर से और एक उधर से बुलवा देते हैं, इसमें तो कोई दिक्कत नहीं है।

(कई मा0 सदस्यों के एक साथ खड़े होने पर)

श्री अध्यक्ष-

देखिये, फिर से कई लोग खड़े हो गये। माननीय कालीचरन जी आप अपनी बात रखें। मा0 राकेश जी इधर से आप लोग तय कीजिए कि कौन खड़ा होगा।

श्री काली प्रसाद-

आदरणीय अध्यक्ष जी, आपने मुझे महामहिम राज्यपाल महोदया के अभिभाषण पर बोलने का अवसर दिया, इसके लिए मैं आपको साधुवाद, धन्यवाद देता हूं।

श्री अध्यक्ष-

इधर आप लोग तय कर लें कि आपकी तरफ से बोलने के लिए कौन खड़ा होगा ? राकेश जी आप इनकी सूची दे दीजिये।

श्री काली प्रसाद-

महामहिम का अभिभाषण लोकहित, जनहित, किसान हित, नौजवान हित, छात्र हित में है, इसलिए मैं इसका समर्थन करता हूं। अभी विपक्ष के हमारे समाजवादी पार्टी के साथी बता रहे थे कि माननीय मुलायम सिंह यादव जी देवरिया से बलिया तक 17 चीनी मिल लगवाये। मा0 अध्यक्ष जी, मैं आपका ध्यान एक बात की तरफ आकृष्ट करना चाहता हूं कि पिछली सरकार में देवरिया से बलिया तक शुगर मिल लगा कि नहीं लगा, लेकिन देवरिया की शुगर मिलों को समाजवादी पार्टी द्वारा बन्द कर दिया गया और बहुजन समाज पार्टी की सरकार में सारी मिलों को बेचने का काम किया गया। यह पिछली सरकारों की किसानों के प्रति उपलब्धता है। मा0 अध्यक्ष जी, हम अपनी सरकार के तमाम उपलब्धियों को दो-दो शब्द में आपके समक्ष रखना चाहता हूं। सामूहिक शादी का जो कार्यक्रम है, इसमें गरीब आदमी जब अपनी बेटी की शादी करता था, तो उसके यहां कोई नहीं जाता था। मैंने केवल गरीब को ही नहीं देखा है

बल्कि गरीबी को भी देखा हूं। मैं उस समाज से आता हूं जहां 90 प्रतिशत लोग गरीबी को देखते हैं और गरीबी में पैदा होते हैं। मा0 अध्यक्ष जी, जब हम लोगों के घर की बेटियों की शादी होती थी तो अगर ग्राम पंचायत का चुनाव न हो, तो कोई ग्राम प्रधान भी हम लोगों के घर पर नहीं जाता था, लेकिन मैं अपनी सरकार को बधाई देता हूं कि सामूहिक शादी के माध्यम से प्रत्येक जिले के सांसद, विधायक, जिलाधिकारी एवं पुलिस अधीक्षक को मजबूर कर दिया कि उनके शादियों में शामिल होकर उनका मान-सम्मान बढ़ाने का काम करें। मा0 अध्यक्ष जी, अभी हमारे बहुजन समाज पार्टी के तमाम साथी बाबा साहब के शिक्षा के बारे में कह रहे थे। मैं शिक्षा के बारे में दो लाइन बोलना चाहता हूं। बाबा साहब का सपना था, उनका तर्क था कि शिक्षा शेरनी का दूध होता है, उसको पीने के बाद व्यक्ति का मस्तिष्क ही मजबूत नहीं होता, बल्कि उसका सर्वांगीण विकास होता है, लेकिन पिछली सरकारों में शिक्षा के स्तर को इतना गिरा दिया गया, यहां तक कि उनको स्कूल ड्रेस ऐसा दे दिया गया कि उनको पहनने के बाद ऐसा लगता था कि बच्चो को होमगार्ड बना दिया गया है।

मैं अपनी सरकार, योगी जी की सरकार को बधाई देता हूं कि आज एक ही गांव के लड़के कान्वेन्ट स्कूल में जाते हैं कि प्राथमिक विद्यालय में जाते हैं, पता ही नहीं चलता, ऐसी व्यवस्था दी गयी है। जब मैं क्षेत्र में निकलता हूं तो किसी न किसी विद्यालय का औचक निरीक्षण करता हूं। गुरू जी लोगों का सुझाव है, इसलिए मैं सरकार से निवेदन करता हूं कि प्राथमिक विद्यालय के बच्चों को हम लोगों ने अच्छा ड्रेस दिया, लेकिन वह टाट-पट्टी पर बैठते हैं, जिससे उनके पठन-पाठन में समस्या भी आती है। मैं अपनी सरकार से निवेदन करता हूं कि प्राथमिक विद्यालयों में भी डेस्क, स्टूल की व्यवस्था की जाये, ताकि ठीक प्रकार से बच्चों की पढ़ाई हो सके। मा0 अध्यक्ष जी, इसी के साथ मैं अपने क्षेत्र की दो-चार मांगों को आपके समक्ष रखता हूं। हमारे मा0 नेता प्रतिपक्ष उसी सड़क से जाते हैं। गोरखपुर से देवरिया, देवरिया से सलेमपुर फोर लेन सड़क बन चुकी है, लेकिन बलिया को जोड़ने वाली एक मात्र सड़क है, जो सलेमपुर से बलिया सीमा तक जाती है, आज भी वह सड़क टू-लेन है, मैं अनुरोध करता हूं कि उसको सरकार फोर लेन करने की कृपा करे।

श्री अध्यक्ष-

राकेश जी, आपकी सूची अभी नहीं आयी, आप सूची भेजिये।

श्री काली प्रसाद-

मा0 अध्यक्ष जी, सलेमपुर में मुंशफी अदालत के लिए वर्षों से धरना-प्रदर्शन चलता आ रहा है। सरकार से मेरा निवेदन है कि सलेमपुर में मुंशफी अदालत लगवाने की कृपा करें।

श्री अध्यक्ष-

आपका समय पूरा हो गया, अब आप बैठिये।

श्री काली प्रसाद-

मा0 अध्यक्ष जी, एक मिनट और दे दीजिये। मेरी विधान सभा क्षेत्र सरयू नदी के तट पर बसा हुआ है। सरयू नदी पिछले साल इतना कटान की है कि भागलपुर में एक प्राचीन हनुमान जी का मंदिर था जो कटान से गिर गया है। हम सरकार से मांग करते हैं कि पुनः वहां पर पिच कराया जाये, जिससे भागलपुर गांव को कटान से रोका जा सके। मा0 अध्यक्ष जी, हमारे विधान सभा क्षेत्र में तकनीकी शिक्षा हेतु एक भी पालीटेक्निक विद्यालय नहीं है। मैं सरकार से निवेदन करता हूं कि मेरे विधान सभा क्षेत्र में एक पालीटेक्निक विद्यालय खोलने की कृपा करें। मेरी विधान सभा क्षेत्र ढाई तरफ से, एक तरफ से छोटी गण्डक और दूसरी तरफ सरयू नदी से घिरी हुई है। यहां जल स्तर इतना नीचे चला जाता है कि लोगों को गर्मी के दिनों में पीने के पानी का संकट उत्पन्न हो जाता है। मैं निवेदन करता हूं कि गांवों में पानी की टंकी और किसानों के लिए राजकीय नलकूप लगवाने की कृपा करें।

श्री अध्यक्ष-

सरकार इसको बनाने जा रही है

श्री काली प्रसाद-

मा0 अध्यक्ष जी, आज के दिन आपने मुझे महामहिम के अभिभाषण के समर्थन में बोलने का अवसर दिया, इसके लिए मैं आपको साधुवाद, धन्यवाद देते हुए अपनी वाणी को विराम देता हूं। जय श्री राम।

इंजी0 बृजेश कठेरिया-

माननीय अध्यक्ष जी, आपने मुझे बोलने का अवसर दिया इसके लिए मैं आपको धन्यवाद देता हूं। महामहिम राज्यपाल जी के संशोधन प्रस्ताव पर माननीय नेता प्रतिपक्ष जी की बात के साथ अपने को सम्बद्ध करते हुए अनुरोध करता हूं कि जिस तरह से महामहिम राज्यपाल ने अपने अभिभाषण में सरकार के गुणगान को महिमामंडित किया है वह पूरी तरह से असत्य और आधारहीन है। माननीय अध्यक्ष जी, आज प्रदेश दो चीजों, गाय और बिजली से पूरी तरह से त्राहि-त्राहि कर रहा है। माननीय अध्यक्ष जी, मानते हैं कि आपकी दलीय मर्यादा है वह अलग बात है, लेकिन सच्चाई-सच्चाई है। आप कहीं पर चले जाइयेगा, आप देखेंगे, 200-300 गायों का झुण्ड खेतों में चला जा रहा है। मेरी विधान सभा में पुड़री, बखतपुर, नगलाजसी, धीरपुर, मुढौसी आदि पूरे क्षेत्र में आठ-आठ, नौ-नौ सौ गायों/सांड़ों का झुण्ड पूरी फसल को बर्बाद कर देते हैं। दूसरी सबसे बड़ी समस्या बिजली की है। बिजली में एक-एक गांव में कहीं 40, कहीं 52, कहीं 18 और कहीं 25 लोगों के खिलाफ फर्जी मुकदमें लिख करके उन पर कम से कम 80-80 हजार और एक-एक लाख रुपये फर्जी बिलिंग कर वसूला जा रहा है। माननीय अध्यक्ष जी, अभिभाषण में लिखा गया है कि 'एक जनपद-एक उत्पाद', हमारे राष्ट्रीय अध्यक्ष माननीय अखिलेश यादव ने जो सपना संजोया था एक्सप्रेस-वे का, 'एक जनपद-एक उत्पाद' के नाम पर..

श्री अध्यक्ष-

आप तो तीन मिनट में खत्म कर रहे थे, आपने तीन मिनट का वायदा किया था।

इंजी0 बृजेश कठेरिया-

अध्यक्ष जी, अपने क्षेत्र की बात तो कर लेने दीजिए। कन्नौज में आलू और मेरी विधान सभा क्षेत्र मैनपुरी जनपद के हविलिया में धान और गेहूं के खरीद की मंडी स्थापित करने का काम पूर्ववर्ती सरकार में किया गया था। यह सरकार किसानों के हित का बहुत ढिंढोरा पीटती है, क्या वहां पर किसान नहीं आते ? वहां पर मंडी निर्माण का सारा का सारा काम रोक दिया गया है। यह सरकार कानून-व्यवस्था पर बहुत ढिढोरा पीटती है, मैं अपने जनपद की एक घटना आपके संज्ञान में लाना चाहता हूं।

श्री अध्यक्ष-

समाप्त करिये, आप काफी समय ले रहे हैं।

इंजी0 बृजेश कठेरिया-

मान्यवर, एक घटना का जिक्र कर रहा हूं।

श्री अध्यक्ष-

घटना क्यों सुना रहे हैं ?

इंजी0 बृजेश कठेरिया-

मान्यवर, दिनांक 05-07-2019 को मेरे जनपद में एक व्यक्ति अपनी पत्नी के साथ आ रहा था, उसको बदमाशों ने लूट लिया, उसे बेहोश कर दिया और बेहोश करने के बाद 04 बदमाश उसकी पत्नी को लेकर एटा की तरफ चले गये। उसके बाद जब वो होश में आया तो उसने किसी दूसरे का फोन मांग करके जब फोन किया तो विछवां थाने का एस0ओ0 राजेश पाल जो दारू के नशे में धुत था वह 12:00 बजे पहुंचा और पहुंचने के बाद जब उस व्यक्ति ने अपनी बात रखी तो उसकी बात को नजरंदाज करके उसकी पत्नी को न ढूंढ करके उसी व्यक्ति को वह पीटने लगा और उस हद तक पीटने लगा कि वह बेहोश हो गया, उसमें मुकदमा लिखा गया और उसकी पत्नी को जो 04 बदमाश ले गये थे वह चार घण्टे तक उस महिला के साथ बलात्कार करते रहे। थाना कुरावली में उस एस0ओ0 के खिलाफ मुकदमा संख्या-260/19 में अभियोग पंजीकृत किया गया। सरकार कानून-व्यवस्था का बहुत ढिंढोरा पीटती है, आज तक उस पीड़ित महिला को न ही कोई आर्थिक मदद् मिली और वह एस0ओ0 जिसके कारण इतनी बड़ी घटना हुई, उसको भी बाइज्जत बरी कर दिया गया और उसे बहाल कर दिया गया। माननीय अध्यक्ष जी, एक बात कह कर मैं अपनी बात समाप्त करना चाहूंगा कि एक तरफ ये सरकार दलित हितों की बात करती है, मैं यह दावे के साथ कह सकता हूं कि आपकी सरकार में सबसे ज्यादा कोई दहशत में जी रहा है तो वह या अल्पसंख्यक है या फिर दलित समाज का

व्यक्ति जी रहा है। (समाजवादी पार्टी के सदस्यों ने मेजें थपथपायी।) आप क्या बोलोगे-'जिसके पांव न फटी बिवाई, वो क्या जाने पीर परायी।' दलितों की बात दलित ही जानता होगा।

श्री अध्यक्ष-

अब आप बैठिये।

इंजी0 बृजेश कठेरिया-

जिस तरह से आज आपने रोस्टर प्रणाली को लागू किया, आउटसोर्सिंग को लागू करके आपने संविधान में मिलने वाले एस0सी0 और बैकवर्ड के अधिकारों का हनन कर लिया है। जनता आपके एक-एक कृत्य को देख रही है। आने वाले कल में जनता आपको इसका मुंह तोड़ जवाब देगी। निश्चित रूप से यही नहीं मान्यवर, दलितों के साथ जिस तरह जो घटनाएं हो रही हैं उन घटनाओं में दलितों को थाने से भगा दिया जाता है, उनकी बात नहीं सुनी जाती है। यह निश्चित रूप से अति निन्दनीय है।

(श्री अध्यक्ष द्वारा माननीय सदस्य श्री बीरेन्द्र सिंह राणा का नाम पुकारे जाने पर माननीय सदस्य इंजी0 बृजेश कठेरिया और माननीय सदस्य श्री बीरेन्द्र सिंह राणा के एक साथ बोलते रहने पर व्यवधान)

श्री अध्यक्ष-

अब आप बैठिये। मैंने माननीय सदस्य को बुला लिया है। अब आप बैठिये आपका समय हो गया है।

श्री बीरेन्द्र सिंह राणा-

माननीय अध्यक्ष जी, मैं आपका बहुत-बहुत आभार प्रकट करना चाहता हूं कि आपने मुझे पहली बार इस बड़ी सभा में बोलने का अवसर दिया है। माननीय अध्यक्ष जी, किसानों को समृद्ध बनाने के लिये हमारी सरकार ने जल शक्ति विभाग का गठन कर नहरों, नलकूप, पम्प द्वारा सिंचाई सुविधा उपलब्ध कराकर कृषि उत्पादन बढ़ाने का काम किया है। (मेजों की थपथपाहट) पिछली सरकारों में टेल तक पानी केवल कागजों में पहुंचता था। सरकार ने नहरों, माइनरों की सिल्ट सफाई का काम बड़ी ईमानदारी से कराकर टेल तक पानी पहुंचाने का काम किया है। (मेजों की थपथपाहट) माननीय अध्यक्ष जी, जिसके फलस्वरूप 98.48 हेक्टेयर भूमि में सिंचाई की व्यवस्था की गई है। आज किसान प्रसन्न है। अध्यक्ष जी, मैं कहना चाहता हूं कि आदरणीय योगी जी की सरकार स्वास्थ्य के प्रति संवेदनशील है। ब्लाकों एवं न्याय पंचायत स्तर व मलिन बस्तियों में मुख्य मंत्री आरोग्य मेला लगाये जा रहे हैं। पंडित दीन दयाल उपाध्याय जी के सपनों को साकार कर गरीबों तक स्वास्थ्य सुविधा पहुंचाई जा रही हैं। अध्यक्ष जी, एक जनपद एक उत्पाद के तहत हर जनपद में रोजगार के अवसर प्रदान किए गये हैं। मेरे जनपद हाथरस में हींग का बहुत बड़ा काम है। हींग उद्योग को एक जिला, एक उत्पाद के प्रोत्साहन से

बड़ा बल मिला है। यह उद्योग पूर्णतया मजदूरों पर आधारित हैं। गरीब मजदूरों को काम देकर सरकार ने एक पुण्य का काम किया है। माननीय अध्यक्ष जी, मुख्य मंत्री सामूहिक विवाह योजना के अर्न्तगत गत वर्ष 1100 जोड़ों को मेरे जनपद में परिणय सूत्र में बांधा गया। माननीय अध्यक्ष जी, यह एक बड़ा पुण्य दान का काम है। उन कन्याओं का कन्यादान करने के लिये हमारी पार्टी के सांसद, विधायक एवं पूरा प्रशासन इस भावना से खड़ा था, जैसे हमारी पुत्री की शादी हो रही हो। माननीय अध्यक्ष जी पहले यह खर्च 31 हजार रुपये दिया जाता था। आज इसको बढ़ाकर हमारे यशस्वी मुख्य मंत्री जी ने इसको 51 हजार कर दिया है जो कि एक सराहनीय कार्य है। माननीय अध्यक्ष जी, हमारी सरकार किसानों के प्रति अति संवेदनशील है। जबसे माननीय योगी जी की सरकार बनी है, तब से हर फसल का मूल्य चाहे गेहूं हो, बाजरा हो, धान हो तथा आलू हो सभी फसलों का लाभकारी मूल्य मिल रहा है। माननीय अध्यक्ष जी, मेरा जनपद आलू उत्पादन में उ0प्र0 में अग्रणी है। पिछली सरकारों में आलू उत्पादक किसान बर्बाद थे, आत्महत्या कर रहे थे। अब इस सरकार के आने के बाद से आलू किसान की किस्मत ही बदल गई है। जब से हमारी सरकार आई है, किसान के खेत से ही 50 किग्रा0 आलू का बोरा 600 से 700 रुपये तक बिक्री हो रहा है। आज किसान खुशहाल है, मस्त है। (मेजों की थपथपाहट) माननीय अध्यक्ष जी, योगी जी के कुशल नेतृत्व में देश में हमारे प्रदेश को अनेक जन कल्याणकारी योजनाओं के द्वारा प्रथम स्थान पर रखा है। माननीय अध्यक्ष जी, 17 लाख से अधिक आवास प्रधानमंत्री ग्रामीण व शहरी आवास योजना के अन्तर्गत प्रथम स्थान मिला। 86 हजार 700 करोड़ रुपये गन्ना मूल्य का भुगतान कर किसानों को राहत दी गयी इसमें प्रथम स्थान प्राप्त हुआ। माननीय अध्यक्ष जी, एक करोड़ 44 लाख परिवारों को उज्ज्वला योजना के तहत गैस वितरण में प्रथम स्थान मिला। ग्रामीण क्षेत्रों में 2 करोड़ 61 लाख परिवारों को शौचालय देकर प्रथम स्थान प्राप्त हुआ। 1 करोड़ 24 लाख से अधिक विद्युत कनेक्शन देकर प्रथम स्थान प्राप्त हुआ।

(इसी मध्य सायं 06 बजकर 26 मिनट पर अधिष्ठाता श्री सुरेश कुमार श्रीवास्तव पीठासीन हुए।)

श्री अधिष्ठाता-

समाप्त करिये।

श्री बीरेन्द्र सिंह राणा-

मेरे विधान सभा क्षेत्र में दो आवश्यकताएं हैं जिनकी ओर सरकार का ध्यान आकृष्ट करना चाहता हूं।

माननीय अधिष्ठाता महोदय, सिकन्दराराऊ तहसील प्लेस को जोड़ने वाली 50-100 गांव से सम्पर्क वाली एक संकरी सड़क है।

श्री अधिष्ठाता-

अब आप समाप्त कर दीजिए। समय ज्यादा हो रहा है।

श्री बीरेन्द्र सिंह राणा-

माननीय अधिष्ठाता महोदय, मैं पहली बार चुनकर आया हूं। पुराने-पुराने सदस्य 10-10 मिनट तक बोले हैं।

माननीय अध्यक्ष जी, मुझे भी बोलने की अनुमति प्रदान करने की कृपा करें।

श्री अधिष्ठाता-

राणा जी, अब आप समाप्त कर दीजिए। समय ज्यादा हो रहा है।

श्री बीरेन्द्र सिंह राणा-

माननीय अधिष्ठाता महोदय, सिकन्दराराऊ तहसील प्लेस को जोड़ने वाली 50-100 गांव से सम्पर्क वाली एक संकरी सड़क है, जो सिकन्दराराऊ-कासगंज मार्ग से नगला जलाल से ग्राम कपसिया से वाजीदपुर तक 18 किमी0 दूरी तय करती है। इस मार्ग का जनहित में चौड़ीकरण करा दिया जाए। यह मेरा सरकार से अनुग्रह है। सिकन्दराराऊ में जमीन खरीदकर बस स्टैंड बनवाया जाए, जो बीसों साल पुरानी मांग है। हमारी सरकार विद्युत व्यवस्था, नकल विहीन परीक्षा, सुदृढ़ कानून व्यवस्था में नई ऊंचाइयां छू रही है। आपने मुझे बोलने का मौका दिया, इसके लिए आपको बहुत-बहुत धन्यवाद। जय हिन्द, जय भारत।

श्री नफीस अहमद-

मा0 अधिष्ठाता महोदय, आपने मुझे माननीय राज्यपाल महोदया के अभिभाषण पर बोलने का अवसर दिया, इसके लिए मैं आपका बहुत शुक्रगुजार हूं। मैं अपनी बात को नेता विरोधी दल मा0 राम गोविन्द चौधरी जी की बातों से जोड़ते हुए कहना चाहता हूं कि मा0 राज्यपाल जी का अभिभाषण हकीकत से दूर और इसमें कोई भी सच्चाई नहीं है। जबसे भारतीय जनता पार्टी की सरकार बनी है, इनका पहला नारा था ''सबका साथ, सबका विकास'' लेकिन जब दोबारा सरकार बनी तो इन्होंने उस नारे में एक चीज और जोड़ दी कि ''सबका साथ, सबका विकास और सबका विश्वास'' लेकिन मैं कहना चाहता हूं कि आज यह नारे सिर्फ खोखले रह गये हैं। ''मैं सच कहूंगा फिर भी हार जाऊंगा, वह झूठ बोलेगा लाजवाब कर देगा''। आज की तारीख में प्रदेश के किसान, नौजवान के साथ सबसे ज्यादा विश्वासघात हुआ है। आप उठाकर देख लें जिन नौजवानों ने यह ख्वाब देखा था कि इस सरकार के बनने के बाद जो नौकरी देने का वादा किया गया था, लेकिन उन नौजवानों को नौकरियां नहीं मिलीं। आज उनके जूते फट गये हैं, आज उनके तन पर कपड़े नहीं हैं, लेकिन इस सरकार ने नौकरी देने का जो वादा किया था, वह पूरा नहीं किया। दूसरी तरफ किसान हमारी रीढ़ की हड्डी हैं। किसान को कोई खैरात की जरूरत नहीं है। किसान अपनी मेहनत और मशक्कत से, अपनी

ईमानदारी से इस सरकार से सिर्फ इतना ही चाहते थे कि उनकी मेहनत का उनको मेहनताना मिल जाए, लेकिन इस सरकार ने उनके मेहनताने को देने का काम नहीं किया, बल्कि उनके साथ धोखा देने का काम किया, खाद चोरी कर ली। मेरी विधान सभा क्षेत्र देवारा है। देवारा में सबसे ज्यादा गन्ना किसान हैं। आज गन्ना किसान परेशान हैं, उनकी पर्चियां नहीं मिल रही हैं, घटतौली की जा रही है। गन्ना किसान के खेतों में गन्ना पड़ा हुआ है, वह किसके पास जायें ? कोई सुनवाई नहीं हो रही है। मैं कहना चाहता हूं कि ''रोटी अमीर शहर के कुत्ते ने छीन ली। फांका गरीब शहर के बच्चों में बंट गया।। चेहरा बता रहा था कि इसे मारा है भूख ने, हाकिम ने यह कहा कि कुछ खाकर मर गया।।''

आज हालात यह है कि गरीब आदमी दो वक्त की रोटी के लिए मोहताज है। इसी सदन में स्वास्थ्य के ऊपर कहा जा रहा है आज हालात यह है कि आप जिला अस्पताल के अन्दर चले जाइये वहां गरीबों को दवा नहीं मिल रही है वहां यह कहा जा रहा है कि कार्पोरेशन दवा नहीं दे रहा है। अगर उनसे दवायें मांगा जा रहा है तो गरीब को दवा नहीं मिल रही है। मेरे क्षेत्र के अन्दर तमाम वह पिछड़े इलाके हैं, वहां रैबीज के इंजेक्शन पी0एच0सी0, सी0एच0सी0 में नहीं मिल रहे हैं, जिला अस्पतालों में भी रैबीज के इंजेक्शन नहीं हैं, जिससे गरीब के बच्चों को या गरीबों को कुत्ता काट ले तो उसकी मदद हो सके। आज अस्पतालों के अन्दर बुरा हाल है। समाजवादी पार्टी की सरकार में आदरणीय अखिलेश यादव जी ने 108, 102 नम्बर की व्यवस्था दी थी आज आप उठाकर देख लें सड़कों पर वह जर्जर हालत में खड़ी हैं, उनके लिए इनके पास कोई फण्ड नहीं है और जो तनख्वाह में पैसे जाने चाहिए, वह पैसे नहीं जा रहे हैं। दूसरी तरफ मैं आपका ध्यान आकर्षित करना चाहता हूं।

श्री अधिष्ठाता-

अब आप समाप्त करिये।

श्री नफीस अहमद-

मा0 अधिष्ठाता महोदय, तमाम लोग ऊर्जा की बात करते हैं। आज हालात यह है कि सौभाग्य योजना के कनेक्शन से आपने बिजली तो दे दी, लेकिन जब लोड बढ़ गया तो क्षमता वृद्धि नहीं की जा रही है।

श्री अधिष्ठाता-

अब आप समाप्त करें।

श्री नफीश अहमद-

मैं यह कहना चाहूंगा कि कानून व्यवस्था के नाम पर यह सरकार पूरी तरह से फेल हो चुकी है। आज अभी मेरे एक भाई ने कहा था कि ट्रिपल तलाक पर आपने इन्साफ दिया मैं उस भाई से पूछना चाहता हूं कि सबरीमाला के मामले में माताओं-बहनों को कब इन्साफ

मिलेगा। मैं आपसे पूछना चाहता हूं कि मातायें बहनें इन्साफ मांग रही हैं आप उनको इन्साफ नहीं दे रहे हैं।

श्री अधिष्ठाता-

मैंने अगले वक्ता को बुला लिया है। आप बैठ जाएं।

श्री प्रमोद उटवाल-

अधिष्ठाता महोदय, आपने मुझे महामहिम श्री राज्यपाल महोदय के अभिभाषण पर प्रस्तुत धन्यवाद प्रस्ताव के समर्थन में बोलने का अवसर दिया, मैं आपका आभारी हूं।

श्री नफीस अहमद-

मेरे क्षेत्र देवारा में एक तहसील की जरूरत है।

श्री अधिष्ठाता-

अब आपका वक्तव्य लिखा नहीं जाएगा।

श्री प्रमोद उटवाल-

माननीय अध्यक्ष जी, धन्यवाद प्रस्ताव पर आपने मुझे बोलने का अवसर दिया, मैं आपका आभारी हूं। मान्यवर, कानून व्यवस्था पर नियंत्रण के लिए मेरी सरकार द्वारा जो जीरो टालरेंस की नीति प्रदेश में अपनाकर भयमुक्त तथा कानून का राज्य स्थापित किया है। मैं और मेरी सरकार के कार्यकाल में सभी सम्प्रदायों के बीच आपसी सौहार्द पूर्णता कायम रहा है। मान्यवर, पिछली सरकारों में कानून व्यवस्था हमने देखा है कि हमारे किसान, न व्यापारी, न मजदूर, न माताएं-बहनें कोई सुरक्षित नहीं था। किसान दिन में ही अपने खेत को पानी देने जाता था तो अपने साथ कम से कम चार-पांच लोगों को लेकर जाता था। योगी सरकार में आज किसान रात को भी अकेले खेत में पानी देने जा सकता है यह हमारी सरकार में कानून व्यवस्था की स्थिति है। मान्यवर, पिछली सरकारों में जब कोई मजदूर, किसान बैंक से व्यापार करने के लिए पैसा निकालता था तो पीछे से बैंक के बराबर में लुटेरे खड़े रहते थे और उनसे पैसा छीनकर भाग जाते थे और हमारी माताएं-बहनें बाजार और स्कूल में जाते हुए डरती थीं। हमारी सरकार जबसे आई है माताओं और बहनों का भय निकल गया है और वह अकेले भी स्कूल और बाजार जा सकती हैं। अभी प्रधानमंत्री शौचालय ग्रामीण क्षेत्र जो हमारी सरकार ने 2 करोड़ 61 लाख परिवारों के लिए शौचालय बनाकर देश में प्रथम स्थान प्राप्त किया है। मैं बताना चाहता हूं कि हमारे जितने भी जनप्रतिनिधि बैठे हैं सभी ग्रामीण क्षेत्रों में जाते हैं पिछली सरकारों में जब शौचालय नहीं बनाए गए थे तो हमारी महिलाएं जो रात को शौच के लिए जाती थीं तो रास्ते में ही। जब हम सुबह क्षेत्र के लिए निकलते थे तो स्वागत वह मैला करता था जब शौचालय नहीं थे। सरकार ने शौचालय बनाकर माताओं और बहनों को सुरक्षा दी है। आज गांव सुन्दर और साफ दिखता है। मेरी विधान सभा क्षेत्र में 670 शौचालय बनाए गए हैं।

श्री अधिष्ठाता-

अब जल्दी समाप्त करें।

श्री प्रमोद उटवाल-

मान्यवर, मैं उस विधान सभा क्षेत्र से आता हूं जो उत्तराखण्ड की सीमा से लगती है, अति पिछड़ी है, हमारी तहसील 25-30 कि0मी0 दूर पड़ती है। वहां पर किसान पिछड़े और मजदूर हैं, मैं चाहता हूं कि तहसील हमारी पुरकाजी विधान सभा क्षेत्र बरला में बनाई जाए जिससे वहां के लोगों को लाभ हो सके। मेरी विधान सभा क्षेत्र में जो हमारे स्कूल हैं उनमें सफाई कर्मचारी की व्यवस्था की जाए, मैं श्री राज्यपाल के अभिभाषण पर अपनी सरकार का समर्थन करते हुए अपनी बात समाप्त करता हूं। जय हिन्द, जय भारत।

श्री सुभाष राय-

माननीय अधिष्ठाता महोदय, आपने मुझे राज्यपाल के अभिभाषण पर बोलने का अवसर दिया इसके लिए मैं आपको धन्यवाद ज्ञापित करता हूं। मान्यवर, राज्यपाल के अभिभाषण में नारा दिया गया है, सबका साथ सबका विकास, मैं इस सन्दर्भ में कहना चाहता हूं मैं अम्बेडकर नगर जनपद से बिलांग करता हूं। मेरे जनपद से गोरखपुर लिंक एक्सप्रेस-वे और पूर्वांचल एक्सप्रेस-वे जा रहा है। गोरखपुर लिंक एक्सप्रेस-वे में किसानों की जमीन की रजिस्ट्री करीब छः महीना पहले करा दी गयी, लेकिन उनको पैसा अभी तक नहीं दिया गया और उनकी फसल काट करके जबरदस्ती सड़क बनायी जा रही है। किसान आन्दोलनरत हैं और धरने पर बैठे हुए हैं। हम लोग बार-बार इस सन्दर्भ में जिलाधिकारी से शिकायत करते रहे हैं, लेकिन उसके बाद भी उनके कान पर जूँ नहीं रेंग रहा है। इसके साथ-साथ 'सबका साथ, सबका विकास' का नारा देने वाली सरकार आज 'प्रधानमंत्री आवास योजना' के अन्तर्गत पूरे उत्तर प्रदेश में जो पात्र लोग हैं उनको आवास न दे करके 35 हजार अपात्र लोगों को आवास दिया गया है और 'मुख्य मंत्री आवास योजना' के अन्तर्गत 1500 अपात्रों को आवास दिये गये हैं, इसको मैंने समाचार-पत्रों के माध्यम से पढ़ा है और मैं इस बात को बताना चाहता हूं कि अभी तक इस पर कोई कार्यवाही नहीं हुयी है। इसके साथ-साथ स्वास्थ्य के क्षेत्र में मैं अम्बेडकरनगर जनपद की समस्या पर जाना चाहता हूं। हमारी जो पिछली समाजवादी पार्टी की सरकार थी तो उस समय 09 प्राथमिक स्वास्थ्य केन्द्र बनाए गए थे, जिसमें रसूलपुर बाकरगंज, सम्मनपुर, नेवादा यह 03 प्राथमिक स्वास्थ्य केन्द्र हमारी विधान विधान सभा क्षेत्र में थे, 02 वर्ष हो गये और 02-02 करोड़ की लागत से बनकर यह सामुदायिक स्वास्थ्य केन्द्र तैयार हैं, लेकिन आज तक यह संचालित नहीं हुए हैं। मान्यवर, महामहिम राज्यपाल जी के अभिभाषण में प्राविधिक शिक्षा में युवाओं को रोजगार के बेहतर अवसर की बात कही गयी है और 24 नये पालीटेक्निक कॉलेज खोलने की बात की गयी है। मैं इस सन्दर्भ में कहना चाहता हूं कि आज पालीटेक्निक कॉलेजों में अध्यापकों की संख्या घट करके 1/3 रह गयी है और अतिथि व्याख्याता रख करके

पढ़ाई की जा रही है, जिससे शिक्षा की गुणवत्ता प्रभावित हो रही है। आज सड़कों की गड्ढामुक्ति की बात की गयी है तो मैं अम्बेडकरनगर की जलालपुर विधान सभा क्षेत्र की सड़कों की ओर आपका ध्यान आकर्षित करना चाहता हूं। हमारे यहां मालीपुर-जलालपुर मार्ग, जलालपुर-रामगढ़ मार्ग, जलालपुर-सुरहुरपुर मार्ग, जलालपुर-मित्तूपुर मार्ग, सुरहुरपुर-सलहदीपुर-वरियावन मार्ग की पूरी सड़क गड्ढों में तब्दील हो गयी है। इसके साथ-साथ श्यामा प्रसाद मुखर्जी अर्बन मिशन योजना की बात अभिभाषण में की गयी है।

श्री अधिष्ठाता-

मा0 सदस्य, धन्यवाद। अब आप समाप्त कीजिये। अभी कई लोग बचे हैं।

श्री सुभाष राय-

मान्यवर, यह योजना 16 जिलों में संचालित है। इस सन्दर्भ में मैं कहना चाहता हूं कि इसी में एक योजना है 'अम्बेडकर प्रोत्साहन योजना', इसके माध्यम से हर विकास खण्ड में 5 से 10 लोगों को मुर्गी पालन, बकरी पालन के नाम पर लाभ देना था, लेकिन बी0डी0ओ0 द्वारा इसका प्रचार-प्रसार नहीं किया गया। इसके साथ-साथ मैं अपने क्षेत्र की कुछ समस्याओं की ओर आपका ध्यान आकर्षित करना चाहता हूं। मेरी विधान सभा क्षेत्र जलालपुर में जलालपुर जो नगर है वहां की आबादी 50 हजार से ज्यादा है, वहां पर तमसा नदी पर जन सहयोग से 02 मीटर चौड़ा पुल बनाया गया है जिसकी रेलिंग टूट गयी है और पुल जर्जर हो गया है तो मैं आपके माध्यम से उस जगह पर नया पुल बनाने की मांग करता हूं।

श्री अधिष्ठाता-

धन्यवाद। अब आप समाप्त कर दीजिये।

श्री सुभाष राय-

मान्यवर, जलालपुर-रामगढ़ मार्ग पर अवशेष 07 किमी0 सड़क जो आजमगढ़ की सीमा को जोड़ती है, वह पूरी तरह से टूट गयी है उसको बनवाने की मांग मैं आपके माध्यम से करता हूं। जलालपुर में जाम की समस्या को समाप्त करने के लिये मैं वहां पर बाईपास बनाने की मांग करता हूं और साथ ही बस अड्डे की मांग करता हूं। इसके साथ-साथ मैं अपने राष्ट्रीय अध्यक्ष मा0 अखिलेश यादव जी को धन्यवाद देना चाहता हूं कि 'सबका साथ, सबका विकास' का जो आपकी सरकार का नारा है उसको हमारे अखिलेश यादव जी ने चरितार्थ करने का काम किया है।

श्री अधिष्ठाता-

अब आप बैठ जाइये, धन्यवाद। श्री भूपेश चौबे जी।

श्री भूपेश चौबे-

माननीय अधिष्ठाता महोदय, महामहिम श्री राज्यपाल महोदया जी के अभिभाषण पर मा0 सदस्य डॉ0 मंजू शिवाच द्वारा जो धन्यवाद प्रस्ताव प्रस्तुत किया गया है, उसके समर्थन में बोलने के लिये मैं खड़ा हुआ हूं। मान्यवर, हम सोनभद्र जनपद से आते हैं। इस उत्तर प्रदेश की विधान सभा की संरचना में जो 403 विधान सभा है वह हमारा सोनभद्र उस 403 विधान सभा से आच्छादित है। अन्तिम पायदान पर खड़ा सोनभद्र अन्त्योदय के लक्ष्य को प्राप्त करने के लिये सरकार जो निरन्तर 'चरैवेति-चरैवेति-चरैवेति' मंत्र के साथ पूज्य योगी आदित्यनाथ जी के नेतृत्व में काम कर रही है, वह सोनभद्र में चरितार्थ होता दिख रहा है। (मेजों की थपथपाहट) प्रत्यक्ष प्रमाण है और मैं पूरी विधान सभा को आमंत्रित करना चाहता हूं कि आप आइये और सोनभद्र में देखिये कि किस प्रकार से गांव में परिवर्तन हो रहे हैं, किस प्रकार से स्कूलों की व्यवस्थाओं में परिवर्तन दिख रहा है, किस प्रकार से किसान खुशहाल है, किस प्रकार से जल संचयन के क्षेत्र में यहां पर काम हुआ है, वह सोनभद्र में देखने को मिलता है। माननीय अधिष्ठाता महोदय, 'हर घर नल' के माध्यम से प्रथम चरण में सोनभद्र को चयनित किया गया है, इसके लिये मैं मा0 मुख्य मंत्री जी को धन्यवाद देना चाहता हूं। सोनभद्र आदिवासी, गिरिवासी बाहुल्य जिला है और सोनभद्र में कभी मेडिकल कालेज भी होगा यह कभी सोचा नहीं था, लेकिन मा0 मोदी व योगी आदित्यनाथ जी ने उसको करके दिखाया है, वहां पर मेडिकल कालेज स्वीकृत किया है। सोनभद्र के लोग अब हवाई यात्रा भी कर सकते हैं। यहां पर नागरिक उड्डयन मंत्री जी बैठे हुए हैं। आज वह आदिवासी, गिरिवासी भी म्योरपुर हवाई अड्डा से यात्रा शुरू करके मुम्बई जा सकता है, योगी सरकार ने यह सार्थकता साबित की है।

माननीय अधिष्ठाता महोदय, बार्डर को जोड़कर आपस में हम समन्वय बनाने की बात करते हैं। आज से नहीं जबसे सोनभद्र स्थापित हुआ है, वहां पर लोग बसे हैं और जबसे मानचित्र में सोनभद्र का नक्शा आया है तब बागेशोती व नगर उटांसी को जोड़ने वाली सिर्फ एक सड़क थी जो झारखण्ड और उत्तर प्रदेश को जोड़ने वाली है, जो बजारी घाट के नाम से जानी जाती थी, उसको ट्रैक्टर घाट भी कहा जाता था क्योंकि सन् 67 में वहां का एक व्यक्ति ट्रैक्टर लेकर आया और ट्रैक्टर लेकर सीधे पहाड़ से नीचे उतरा तब वह मार्ग ट्रैक्टर घाट कहा जाने लगा। उसके बाद कितनी सरकारें आईं लेकिन किसी ने उस घाट को बनवाने का काम नहीं किया लेकिन भारतीय जनता पार्टी की सरकार ने उस घाट को बनवाकर दो राज्यों को जोड़ने का काम किया है। माननीय योगी जी की सरकार जबसे आई है तबसे सरोकार गिन सकते हैं इस सरकार के सरोकार के उदाहरण मैं देना चाहता हूँ कि जिस प्रकार से स्थानीय स्रोतो के आधार पे हमने सभी प्राइमरी स्कूल में फर्नीचर युक्त, अगले सत्र से हमारे जिले के 2600 स्कूल फर्नीचर युक्त हो जायेंगे इसके लिए मैं प्रभारी मंत्री सतीश द्विवेदी व मुख्य मंत्री योगी जी को धन्यवाद देना चाहता हूं। सभी बच्चे फर्नीचर पर बैठकर पढ़ेंगे वह स्थानीय स्रोतों से करने का काम किया है, यह सरोकार जो बदला है सरकार का उसका प्रत्यक्ष प्रमाण है

सोनभद्र में मा0 अधिष्ठाता महोदय, मैं आपके माध्यम से सोनभद्र के लिए कुछ और आग्रह करना चाहता हूँ कि रॉबर्ट्सगंज जनपद का मुख्यालय है सोनभद्र नाम की कोई भी जगह सोनभद्र में नहीं है इसलिए मैं आपके माध्यम से निवेदन करना चाहता हूँ कि रॉबर्ट्सगंज का नाम सोनभद्र रखे जाने के साथ-साथ रॉबर्ट्सगंज नगर पालिका क्षेत्र का विस्तारीकरण किया जाये। रॉबर्ट्सगंज नगर पालिका में जल निकासी का प्रबन्ध किया जाये। चतरा नगवां क्षेत्र में एक महिला डिग्री कॉलेज व कोन क्षेत्र में डिग्री कॉलेज स्थापित किया जाये। इस निवेदन के साथ कि रॉबर्ट्सगंज में रेलवे क्रासिंग है जहां पर अत्यधिक जाम लग जाता है वहां पर एक ओवरब्रिज बनवाया जाये। नगवां क्षेत्र में सिंचाई की विशेष परियोजना स्थापित किए जाने के साथ-साथ धंधरौल बांध के पूर्वी व पश्चिमी सिरे पर स्थित असिंचित खेतों की सिंचाई हेतु विशेष प्रबन्ध किए जायें। इसी निवेदन के साथ मैं अपनी वाणी को विराम देता हूँ, बहुत-बहुत धन्यवाद।

श्री राम फेरन पाण्डेय-

माननीय अधिष्ठाता महोदय, धन्यवाद प्रस्ताव जो डा0 मंजू शिवाच जी ने प्रस्तुत किया है उससे अपने आपको सम्बद्ध करते हुए आपको धन्यवाद ज्ञापित करना चाहता हूँ। मैं पहली बार सदन में आया हूँ और आपने मुझे बोलने का अवसर दिया इस अवसर पर सदन में बैठे हुए मैं अपने सभी भाइयों को शीष झुकाकर प्रणाम करता हूँ और रही बात हमारी सरकार की तो हमारे एक सहपाठी ने स्वास्थ्य के मामले में बताया कि पहले सरकारें आती थीं तो गरीब, दबा-कुचला हमारा नौजवान अस्पताल में पीड़ित होकर मर जाता था लेकिन धन्यवाद दूँगा अपनी सरकार के माननीय मोदी जी को जो आयुष्मान भारत योजना लेकर आए और पांच लाख रुपये तक का इलाज उस अन्तिम पायदान पर खड़े व्यक्ति को देने का काम किया है। अब वह जहां चाहे वहां अपना इलाज करा सकता है। हमारी सरकार और अन्य सरकारों की विशेषता यह है। दूसरी बात शिक्षा के क्षेत्र में देखिए जब मैं पढ़ता था तब हमारे गांवों में विद्यालय नहीं हुआ करते थे पेड़ के नीचे बैठकर पढ़ता था आज हमारे जनपद श्रावस्ती जो नेपाल बार्डर से छूता हुआ जिला है उस उत्तर प्रदेश के पिछड़े आठ जिलों में एक नम्बर पर है।

हमारे शिक्षा मंत्री और माननीय मुख्य मंत्री जी ने जनपद श्रावस्ती में 34 इंग्लिश मीडियम स्कूल खोलकर कीर्तिमान स्थापित करने का काम किया है। दूसरा जब मैं पढ़ता था तो पहले सांसद कोटे से गैस कनेक्शन मिला करते थे बड़े लोगों की बहू-बेटियों की जब शादी होती थी तब कूपन लेते थे। चौराहे-चौराहे पर गैस कनेक्शन देने का काम हमारे यशस्वी प्रधानमंत्री जी ने किया है। उनको देश की चिन्ता है और यहां तक की 8 करोड़ लोगों को गैस कनेक्शन मिला है जिसमें से 3 करोड़ मुस्लिम महिलाओं को गैस कनेक्शन देने का काम करके सबका साथ और सबका विकास का नारा देकर उन्होंने सिद्ध कर दिया कि हमारी सरकार सबका साथ और सबका विकास का नारा बुलन्दियों पर ले जाकर कीर्तिमान स्थापित करेगी। पहले जब घरों में बच्चियां पैदा होती थी तो मातम छा जाता था और लड़के पैदा होने पर शहनाइयां बजती

थीं। उस पीड़ा को हमारे देश के, हमारे प्रदेश के यशस्वी मुख्य मंत्री जी ने समझा और कन्या सुमंगला योजना और मुख्य मंत्री सामूहिक विवाह योजना लेकर आए और उसमें 51 हजार रुपये का अनुदान देने का काम किया है। इसी के साथ मैं अपनी वाणी को विराम देता हूँ, बहुत-बहुत धन्यवाद।

श्री मो0 फईम इरफान-

माननीय अधिष्ठाता महोदय, आपने मुझे महामहिम राज्यपाल महोदया के अभिभाषण पर विचार रखने का मौका दिया सबसे पहले उसके लिए आपका धन्यवाद अदा करता हूं तथा अभिभाषण पर नेता प्रतिपक्ष सहित अपने समस्त विपक्षी साथियों के विचारों का समर्थन करता हूं। वैसे यह अभिभाषण प्रदेश के इतिहास की सबसे नाकाम सरकार की नाकामियों को एक चालाक गृहणी की तरह पुरानी और बेकार चीजों को एक बड़े सन्दूक पर पेंट करके उसके अन्दर रखने जैसी चेष्टा का प्रयास मात्र है। इसमें बखान किये गये तथ्यों का हकीकत से कोई वास्ता नहीं है। इस अभिभाषण में प्रदेश को देश के अन्दर कई मामलों में प्रथम स्थान होना बताया गया है वह मामले केवल प्रदेश की जनसंख्या अधिक होने के कारण हैं जिन्हें उपलब्धि नहीं माना जा सकता। यदि हम जनहित के महत्वपूर्ण मामलों में देखें तो पता चलेगा कि हमारा प्रदेश बेरोजगारी, स्वास्थ्य सुविधाओं की बदहाली, स्वच्छ पेयजल की अनुपलब्धता, शिक्षा का खराब स्तर, इन्साफ के लिए तरसते लोग, प्रदूषण और भ्रष्टाचार आदि मामलों में दयनीय स्थिति का सामना कर रहा है उनमें सुधार करने की किसी योजना का जिक्र अभिभाषण में नहीं किया गया। माननीय अधिष्ठाता जी, इस अभिभाषण में भले ही कानून व्यवस्था को लेकर अपने मुंह मियां मिट्ठू बनने की तर्ज पर सरकार ने अपनी पीठ थपथपाई है परन्तु यह बात जग-जाहिर है कि प्रदेश में आज कानून का राज्य नहीं बल्कि गैर कानूनी अराजकता फैली हुई है। अखबार, टी0वी0, सोशल मीडिया पर हर प्रकार के अपराधों की बाढ़ आई हुई है पुलिस सरेआम अपराधियों का संरक्षण और पीड़ितों का शोषण तथा बेगुनाहों का उत्पीड़न करती चली जा रही है। पुलिस के द्वारा शान्तिपूर्वक प्रदर्शनकारियों पर बर्बरता करना, मृतकों, आशक्तों, बच्चों, 90-95 साल के बीमारों तथा विदेश गये गैर हाजिर लोगों की भी मुकदमें में नाम दर्ज करना या, नष्ट सम्पत्ति के हरजाने की वसूली के नोटिस देना इसका जीता-जागता सबूत है। मेरे विचार में पुलिस द्वारा ऐसे कृत्य सरकार के दबाव में मुकदमा न लिखकर प्रदेश के वातावरण को सुधारने के बजाय केवल आकड़ों को सुधारने का कुप्रयास मात्र है जो लोकतंत्र के हित में नहीं है। हमारे प्रदेश में किसानों की फसल का सरकारी खरीद मूल्य पड़ोसी राज्यों की तुलना में लगातार कम रहा है। सरकार द्वारा कृषि उपज के भण्डारण या प्रसंस्करण हेतु किसी प्रकार की ठोस नीति का जिक्र अभिभाषण में नहीं किया गया है। प्रधानमंत्री किसान सम्मान निधि योजना के न तो अवशेष पात्रों को निश्चित समय-सीमा में लाभान्वित करने का वादा है और न ही पात्रों के बैंक खातों, आधार कार्ड एवं खतौनी में लिपिकीय त्रुटि को ठीक करने हेतु गांव-गांव विशेष कैम्प लगाने का इरादा है। चीनी मिलों को तो सरल ब्याज योजना से फायदा

पहुंचाने की बात इस अभिभाषण में की गयी है लेकिन किसानों की गन्ना पर्चियों को बैंक ऋण या विद्युत बिल राजस्व बकाये में समायोजित नहीं किया है। गन्ना मूल्य भुगतान में देरी बरकरार है। 3 सालों में गन्ना मूल्य में कोई किसी तरीके की बढ़ोत्तरी नहीं की गयी है। 'हर घर जल-योजना' पूर्ण होने तक पेयजल से वंचित लोगों के हितार्थ कोई योजना न तो जारी रखने की नियत इस अभिभाषण में है, न ही भू-गर्भ जल संरक्षण व संरक्षण हेतु अनिवार्य प्राविधान वाली किसी योजना के सकारात्मक परिणाम प्राप्त करने का कोई लक्ष्य निर्धारित किया गया है। पशु-पालन व्यवसाय में पहले की भांति, लाभप्रद बनाने के उद्देश्य से पशुपालकों को प्रोत्साहन करने की कोई योजना सरकार ने नहीं बनाई है।

प्रधानमंत्री आवास योजना में न तो अभी तक शत-प्रतिशत अवशेष पात्रों को आवास योजना का लाभ दिया है, न ही ग्रामीण क्षेत्रों में पड़ने वाले आवासों की लागत में वृद्धि की गयी है, न किसी निश्चित समय पर आवास प्लस वाले पात्रों को मुख्य मंत्री आवास देने का कार्यक्रम अभिभाषण में घोषित किया गया है। शिक्षा के क्षेत्र में अंग्रेजी माध्यम में परिवर्तित विद्यालयों को न तो जरूरी सुविधाओं से लैस किया गया है, न ही अवशेष विद्यालयों को अंग्रेजी माध्यम से परिवर्तित करने की कोई योजना का ढांचा तैयार किया गया है। सड़कों को गड्ढा मुक्त करने के नाम पर केवल कागजी खानापूरी की गयी है, सड़कें बदस्तूर गड्ढा युक्त बनी हुई हैं। हथकरघा और बुनकर उद्योग से जुड़े लोगो को सस्ता और गुणवत्तायुक्त सूत उपलब्ध कराने, आधुनिक तकनीकी से बने हथकरघा दिलाने तथा सस्ती या मुफ्त बिजली उपलब्ध कराने की बात अभिभाषण में नहीं कही गई है। उनकी जो सब्सिडी भी समाप्त कर दी गई है, उसको भी बहाल करने का कोई जिक्र महामहिम राज्यपाल जी के अभिभाषण में नहीं किया गया है। खुले में शौचमुक्ति को बरकरार रखने के उद्देश्य से शौचालय का शत-प्रतिशत उपयोग सुनिश्चित करने या ग्रामीण क्षेत्रों में सामुदायिक शौचालय केन्द्र स्थापित करने का जिक्र नहीं किया गया है। ग्राम पंचायतों को एक निश्चित अवधि में कार्यालय भवन और पूर्णकालिक सचिव जैसी आधारभूत सुविधाओं से आच्छादित करने का संकल्प भी नहीं लिया गया है। लम्बी मुद्दत से समस्याओं का दंश झेल रहे मदरसा शिक्षकों व उर्दू शिक्षकों का बकाया मानदेय दिलाने, उनके मानदेय में वृद्धि करने या सेवा नियमावली तैयार करने का जिक्र भी अभिभाषण में नहीं किया गया है। आंगनबाड़ी केन्द्रों के बच्चों को प्राथमिक विद्यालयों के बच्चों जैसी मुफ्त सुविधायें दिये जाने का कोई इरादा इस अभिभाषण में नहीं किया गया है। प्रदेश के युवाओं को खेल, स्वास्थ्य सुविधाओं एवं सांस्कृतिक गतिविधियों में प्रोत्साहन स्वरूप कोई बजट दिए जाने का इरादा नहीं किया गया है।

(इसी मध्य सायं 06 बजकर 49 मिनट पर श्री अध्यक्ष पुनः पीठासीन हुए।)

माननीय अध्यक्ष जी, हमारे विधान सभा क्षेत्र में खासतौर पर एक अग्निशमन केन्द्र बनाने और मण्डी समिति का जो कार्य रुका हुआ है, उसको प्रारम्भ कराने हेतु मैं आपका

संरक्षण चाहते हुए निवेदन करता हूं कि आप इसमें आदेश दें तो काम चालू हो जाये। आखिर में इस अभिभाषण को केवल और केवल आंकड़ों या शब्दों की बाजीगरी का गुलदस्ता कहते हुए इन अल्फाजों के साथ मैं अपनी बात को खत्म करना चाहता हूं कि-

''हम समझते हैं हुकूमत की हकीकत लेकिन,
हम समझते हैं जन्नत की हकीकत लेकिन,
दिल के बहलाने को गालिब ये ख्याल अच्छा है।''

माननीय अध्यक्ष जी, आपने मुझे अभिभाषण पर बोलने का अवसर दिया, इसके लिए आपको बहुत-बहुत शुक्रिया।

श्री लाल बहादुर-

माननीय अध्यक्ष जी, आपने मुझे महामहिम राज्यपाल जी के अभिभाषण पर बोलने का अवसर दिया, इसके लिए आपको बहुत-बहुत धन्यवाद। उत्तर प्रदेश में हमारी सरकार बनते ही हमने उत्तम प्रदेश बनाने का संकल्प लिया था और मात्र तीन सालों में हमारा प्रदेश आदर्श उत्तम प्रदेश की राह पर जा रहा है। माननीय मुख्य मंत्री जी के नेतृत्व में हमारा उत्तर प्रदेश विकास के पथ पर बढ़ते हुए पूरे भारतवर्ष में सम्मान पा रहा है। जिस प्रकार माननीय मोदी जी पूरे विश्व में विकास पुरुष के नाम से जाने जाते हैं उसी प्रकार से माननीय योगी जी पूरे भारत में उत्तर प्रदेश के विकास पुरुष के नाम से जाने जा रहे हैं। माननीय मोदी जी और माननीय योगी की सरकार की जो योजनायें हैं, वह गरीबों के दिल को छू लेने वाली, किसानों के दर्द को दूर करने वाली, श्रमिकों को रोजी-रोटी देने वाली और बेटियों को सम्मान और कीर्तिमान देने वाली हैं। माननीय अध्यक्ष जी, माननीय मोदी जी और योगी जी का कहना है कि ''वह लूट रहे थे सपनों को, हम चैन से कैसे सो जायें, वह बेंच रहे थे यू0पी0 और भारत को, खामोश हम कैसे हो जायें।'' मैं उस ऐतिहासिक कौशाम्बी से आता हूं जिस धरती में भगवान श्री राम ने चरण रखे थे, जो भगवान श्रीकृष्ण की शिक्षा का केन्द्र था, महात्मा गौतमबुद्ध वहां चौमासा बिताया करते थे, वह श्री पद्म प्रभु की जन्मस्थली थी, 51 पीठों में एक सिद्ध पीठ मां शीतला धाम वहां है, रामचरित मानस के रचयिता महाकवि श्री तुलसीदास जी की प्रेरणास्थली मां रत्नावली का जन्मस्थान है और ऐसी बहुत सी ऐतिहासिक धरोहरे संजोने वाली वह धरती कौशाम्बी है। आजादी के बाद से महात्मा गौतमबुद्ध की इस नगरी में कोई मुख्य मंत्री नहीं गये थे लेकिन प्रदेश में भाजपा सरकार बनने के मात्र एक साल बाद ही माननीय योगी जी का वहां पहुंचना यह दर्शाता है कि यह विकास करने वाली सरकार है। 'सबका साथ, सबका विकास और सबका विश्वास' लेकर चलने वाली यह सरकार है। माननीय अध्यक्ष जी, 'सच का सूरज देख तिमिर का जब-जब क्रंदन होता है, चोर उचक्कों और ठगों का तब गठबन्धन होता है, खुल्लम-खुल्ला लूटपाट का जब-जब बन्धन होता है, चोर, उचक्कों और ठगों का तब गठबन्धन होता है।' माननीय अध्यक्ष जी, यह वह सरकार है जो सबका ध्यान दे रही है, चाहे गरीब हो,

चाहे श्रमिक हो, चाहे जो हो। प्रधानमंत्री मानधन पेंशन योजना लाकर माननीय प्रधानमंत्री जी ने गरीबों और किसानों की सुध लिया है और उनका दिल जीत लिया है। उनके बुढ़ापे में वह बहुत बड़ा सहारा बनेगा, 60 साल बाद जब उनको 3 हजार रुपये माह में पेंशन मिलेगी।

श्री अध्यक्ष-

अब आप समाप्त कर दीजिए।

श्री लाल बहादुर-

माननीय अध्यक्ष जी, बस एक शेर कहकर अपनी बात को समाप्त करता हूं-

''सियासत में जिंदा रहना भी बड़ा दुश्वार है,
यहां चूहा सांप का, सांप नेवले का यार है।''

अध्यक्ष जी, ''खाज हूं, खुजली हूं और कोढ़ से बहता हुआ मवाद हूं,
ज्यादा से ज्यादा जनप्रतिनिधि की सीट परिवार की, फिर भी मैं समाजवाद हूं।'' धन्यवाद।

श्री अध्यक्ष-

बहुत बढ़िया। सुभाष जी हैं।

श्रीमती आराधना मिश्रा 'मोना'-

माननीय अध्यक्ष जी, वह चले गये हैं।

श्री अध्यक्ष-

लीजिए वह हमको डांटे और फिर चले भी गये। आनन्द शुक्ला जी बोलेंगे क्या ?

श्री आनन्द शुक्ला-

अध्यक्ष जी, मैं सदन में माननीय राज्यपाल जी के अभिभाषण पर डा0 मंजू शिवाच जी के धन्यवाद प्रस्ताव का समर्थन करने के लिए खड़ा हुआ हूं।

श्री अध्यक्ष-

आनन्द जी क्षेत्र की बात जल्दी-जल्दी कर दीजिए क्योंकि सबका उठने का मन है।

श्री आनन्द शुक्ला-

अध्यक्ष जी, हां क्षेत्र की ही बात कर रहा हूं। माननीय राज्यपाल महोदय जी के अभिभाषण में मेरी विधान सभा क्षेत्र के लगभग सात लाख जनता और अपने बुंदेलखण्ड के साथ उत्तर प्रदेश की लगभग 22 करोड़ जनमानस की अपेक्षा और आकांक्षाओं को परिलक्षित करता है। सौभाग्य की बात है कि मैं आज इस विधान सभा का सदस्य हूं और मैं बताना चाहूंगा कि मैं जिस मानिकपुर विधान सभा क्षेत्र से आता हूं वह कामतानाथ जी की धरा है, गोस्वामी तुलसीदास जी की नगरी है तथा भगवान श्रीराम की तपस्थली है जहां भगवान श्री राम ने वनवास के लगभग 14 वर्षों में साढ़े ग्यारह वर्ष हमारे ही जिले में बिताया। मैं उस विधान

सभा क्षेत्र से आता हूं, लेकिन अफसोस की बात है जब पहले मैं कहीं बताता था कि मैं इस विधान सभा क्षेत्र से हूं तो लोग पहचान नहीं पाते थे कि मानिकपुर कौन ? मानिकपुर को डकैतों की विधान सभा क्षेत्र समझी जाती थी डकैतों का क्षेत्र समझा जाता था। राजनीतिक दल उनका संरक्षण करते थे और उनको पनपाते थे। अभिभाषण में कहा गया जीरो-टॉलरेंस, अपराधमुक्त, भयमुक्त, अन्यायमुक्त वातावरण, कानून राज की स्थापना तो यह सत्य है। इसका प्रमाण मैं हूं, मेरी विधान सभा है, मेरा जिला है (सत्ता पक्ष की ओर से मेजों की थपथपाहट)। हमारे योगी जी की सरकार वर्ष 2017 में बनी। उसके बाद जिस प्रकार दस्यु उन्मूलन का काम प्रारम्भ हुआ। चुनाव में हम लोग लगातार बोलते थे और मैं वह सौभाग्यशाली हूं कि वर्ष 2016 में जो प्रचार किया कि खून से रंगी मथुरा, सो रही सरकार, महिलाओं पर हो रहे अत्याचार, सो रही सरकार जो तत्कालीन सरकार का सच था वह सारे विज्ञापन मेरी ही कम्पनी ने किया और प्रदेश भर के अन्दर मेरे ऊपर 22 एफ0आई0आर0 हुए थे। अध्यक्ष जी, वह सब एफ0आई0आर0 खत्म हो गये। मैं सौभाग्यशाली मानता हूं अपने आपको कि लगातार 2017 में सरकार बनने के बाद क्षेत्र में जिस प्रकार विकास की बयार बहने लगी है।

श्री अध्यक्ष-

अब आप समाप्त करिए। एफ0आई0आर0 सब खत्म हो गये।

श्री आनन्द शुक्ला-

अध्यक्ष जी, हम लोग गांव, गरीब, किसान, शोषित, वंचित, पीड़ित, वनवासी, गिरिवासी लोगों की बात करते हैं। अगर किसी को देखना हो तो हमारी विधान सभा क्षेत्र में यह सारे उपलब्ध हैं, यह सारे मिलते हैं। जिस अभिभाषण में प्रधानमंत्री आवास योजना का जिक्र किया गया। अध्यक्ष जी, मैं बताना चाहूंगा कि 2011 की सूची पर सबको आवास दिये जा रहे हैं और षडयंत्रवश मैं कहूंगा कि उस समय की तत्कालीन सरकार चाहे केंद्र की सरकार, चाहे राज्य की सरकार 2011 की सूची से जो सबसे वंचित, पीड़ित हैं कोल समाज उनके अधिकांश नाम इस सूची से उड़ा दिये गये हैं। मैं आपको बताना चाहूंगा।

श्री अध्यक्ष-

अब आप समाप्त करिए। जो खास बात हो वह केशव जी को दे दीजिए (हंसी)।

श्री आनन्द शुक्ला-

अध्यक्ष जी, 2010 में महिला घाट का पुल शुरू हुआ था, वह आज तक बन नहीं पाया है। मैं आग्रह करूंगा कि उस पुल का शीघ्र और तेजी से काम चल रहा है वह जल्दी से स्वीकृत हो जाए। बरगढ़ क्षेत्र में 50 हजार की आबादी है वहां आज तक एक भी अस्पताल नहीं है। मैंने इसका आग्रह स्वास्थ्य मंत्री जी से भी किया है। अध्यक्ष जी, मैं बताना चाहूंगा कि मा0 योगी जी की प्रेरणा से जिले में जिन परिवारों में सिर्फ बालिकायें हैं उनको चिन्हित करके

एक पिंक कार्ड दिया जा रहा है और उससे उन लाभार्थियों को हर योजना के लाभ में प्राथमिकता मिलेगी।

श्री अध्यक्ष-

शुक्ला जी, अब समाप्त करें।

श्री आनन्द शुक्ला-

अध्यक्ष जी, हमारे यहां एक 200 बेड का अस्पताल भी है लेकिन उसमें इन्स्ट्रूमेण्ट (Instrument) और इक्यूपमेण्ट (Equipment) नहीं है। मैं सदन को आमंत्रित करना चाहूंगा कि आने वाले समय में अब उसको डकैतों का क्षेत्र न कहें।

श्री अध्यक्ष-

आप बुलायेंगे, सब लोग आयेंगे। आप कार्ड छपवाइये, सब लोग आयेंगे।

श्री आनन्द शुक्ला-

मान्यवर, मेरी विधान सभा क्षेत्र में पर्यटन स्थल तुलसी पीठ, राजापुर, परानुबाबा, सोमनाथ मंदिर, मार्कण्डेय महादेव, आनन्दी माता मंदिर, हनुमान धारा आदि ऐसे दिव्य जिनका इतिहास में वर्णन है उनका कायाकल्प किया जा रहा है। मैं आदरणीय उप मुख्य मंत्री केशव जी का आभार व्यक्त करते हुए धन्यवाद देना चाहूंगा कि वह कहते हैं कि विधायक लेने में कमी करते हैं, मैं देने में कमी नहीं करता। मेरी विधान सभा क्षेत्र को उन्होंने हर मार्ग से जोड़ने का आश्वासन दिया है। बहुत-बहुत धन्यवाद।

श्री आजाद अरिमर्दन-

माननीय अध्यक्ष जी, मैं मा0 नेता विपक्ष श्री राम गोविन्द चौधरी जी, बसपा विधान मण्डल दल के नेता श्री लाल जी वर्मा जी की बातों से अपने को सम्बद्ध करता हूं। यह जो वर्तमान में सरकार है यह किसान विरोधी है। नौजवान, एस0सी0-एस0टी, ओ0बी0सी0, अल्पसंख्यक विरोधी सरकार है। जब यह सरकार आयी थी तो इन्होंने वायदा किया था कि नौजवानों को रोजगार देंगे और खाली सरकारी पदों को हम तत्काल भरेंगे। लेकिन दुख के साथ कहना पड़ रहा है कि यह सरकार एस0सी0-एस0टी0 के आरक्षण को पूरा करने के बजाय आउटसोर्सिंग एवं निजीकरण के माध्यम से उनके हक और अधिकार को छीनने का प्रयास कर रही है। भारतीय संविधान में बाबा साहब ने दलितों, पिछड़ों को जहां 22.5 प्रतिशत एस0सी0-एस0टी0 को आरक्षण दिया गया और 27 प्रतिशत जहां ओ0बी0सी0 को आरक्षण दिया गया था लेकिन दुख के साथ कहना पड़ रहा है कि अभी जो उच्च न्यायालय का एक आदेश आ रहा है कि सरकारों के लिए एस0सी0-एस0टी0, ओ0बी0सी0 का आरक्षण अनिवार्य नहीं है वह स्वतः अपना पालन करेंगी। लेकिन मैं आपसे निवेदन करूंगा कि इस प्रदेश विधान सभा में एक प्रस्ताव लाया जाये कि संविधान की नवीं अनुसूची में एस0सी0-एस0टी0, ओ0बी0सी0 के आरक्षण को डाला जाये जिससे एस0सी0-एस0टी0 के लोगों में जो भय व्याप्त

है वह दूर हो सके। मा0 अध्यक्ष जी, मैं आपका ध्यान अपने क्षेत्र की ओर दिलाना चाहता हूं कि हमारा विधान सभा क्षेत्र लालगंज बहुत पिछड़ा इलाका है। लालगंज तहसील बहुत बड़ी है उसको जिला घोषित किया जाये। साथ ही हमारे विधान सभा क्षेत्र में महिला सामुदायिक केंद्र बहुत दिनों से बंद पड़ा है उसको चालू किया जाये। हमारे विधान सभा क्षेत्र में ग्राम सभा खुरसो में बेसो नदी पर पुल का निर्माण किया जाये। ब्लाक ठेकमा में सिरसेड़ी में बेसव नदी पर पुल का निर्माण किया जाये। साथ ही ब्लाक ठेकमा में खरांज ग्राम सभा के उदंती नदी पर पुल का निर्माण किया जाये। ब्लाक ठेकमा में ग्राम सिरसेड़ी पर जो नदी पर पुल का निर्माण जहां की जनता की यह लम्बे समय से मांग रही है। मा0 अध्यक्ष जी, मैं अपने विधान सभा क्षेत्र लालगंज के अन्तर्गत ब्लाक ठेकमा में ठेकमा बाजार को टाउन एरिया, ब्लाक लालगंज के देवगांव के बाजार को टाउन एरिया, पल्हना बाजार को टाउन एरिया घोषित कराने की मांग करता हूं। मा0 अध्यक्ष जी, हमारे विधान सभा क्षेत्र में सड़कें काफी जर्जर स्थिति में हैं। मैं आपसे मांग करता हूं कि जहां हमारे प्रधानमंत्री जी का संसदीय क्षेत्र वाराणसी है वहीं हमारी विधान सभा क्षेत्र लालगंज है, जो आजमगढ़ में पड़ती है। वाराणसी से लालगंज होते हुए आजमगढ़ तक वहां के हाई-वे का रोड काफी दिनों से अधूरा पड़ा है एवं जर्जर सड़कें हैं। मैं मांग करता हूं कि उसको तत्काल पूरा किया जाये क्योंकि आये दिन वहां दुर्घटना होती रहती है। ताकि उन मरीजों का जल्दी से इलाज हो सके एवं आवागमन मार्ग सुलभ हो सके।

श्री अध्यक्ष-

अब तो आपके सब विषय आ गये।

श्री आजाद अरिमर्दन-

मा0 अध्यक्ष जी, मैं अपने लालगंज विधान सभा क्षेत्र में विकास खण्ड ठेकमा में ग्राम सभा महुआरी से ग्राम केटी तक जो सड़कें जर्जर हो गयी हैं, उसको भी निर्माण करने की मांग करता हूं।

श्री अध्यक्ष-

ठीक है, अब आप बैठिये।

श्री आजाद अरिमर्दन-

मा0 अध्यक्ष जी, अभी आपने सत्तापक्ष के लोगों के माध्यम से विद्युत व्यवस्था के बारे में बहुत लम्बी-चौड़ी बातें की गयीं। लेकिन हमारे विधान सभा क्षेत्र में जर्जर तार, खम्भे हैं और जहां तक यह सौभाग्य योजना की बात करते हैं वह हमारे विधान सभा क्षेत्र में लोगों में दुर्भाग्य योजना की तरह से हो गयी है। बिजली नहीं है लेकिन उनको फर्जी बिल आ रहे हैं। ब्लाक-लालगंज में ग्राम खनेरा, बोरमा विशम्भरपुर, सराव, सिरसेड़ी/ब्लाक-ठेकमा-बेलऊ, सराय मोहन आदि ग्रामों में उनके फर्जी बिल आ रहे हैं और उनकी आर0सी0 तक काट दी गई है। मैं चाहूंगा कि उन फर्जी बिलों को माफ करके उनका निस्तारण कर दिया जाए। आपका बहुत-बहुत धन्यवाद।

श्री अध्यक्ष-

आज जो भी वक्ता रह गये उनको कल देखेंगे और आज के अन्तिम वक्ता श्री संजीव कुमार दिवाकर जी हैं।

***श्री संजीव कुमार दिवाकर-**

आदरणीय अध्यक्ष महोदय, सर्वप्रथम सम्मानित सदन को धन्यवाद देता हूं। मुझे सदन में महामहिम राज्यपाल के अभिभाषण पर डॉ0 मंजू शिवाच के समर्थन प्रस्ताव पर बोलने का मौका दिया, उसके लिए पूरे सदन का और आपका दिल की गहराइयों से नन्दन एवं अभिनन्दन करता हूं। अगर मा0 मुख्य मंत्री जी की योजनाओं के बारे में बताऊंगा तो बहुत समय लगेगा। मैं जलेसर विधान सभा क्षेत्र से आता हूं, वह बहुत बड़ा पिछड़ा क्षेत्र था। आजादी के 70 सालों में मेरा क्षेत्र खारे पानी की समस्या से जूझ रहा था। किसी भी सरकार ने उस समस्या की ओर ध्यान नहीं दिया। मैं मा0 मुख्य मंत्री जी को धन्यवाद देता हूं कि उन्होंने मुझे 26 करोड़ रुपये दिये और मेरे क्षेत्र को खारे पानी की समस्या से निजात दिलाई। अध्यक्ष जी, मैं आपसे निवेदन करूँगा कि मेरे क्षेत्र की जो प्रमुख समस्याएं हैं, मेरे क्षेत्र में 'एक जिला एक उत्पाद' योजना में जलेसर तहसील में जो एक पीतल की नगरी है, घुंघरू, घण्टे, पायल जिनकी विदेशों में खनक है, आज रोजगार की स्थिति बहुत खराब होती जा रही है। कोई डिपो नहीं है, वहां पर डिपों न होने के कारण जो रोजगार है, जो घुंघरू, घण्टे, पायल की खनक विदेशों तक है, वह फीकी पड़ती जा रही है। मा0 अध्यक्ष जी, मैं आपसे विनम्र निवेदन करूंगा कि मेरी विधान सभा क्षेत्र में एक डिपो देने की कृपा करें। इसी के साथ-साथ मेरे क्षेत्र में सरकार की मंशा भी है कि हम तहसीलों/न्यायालयों पर गरीब लोगों को न्याय दिलायें, तो मेरी विधान सभा क्षेत्र में बहुत पहले कोर्ट बन चुका है लेकिन जलेसर के नाम से एटा में संचालित हो रहा है और मा0 अध्यक्ष जी, मैं आपसे निवेदन करूंगा क्योंकि मेरी विधान सभा क्षेत्र में जब मुंसिफ कोर्ट बना हुआ है लेकिन उसकी मेरे जलेसर में ही स्थापना हो। माननीय अध्यक्ष जी, इसी के साथ-साथ मेरे जलेसर में एक पटना पक्षी विहार पर्यटक स्थल है। यहां विदेशों से पक्षी आते हैं। लेकिन पूर्व की सरकारों ने उस पर कोई ध्यान नहीं दिया।

श्री अध्यक्ष-

पक्षी के साथ प्रतिपक्षी आते हैं कि नहीं।

***श्री संजीव कुमार दिवाकर-**

बाहर से पक्षी आते हैं, बहुत अच्छे-अच्छे पक्षी आते हैं। अध्यक्ष जी, आप एक बार विजिट करें। यही समय होता है, जब बाहर से पक्षी आते हैं। तो मैं आपसे विनम्र निवेदन

---

* वक्ता ने भाषण का पुनर्वीक्षण नहीं किया।

करूंगा और चाहूंगा कि वहां के सौन्दर्यीकरण के लिए कुछ मिल जाये। माननीय अध्यक्ष जी, घबराहट होती है क्योंकि पहली बार बोलने का समय मिला है।

श्री अध्यक्ष-

आप निर्भीकतापूर्वक बोलिए और हमने आपका एक मिनट बढ़ा दिया है।

श्री संजीव कुमार दिवाकर-

मा0 अध्यक्ष जी, जो मेरा क्षेत्र है, जो डार्क जोन था, मा0 मुख्य मंत्री जी को धन्यवाद देता हूं कि उन्होंने डार्क जोन को उठाया और किसानों को कनेक्शन मिले जिससे सिंचाई में वृद्धि हुई। इसी के साथ-साथ निवेदन करना चाहता हूं कि ग्रामीण क्षेत्र में किसानों को 10 घण्टे बिजली मिल रही है उसमें आपके आशीर्वाद से 16 घण्टे की बढ़ोत्तरी कर दी जाए। यह मैं आपसे उम्मीद रखता हूं और इसी के साथ अपनी वाणी को विराम देता हूं। जय हिन्द, जय भारत।

श्री अध्यक्ष-

श्री राज्यपाल के अभिभाषण पर चर्चा जारी रहेगी। आज नियम-51 के अन्तर्गत कुल 64 सूचनाएं प्राप्त हुईं।

***श्री राकेश प्रताप सिंह-**

मा0 अध्यक्ष जी, एक सुझाव है यदि आपकी अनुमति हो तो मैं कहूं। नियम-51 में उसी की सूचनाएं स्वीकृत हों जो यहां पर उपस्थित हो। मैंने कोरम का प्रश्न नहीं उठाया, अभी 38-39 सदस्यों में सदन का संचालन हुआ है। लोग सूचनाएं लगा देते हैं, फिर चले जाते हैं, अगर ये स्वीकृति तय हो जाएगी तो सदन में उपस्थित रहने पर ही सूचनाएं स्वीकार होंगी तो कम से कम कोरम पूरा रहेगा।

श्री रमेश चन्द्र मिश्र-

मान्यवर, जो उपस्थित सदस्य हैं उनकी ही सूचनाएं ली जायें।

श्री अध्यक्ष-

मा0 राम गोविन्द जी, आप क्या कहना चाह रहे हैं।

श्री राम गोविन्द चौधरी-

मा0 अध्यक्ष जी, कम-से-कम जब तक आप आसन पर हैं तो जो लोग विधायक चुनकर आये हैं, उन्हें बैठना चाहिए और सही बात है बिना कोरम के हम लोग सदन चला रहे हैं इसलिए एक झटका तो आपको देना चाहिए।

---

* वक्ता ने भाषण का पुनर्वीक्षण नहीं किया।

[07:10 बजे] नियम-51 के अन्तर्गत सूचनाएं

श्री अध्यक्ष-

ठीक बात है। जो हमारे सहायक नीचे लिख रहे हैं वह उपस्थिति देखते रहें। आज दिनांक 18-02-2020 को नियम-51 के अन्तर्गत कुल 64 सूचनाएं प्राप्त हुईं जिसमें से 26 सूचनाएं स्वीकृत हुई, शेष अस्वीकृत हुईं।

निम्नलिखित सूचनाएं वक्तव्य हेतु स्वीकृत हुईं :-

पहली सूचना श्री सुनील कुमार शर्मा की जनपद गाजियाबाद के नगर पालिका परिषद् खोडा मनकपुर में पेयजल आपूर्ति कराये जाने के सम्बन्ध में है। दूसरी सूचना श्री संजय गर्ग की जनपद सहारनपुर में बेसिक शिक्षा विभाग के विद्यालयों की जर्जर स्थिति के सम्बन्ध में है। तीसरी सूचना श्री राकेश प्रताप सिंह की जनपद अमेठी के ब्लाक जामो की ग्राम पंचायत रेसी में मूलभूत सुविधा उपलब्ध कराये जाने के सम्बन्ध में है। चौथी सूचना श्री अनिल सिंह की जनपद उन्नाव के विधान सभा क्षेत्र पुरवा में क्षतिग्रस्त नहर पुल का निर्माण कराये जाने के सम्बन्ध में है। पांचवीं सूचना श्रीमती सुषमा पटेल की जनपद लखनऊ में समाज कल्याण विभाग में व्याप्त भ्रष्टाचार के सम्बन्ध में है।

निम्नलिखित सूचनाएं केवल वक्तव्य हेतु स्वीकृत हुईं :-

पहली सूचना श्री नितिन अग्रवाल की वर्ष 2004 से वर्ष 2006 के मध्य विभिन्न घटनाओं की धाराओं में दर्ज मुकदमा संख्या-06/2010 में वित्तीय अनुसंधान दल, उत्तर प्रदेश लखनऊ द्वारा कार्यवाही कराये जाने के सम्बन्ध में है। दूसरी सूचना श्री चन्द्र प्रकाश उर्फ सीए चन्द्र प्रकाश शुक्ल की जनपद बस्ती के विधान सभा क्षेत्र कप्तानगंज में सड़क की मरम्मत/निर्माण कराये जाने के सम्बन्ध में है। तीसरी सूचना श्री सुरेश कुमार श्रीवास्तव की जनपद लखनऊ के नगर निगम की सीमा के भीतर चल रही अवैध डेयरियों की रोकथाम के सम्बन्ध में है। चौथी सूचना श्री मुकेश चन्द्र वर्मा की जनपद हमीरपुर के विकास खण्ड गोहाण्ड में शौचालय निर्माण हेतु लाभार्थी चयन में ग्राम प्रधान व ग्राम पंचायत अधिकारी द्वारा की गयी अनियमितताओं के सम्बन्ध में है।

निम्नलिखित सूचनाएं ध्यानाकर्षण हेतु स्वीकृत हुईं :-

पहली सूचना श्रीमती बिमला सिंह सोलंकी की जनपद बुलन्दशहर के विधान सभा क्षेत्र सिकन्द्राबाद में सड़कों की मरम्मत/निर्माण में व्याप्त अनियमितता की जांच कराये जाने के सम्बन्ध में है। दूसरी सूचना श्री राम फेरन पाण्डेय की जनपद श्रावस्ती के सीताद्वार को पर्यटन स्थल घोषित किये जाने के सम्बन्ध में है। तीसरी सूचना श्री उमाशंकर सिंह की जनपद बलिया के विधान सभा क्षेत्र रसड़ा में सामुदायिक स्वास्थ्य केन्द्र रसड़ा में स्टाफ की तैनाती किये जाने के सम्बन्ध में है। चौथी सूचना श्री रमेश चन्द्र मिश्र की जनपद जौनपुर के विधान सभा क्षेत्र बदलापुर में सड़क का निर्माण कराये जाने के सम्बन्ध में है। पांचवीं सूचना श्री विरेन्द्र कुमार

यादव की जनपद गाजीपुर के अन्तर्गत जिला पंचायती राज अधिकारी द्वारा किये गये भ्रष्टाचार के सम्बन्ध में है। छठी सूचना श्री सुभाष राय की जनपद अम्बेडकरनगर में निर्धारित दर से अधिक वाणिज्यिक बिजली बिल की वसूली के सम्बन्ध में है। सातवीं सूचना श्री राम अचल राजभर की जनपद अम्बेडकरनगर के ब्लाक अकबरपुर में सड़क का निर्माण कराये जाने के सम्बन्ध में है। आठवीं सूचना डॉ0 मन्जू शिवाच की जनपद गाजियाबाद के विधान सभा क्षेत्र मोदीनगर में मार्ग की मरम्मत/निर्माण कराये जाने के सम्बन्ध में है। नवीं सूचना श्री जवाहर लाल राजपूत की जनपद झांसी के किसानों द्वारा निजी ट्यूबवेल हेतु कनेक्शन दिये जाने के सम्बन्ध में है। दसवीं सूचना डॉ0 अनीता लोधी राजपूत की जनपद बुलन्दशहर के विधान सभा क्षेत्र डिबाई में मार्ग की मरम्मत/निर्माण कराये जाने के सम्बन्ध में है। ग्यारहवीं सूचना श्री राजीव तरारा की जनपद अमरोहा के अन्तर्गत गजरौला में आनन्दा एवं उमंग दुग्ध फैक्ट्रियों द्वारा फैलाये जा रहे प्रदूषण के सम्बन्ध में है। बारहवीं सूचना डॉ0 श्याम बिहारी लाल की जनपद बरेली के विधान सभा क्षेत्र फरीदपुर में पीपे का पुल बनाये जाने के सम्बन्ध में है। तेरहवीं सूचना श्रीमती आराधना मिश्रा 'मोना' की जनपद लखनऊ के विकास खण्ड चिनहट तहसील सदर ग्राम मकदूमपुर में सरकारी भूमि पर अवैध कब्जे के सम्बन्ध में है। चौदहवीं सूचना श्री मसूद अख्तर की जनपद सहारनपुर के ग्राम मानकमऊ में नाले को पक्का कराये जाने के सम्बन्ध में है। पन्द्रहवीं सूचना श्री नरेश सैनी की जनपद सहारनपुर में अनाज व सब्जी मण्डी स्थापित किये जाने के सम्बन्ध में है। सोलहवीं सूचना श्री पवन कुमार उर्फ पवन केडिया की जनपद कुशीनगर के हाटा क्षेत्र में खाद्य एवं रसद विभाग द्वारा की जा रही अनियमितताओं के सम्बन्ध में है। सत्रहवीं सूचना श्री आजाद अरिमर्दन की जनपद आजमगढ़ के विधान सभा क्षेत्र लालगंज में सम्पर्क मार्ग बनाये जाने के सम्बन्ध में है।

निम्नलिखित मा0 सदस्यों की सूचनाएं अस्वीकार की गईं :-

1-श्री अमिताभ बाजपेयी
2-श्री प्रतीक भूषण सिंह
3-डॉ0 राधा मोहन दास अग्रवाल
4-श्री अवस्थी बाला प्रसाद
5-श्री रजनीकान्त मणि त्रिपाठी
6-श्री सहेन्द्र सिंह चौहान
7-श्री अगयश राम सरन वर्मा
8-श्री पूरन प्रकाश
9-श्री प्रेम नारायण पाण्डेय
10-श्री देवेन्द्र कुमार निम
11-श्री राम प्रताप सिंह

12-श्री राजीव कुमार सिंह 'बब्बू भइया'

13-श्री आशुतोष उपाध्याय

14-डा0 अनिल कुमार मौर्य

15-श्री मनोज कुमार पाण्डेय

16-श्री मनोज कुमार पारस

17-श्री पारसनाथ यादव

18-श्री अबरार अहमद

19-श्री पंकज गुप्ता

20-श्री नफीस अहमद

21-श्री राजकुमार उर्फ राजू यादव

22-श्री राजकुमार अग्रवाल

23-इंजी0 बृजेश कठेरिया

24-श्री लाल जी वर्मा

25-श्री संजय प्रताप जायसवाल

26-श्री बृजभूषण राजपूत उर्फ गुड्डू भइया

27-श्रीमती जय देवी

28-श्री प्रेमसागर पटेल

29-श्री अजय कुमार लल्लू

30-श्री नरेन्द्र सिंह वर्मा

31-श्री संजय सिंह गंगवार

32-प्रिंस वीर विक्रम सिंह

33-श्री सत्यवीर त्यागी

34-श्री सुभाष पासी

35-श्री अमन मणि त्रिपाठी

36-श्री धर्मराज सिंह यादव उर्फ सुरेश यादव

37-डॉ0 नीरज बोरा

38-श्री शैलेन्द्र यादव ललई

श्री अध्यक्ष-

अब मद संख्या 26 लेते हैं। वक्तव्य तो पढ़ा हुआ, प्रस्तुत हुआ मान लिया जाये।

वित्त, संसदीय कार्य, चिकित्सा शिक्षा मंत्री (श्री सुरेश कुमार खन्ना)-

मान्यवर, होना तो यही चाहिए क्योंकि जब ये माननीय सदस्य यहां पर उपस्थित नहीं होते तो इसका कोई औचित्य नहीं बनता है। जब उन्हें पता है कि आज सदन के एजेण्डे में लगा हुआ है और नियम-51 कहता है जब हाउस समाप्त होने लगेगा तब यह लिया जाएगा।

श्री अध्यक्ष-

लेकिन इसमें जो सरकार का वक्तव्य है वह तो आ ही जाएगा। वक्तव्य आ जाना चाहिए।

[07:14 बजे] जनपद सीतापुर की तहसील महमूदाबाद में कतिपय मार्गों का चौड़ीकरण/ उच्चीकरण कराये जाने के सम्बन्ध में श्री नरेन्द्र सिंह वर्मा द्वारा नियम-51 के अन्तर्गत दी गयी सूचना पर लोक निर्माण मंत्री का वक्तव्य

उप मुख्य मंत्री (श्री केशव प्रसाद मौर्य)-

श्री नरेन्द्र सिंह वर्मा, मा0 सदस्य द्वारा नियम-51 में सूचना दी गयी है कि मान्यवर आपके माध्यम से सदन का ध्यान लोक महत्व के गम्भीर विषय की ओर दिलाना चाहता हूं.....

***श्री राकेश प्रताप सिंह-**

मान्यवर, इसे पढ़ा हुआ मान लिया जाये।

श्री अध्यक्ष-

इसे पढ़ा हुआ माना जाता है।

(लोक निर्माण मंत्री का वक्तव्य इन्होंने ही दिया जो पढ़ा हुआ माना गया।)

श्री केशव प्रसाद मौर्य-

[जनपद सीतापुर की तहसील महमूदाबाद की 1-महमूदाबाद, पैंतेपुर, मीरानगर 2-देबियापुर गोरखपुर मार्ग, 3-गोडइचा सदरपुर बिसवां मार्ग, 4-पैतेपुर चांदपुर मार्ग, 5-सेमरी चांदपुर बासुडा मार्ग बहुत ही जर्जर है इन पर ट्रैफिक का लोड बहुत है यह सभी मार्ग लोक निर्माण विभाग के हैं। जनहित में इन मार्गों का चौड़ीकरण व उच्चीकरण किया जाना अति आवश्यक है।

अतः इस अविलम्बनीय, लोक महत्व के विषय पर सरकार का ध्यान आकृष्ट कराते हुए वक्तव्य दिये जाने की मांग करता हूं।

---

* वक्ता ने भाषण का पुनर्वीक्षण नहीं किया।

नोट :-[ ] यह अंश पढ़ा हुआ माना गया।

वक्तव्य :-

जनपद सीतापुर की तहसील महमूदाबाद के अन्तर्गत आने वाले अन्य जिला मार्गों तथा ग्रामीण मार्गों की स्थिति निम्नवत् है :-

1-महमूदाबाद पैंतेपुर मीरानगर मार्ग-

यह मार्ग (लम्बाई 9.650 कि0मी0, चौड़ाई 3.70 मी0) अन्य जिला श्रेणी का मार्ग है, जिसकी दशा वर्तमान में सन्तोषजनक है। उक्त मार्ग के चौड़ीकरण/उच्चीकरण हेतु आंकलित लागत रु0 2209.00 लाख है। उक्त कार्य की स्वीकृति वित्तीय संसाधनों की उपलब्धता पर निर्भर है।

2-देवियापुर से पोखरा कला मार्ग-

यह मार्ग (लम्बाई 14.410 किमी0) अन्य जिला श्रेणी का मार्ग है, जिसके किमी0 1 से 5 तक के भाग की चौड़ाई 3.75 मी0 एवं कि0मी0 6 से 15 (410) तक के भाग की चौड़ाई 3.00 मी0 है। वर्तमान में मार्ग की दशा सन्तोषजनक है तथा मार्ग का यातायात घनत्व (पी0सी0यू0) 02 लेन चौड़ीकरण हेतु निर्धारित मानक से कम होने के कारण उक्त मार्ग का चौड़ीकरण किया जाना निर्धारित मानकों से आच्छादित नहीं है।

3-गोड़ैचा सदरपुर बिसवां मार्ग-

यह मार्ग (लम्बाई 22.350 किमी0, चौड़ाई 3.00 मी0) अन्य जिला श्रेणी का मार्ग है, जिसकी दशा वर्तमान में सन्तोषजनक है। उक्त मार्ग के चौड़ीकरण/उच्चीकरण हेतु आंकलित लागत रु0 5072.19 लाख है। उक्त कार्य की स्वीकृति वित्तीय संसाधनों की उपलब्धता पर निर्भर है।

4-पैंतेपुर से चांदपुर सम्पर्क मार्ग-

यह मार्ग (कुल लम्बाई 11.00 किमी0) ग्रामीण श्रेणी का मार्ग है, जिसके प्रथम 2 किमी0 का भाग पैंतेपुर से केदारपुर सम्पर्क मार्ग नाम से व कि0मी0 3 से कि0मी0 11 तक का भाग केदारपुर से चांदपुर वाया इटिया सम्पर्क मार्ग नाम से है। वर्तमान में उक्त मार्ग की दशा सन्तोषजनक है। ग्रामीण श्रेणी के मार्गों का चौड़ीकरण लोक निर्माण विभाग में प्रचलित किसी योजना से आच्छादित नहीं है।

5-सेमरी से चांदपुर बांसुरा मार्ग-

यह मार्ग (कुल लम्बाई 8.500 किमी0) अन्य जिला श्रेणी का मार्ग है। वर्तमान में यह मार्ग पैचलेस है तथा उक्त मार्ग का यातायात घनत्व (पी0सी0यू0) 02 लेन चौड़ीकरण हेतु निर्धारित मानक से कम होने के कारण प्रश्नगत मार्ग का चौड़ीकरण किया जाना निर्धारित मानकों से आच्छादित नहीं है।]

जनपद बरेली की तहसील बहेड़ी के कतिपय बिन्दुओं पर शासन द्वारा जांच कराये जाने के सम्बन्ध में श्री छत्रपाल सिंह गंगवार द्वारा नियम-51 के अन्तर्गत दी गयी सूचना पर मुख्य मंत्री का वक्तव्य

वित्त, संसदीय कार्य, चिकित्सा शिक्षा मंत्री (श्री सुरेश कुमार खन्ना)-

जनपद बरेली की बहेड़ी तहसील के ग्राम सैदपुर बुजुर्ग, परगना चौमहला की भूमि के गाटा ..

श्री राकेश प्रताप सिंह-

मान्यवर, वक्तव्य पढ़ा हुआ मान लें।

श्री अध्यक्ष-

ठीक है, वक्तव्य को पढ़ा हुआ मान लेते हैं।

(मुख्य मंत्री का वक्तव्य संसदीय कार्य मंत्री ने दिया, जो पढ़ा हुआ माना गया।)

श्री सुरेश कुमार खन्ना-

[संख्या-154, 157, 159, 160, 161, 162, 163, 164, 165, 166, 168, 169, 170, 176, 182, 199 एवं 200 के नम्बरान में खतौनी में तहसील प्रशासन द्वारा गड़बड़ी के सम्बन्ध में श्री छत्रपाल सिंह, मा0 सदस्य द्वारा नियम-51 के अन्तर्गत दी गयी सूचना पर शासन को आख्या उपलब्ध कराने हेतु राजस्व अनुभाग-9 के पत्र संख्या-वि0स0नि0-07/एक-9-2020, दिनांक 14-02-2020 द्वारा जिलाधिकारी, बरेली को निर्देश दिये गये।

उक्त के क्रम में जिलाधिकारी, बरेली द्वारा अपने पत्र दिनांक 17-02-2020 के माध्यम से मा0 सदस्य द्वारा दी गयी सूचना में उल्लिखित तथ्यों की जांच हेतु 01 सप्ताह का समय दिये जाने का अनुरोध किया गया है। जिलाधिकारी, बरेली से जांच रिपोर्ट प्राप्त होने पर नियमानुसार अग्रिम कार्यवाही की जायेगी।]

प्रदेश के सभी जनपदों में खनन माफियाओं की मिलीभगत से की जा रही अनियमितताओं की जांच कराये जाने के सम्बन्ध में श्री मौहम्मद असलम ''राइनी'' (एडवोकेट) द्वारा नियम-51 के अन्तर्गत दी गयी सूचना पर मुख्य मंत्री का वक्तव्य

वित्त, संसदीय कार्य, चिकित्सा शिक्षा मंत्री (श्री सुरेश कुमार खन्ना)-

उत्तर प्रदेश सरकार की खनन नीति नियम-52 'क' के अन्तर्गत 03 माह के लिए किसानों को ..

नोट-[ ] यह अंश पढ़ा हुआ माना गया।

श्री राकेश प्रताप सिंह-

मान्यवर, वक्तव्य पढ़ा हुआ मान लें।

श्री अध्यक्ष-

ठीक है, वक्तव्य को पढ़ा हुआ मान लेते हैं।

(मुख्य मंत्री का वक्तव्य संसदीय कार्य मंत्री ने दिया, जो पढ़ा हुआ माना गया।)

श्री सुरेश कुमार खन्ना-

[कृषिकीय भूमि पर बाढ़ के कारण जमा बालू, मौरंग, बजरी, बोल्डर या इनमें से कोई भी जो मिली-जुली अवस्था में हो, को हटाकर भूमि को कृषि योग्य बनाने हेतु खनन अनुज्ञा-पत्र की स्वीकृति जारी के शासनादेश जिलाधिकारियों को जिले पर ही प्रदान करने के निर्देश दिये गये हैं।

जनपद बिजनौर व रामपुर जिला अधिकारियों/खनन अधिकारियों द्वारा किसानों से प्राप्त आवेदन-पत्र अक्टूबर माह यानी 4 माह से अधिक लम्बित हैं। आज तक एक भी किसान को अनुज्ञा-पत्र जारी नहीं किया गया है। जबकि किसानों से प्राप्त पत्रों का एक माह में निस्तारण के आदेश दिये गये हैं। शासनदेश का उल्लघंन किया जा रहा है और अवैध खनन कराकर सरकार को राजस्व की करोड़ों रुपये की क्षति पहुंचायी जा रही है। बिजनौर जनपद में वन विभाग से अनापत्ति प्रमाण-पत्र न मिलने के कारण खनन-पत्र न दिये जाने का बहाना बनाया गया है जबकि 52'क' के अन्तर्गत 03 माह के लिये अनुज्ञा-पत्र देने में पर्यावरण मंत्रालय द्वारा जारी अधिसूचना 15 जनवरी, 2016 के परिशिष्ट 9 व (पैरा-7) (i) (ख) बिन्दु संख्या-3 पर कतिपय मामलों में वन विभाग अनापत्ति से छूट प्रदान की गयी है।

वक्तव्य-

उत्तर प्रदेश उपखनिज (परिहार) नियमावली, 1963 के अध्याय-6 के प्राविधानों के अन्तर्गत खनन अनुज्ञा-पत्र हेतु प्राप्त आवेदन-पत्रों को जांचोपरान्त सम्बन्धित जिलाधिकारी द्वारा निस्तारित किया जाता है। वर्तमान में नियमावली, 1963 के नियम-52'क' के अन्तर्गत कृषिकीय भूमि पर बाढ़ से जमा बालू को हटाकर कृषि योग्य बनाये जाने हेतु खनन अनुज्ञा पत्र स्वीकृत किये जाने के प्राविधान हैं।

जनपद बिजनौर में अक्टूबर 2020 तक उक्त नियम-52'क' के अन्तर्गत कुल 39 आवेदन प्राप्त हुये। प्राप्त आवेदन-पत्रों पर वन विभाग और तहसील से आख्या/अनापत्ति मांगी गयी। वन विभाग से किसी आवेदन-पत्र पर अनापत्ति प्राप्त नहीं हुयी है। तहसील से 21 आवेदन-पत्रों पर आख्या प्राप्त हुयी है। प्राप्त आख्या के अनुसार आवेदित भूमि में मौके पर नदी की धारा प्रवाहित होने, भूमि गहरी होने, उपखनिजों की निकासी उपरान्त नदी की धारा का मार्ग परिवर्तित होने, काश्तकारों में विधिक बंटवारा न होने, जांच में मौके पर कृषि कार्य होते

नोट :- [ ] यह अंश पढ़ा हुआ माना गया।

पाये जाने आदि के कारण आवेदन-पत्र अनुमति हेतु उपयुक्त न पाते हुये उन्हें तद्नुसार निस्तारित कर दिया गया है। अनिस्तारित आवेदन-पत्रों के कारण राजस्व की क्षति नहीं हुयी है।

जनपद रामपुर में वर्ष 2019-20 में कृषिकीय निजी भूमि पर बाढ़ के कारण जमा बालू/मौरम को हटाकर भूमि को कृषि योग्य बनाने हेतु नियम-52'क' के अन्तर्गत खनन अनुज्ञा हेतु कोई आवेदन-पत्र प्राप्त नहीं हुआ है।

पर्यावरण, वन एवं जलवायु परिवर्तन मंत्रालय, भारत सरकार की अधिसूचना दिनांक 15-01-2016 के परिशिष्ट-9, बिन्दु-3 में किसानों द्वारा बाढ़ के पश्चात् कृषि भूमि से बालू के जमाव को हटाने हेतु पर्यावरणीय अनापत्ति की अपेक्षा से छूट प्रदान की गयी है। नियम-52'क' के अन्तर्गत प्राप्त आवेदन-पत्रों पर वन विभाग से अनापत्ति प्राप्त किये जाने के सम्बन्ध में छूट प्रदान किये जाने का कोई उल्लेख बिन्दु-3 में नहीं है।

सूचना का बिन्दु-

रामपुर में जिलाधिकारी/खनन अधिकारी द्वारा डी0एस0आर0 संशोधन के लिये पर्यावरण निदेशक, लखनऊ को पत्र भेजकर नियम-52'क' के अनुज्ञा-पत्र जारी करने में अवरोध किया जा रहा है। जबकि प्रदेश के अन्य जनपदों में डी0एस0आर0 का संशोधन जिला स्तर पर ही किया जा रहा है।

वक्तव्य-

भारत सरकार के पर्यावरण, वन और जलवायु परिवर्तन मंत्रालय द्वारा निर्गत अधिसूचना दिनांक 15-01-2016 में जिला सर्वे रिपोर्ट (DSR) बनाये जाने हेतु जिला स्तरीय पर्यावरण समाघात कमेटी को अधिकृत किया गया था। ओ0ए0 सं0-520/2016 विक्रांत तोंगड़ बनाम एम0ओ0ई0एफ0 के प्रकरण में मा0 राष्ट्रीय हरित अधिकरण के आदेश दिनांक 11-12-2018 द्वारा उक्त अधिसूचना दिनांक 15-01-2016 को निरस्त करते हुये नये सिरे से अधिसूचना जारी करने का आदेश पर्यावरण, वन एवं जलवायु परिवर्तन मंत्रालय, भारत सरकार को दिया गया है। मा0 अधिकरण के उक्त आदेश दिनांक 11-12-2018 के अनुक्रम में जिला सर्वे रिपोर्ट सहित पर्यावरण अनापत्ति से सम्बन्धित समस्त कार्य राज्य स्तरीय पर्यावरण समाघात प्राधिकरण (SEIAA) द्वारा किया जा रहा है।

सूचना का बिन्दु-

जनपद बिजनौर में भण्डारण नीति, 2018-19 में भण्डारित किये जाने वाले उपखनिज के बाजार मूल्य का 10 प्रतिशत एवं भण्डारित किये गये खनिज के रायल्टी का 10 प्रतिशत एफ0डी0आर0 जिलाधिकारी के पक्ष में बन्धक करने का प्राविधान है। भण्डारण नीति के उल्लंघन के कारण क्रेशर मालिकों द्वारा अनुचित लाभ उठाया जा रहा है।

वक्तव्य-

प्रदेश में खनिजों के अवैध खनन, परिवहन एवं भण्डारण का निवारण करने की दृष्टि से उ0प्र0 खनिज (अवैध खनन, परिवहन एवं भण्डारण का निवारण) नियमावली, 2018 अधिसूचना दिनांक 20-12-2018 द्वारा निर्गत की गई है। उक्त नियमावली के आधार पर निर्गत शासनादेश दिनांक 31-12-2018 के अनुपालन में जनपद के समस्त स्टोन क्रेशर स्वामियों को उक्त नियमावली के अन्तर्गत लाइसेंस प्राप्त किये जाने हेतु निर्देशित किया गया था, जिसके क्रम में जनपद बिजनौर में 10 स्टोन क्रेशर स्वामियों के पक्ष में नियमानुसार 10 प्रतिशत एफ0डी0आर0 जमा कराये जाने के पश्चात् तत्कालीन जिलाधिकारी द्वारा भण्डारण की अनुज्ञप्ति निर्गत की गयी है। अवशेष 22 स्टोन क्रेशर स्वामियों में से 20 स्टोन क्रेशर स्वामियो द्वारा उक्त भण्डारण नियमावली, 2018 के विरुद्ध मा0 उच्चतम न्यायालय, नई दिल्ली में अपील योजित की गयी है। मा0 उच्चतम न्यायालय द्वारा उक्त के लंबित रहने के दौरान यह आदेश दिये गये हैं कि ''In the meantime, no coercive action be taken against the petitioner (s).'' जिसके अनुक्रम में प्रश्नगत क्रेशर संचालित है। शेष 02 स्टोन क्रेशर स्वामियों द्वारा नई नियमावली के अन्तर्गत भण्डारण अनुज्ञप्ति चाही गयी है, जिन पर तहसील स्तर से जांच प्राप्त होने व पत्रावली की समस्त औपचारिकतायें पूर्ण किये जाने के परीक्षण उपरान्त भण्डारण अनुज्ञप्ति के सम्बन्ध में कार्यवाही की जायेगी।

सूचना का बिन्दु-

जनपद बिजनौर की खान अधिकारी के विरुद्ध शिकायती-पत्र की जांच आदेश के बाद भी शिकायतकर्ताओं से शिकायतों के अभिलेखों की पूछताछ एवं स्थलीय निरीक्षण न कर मुख्यालय पर बैठे मुख्य खान अधिकारी द्वारा स्वतः कार्यालय से असत्य रिपोर्ट भेजी जा रही है।

वक्तव्य-

श्री ओम प्रकाश सिंह पुत्र श्री छोटू सिंह, निवासी तहसील नजीबाबाद के शिकायती-पत्र में उल्लिखित शिकायत एवं डा0 रंजना सिंह, सहायक भू-वैज्ञानिक/खान अधिकारी द्वारा प्रस्तुत स्पष्टीकरण की जांच अपर जिलाधिकारी, (वि0रा0) द्वारा उप जिलाधिकारी, बिजनौर व उप जिलाधिकारी, नजीबाबाद से संयुक्त रूप से कराकर जांच आख्या दिनांक 22-01-2020 को भूतत्व एवं खनिकर्म निदेशालय में उपलब्ध करायी गयी है। उक्त जांच आख्या के अनुसार डा0 रंजना सिंह का गृह जनपद बिजनौर होने के सम्बन्ध में कोई तथ्य नहीं पाया गया। सेवा पुस्तिका में श्रीमती सिंह का निवास स्थान जनपद-सहारनपुर अंकित है। उनके पति की काल रिकार्डिंग एवं अवैध वसूली की वीडियो सम्बन्धी कोई साक्ष्य शिकायतकर्ता द्वारा जांच अधिकारी को प्रस्तुत नहीं किया गया है।

सूचना का बिन्दु-

इस प्रकार श्रावस्ती, बलरामपुर, बहराइच, बांदा, रामपुर, बिजनौर आदि अन्य जनपदों के अधिकारीगण पूरी रात अवैध खनन कराकर अवैध वसूली कर रहे हैं और शासन को करोड़ों

रुपये की राजस्व क्षति पहुंचा रही है। बिना मौके की जांच किये अवैध खनन के लिये किसानों के नियम-52'क' के बड़ी संख्या में आवेदन पत्रों को निरस्त किया जा रहा है। फलतः अवैध खनन को बढ़ावा दिया जा रहा है।

वक्तव्य-

गत वर्ष 2018-19 में कृषि भूमि पर बाढ़ से एकत्रित बालू/मौरंम को हटाये जाने हेतु प्रदेश के विभिन्न जनपदों में 110 खनन अनुज्ञा-पत्र जारी किये गये थे। वर्तमान में मानसून सत्र की समाप्ति के पश्चात बालू/मौरंम के 9 खनन अनुज्ञा-पत्र स्वीकृत किये गये हैं तथा 18 आवेदन-पत्र प्रक्रियाधीन हैं।

जनपद बहराइच-

जिलाधिकारी बहराइच ने अपने पत्र संख्या-135(1)/तीस-खनन/20, दिनांक 15-02-2020 द्वारा अवगत कराया गया है कि नियम-52 'क' के अन्तर्गत जनपद बहराइच में कृषि भूमि पर बाढ़ से जमा बालू को हटाने हेतु कुल 9 आवेदन प्राप्त हुए हैं, जिसमें से 3 में तहसील की आख्या प्राप्त हुई है। इन 3 की जांच कर आवश्यक कार्यवाही करने की प्रक्रिया प्रचलित है। शेष बचे 6 आवेदन जिसमें तहसील की आख्या प्राप्त नहीं हुई है, वांछित आख्या प्राप्त होने के उपरान्त अग्रतर कार्यवाही की जायेगी।

जनपद बलरामपुर-

जिलाधिकारी, बलरामपुर के पत्र संख्या-मेमो/ख0लि0-सूचना/2020, दिनांक 15-02-2020 द्वारा अवगत कराया गया है कि वर्तमान सत्र 2019-20 में वर्षाकालीन सत्र के पश्चात् कोई आवेदन-पत्र नियम-52 'क' के अन्तर्गत प्राप्त नहीं हुये हैं। गत वर्ष में जनपद बलरामपुर में नियम-52'क' के अन्तर्गत कृषिकीय भूमि पर जमा बालू हटाकर कृषि योग्य बनाने हेतु 8 आवेदनकर्ताओं को खनन अनुज्ञा-पत्र स्वीकृत किया गया था।

जनपद श्रावस्ती-

जिलाधिकारी, श्रावस्ती के पत्र संख्या-555/खनन-नियम-51/2020, दिनांक 15-02-2020 द्वारा अवगत कराया गया है कि नियम-52'क' के अन्तर्गत 1 आवेदन-पत्र प्राप्त हुआ है, जो जांच प्रक्रियान्तर्गत है।

जनपद बांदा-

जिलाधिकारी बांदा के पत्र संख्या-4561/खनिज-30 बांदा, दिनांक 17-02-2020 द्वारा अवगत कराया गया है कि वित्तीय वर्ष 2019-20 (माह जनवरी, 2020 तक) में किसानों द्वारा भूमिधरी कृषिकीय भूमि पर बाढ़ के कारण जमा बालू/मौरंम को हटाकर भूमि को कृषि योग्य बनाने हेतु कोई प्रार्थना-पत्र नहीं दिया गया है।

अतिरिक्त कथन-

प्रदेश में अवैध खनन/परिवहन पर अंकुश लगाने हेतु जिलाधिकारी की अध्यक्षता में जनपद स्तर पर 07 सदस्यीय टास्क फोर्स का गठन किया गया है। सम्बन्धित टास्क फोर्स द्वारा अवैध खनन/परिवहन पर प्रभावी नियंत्रण रखा जाता है। प्रदेश में प्रवर्तन कार्य के अन्तर्गत की गयी कार्यवाही का विवरण निम्नवत् है :-

वर्ष	प्रकरणों की संख्या	राजस्व क्षतिपूर्ति के रूप में जमा धनराशि	दर्ज एफ0आई0आर0	दर्ज परिवाद
2017-18	10188	28.73 करोड़	934	2228
2018-19	21752	80.86 करोड़	754	868
2019-20 (माह जनवरी, 2020 तक)	15625	56.12 करोड़	691	1508

जनपद सहारनपुर के अन्तर्गत नगर निगम के कतिपय खसरा नम्बरों में कूड़ा डम्प किये जाने के सम्बन्ध में श्री संजय गर्ग द्वारा नियम-51 के अन्तर्गत दी गयी सूचना पर नगर विकास मंत्री का वक्तव्य

वित्त, संसदीय कार्य, चिकित्सा शिक्षा मंत्री (श्री सुरेश कुमार खन्ना)-

इस सम्बन्ध में अवगत कराना है कि विगत 02 वर्षों से नगर निगम द्वारा वर्णित स्थल पर कूड़ा नहीं डाला जा रहा है।

श्री राकेश प्रताप सिंह-

मान्यवर, वक्तव्य पढ़ा हुआ मान लें।

श्री अध्यक्ष-

ठीक है, वक्तव्य को पढ़ा हुआ मान लेते हैं।

(नगर विकास मंत्री का वक्तव्य संसदीय कार्य मंत्री ने दिया, जो पढ़ा हुआ माना गया।)

श्री सुरेश कुमार खन्ना-

[नगर निगम द्वारा कूड़ा डम्पिंग हेतु बेहट रोड स्थित ग्राम महेश्वरी खुर्द व घुन्ना में लगभग 51 बीघा भूमि क्रय कर ली गयी है, जिस पर नगर निगम द्वारा कूड़ा डम्प किये जाने हेतु वेस्ट टू एनर्जी प्लाण्ट की स्थापना हेतु कार्य योजना तैयार की जा रही है एवं वर्णित स्थल (जोहड) के सौन्दर्यीकरण हेतु नगर निगम द्वारा स्मार्ट सिटी योजनान्तर्गत कार्य योजना तैयार कर ली गयी है।

नोट :-[ ] यह अंश पढ़ा हुआ माना गया।

इसके अतिरिक्त वर्णित स्थल से कूड़ा हटवाते हुए साफ-सफाई करायी जा रही है तथा वर्णित स्थल को समतल कर सौन्दर्यीकरण कार्य करा दिया जायेगा। वर्तमान में वर्णित स्थल पर कोई कूड़ा डम्प नहीं किया जा रहा है।]

श्री संजय गर्ग-

माननीय अध्यक्ष जी, मैं केवल इतना स्पष्टीकरण चाह रहा था कि उच्चतम न्यायालय ने भी हिंचलाल तिवारी जी के केस में यह निर्देश दिया है कि भू-जल के संरक्षण के लिए तालाबों को कहीं भी पाटा नहीं जाना चाहिए और नगर निगम द्वारा वहां कूड़े की डम्पिंग करके न केवल वहां पहाड़ बनाया गया, बल्कि आस-पास के इलाके में उसकी वजह से महामारी फैल रही है। अब यह कहा गया है कि स्मार्ट सिटी योजना के अन्तर्गत कार्य-योजना तैयार कर ली गयी है। मैं आपके माध्यम से केवल यह संरक्षण चाहता हूं कि प्राथमिकता के आधार पर इस काम को करा लिया जाए, अन्यथा कई बार यह रहता है कि पैसे और जगह लग जाते हैं और इस तरह की व्यवस्था न हो पाने के कारण जो गरीब लोग हैं और जो महामारी के शिकार हो रहे हैं। अगर वह इस बात को नहीं बोल पा रहे हैं तो उस बात के लिए कम से कम एक आश्वासन दे दें।

श्री सुरेश कुमार खन्ना-

हम शीघ्रातिशीघ्र इस पर आगे की कार्यवाही करने के निर्देश दिए देते हैं।

श्री संजय गर्ग-

धन्यवाद।

जनपद अयोध्या के अन्तर्गत दिव्यांगजनों के दिव्यांग प्रमाण-पत्र जारी न किये जाने के सम्बन्ध में श्री राम चन्द्र यादव द्वारा नियम-51 के अन्तर्गत दी गयी सूचना पर चिकित्सा एवं स्वास्थ्य मंत्री के वक्तव्य का स्थगन

श्री अध्यक्ष-

मद संख्या-30 स्थगित है।

जनपद गोरखपुर के अन्तर्गत उपरिगामी सेतु का निर्माण कराये जाने के सम्बन्ध में डॉ0 राधा मोहन दास अग्रवाल द्वारा नियम-51 के अन्तर्गत दी गयी सूचना पर लोक निर्माण मंत्री का केवल वक्तव्य

***वित्त, संसदीय कार्य, चिकित्सा शिक्षा मंत्री (श्री सुरेश कुमार खन्ना)-**

जनपद गोरखपुर में नकहा रेलवे स्टेशन के निकट रेलवे सम्पार संख्या-5ए पर रेल उपरिगामी सेतु के निर्माण हेतु ..

---

* वक्ता ने भाषण का पुनर्वीक्षण नहीं किया।

श्री राकेश प्रताप सिंह-

मान्यवर, वक्तव्य पढ़ा हुआ मान लें।

श्री अध्यक्ष-

ठीक है, वक्तव्य को पढ़ा हुआ मान लेते हैं।

(लोक निर्माण मंत्री का केवल वक्तव्य संसदीय कार्य मंत्री ने दिया, जो पढ़ा हुआ माना गया।)

श्री सुरेश कुमार खन्ना-

[प्रारम्भिक आगणन सेतु निगम इकाई, गोरखपुर द्वारा गठित किया गया था, जिसमें सम्मिलित रेलवे भाग के आगणन की दरें रेलवे द्वारा अद्यतन नहीं ली गयी थीं। रेलवे से रेलवे भाग के आगणन को अद्यतन दरों पर गठित कराकर प्राप्त करते हुए प्रश्नगत सेतु के निर्माण हेतु नया आगणन तैयार किया गया है, जिसकी कुल लागत रु0 9078.74 लाख है। प्रश्नगत कार्य की स्वीकृति वित्तीय संसाधनों की उपलब्धता पर निर्भर है।]

जनपद रायबरेली के ऊंचाहार में कतिपय सड़क की मरम्मत/नवनिर्माण कराये जाने के सम्बन्ध में श्री मनोज कुमार पाण्डेय द्वारा नियम-51 के अन्तर्गत दी गयी सूचना पर लोक निर्माण मंत्री का केवल वक्तव्य

वित्त, संसदीय कार्य, चिकित्सा शिक्षा मंत्री (श्री सुरेश कुमार खन्ना)-

विधान सभा क्षेत्र ऊंचाहार जनपद रायबरेली के वि0ख0 जगतपुर में पूरे नकछेद सिंह की चक्की ..

श्री राकेश प्रताप सिंह-

मान्यवर, वक्तव्य पढ़ा हुआ मान लें।

श्री अध्यक्ष-

ठीक है, वक्तव्य को पढ़ा हुआ मान लेते हैं।

(लोक निर्माण मंत्री का केवल वक्तव्य संसदीय कार्य मंत्री ने दिया, जो पढ़ा हुआ माना गया।)

श्री सुरेश कुमार खन्ना-

[से भनावामऊ तक मार्ग, डलमऊ जगतपुर मार्ग (अन्य जिला मार्ग) के किमी0 23 से बायीं ओर निकलता है। मार्ग की लम्बाई 0.750 किमी0 है। वर्तमान में मार्ग का स्वामित्व जिला पंचायत का है, जिसके सम्बन्ध में पृथक से कार्यवाही की जा रही है।

विधान सभा क्षेत्र ऊंचाहार, जनपद रायबरेली के वि0ख0 जगतपुर में नवाबगंज से उमरी तक मार्ग, लखनऊ-रायबरेली प्रयागराज मार्ग एन0एच0-24बी के किमी0-98 से बायें

नोट :-[ ] यह अंश पढ़ा हुआ माना गया।

नवाबगंज से निकलकर उमरी ग्राम तक जाता है। मार्ग की कुल लम्बाई 6.00 किमी0 है। मार्ग पर कुछ पैच उत्पन्न हो गये हैं, जिनकी मरम्मत का कार्य प्रगति पर है। उक्त कार्य 29-02-2020 तक पूर्ण होना लक्षित है।

विधान सभा क्षेत्र ऊंचाहार, जनपद रायबरेली के वि0ख0 जगतपुर में दौलतपुर से उड़वा लेपित मार्ग है। मार्ग की लम्बाई 3.00 किमी0 है एवं लेपित सतह की चौड़ाई 3.00 मी0 है। मार्ग पर कुछ पैच उत्पन्न हो गये हैं, जिनकी मरम्मत का कार्य प्रगति पर है। उक्त कार्य 24-02-2020 तक पूर्ण होना लक्षित है।]

डॉ0 राम मनोहर लोहिया संस्थान, गोमतीनगर द्वारा एम0सी0आई के नियमानुसार कतिपय पदों पर नियुक्ति कराये जाने के सम्बन्ध में श्री रवि कुमार सोनकर द्वारा नियम-51 के अन्तर्गत दी गयी सूचना पर चिकित्सा शिक्षा मंत्री का केवल वक्तव्य

वित्त, संसदीय कार्य, चिकित्सा शिक्षा मंत्री (श्री सुरेश कुमार खन्ना)-

मा0 सदस्य द्वारा दी गयी सूचना के सम्बन्ध में अवगत कराना है कि डा0 राम मनोहर लोहिया आयुर्विज्ञान संस्थान, लखनऊ के संचालन हेतु ...

श्री राकेश प्रताप सिंह-

मान्यवर, वक्तव्य पढ़ा हुआ मान लें।

श्री अध्यक्ष-

ठीक है, वक्तव्य को पढ़ा हुआ मान लेते हैं।

(चिकित्सा शिक्षा मंत्री का केवल वक्तव्य संसदीय कार्य मंत्री ने दिया, जो पढ़ा हुआ माना गया।)

श्री सुरेश कुमार खन्ना-

[डॉ0 राम मनोहर लोहिया आयुर्विज्ञान संस्थान अधिनियम, 2015 (उत्तर प्रदेश अधिनियम संख्या-41 सन् 2018) दिनांक 12 सितम्बर, 2018 को प्रख्यापित किया गया है। उक्त अधिनियम की धारा-34(2) के अनुसार ''इस अधिनियम के अधीन प्रथम विनियमावली राज्य सरकार द्वारा अधिसूचना के माध्यम से बनायी जायेगी :

परन्तु यह कि जब तक उक्तवत् विनियमावली नहीं बना ली जाती, तब तक इस अधिनियम के प्रारम्भ के पूर्व प्रभावी सोसायटी की उपविधियां, साथ ही ऐसे मामलों में जहां तक उपविधियां मूक हैं, वहां संजय गांधी स्नातकोत्तर आयुर्विज्ञान संस्थान, लखनऊ की विनियमावली आवश्यक परिवर्तनों के साथ संस्थान पर उस सीमा तक प्रभावी रहेंगे, जहां तक वे इस अधिनियम के प्रावधानों से असंगत न हों।''

नोट :-[ ] यह अंश पढ़ा हुआ माना गया।

3-संस्थान द्वारा अभी तक अपनी विनियमावली नहीं बनायी गयी है। अतएव संस्थान अधिनियम, 2015 की धारा-34(2) के प्राविधान के अनुसार संस्थान के संकाय सदस्यों की नियुक्ति सोसायटी की उपविधियों (बायलाज) एवं संजय गांधी स्नातकोत्तर आयुर्विज्ञान संस्थान, लखनऊ की प्रथम विनियमावली, 2011 के अधीन किया जाता है। संस्थान के बायलाज के नियम-33(1) के अनुसार संस्थान के समस्त कार्मिकों की सेवा शर्तें समय-समय पर एस0जी0पी0जी0आई0 की भांति निर्धारित किये जाने के प्रावधान हैं।

4-इस प्रकार संस्थान द्वारा संजय गांधी स्नातकोत्तर आयुर्विज्ञान संस्थान, लखनऊ की विनियमावली, 2011 के अनुसार संकाय सदस्यों के पद पर नियुक्ति एवं वेतन-भत्तों के सम्बन्ध में कार्यवाही की जा रही है।]

जनपद फिरोजाबाद के अन्तर्गत पेयजल की समुचित व्यवस्था हेतु नारखी ग्राम समूह पाइप पेयजल योजना का प्रारम्भ सुनिश्चित कराये जाने के सम्बन्ध में श्री मनीष असीजा द्वारा नियम-51 के अन्तर्गत दी गई सूचना पर जल शक्ति मंत्री का केवल वक्तव्य

वित्त, संसदीय कार्य, चिकित्सा शिक्षा मंत्री (श्री सुरेश कुमार खन्ना)-

अवगत कराना है कि भारत सरकार द्वारा शुद्ध पेयजल की सुविधा उपलब्ध कराये जाने हेतु ....

श्री राकेश प्रताप सिंह-

मान्यवर, वक्तव्य पढ़ा हुआ मान लें।

श्री अध्यक्ष-

ठीक है, वक्तव्य को पढ़ा हुआ मान लेते हैं।

(जल शक्ति मंत्री का केवल वक्तव्य संसदीय कार्य मंत्री ने दिया, जो पढ़ा हुआ माना गया।)

श्री सुरेश कुमार खन्ना-

[''जल जीवन मिशन'' लागू किया गया है, जिसकी मार्ग-निर्देशिका भी निर्गत कर दी गयी है। प्रदेश सरकार द्वारा इसे अंगीकृत करते हुए तद्नुसार कार्यवाही किये जाने के निर्देश प्रसारित किये गये हैं। ''जल जीवन मिशन'' के अन्तर्गत प्रदेश के आर्सेनिक तथा फ्लोराइड प्रभावित क्षेत्रों में ए0आर0यू0 एवं एफ0आर0यू0 लगाये जाने की कार्यवाही भी प्राथमिकता के आधार पर करायी जानी है। जनपद फिरोजाबाद के उक्त उल्लिखित क्षेत्रों के आर्सेनिक/फ्लोराइड प्रभावित क्षेत्रों में भी ''जल जीवन मिशन'' के अन्तर्गत शुद्ध पेयजल की सुविधा उपलब्ध कराये जाने हेतु अग्रेतर कार्यवाही की जा रही है। इसी अनुक्रम में भारत सरकार के दिशा-निर्देशों के अनुसार ग्राम पंचायत कार्य योजना, जिला कार्य योजना के निर्माण हेतु निर्देश दिये गये हैं।]

नोट :-[ ] यह अंश पढ़ा हुआ माना गया।

जनपद जौनपुर के थाना सुजानगंज के अन्तर्गत ग्राम सभा तुन्दहा निवासिनी बालिका को अगवा किये जाने के सम्बन्ध में श्रीमती सुषमा पटेल द्वारा नियम-51 के अन्तर्गत दी गई सूचना पर मुख्य मंत्री का केवल वक्तव्य

वित्त, संसदीय कार्य, चिकित्सा शिक्षा मंत्री (श्री सुरेश कुमार खन्ना)-

उत्तर प्रदेश विधान सभा की प्रक्रिया एवं कार्य-संचालन नियमावली के नियम-51 के अन्तर्गत ....

श्री राकेश प्रताप सिंह-

मान्यवर, वक्तव्य पढ़ा हुआ मान लें।

श्री अध्यक्ष-

ठीक है, वक्तव्य को पढ़ा हुआ मान लेते हैं।

(मुख्य मंत्री का केवल वक्तव्य संसदीय कार्य मंत्री ने दिया, जो पढ़ा हुआ माना गया।)

श्री सुरेश कुमार खन्ना-

दिनांक 14-02-2020 को दी गयी सूचना पर पुलिस अधीक्षक, जौनपुर से आख्या प्राप्त की गयी।

2-प्राप्त आख्या में अवगत कराया गया है कि वादिनी कुमारी रेशमा पुत्री भोलानाथ सरोज, ग्राम कुन्दहा, थाना सुजानगंज, जनपद जौनपुर में लिखित प्रार्थना पत्र देकर मु0अ0सं0-06/2020 धारा-323/366 भादवि दिनांक 18-01-2020 को समय 13:49 बजे थाना सुजानगंज पर बनाम अज्ञात दो व्यक्ति पंजीकृत कराया गया है। वादिनी ने अपने लिखित तहरीर में अंकित किया है कि दिनांक 17-01-2020 को प्रार्थिनी रात्रि को समय 09:00 बजे शौच के लिए गयी थी। वहां पर दो अज्ञात व्यक्ति आकर प्रार्थिनी का मुंह पकड़ लिये। उसकी मां का मुंह दबाकर गड्ढे में ढकेल दिया और मारा भी, प्रार्थिनी रेशमा के मुंह पर कपड़ा डालकर उठा ले गये। प्रार्थिनी बेहोशी की हालत में थी, जिससे प्रार्थिनी को कुछ पता नहीं चल पाया कि वे लोग कहां ले गये। जब प्रार्थिनी को होश आया तो वह डिग्री कालेज के नहर के पास थी। वहां कुछ लोग शौच के लिए गये थे तो देखा तो एक दूसरे से सम्पर्क करके प्रार्थिनी के घर वालों को पता चला और वह प्रार्थिनी को लेकर आये। उसके साथ कोई शारीरिक कृत्य नहीं हुआ है।

उक्त सूचना पर अभियोग पंजीकृत कर पीड़िता रेशमा व उसकी माता कमला देवी को मेडिकल परीक्षण हेतु दिनांक 18-01-2020 को समय 15:45 बजे सी0एच0सी0, सुजानगंज पर भेजा गया। तत्पश्चात् पीड़िता की मां का कथन दिनांक 19-01-2020 को अंकित कर घटना स्थल का निरीक्षण तत्कालीन उप निरीक्षक चन्दन कुमार द्वारा किया गया। दिनांक 20-01-2020 को पीड़िता का धारा-161 दं0प्र0सं0 का कथन महिला उप निरीक्षक सरिता यादव द्वारा कोतवाली रिपोर्टिंग चौकी सदर, जौनपुर अंकित किया गया तथा दिनांक 20-01-2020 को पीड़िता रेशमा का मेडिकल परीक्षण जिला महिला अस्पताल, जौनपुर में कराया गया है। उम्र परीक्षण रिपोर्ट से पीड़िता की उम्र 18 वर्ष पायी गयी है। पीड़िता की शिक्षा प्रमाण-पत्र के अनुसार धारा-161 दं0प्र0सं0 बयान के अनुसार जन्मतिथि 06-07-2004 पायी गयी, जिसके आधार पर अभियोग में धारा-363/376 भादवि व 3/4 पाक्सो एक्ट की बढ़ोत्तरी कर विवेचना थानाध्यक्ष श्री उदय प्रताप सिंह द्वारा ग्रहण की गयी है। पीड़िता रेशमा की धारा-164 दं0प्र0सं0 का कथन दिनांक 23-01-2020 को न्यायालय में कराया गया, जिसमें पीड़िता द्वारा अंकित किया गया है कि मैं ग्यारहवीं की छात्रा हूं। मैं एक लड़के से फोन पर बात करती थी। उससे शादी करना चाहती थी। उसका नाम बीरू है। दिनांक 17-01-2020 को रात 08:00 बजे के करीब मैं बीरू के घर वालों से मिलने उसके घर गयी थी, रात ज्यादा हो गयी तो मैं वहीं रुक गयी। रात में मेरी मम्मी ने मुझे घर में नहीं देखा तो मुझे ढूंढने लगी। सुबह 10:30 बजे पंकज सर व लाला सर मुझे ढूंढते हुए बीरू के घर आये। घर वालों की बेइज्जती की बात सोचकर मैंने मुकदमा लिखा दिया है। मुकदमें में जो लिखा गया है, वह सच नहीं है। मेरे साथ किसी ने कोई जोर जबरदस्ती नहीं की, न ही कोई मुझे मेरी मर्जी के खिलाफ कहीं ले गया। किसी ने मुझे मारा-पीटा भी नहीं है। मैं अपनी मर्जी से बीरू के घर गयी थी। पीड़िता जनता इण्टर कालेज, जगनीपुर, जनपद प्रतापगढ़ में कक्षा 11 में पढ़ती है। विद्यालय के अध्यापक ब्रम्हदत्त तिवारी उर्फ पंकज पुत्र कृपाशंकर निवासी कुन्दहा थाना सुजानगंज, जौनपुर व पीड़िता के परिचित बीरू पुत्र कल्लू हरिजन निवासी गुआवा बटखार, थाना सुजानगंज, जौनपुर से पूछताछ की गयी तो उन्होंने बताया कि पीड़िता स्वयं 17-01-2020 को रात्रि 08:00 बजे अपने घर से बीरू के घर आयी थी। जानकारी होने पर उसे दिनांक 18-01-2020 को सुरक्षित उसके घर पहुंचा दिया गया था। दिनांक 24-01-2020 को महिला चिकित्साधिकारी खुशबू सिंह, जिला चिकित्सालय, जौनपुर द्वारा दिये गये अपने पूरक रिपोर्ट में अंकित किया गया है कि Vaginal Smear on Microscopic Examination Dead or Alive Spermatozoa are not seen इस प्रकार पीड़िता के धारा-164 दं0प्र0सं0 के कथन में स्वयं बीरू के घर जाना व किसी प्रकार कोई जबरदस्ती कृत्य किया जाना नहीं बताया गया तथा पीड़िता के Vaginal Smear के

परीक्षण से कोई Dead or Alive Spermatozoa नहीं पाया गया। कोई साक्ष्य न पाये जाने के कारण विवेचना जरिये अंतिम रिपोर्ट समाप्त कर दी गयी है।]

श्री अध्यक्ष-

सारे वक्तव्य हो गए हैं। अब हम कल 11:00 बजे तक के लिए उठते हैं।

(इसके बाद सदन का उपवेशन सायं 07 बजकर 19 मिनट पर अगले दिन के 11 बजे तक के लिये स्थगित हो गया।)

लखनऊ :
दिनांक 18 फरवरी, 2020

प्रदीप कुमार दुबे,
प्रमुख सचिव,
विधान सभा, उत्तर प्रदेश।

पी0एस0यू0पी0-एल0-75 विधान सभा (110)-02-08-2021-631 प्रतियां (कम्प्यूटर/आफसेट)।